| | | | | | তমলুক। | | | The same | |
|---------------------|--|---|----------------|-----------|----------|----------------|-------------|----------------|--------------|
| , নারারণপুর | | | ••• | ••• | 2582 | 1.2 | | | 88,464/ |
| A | E. | | | | >>60 | | | 8 | 00,585/ |
| बे | | *** | | | 2562 | | 000 | 8 | ७०,७७४/ |
| ক্রোটী | .,, | *** | 99- 110 | ••• | " | | -same | 00 00 13 | 5511011 |
| | | | | 同日德 | | | | | |
| | | | | | ৪ পরগনা। | | | | |
| नाताम् १ शून | O'LD A DEATH A PARK TO THE OWN | | | | 2584 | | | Conting of the | 541 |
| 3 | ď | 4. | | *** | 2582 | The section | | | 2,269/ |
| 3 | ने ने | DE SEN | | No. | 25.62 | | | STATE OF THE | 28,29110 |
| E + | ভফাল | • | | | 2584 | | | | 02,500 10 |
| E E | <u>ब</u> | 发展了800 00 | | | 2582 | • | | AND THE STREET | 2,55211° |
| Ē | Ē | | | | 2560 | | | | ,55,525/ |
| বেঁওতা | | A PART OF | | | 2584 | | | | 265110 |
| ्रे ह | | | E STATE OF THE | | 2582 | | | | 5,599/8 |
| e e | | | 1124.75. | | 2560 | | | 4.55 | 0,200110 |
| এযুত প্রিদ | লপ সাহেবে | न सम्बद्धाः व सम्बद्धाः | পুর ১ রকম | | 2582 | | | *** | 995/ |
| वार्वे ३ । जात | जे नाट्य | | J# = # ## | - Reside | 2560 | | | | b,864/ |
| Ē | è | 100 7 · · | 70.00 | | 2560 | 100 | **** | *** | b.694/ |
| 3 | · d | • | | | 2562 | | Columbia | | 1000,66 |
| বালিয়া ঘা ট | Mary Additional Property of the Party | | | | 2560 | | | Name of | 242/ |
| ডাইমণ্ড হার্ | | | | 34512 | | 11 a 5 3 a a a | A 1274 | | 20,585/ |
| जारमञ्जा | हे है | 10 | | ••• | >362 | *** | | | 2,000/ |
| হাগুণী | ••• | | | | >>000 | - | *** | | 9,2.2/ |
| वाववा | | | *** | *** | | | | | 37.1 |
| | | | | | চউগ্রাম। | | | | |
| পদর ঘাট | 5 C | da | LONGET I | | 2560 | Lane | | | 3,66,069/ |
| E | 本 生 | Mail 4 | ansature s | 2000 | 2562 | | denning in | 41.6 | 3,258/ |
| আরাকেন | | | *** | 1.11 | 24881 | | | 10/4 | 0,52,00810 |
| ক্ৰোকী পা | BEING KONTON TO THE TOTAL | | 1000 | er Land | 2845 | .,, | | | 13 |
| | | | | | শালিখা। | district. | | | |
| মান্দ্রাজ প | র্ষিট | | le en | | 28851 | 80 | 70.00 | | 2,82,050/2 |
| E E | À | | *** | | 25801 | | | | 9,22,589110 |
| B | À | ••• | ••• | .,, | 24881 | 8¢ | | | 0,85,550110 |
| ক্রোকী কর | (T) | | | | 23 | | | , | zone |
| E. | | | | | 22861 | 85 | | | 212 MJ |
| E | रेमऋव | | | *** | 18844 | 80 | *** | 4-51. | 9/511 |
| কটক পায় | | 100 July 1 | 2000年 | 到的情 | 2582 | ar sym | | | 8,9 . 811 . |
| E. | · A | .,, | # 15.4 P | 100 Jan 2 | 2560 | , | 一只要 | 100.100 | 2,82,08540 |
| থোরদা হ | भावन | | | | 2584 | | ••• | | 99,08849 |
| . d | | | | | 2582 | | | - 1 | 20,02016 |
| ब | B | | · · · | | 2560 | | | | 2,00,285/ |
| বালেশ্বর গ | भावमा | | | *** | 2582 | | | *** | 3,98,32 · 42 |
| E . | B | | | | 2560 | is 1 | | | 8,29,780/ |
| à | Committee of the Commit | | | | 5365 | | ••• | | 5,02,022/ |
| ক্ৰোকী প | | *** | · | | >>881 | 86 | *** | .,, | 1 41862 |
| ž. | E | 13/200 | | ,,,, | 22861 | 85 | | | 2 4211 |
| | | | | | | | | | |

বিমৌজির তুকুম সাহেবান আলিশান বোর্ড পরমিট নেমক ও আফিম ইতি সন ১৮৪৫ সাল তারিখ ২৪ জুন। বিশেষ বিজ্ঞাপন।

যে নেমক নিশ্চিতরূপে মৌজুদ থাকিবেক তাহার হর তারিথের বাকীজায়ের ফর্দ ইন্সরেজী ও বাললা ভাষার এই বার্ডের দপ্তর্থানায় যাঁহার ইল্ছা দেখিতে পাইবেন ঐ ফর্দ নর্জ সাধারণের দৃষ্টির নিমিত্তে প্রযুত দেক্রেটারী সাহেবের দস্তথতে প্রকাশিত হানে রাখা গিয়াছে ইতি।

क्र वेद्रम। म्हिक्वारी।

LAND ADVERTISEMENTS. ইহার ছারা সয়াদ দেওয়া ঘাইডেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ ধারানুসারে জিলা বলুআর নীচের লিখিড মহাল মালগুজারীর বাকী আাদারের কারণ বর্ষনা স্থুন মাসের ২৩ ভারিথ নোমবারে ঐ জিলার কালেক্টরী কাছানি

| महारम् स्थात् ह | জিলার জ্ব্যা ওয়াদীল বাকীর বহীতে মহালের নমূর | | লিখিত মালিক | मन्द्र क्या | বাঙ্গলা ১২৫১ সনের চৈত্র মাসের ৩০ ভারিখে বাকী পাওমা | ্ মন্তব্য কথা |
|--------------------------------------|--|---|--|--|--|------------------|
| हेन्द्रमहाही क्षणा थार्था इस महाल | 043 | ठालुक द्रामझीदम साम न देवकुर्कनूदह हैं। १० जाना। द्रामझीदन साम | ্বামজীবন দাস | C II A | <u>@</u> | |
| | | डालूक द्रखेविद्रिम बाह्युक्तीम भूकाकि ना खालो भैं। अभूदादातम्द हिः॥४५०।- | আমীর উদ্দীন মহশ্রাদ | १७५७ | 8695 | |
| | 24.0 | ভালুক কাজমণি ব্ৰাক্ষণ পণ, ঐ হিঃ ঐ। | কুলিদাস যিত্র | , M/8 | 8/4 | |
| | 6.45¢ | ভালুক মহমাদ রাজা প্ ঐ হিঃ ।/ ৬॥= | मानू शास्त्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था | ************************************** | ° CIIZ | |
| CHORENT SE | | | | | হাঙ্গলা ১২৫১ সনের প্রাবণ মাসের ৩০ ভারি- থে হাজী পাঙ্গা | |
| | 840 | ভালুক কৃষ্ণরামপুর পণ ঐ ছিঃ ॥১১৩। – | ভোলানাথ পাল ও রাম হরি দে এবং কৃষ্ণভান্ত | | , | |

Bullooak Collectorate, 26th May, 1845.

J. WHELER, Deputy. Collecto

১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ ধারানুসারে ইহার ধারা সমূদ দেওয়া মাইতেছে যে নীচের লিখিভ ভারিখে জিলা যনোহরের নীচের লিখিত মহালের বে রাজ্য বাকী পড়ে ভাহার এবং অন্যান্ন যে দাওয়া চলিত আহিনজনে মালগুলার বাকীর নাল অনুমূল্য কিন্তুল কাছারীতে বিনাওলকে নীলামে ধরা ঘাইবেক छ निडाख विक्स श्रेटवक।

| মন্তব্য কথা। | সমূলয় গহাল নীলাম ছইতেক। এই বাকী মাতি মানের.১৩ ভারিখ মোগানেক ১ টৈচ- এই মহাল ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ১৬ ধা রানুলারে পুমনীলাম ছইবেক। এ ুন্ধী চিক্লিপার্ক লালেক্ট্র মাহেবের জকুমক্রমে কালীনাথ রায় ও হৈকুণ্ডনাথ রায় ও স্থুরনাথ রায় ও | গ্ৰা খ্ৰুম্প আয়ানপুরের হজার। হুহুগাছল ভাহার জ্যার বাজীর নিমিন্তে এই পর্গনার উক্ত চৌধুরীরদের। চারি আনা হিসারে নীলামের ইশ্ভিহার হুইন্ডেছে এ বাজী ১৮৪৫ গালের মে মালের শেষপ্যান্ত পাওনা আছে এবং ১৮৪৫ গালের ১ আইনের ৫ ধারার হুকুম ক্মে ভাছার এভেলা রাভিমতে দেওলা ঘাইত্তেছে। |
|---|--|---|
| ১২ আঘাচ ভারিথে কি ১৮৪৫ সালের ১৪ জুন ভারিথে কিয়া মন্তব্য ক থার ঘরে বে ভারিথ নি শিষ্ট হয় নেই ভারিখে যত হাজী। | 2 | 1 6/1 664es |
| म | 23 19'B 23 19'B 36 16'A'B | 8 8 4 |
| লিখিত মালিক | পাঞ্চানম বসুরাম্বাথ বেঘাব | কৃষ্ডনাথ রায় এবং প্রি রনাথ রায় চৌধুরী ওং |
| মহালের মাম | কিং মক্রামপুর পং মহম্মদ শা পাঞ্চানন বসু বিং প্রক্ষপুর ভগপা বিনোদ রাম্বজন নশা রামনাথ পুর পাং কদেন নগর বিধাব প্রচন্দ্র মার্লক প্রচন্দ্র মার্লক কালীনাথ রায় বৈবুণ্ঠ পং রামচন্দ্রপুর কালীনাথ রায় বৈবুণ্ঠ নাথ রায় মথবনাথ | २ छनाहै। |
| জিলার ভৌজি তে মহালের নহর | 88 2 82 | नाम ब्रह्मद हिं |
| महारज्ञ त्वनी | हेरुप्तराही क्या थारी हेरुप्ता जूबि हेरुपा जूबि हेरुपा स्थाप मा हेरुपा यहाल द को द निविद्ध दिक्य हहेरदक | জিলা যশোহর কালেক্ট্রী কাছারী ১৮৪৫ সাল ২ জুলাই |
| (ख्रणीत मध्द | ~ ~ ~ ~ ~ | जिला यट |

(000)

S. WAUCHOPE, Offg. Collector.

Hooghly Collectorate, 1st July, 1845.

| in the same manner as | Remarks. | | This property belong- | ing to Kistanundo Ghut- tuck who is the surety of a defaulter is to be sold under the provisions of Section 5, of Act I. of | 1849, the usual notinea- tion having been already issued. | |
|--|---|---|-----------------------|--|--|--|
| rected to be realized | Balance due on the 28th June 1845. | Chyet. 1251 B. S. 22 9 9 From By- sack to Justee. 1252 B. S. 51 3 4 | 5 73 13 1 | For the year. 1251 B. S. 127 ", " | | |
| Acts in force, are di | Sudder Juma, | 574 11 4 Chackran. 9 8 1 | 584 3 6 | * # | ê | |
| e Regulations and A | Recorded proprie- tor, | Toykisto and Raj- kisto Mookerjea, | | Kistanundo Ghut- tuck, | Ď, | |
| District on Tuesday the 22d day of July 1845, for arrears of Revenue and other demands which, by the Regulations and Acts in force, are directed to be realized in the same manner as a Revenue due on the 28th June 1845. | * Name of Mehal. | Kistrambattee, and Jote Harra-Joykisto and Raj- nund, kisto Mookerjea, | | 1 Beegah 5 Cottahs, or 8 Annas Kistanundo Ghut- Share of alleged Lakheraj land, comprised in a Tank called Ka- mar, situated in Mouzah Gober- | harra, Pergunnah Boorshoot. 3 Beegahs 5 Cottahs, being a component part of 6 Beegahs 10 Cottahs of land situated in the above Mouzah and Pergunnah. | |
| for arrears of Reve | No. of the Mehal on the District Rent Roll or Register. | 204 | | | | |
| that District on Tuesday the 22d day of July 1845, for arrears of Revenue and arrears of Revenue and arrears of Revenue due on the 28th June 1845. | Cass of Mehal. | Mehals permanently settled, | | Estates to be sold for arrears due on account of other Estates, | | |
| arrears of Reve | No. of Class. | - | | • | | |

छशमीद करिमक्षेत्री। ३४४६। ३ खुलाइ

| শ্রেণির নয়র | মহালের শ্রেণি | জেলার ভৌজিতে মহালের নমূর | ग्रहात्लद्ध नाम | মহালের লিখিত মালিক | সদর জমা | त्य मतमह ७ त्य . मात्मह दाकी | মন্ত্ৰহ্য কথা |
|--------------|---|-----------------------------|--|--|------------|--|--|
| Fe | ইন্তুমরারি জমাধার্য হওয়া মহাল | % 8 % % | কিং কৃষ্ণ্যাযাটী ও জোড হার্নিদ | ভয়কৃন্দ্ধ মুখোপাধ্যার ও রাজকৃন্ধ মুখোপাধ্যার | 8 48 114/8 | সন ১২৫১ মালের মাহ চৈত্রের বাকী ২২॥/৯ | চৈত্ৰের বাকী ১১এর বাকী ২২॥/১ সম ১১০১ মাদলম ইংথামি মাহলাম বাদলকাপী নদীমা |
| | | | | | CI R | देवाच जाद देशक देवाच लाद देशक १२४८ | প্রায় চাত্রান বাজেআতা নবান প্রভাপতিপুরের ইজার্দার প্রভা- পচন্দ্র মুখোগাধ্যায়ের স্থানে হাজী |
| | | | | | 2/842 | 901/3 | शामाथ काइन ज्ञापनमात कृत्यानम |
| ir co | ্জ্ন্য মহালের বাবতে পাওনা বাকী মালগুলারীর নিমিল্ডে বে মহাল নীলাম হয় তাহা | | পং ভুর্দিট মৌডেল গোবরহাঁড়া এজহারী লাথেরাজ কুমারপুষ্ক রিণীর হিস্যা রক্ম । তুমানার কাত আন্দালী ১। তুমানা | মড়া স্বরু মার্ ক্রানন্দ্ ঘটক | /9 | , ১২৫১ माम्बद्ध शांख मादाकी ১२९ | হাইডেছে ও ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৫ খার্নুসারে এলে- মাহাকী পাঙলামা জারিহুইরাছে। ১২৭১ |
| | | | | | | | |
| | প্রসালা মতিলাল মুহুরী | | ঐ গ্রামের উত্তর মাঠে ব্রক্ষোক্তর ৬।০ বিঘার মধ্যে ও। বিঘা | : : : | 4 | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |

440

NOTICE is hereby given, under Section VI. Act No. 1 of 1845, that the undermentioned Estates in Zillah Pubna, will be put to public and unreserved sale at the Deputy-Collector's Office of that District on Friday the 25th day of July 1845, for arrears of Revenue and other Demands, which, by the Regulations and Acts in force, are directed to be realized in the same manner as arrears of revenue due on the 31st day of May 1845.

| No. of Class. | Class of Mehal. | No. of the Mehal on the District Rent Name of Mehal, Roll or Register. | Name of Mehal, | Recorded Proprietors. Sudder | Sudder Jumma. the 31st day of May 1845. | Balance due on the 31st day of May 1845. | Remarks, |
|---------------|---|--|-----------------|--|---|--|--|
| IV. | Estate to be sold for arrears due on account of other Estates, | 140 | Turuff Koorsah. | Colleenauth Raie, Bycuntnauth Raie, Motooranauth Raie, Hurree- nauth Raie, Kessennauth Raie, and Preconauth Raie. | 32. Lv3 | 29867 7 7 | Such rights and Interests as Raie Bycuntnauth Chowdry, Motooranauth Chowdry, Raie 29867 7 7 Kessennauth Chowdry, possess in this estate. |
| Pubna | Pubna Demuty-Collectorate, 2d July, 1845. | | | THE RESERVE AND ASSESSMENT OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO PERSONS ASSESSMENT OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO PERSONS ASSESSMENT OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO PERSONS ASSESSMENT OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO PERSON NAMED IN COLUMN TRANSPORT NAMED IN COLUMN TWO PERSON NAMED IN CO | | G. C. FLETCHER | G. C. FLETCHER, Offg. Deputy-Collector. |

দে দাওল চলিত আইনজন্ম বাকী মালউজারীর ন্যায় আদায় করণের হুতুম আছে তাহার নিমিতে সন ১৮৪৫ দালের ২৫ জুলাই উজ্বার ডেপুনী কালেক্টর দাহেবের কাছারীতে বিনাওজরে নীলামে ধরা ঘাইবেক দ্দ ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ গ্রানুসারে দংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে জেলা পানেনার নীচের লিখিত মহাল দন ১৮৪৫ সালের ৩১ মেইপর্যন্ত পাওনা বাকী মালওজারির নিমিত্তে এবং মথাঝ अदर मिडाञ्च विकास श्रोटिक।

| ঘন্তব্য কথা | हेक श्रशालत शर्या हाम्र देवकूक्षमाथ छोषूती श्रशामाथ तम् छिषुती दान्न कृष्यमाथ छोषुति छ धिम्नाथ छोषुदित हैशहमादत्त त्य श्रिम् आह्य। |
|--|---|
| সন ১৮৪৫ সালের ইং জানুআরি লাং মেইর পাওনা বাকী | 6/1 boae 2 |
| म सम्ब | . 88 |
| মহালের্ লিখিড মালিক | কালীনাথ বায় হৈবুজুলাথ বায় ম খুরানাথ বায় হবিনাথ বায় কৃষ্ণ নাথ বায় প্রিয়নাথ বায় |
| মহাজের নাম | 18 5.5 S |
| জেলার ভৌজিতে মহালের নয়র | .84 |
| भ्रहाटलढ़ त्यंभी | জন্য মহালের হাবৎ পাও না বাজী মালপ্তঞারিত নি মিন্ত |
| त्योगोह मध्द | & |

शादमा काहाती छ्यनुष्टी कारमक्तेता। १ स्नाइ मन ३४६६ माल।

जि मि द्युष्टर । अकृषि , द्युष्टी कारमक्षेत्र ।

[शदर्शकारे दशकारे। ১৮৪৫। ৮ जुलारे।]

| ट्यानित नशुद | महारमद् त्यांनी | क्षमाद त्येक्तिङ महात्नद्र मध्द | মহালের নাম | মহালের লিখিত মালিক | मत् स्या | भन ১৮৪৫ माल्लह् ७১ ट्याइेश्यीटखंद शी डना दाड़ी | रिक्षिक्ष |
|--|------------------------------------|------------------------------------|--------------------------------|---------------------------------------|----------|--|-----------|
| * | केंग्रजनानि स्था धार्मा जा इन्स्था | | | | | | |
| | महान | 592 थाम | त्योश डिक्सामि श्र त्मद्रशङ | ड्रायम् विदि | 50/3 | 248 | |
| | /cg | 50,000 | त्योर कुक्कदार्धि श्र मत्नाहत् | त्मन ष्याष्ट्रगड उल्ला ७ करिय उल्ला | | | |
| | | | भाहि | ८ मिथ बागानिमन ६ हालिग्र हन्ना | 240/25 | 240/25 | |
| | 74 | माक 458 | त्योत त्वाइइडिहिमीर वर | | | | |
| | | | সেরগড | পতিত্তপাবন রায় | 30/2 | 443 | |
| | Ag . | GBo with | त्यो रहां वाह्या मि न्य वह्यान | इ।इक्टिशांव शस्त्रमांव | 6/2/0 | 900 | |
| | /aj | Ore | /eg | अंकठ्डन युटबानाशाय | lly@ | 110/6 | |
| THE RESERVE | . 19 | 626 MTH | ठक त्राशाम भ्र भीनामभूत | र्श्वमाद्राय् काक्षाद् | \$ S | e II o | |
| | | | त्योष ठाकममा भ९ त्यवगढ | कार्डिक यसुग्रमांद्र नारालर्श्व | | | |
| | | | | श्राडा श्रिश्डी त्म्रोणमी तमरा। | > 0.5 | 5.0.5 | |
| | Л | 906 थाम | त्यो बाइशासमि नर | माध्द्राय दाय मीलाय अदिमाद | | THE RESERVE THE PERSON NAMED IN | |
| | | | | শ্রীনাথ রায় | 2.4.5 | 2/3 | |
| | 79 | १३३ थाम | त्योर माध्यादा भर भीलाय | | | | |
| | | | भूद | द्राक्षांद्राय स्ट्रोधार्य | 8/4 | 8/4 | |
| | A9 | HIR 644 | মিরহাট পণ্ বামপ্র | र िंड फ्रजन्दर्श | 40 | ż | |
| | /sq | - | व्याशमादीम अर वानिहामि | शक्राध्द मनी | 10/0 | 5/9 | |
| | 4 | Ą | /sj | कामानिष्ठ्य एम अ मरस्या एम | 8 19 18 | 8 19'3 | |
| | 内 | Леј | रेवमार्श्व वर झानीहामि | - आवमूनगू जिम | 5243 | e hs | |
| | / * | /g | हिंद्राम्भूत छ मनीमभूत | | | 9. | |
| | | | न्य दार्शहामि | उत्मावक्ष त्यामानाव | 8/1/8 | 200 | |
| (1) 10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | ∕ 9 | 3.00 ett | माविमश्व अर दाविहामि | छ्मांय श्रक्षायम छड्डाठाष् | 5/01 6 | 2 lb4 | |

| | | ш | | | | | 901 |
|----|---|---|-----|---|----|--|-----|
| N. | W | d | Si. | ò | W) | | W) |
| D. | æ | и | и | ы | ю | | 90 |

| ব নয়ব | মচালের শ্রেণী | क्षताव त्यांकित्य | महारलक्र नाम | মহালের লিখিত মালিক | मार्द स्था | मन ३४४६ मालव | Tofust. |
|--------|---|-------------------|--|--|------------|--|------------------------|
| | | महोटन व मृत् | | | | ७० त्यहेशयाख्द | |
| ~ | ইন্তমহারি জনা ধার্য না ছওরা মহাল | FIN 40.5 | त्मीर मगमगामीर अर दावी हाणि | মদনযোহন কোঙার ও রামনিধি কোঙার ও ঈশরচন্দ্র কোঙার | | 7] 86 A | |
| • | R | | - A 28.50 | ও রজিনারায়ণ কোঙার | 85446 | 53 MJB | |
| | | | द्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वा | | | | |
| | 1 | | Allel | ग्रहाइमा दिवि मी९ | 011/0 | 011/0 | |
| | y | ७० श्रीम | ठमम मड्माइ। १९ मध्नघाड | गष्टलमध्यालि औ | No. | byte. | |
| * | 4 | ३३६ शाम | त्योश्यमम्पूर्णि त्मत्राष् | শীরামকেশ | a v.e. | g Mg | |
| | A | 020 WITH | त्यो९ दिमक्। अ९ त्याद्य | इस्सुम्न ग्रद्धाशास्त्राप्त | 010 | .10 | |
| | P | ०००० थान | त्यीर ठक वहफ़ाममीर न्यर | • | | | |
| | | | श्रदमारह भारी | ग्राध्य ध्रमी | | R | |
| | Ŋ | 35g3 4[74 | त्योर त्माद्य अर भाउरेनका | धल्छमाम अधिकादी | 8/4 | 87 | |
| | /bj | /cg | M | . शिक्षाहीम क्रांत्रवादी | 80/0 | 8/0 | |
| | শ্ব • | 5029 थाम | रिष्ठभूद भार स्महत्रक | দিগয়র চট্টোপাধ্যায় | Shela | Shub | |
| | A | /জ | म्बाशनभूत भार मित्रहाड् | মাণিক মণ্ডল | \$/8 | 3/8 | |
| | 10日本 · 三丁 · 日本 · 三丁 · 三 | | 一年の一年 一年 一年 一日 日本 | | | 4 | क्रहें दाकी मन ३१89 |
| | | | | | | A | मारमा ह वाव 89 |
| | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | 2 | ।/७ छ मन ३२ के |
| 0 | मन होत्तित् जादः कार्याह शुक् | | | | | * | मारकात्र वादव अम्पन |
| | रदमारहत शुक्र शुक्र रदमारहत | | | | | The state of the s | होका अकुटम ३५। । |
| | भानस्थाति (य महात्मत् दाका | 一 大学の大学の大学 | | | | は | मिका राकीत् कात्र |
| | আছে সেই প্রকার মহাল হাকী মালগুজারি যে লগে আ | 2804 | उँचत्रामभूषूत्र भ९ त्यात्रशाङ् | त्रीह्रमाम साड़ा | ংগু48 | 26 No # | नीजाय इहेरदछ। |
| | দায় হয় নেইরণে আদায় কর | | | | | | |
| | পের, দাওয়ার নিমিন্ন হিক্রায় হ | | | の 日本の という のの 一番の こうし | | | |
| | এয়া মহাল | × | श्चिम ही महातानी क्रिडिल क्राडा | | | | |
| | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | हीं व क्षिमाहि कर हा शिवन मि | | | | |
| | | 日本の ないない はいません | क्षत्रमस्य त्कान्मानि ४३६२७२ | が 一日 日本 | | - S | श्रियुक क्षांक्रक्र मा |
| | おいている 日本ののでは、またのでは | | केंद्र मिल् मम् क्यात् यहा | | | 16 | क्रार्य कक्ष्मामान |

| DOM: | | | | |
|----------|-----|----|--|--|
| K.V | | 80 | | |
| Since of | and | Ом | | |

| महरिनंतु त्योभी | জেলার ভৌদ্ধিত মহালের নমূর | श्रद्धात्मृत् नाम | बहाटमह मिथिक गामिक | 对许公 哪五二 | সম ১৮৪৫ সালের ৩১ মেইপর্যাজ্য শান্তরামা হাজী | रिकश्चित |
|---------------------------------|------------------------------|---------------------------------|--|-------------|--|--------------------------|
| वाकी शालधकाती त्मक्राल जा | | লের অন্তঃপাতি পত্নি ভালুক | | | | शकत् घाटवेत् राकीत् |
| माम्र इत्र त्मकेत्रान स्वातात्र | | नाहे उनामश्र भर मध्ना | | | | कार्व मीलाप्र व्हें |
| कहराश्व मारुवाई निविष्ठ दिक्स | | ্ . | हित्रहत्न मस | 249 | 8/1424 | الاها |
| ह सुग्ना ग्रहान | 5.4 | ज्यमुक वमद उल्लामिशद्द् क्य | | | | |
| | | मादि कार्याक्रवायाम भद्रामात् | | | | |
| | | माहाशूद्र क्षाव्दह् त्कार | | | | |
| | | ७७७३/३० होका मम्द्र अधाद | | | | |
| | | यहारलद काखःशाडि आउनाहि | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | |
| | | शास्य लक्षमत्रमादत्त् रामित् भ | | | | क्षिला नहीं होत् श्रीयूक |
| | | किया सनाउन भाषात दामित | | | | कारमक्षेत्र मारहदर् |
| | | मक्तिश त्लाक्नाथ बात्यत् वामित् | 10 10 多個的事情 超級我 | | | ছকুম প্রমাণ সম |
| | | शर्क वाश्वामाथ ठाकदवव वाष्टिव | | | | ३१८० मारलत् जात |
| | | उन्द अह क्रिक्मी व मध्या समा | | | | काद्रीत वाकीत्र निधि |
| | | मन दामि यान श्राद्द् ॥॰ | | To a second | | त्व क्र मीलात्र हरे |
| | | কাঠা মায় ঘর এক থান | মাণিকচন্দ্র শাহা | १ ॥/० | 6/4/54 | رودا |
| | | | では、 は、 日本のでは、 一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一大の一 | | The state of the s | |

मन ३৮८६ मान अदिब ७० खून (मार ३२६२ मान अदिब ६९ खादाइ।

সন্থাদ দেওরা যাইতেছে যে সন ১৮৪৫ ইং ১ আইনের ৬ ধারানুসারে জিলা মালদহের নীচের লিখিত মহাল জিলা ২৪ চিক্রিশপ্রগনার ক্রোট আফ আডিদের অধীন পং মামুদাখিলপুরের সন হালের লাগাইদ মেইর বাকী রাজর আদার নিমিত্ত সন হালের ২২ জুলাই মোতাবেক সন ১২৫২ সালের ৮ প্রাবণ মঙ্গলবার মালদহ ক্রিয়ুত ডিপুটী কালেক্টর সাহেবের কাছারিতে বিনাওজরে নিলামে ধরা যাইবেক এবং নিতান্ত নীলামে বিক্রর হইবেক ইতি।

| শ্রেণির ৩ নম্বর | 1 SUPPLEMENT OF THE RESERVE OF THE R | জিলার ভৌজি ভে মহালের নমূর | 11AC 11BC 11BC 12BC 18BC 18 | মহালের লিখিত মালিক | मन २৮८९ है९ हे९ जानू आदि जा९ स्मिटेद टाकी | |
|--------------------|--|---------------------------------|-----------------------------|---|--|---|
| 8 | ইপ্তমরারি | PARTICULAR AND PROPERTY OF | রহড় | প্রিয় নাথ রায় ও কালীনাথ রায় ও ইরিনাথ রায় রায় ও ইরিনাথ রায় ও কৃক্তনাথ রায় | | সমাক বিজয় হ- ইবেক আর পূ র্কোক্ত আইনের ৫ ধারানুযায়ি এ- স্তাহার জারি হই- রাছে। |

F. B. KEMP, Depy.-Collector.

সমাদ দেওয়া যাইতেছে যে সন ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ খারানুসারে জিলা মেদিনীপুরের নীচের লিখিত মহালে সন ১৮৪৫ সালের লাগায়েদ ১১ মার্চ পাওনা বাকির নিমিত্তে সন ১৮৪৫ সালের ২৬ জুলাই মতাবক বাজলা সন ১২৫২ সালের ১২ আবেণ মওয়াফকে আমলী সন ১২৫২ সালের ১৩ আবেণ রোজ শনিবার কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজর নীলামে ধরা যাইবেক এবং নিতান্ত বিক্রয় হইবেক ইতি সন ১৮৪৫ সাল ৩ জুলাই সন ১২৫২ সাল ২০ আয়াড় ২১ আয়াড়।

| শ্রণীর নম্বর | মহালের শ্রেণি | জিলার তৈ৷ জির মহালের নমূর | মহালের নাম | মহালের লিথিত মালিক | নদর জ্যা | দন ১৮৪৫ দালের ৩১ ঘার্চ লাগারেদ বাকী |
|--------------|----------------------------|---------------------------------|----------------------|--|----------|--|
| | লাথেরাজ বাজেআথী মহাল | • | বনকাটী প্রথ বগড়ি | মেঃ ওরাটশেন সাহেব প ত্তনিদার তর্ফে শভ্চন্দ্র মুথোপাধ্যার ও জগৎচন্দ্র মুখোপাধ্যার ধ্যার ও মহেশচন্দ্র মুথোপাধ্যার ও হরি শচন্দ্র মুথোপাধ্যার ও শ্রিমত্যা ব্রক্ষমরী জওজে প্রাণচন্দ্র মুথোপাধ্যার | 8.04/2.1 | 228Fh/2*1 |

O. W. MALET, Offg. Collector.

ইন্তাহারনামা কাছারী কালেক্ট্রী জেলা মুরশিবাদ এই যে দন ১৮৪৫ দালের ১ প্রথম আইনের ৩ ধার্
অনুযারি ইন্তমরারি জমা ধার্যাহওয়া ৫০ পঞ্চাশ টাকার অধিক দদর জমার মহালাতের বাকী দাঝিলের শেষ দিবদ
দদর বোর্ডের দাহেবান ২৮ জুন নির্দ্ধারিত করিয়া দন ১৮৪৫ দালের ২২ ফেকুআরির দরকুলের তিঠীর দারা
ভাহার দম্মাদ প্রচার করিয়া ভাহার বিবরণে উক্ত ধারার নিরুপিত স্থান দকলে প্রচার করা যায় অদ্য এ কাছারীর
রাজীলায় দৃষ্টে জানা গেল যে উক্ত দংখ্যার জমার মহালাভ মধ্যে নীচের লিখিত মহালের বাকীদার দন ১২৫২
দালের ইৎ কীস্তি হৈত্র লাগাএদ দন ১২৫২ দালের কিস্তী জ্যোভের বাকী ২৮ জুন দুর্যাস্তপর্যান্ত দাখিল করে নাই মতে
উক্ত আইনের ৬ ধারার মর্মানুযায়ি নীচের লিখিত মহালের নীলামের দিবদ দন ১৮৪৫ দালের ভারিখ ১৯ জুলাই
মোভাবক দন ১২৫২ দালের ভারিখ ৫ আবেণ নির্দ্ধারিত করিয়া ইন্তাহার দেওয়া যাইতেছে যে ঐ বাকীপড়া মুহাল
উক্ত দিবদে যোকাম বহরমপুরের কালেক্টরীর কাছারীতে নীলাম হইবেক যে কেহ খরিদের বাদনা রাখহ আপন২ ডাক সংখ্যার জিশত ২৫১ টাকার হিদাবে ফিনের টাকা দম্বলিত হাজির হইয়া আইনমত খরিদ করহ
এ বিষর দর্ম্ব দাধারণের জ্যাত জন্য ইন্তাহার দেওয়া গেল ইতি দন ১৮৪৫ ই২ ভারিখ ১ জুলাই মোভাবক দন ১২৫২
দাল জাবিখ ১৮ আহাদ।

| নমূর | নাম মহাল | নাম ভালুকদার | সদর জমা | রকম যাহা | বাকী লা° |
|------|--------------------|------------------|-----------|-------------|--|
| | | | নালিয়ানা | नीलाभ रहे | रेकाफ मन |
| | | | কোন্সানি | বেক | ১२৫२ मान |
| 998 | কীশমত তন্ত্ব থেথলি | | | মুজ্লম ম | A STATE OF THE PARTY OF THE PAR |
| | থেসর লোহাদহ | জয়গোবিদ্দ সরকার | SPUS | হাল | & hel . |
| | | | | W. J. H. Mc | NEY, Collector. |

जिल्ता ଓ रल्या ଓ गणिनीत विष्ठ क्यीमातान वत्रावदत्र ।

ইহার ছারা সম্থাদ দেওয়া যাইতেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ২ ধারানুমারে এবং এই সিরিশভাহইতে ১৮৪৫ দালের ৪ ফেব্রুআরি তারিখে যে এত্তেলা প্রকাশ हत उमनुक्राम उन्नत कादन

১। যে মহালের বন্দোবন্ত বাঙ্গলা সনঅনুসারে হই-शाष्ट्रिल मिट भरारलज् राकी जासम सामु भारतज्ञ किसी সমেত ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে অথবা তাহার পূর্ফো माशिल कतिएक इंडेरवक अवर स्य महारलत बरकावल इक्रद्रिक्की मनजनुमाद्द इहेताष्ट्रिल स्मृह भहाद्याद वाकी-, রাজয় আগম্ট মাদের কিন্তীদমেত উক্ত তারিখে কি जाशांत शृद्ध माथिल कतिएउ इडेएवक।

२। य মহালের বন্দোবস্ত বাঞ্লা সমঅনুসারে হই-য়াছিল সেই মহাজে বাকী রাজ্য অগ্রহারণ মাসের কিন্তীসমেত ২৬ ডিলেমুর তারিখে কি তাহার পুর্বে দা-থিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত ইস-दिखी मनजानुमादि इडेग्रांडिल मिडे महात्लद ठाकी दाज्य নবেম্বর মাদের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পূর্মে দাখিল করিতে হইবেক।

य शरालक वर्णावस वालना मनजनुमादत इडेग्राहिल मिडे महारलत राकी ठाइन माध मारमद किन्हें দমেত ২৫ ফেব্রুআরি ভারিখে কি ভাহার পূর্বে দাখিল कतिएक इटेरक अवश स्य महात्मत तत्मावस हम्रद्रशी मनजन्माद्य इहेशांखिल मिटे भहात्लव वाकी बाख्य जान-আরি মালের ফিম্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার शुर्ख माथिल कतिएड इडेएरक।

8। य महात्लत्,वत्मविख वांभला मनव्यनुमादत् श्रेता-ছিল দেই মহালের বাকী রাজয় বৈশাখ মাদের কিন্তী সমেত ২৫ মে তারিখে কি তাহার পুর্মে দাখিল করিতে इडेरवस अद्य स्म भरारल इ तत्नारख डेकरवृक्षी मनजन् माद्र रहेशोष्ट्रिल स्मर्टे भरात्नद वाकी वाष्ट्र वाधिन মাদের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পুরে দাখিল করিতে হইবেক।

হেনরি রিকেটস। ১৬ সংখ্যক এলাকার কমিদানর এব° সদর বোর্ড। চাটিগাঁর কমিদানর দাহেবের দক্তর্থানা। ३४८६। २८ खन।

INSOLVENT COURT.

যোত্রহীনেরদের আদালত।

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, made on the 30th day of June last, the matters of the Schedule of LOUIS ADOL-PHE RICHY, lately carrying on trade and business as merchant and agent, under the name, style, and firm of Messieurs Charles Morel and Company, at Fancy Lane, in the town of Calcutta, against whom an adjudication of Insolvency was made and pronounced by the said Court, on the 26th day of June last, on the application of one Comolacaunto Sircar, a Creditor of the said LOUIS ADOLPHE RICHY, under the provisions of the Act of Parliament, made and passed in the Ninth year of the Reign of His late Majesty King George the Fourth, entitled "an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies," are appointed to be heard on Saturday the 2d day of August next.

The names of the Creditors of the said LOUIS ADOLPHE RICHY, appear in a Schedule filed in the office of the Chief Clerk of the said Court, to which any Creditor may refer.

JUDGE and BURKINYOUNG,

Attornies for the Insolvent

Calcutta, 1st July, 1845.

In the matter of LOUIS ADOLPHE RICHY, late of Fancy Lane, in the Town of Calcutta, but at present residing at the Danish Settlement of Serampore, in the province of Bengal, and lately carrying on trade and business in Calcutta, under the name, style, or firm of Charles Morel and Company, Merchants and Agents,

শহর কলিকাতার অক্রম ঋণিদিগের পরি-ত্রাণার্থ আদালত।

কলিকাতা নগরের ফান্সিলেনে চার্লস মোরল কোন্সা-

DUTTER EXCEPTION OF THE PARK THE

লুইস আডলফে রিচি সাহেব

शुटकं घराजनी ও এজেনী कर्म कतिरुचन । উक्त मारह-বের এক জন মহাজন কমলাকান্ত সরকারের দর্থান্তমতে উक्त मार्टित ভারতবর্ষে যোত্রহীন ঋণিরদের উপকার। র্থ আইননামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার নবম বৎসরে পার্লি-মেন্টের জারীহওরা বিধানমতে গত জুন মানের ২৬ তা-রিখের ত্কুমক্রমে যোত্তীন প্রকাশ হর্। তাঁহার বিষয়ে গত জুন মাদের ৩০ তারিখে তুকুম হইল যে উক্ मारहरतत् उकमीरलत् प्रमा आशांत्रि आशके प्रारमत् ? তারিথ শনিবারে শুনা ঘাইবেক।

উक लुहेम आंडलटक तिि मारहरतत् महाअपनत्रमत নাম তফদীলে লিখিত হইয়া উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তর্থানায় দাখিল হইয়াছে মহাজনের। তাহা দেখিতে পারেন্।

सक अवश् ठिक नवश् ।

द्यां इराटनंत हें की न । THE SPORE CASE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

कनिकांडा ১৮৪৫। ১ खुनारे।

THE PERSON NAMED

医野球性 医阴管 医生育性医生物病

পুর্বে কলিকাতা নগরের ফান্সিলেন নিবাসি মরেল কোম্পানির নামে মহাজনী ও এজেনী কর্মকারি একণে राक्रला প্রদেশের দেখাকীরেরদের অধীন জীরামপুর নি-

লুইন আডলফে বিচি মাহেরের বিষয়ে

NOTICE is hereby given, that by an order of ইহার স্বারা সম্বাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে উক্ত আনলিতে the said Court, made in this matter, on the 26th বর্তমান জুন মাসের ২৬ তারিখে নির্ভারণ হইলাছিল যে

[Government Gazette, 8th July, 1845.]

day of June instant, it was adjudged that the petition of Comolacaunto Sirear, a Creditor of the said Louis Adolphe Richy, is true, and that the said Louis Adolphe Richy hath committed an Act of Insolvency.

H. C. MEIKLEJOHN, Attarney Calcutta, 28th June, 1845.

In the matter of LOUIS ADOLPHE RICHY, late of Fancy Lane, in the Town of Calcutta, but at present residing at the Danish Settlement of Serampore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business in Calcutta, under the name, style, or firm of Charles Morel and Company, Merchants and Agents,

NOTICE is hereby given, that by an order made by the said Court, in this matter, on the 26th day of June instant, it was ordered that Robert O'Dowda, Esquire, be appointed Assignee of the Estate and Effects of the said Louis Adolphe Richy; and it was further ordered that Patrick O'Hanlon, Esquire, the Common Assignee of the said Court, and the said Louis Adolphe Richy, do forthwith put the said Robert O'Dowda, as such Assignee as aforesaid into possession of all the estate and effects of the said Louis Adolphe Richy.

H. C. Meiklejohn, Attorney. Calcutta, 28th June, 1845.

In the matter of JOHN WATKINSON RO-BERTS, late of Writers' Buildings in the town of Calcutta, but at present residing at Chandernagore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business in Calcutta as a Broker and Merchant,

NOTICE is hereby given, that by an order made in this matter on the 2nd day of July instant, it was adjudged that the petition of John Mathew Dove, a Creditor of the said John Watkinson Roberts, presented to this Court in the above matter was true, and that the said John Watkinson Roberts, had committed an Act of Insolvency under the provisions of the statute 9th George IV., Chapter 73, entitled "an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies."

THOMAS and CAMPION,

Attornies for the Petitioning Creditor.

2nd July, 1845.

In the matter of JOHN WATKINSON RO-BERTS, late of Writers' Buildings in the town of Calcutta, but at present residing at Chandernagore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business in Calcutta as a Broker and Merchant.

NOTICE is hereby given, that by an order made in this matter on and bearing date the 2nd day of July instant, it was ordered that Robert O'Dowda, Esquire, should be appointed Assignee of the Estate and Effects of the said Insolvent.

THOMAS and CAMPION,
Attornies for the Petitioning Creditor.
2nd July, 1845.

[शर्मायान दशरकारे। ३४८६। ४ जुलाहे।]

উক্ত পুইন আডলকে রিভি স হেবের মহাজন কমলাকার সরকারের দর্থান্ত সত্য বটে এবং উক্ত পুইন আডলফে রিচি সাহেব যোএহীন হইরাজেন।

এচ দি মিকলম্বন। উঠীল। কলিকাতা ১৮৪৫ দাল ২৮ জুন।

পূর্ব্বে কলিকাতা নগরের ফাল্সিলেন নিবাসি মরেল কোম্পানির নামে মহাজনী ও এজেটী কর্মকারি এলতে বাজলা প্রদেশের দেখাকীয়েরদের অধীন জীবামপুর নিবাসী

লুইল আডলফে রিচি সাহেবের বিষয়ে
ইহার দ্বারা সন্ধাদ দেওরা যাইতেছে যে বর্ত্তমান দ্বন্দ্র মাসের ২৬ তারিখে উক্ত আদালতে প্রকুম হইল যে
প্রিযুত রাবর্ট প্রডৌডা সাহেব উক্ত লুইল আডলফে রিচি সাহেবের মাল ও সম্পত্তির আদালতের সাধারণ আলো প্রকুম হইল যে উক্ত আদালতের সাধারণ আদান প্রিযুত্ত পাত্রিক প্রহানলন সাহেব এবং উক্ত লুইন আডলফে রিচি সাহেবের মাল ও সম্পত্তি উক্ত আদানি প্রযুত্ত রাবর্ট প্রডৌডা সাহেবকে অর্পণ করেন।

এচ দি মিকললন। উকীল।

कलिकां डो ३४८० माल २४ ख्रम।

পূর্বেক কলিকাতা নগরের রাইটর বিল্ডিৎ নিবাসী এবং পূর্বেক কলিকাতা নগরে দালালী ও মহাজনী কর্ম-কারী কিন্ত এক্ষণে বাদলা প্রদেশের চন্দননগর নিবাসী

जान उग्राविकिन्त्रन ताविन नार्ट्रत विवर्श हैटांत हाता नमान मिन्द्रा यांट्रेड्ड य वर्षमान जुलाहे मारमत २ जातिरशत छक्नकरम अहै जामानर निर्मात हैटेन या जेट विहरस जान अग्राविक्नन ताविकेंग मार्ट्रर व अक जन महाजैन जान माथि जिन्द्र मार्ट्स या मत्रवाख अहै जामानर माथिन करत्न जाता मठा अव२ जात्रवर्स याज्ञीन श्रीवतमत जेनकातार्थ जाहिननामक मृठ प्रवर्ध अर्क ताजात नवम वस्मरत्त १० जाशास्त्र निश्चित विधान मर्ट जेट जान अग्राविक्नन ताविकेंग मार्ट्स याज्ञीन हैशास्त्रन ।

ভামস এবং কাম্পিয়ন। দর্থাস্তকারি মহাজনের উকীল। ১৮৪৫ সাল ২ জুলাই।

পূর্কেকলিকাতা নগরের রাইটর বিল্ডিং নিবাসী এবং পূর্কে কলিকাতা নগরে দালালী ও মহাজনী কর্মকারী কিন্তু এক্ষণে বাদলা প্রদেশের চন্দননগর নিবাসী

The same as And a transmission

জান ওয়াটকিকান রাবর্টন দাহেবের বিষয়ে ইহার দারা নয়াদ দেওরা যাইতেছে যে এই বিষয়ে বর্তমান জুলাই মানের ২ তারিতে ছকুম হইল যে প্রযুত রাবর্ট ওডৌতা দাহেব উক্ত যোত্রহীনের মাল ও সম্পতির আদৈনি পদে নিযুক্ত হন।

> তামস এবং কাম্পিয়ন। দর্থাস্কর্টারি মহাজনের উকীল।

১৮৪৫ मान २ जुलाई।

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, bearing date the 26th day of June last past, the matters of the Petition of JOHN KELLY, formerly of Calcutta aforesaid, late of Chittagong, Master Mariner, and now a prisoner confined for debt in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the ninth year of the Reign of his late Majesty George the Fourth entitled, an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies, &c., are appointed to be heard in the said Court, on Saturday the sixth day of September next, at the hour of eleven o'clock in the forenoon.

The names of the Creditors of the said JOHN KELLY, appear in the Schedule filed with his said Petition in the office of the Chief Clerk of the said Court, to which any Creditor may refer.

Judge and Burkinyoung,
Attornies for the said Insolvent.
Calcutta, 3d July, 1845.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, the matters of the petition of PHILIP DACRUZ, said by the name of P. Da-Cruz, late of Beparrytollah Lane, in the Town of Calcutta, formerly an Assistant in the Union Bank, and late a Broker, and lately a prisoner for Debt in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the Ninth year of the reign of his late Majesty King George the Fourth, entitled an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies, are appointed to be the heard-in said Court, on Saturday the second day of August next.

The names of the Creditors of the said PHILIP DACRUZ, appear in a Schedule filed with said petition in the office of the Chief Clerk of the said Court, to which any Creditor may refer.

NATHL. HUDSON,

Attorney for the Insolvent.

Calcutta, 1st July, 1845.

In the matter of the petition of GEORGE THOMAS DEVERELL, sued by the name of George Deverell, late an Assistant Indigo Planter, in the Ackragunge Indigo Factory, in the District of Moorshedabad, afterwards of North Road, Entally, in the twenty-four Pergundahs, and late a prisoner confined in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the Ninth year of the Reign of his late Majesty George the Fourth, entitled an Act to provide for the relief of Insoivent Debtors in the East Indies,

NOTICE is hereby given, that at a Court, holden on Saturday the seventh day of June last, it was and is ordered that the hearing of the matters of the Petition of the said Insolvent, be adjourned until Saturday the fifth day of July instant

CH. STRETTELL, Insolvent's Attorney.

NOTICE is hereby given, that by an order of [Government Gazette, 8th July, 1845.]

পূর্বে কলিকাতা নগর নিবাদী পরে চাটিগাঁর যাফীর মারিনর এক্ষণে কলিকাতার দাধারণ জেলখানার হুণের নিমিল্ল করেদী

জান কেলি দাহেব

ভারতর্বে গোত্রহীন থাণিরদের উপকারার্থ আইননামক মৃত চতুর্থ জজ রাজার অধিকারের নবম বংশরের আইনের দারা উপকার প্রার্থনা করিতেছেন অতএব ইহার দারা সমাদ দেওয়া যাইতেছে যে এই বিষয়ে গত জুন মানের ২৬ জারিখে উক্ত আদালতে তকুম হইল যে ওাহার দর্শান্তের মর্মা আগামি সেপ্টেম্বর মানের ৬ তারিখ শনিবার বেলা এগার হান্টার সমরে উক্ত আদালতে শুনা যাইবেক।

উক্ত জান কেলি সাহেবের মহাজনেরদের নাম তক্ষীলে লিখিত হইয়া তাঁগার দর্খান্ত সমূলিত উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তরখানার দাখিল হইয়াছে মহাজনেরা ভাহা দেখিতে পারেম।

জজ এবং বর্কিনয়ং।

যোত্রহীনের উকীল।

কলিকাভা ১৮৪৫ দাল ৩ জুলাই।

SHEET THE MERCHANICALE

A ROBERTS STANDS

পূর্ব্বে কলিকাতা নগরের ব্যাপারি টোলা নিবাসি ইউ-নিয়ন ব্যান্তে আসিউটাও এবং পরে দালালী কর্মকারি ও তাহার পর কলিকাতার জেলগানার থণের নিমিত্তে করেদী পি ডিক্রুস নামে সফীনাহওয়া

THE A THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

ফিলিপ ডিজুন নাহেব ভারতবর্ষে যোত্রহীন গুণিরদের উপকারার্থ আইননামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার অধিকারের নবম বংসরীর আইন জ্বাম উপকার প্রার্থনা করিতেছেন অতএব ইহার হারা সন্মাদ দেওরা যাইতেতে যে উক্ত আদালতের ত্রুমক্রমে তাঁহার দর্খান্তের মর্মা আগামি আগস্ট মানের ২ ভা-রিখ শনিবারে উক্ত আদালতে শুনা যাইবেক।

উক্ত ফিলিপ ডিজুস সাহেবের মহাজনেরদের নাম তফলীলে লিখিত হইরা উক্ত আদালতের প্রধান ফার্ফ সাহেবের দক্তর্থানার দাখিল হইরাছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন্।

> নাথানিয়েল হডদন। উক্ত যোত্রহীনের উকীল।

कनिकाजा ४३८४। ३ जुनारे।

जर्ज जामन जित्रत्तन

নামে নালিশ হয় জর্জ ডেবেরেল নামে ঘিনি পূর্ক্ষে যুরশিদাবাদের আকরাগঞ্জের নীলকুচীআর আসিফান্ট
ছিলেন পরে জিলা ২৪ পরগনার শাক্ষি উত্তর ইটালিতে
হাল করিডেন তৎপরে শহর কলিকাতার প্রধান কারাগারে বন্ধ ছিলেন তাঁহার দরখান্তের তাৎপর্য্য অর্থান্ত
গত রাজার অধিকারের নবম বংশরের নিয়ম হাহা ভারতবর্ষের সকল অক্ষম গ্রনির্দিগের উপকারার্থ হইয়াছে
প্র সকল নিয়মানুগারে আপন উদ্বাবের নিমিত্তে প্রাথনা
করেন ইতি।

ইহার দ্বারা ধবর দেওরা যাইতেছে যে জুন মাহার ৭ তারিথ শনিবার দিবলে আদালত অবধারিত হইয়াছিল তাহাতে এই জকুম হয় যে উক্ত অক্ষম ঝিল ব্যক্তির দর-ঝান্তের বিষয় প্রবণার্থ আগামি শনিবার ৫ জুলাই দিবদ নিদ্ধারিত হইয়াছে ইতি ৩ জুলাই দন ১৮৪৫ দাল।

ठालम (सुरिवेल । हैनशालद्य छेवेल ।

পূর্বে কলিকাতা নগরের ওয়েলিংটন ফুটি নিবাসি গা-

the said Court, bearing date third day of July instant, the matters of the Petition of FRANCIS SAMUEL TURNER, late of Wellington Street, in the Town of Calcutta, Coachmaker, and now a Prisoner for Debt in the Common Jail of Calcutta, seeking the benefit of an Act of the Ninth year of the Reign of his late Majesty King George the Fourth, entitled an Act to provide for the relief of Insolvent Debtors in the East Indies, are appointed to be heard in the said Court on Saturday the sixth day of September next.

The names of the Creditors of the said FRAN-CIS SAMUEL TURNER, appear in a Schedule filed with his said Petition in the Office of the Chief Clerk of the said Court to which any Creditor may refer.

JUDGE and BURKINYOUNG, Attornies for the Insolvent.

Calcutta, July, 1845.

In the matter of BENJAMIN PEACH SING-ER, late of Berhampore, in the Province of Bengal, and afterwards of the town of Calcutta, but at present residing at Serampore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business at Berhampore aforesaid, as a Silk Merchant,

NOTICE is hereby given, that by an order made in this matter on the fifth day of July instant, it was adjudged that the petition of Dwarkanauth Mullick, a Creditor of the said Benjamin, Peach Singer, presented to this Court in the above matter was true, and that the said Benjamin Peach Singer, had committed an Act of Insolvency, under the provisions of the statute 9th George IV. Chapter 72, entitled "an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies."

THOMAS and CAMPION, Attornies for the Petitioning Creditor. 5th July, 1845.

In the matter of BENJAMIN PEACH SING-ER, late of Berhampore, in the Province of Bengal, and afterwards of the Town of Calcutta, but at present residing at Serampore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business at Berhampore aforesaid, as a Silk Merchant,

NOTICE is hereby given, that by an order made in this Court in this matter, on and bearing date the fifth day of July instant, it was ordered that Robert O'Dowda, Esquire, should be appointad Assiguee of the Estate and Effects of the said

THOMAS and CAMPION, Attornies for the Petitioning Creditor. 5th July, 1845.

ড়িওয়ালা এবং এক্ষণে কলিকাতার সাধারণ জেলখানায় थनश्चयुक्त करमानी

क्। जिम नायु अल हे वेत मारहत

ভারতবর্ষে যোত্রহীন গণিরদের উপকারার্থ আইন নামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার অধিকারের নবম বৎস্রীয় আইন-ক্রমে উপকার প্রার্থনা করিতেছেন অতএব ইহার ছার। সমাদ দেওরা যাইতেছে যে বর্ত্তমান জুলাই মাদের ও তা-রিথে উক্ত আদালত তকুম করিরাছিলেন যে উক্ত যোত্র-হীনের দর্থান্তের মর্ম আগামি দেপ্টয়র মাদের ৬ তা-রিখ শনিবারে শুনা ঘাইবেক।

উक्त कान्तिम माम् अल है नेत मारहरतत महाकामत्रामत নাম ভক্সীলে লিখিত হইয়া তাঁহার দর্খান্ত স্মূলিত উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তর্থানায় দাঝিল হইয়াছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন্।

> कक धर र रिकंगर। याजशीत्मत जेकील।

কলিকাতা ১৮৪৫ সাল ও জুলাই।

পূর্ব্বে বান্নলা দেশের বহরমপুর এবং পরে কলিকাতা-নিবাসি কিন্তু এক্ষণে বাঙ্গলাপ্রদেশের শ্রীরামপুর নিবাসী जवर शृद्ध डेक वर्त्रभूद्र द्रग्द्यत् वानिकाकाती

বেঞ্চামিন পিচ শিঙ্গর লাছেবের বিষয়ে

ইহার ছারা সমাদ দেওয় যাইতেছে যে বর্তমান জ্লাই মানের ৫ তারিখের ছকুমক্রমে নিম্পত্তি হইল যে উক্ত বেশ্বামিন পিচ সিঙ্গর সাহেবের মহাজন ছারকানাথ মলিকের দর্থান্ত সভা বটে এবং ভারতবর্ষে যোত্রহীন থাণিরদের উপকারার্থ আইন নামক মৃত চতুর্থ জর্জরাজার অধিকারের নবম বৎসরের ৭৩ অধ্যায়ের বিধানমতে উক্ত বে-ঞামিন পিচ দিলর সাহেব যোত্রহীন হইয়াছেন।

ভাষস ও কাম্পিরন। দর্থাস্তকারি মহাজনের উকীল।

३४८० मान ६ जुलाहे।

পূর্ব্বে বান্দলা দেশের বহরমপুর এবং পরে কলিকাডা-নিবাসি কিন্ত এক্ষণে বাঙ্গলা প্রদেশের জীরামপুরনিবার্গি এব৭ পূর্বে বহরমপুরে রেশমের বাণিজ্ঞাকারী

বেঞ্জামিন পিচ দিন্তর দাহেবের বিষয়ে ইহার দারা সম্বাদ দেওয়া যাইতেছে যে এই বিষরে বর্তমান জুলাই মানের ৫ তারিখের তকুমক্রমে নির্দ্ধারণ হইল যে ত্রীযুত রাবট ওডৌডা সাহেব উক্ত যোত্রহীনের মাল ও সম্পত্তির আদৈনি পদে নিযুক্ত হন।

তামদ ও কাম্পিরন। যোত্রহীনের উকীল ১৮8¢ माल ¢ जुलाहै।

MISCELLANEOUS ADVERTISEMENTS

সাধারণ ব্যক্তিরদের ইশ্তিহার।।

NOTICE.

The English Translation of Bhaguvat Geeta, 2 Rs. per copy. Apply to Messrs. Thacker and Co.

[शर्वामले प्राटकते। ३४४०। ४ ख्लाहे]

বিজ্ঞাপন।

ভগবদ্গীত। इक्टत्को ভাষাতে তর্জমা হইয়া প্রভূত হইরাছে থেকর কোম্পানির নিকটে পর লিখিলে তাহু পাওরা বাইতে পারিবেক। মূল্য ২১ টাকামাত।



গবৰ্ণমেন্ট গোজেট

গবর্ণমেন্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, JULY 15, 1845.

कनिकाठा मञ्जनवाद ১৮৪৫ मान ১৫ जूनाई।

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER BOARD OF REVENUE.

No. 12.

From the Officiating Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of——

1st. I am directed by the Sudder Board of Revenue to communicate, for your information and guidance, that it has been ruled by Government that Assistants appointed to reside in the interior of a District, with the charge of a definite jurisdiction are to perform any Revenue duties at their respective out-stations on which they can be employed without hinderance to their business in the Judicial Department.

2d. It is however to be understood that this Rule is subject to exceptions in particular instances.

3rd. A copy of the Government Order is annexed. (Signed) G. PLOWDEN,

Offg. Secretary.

Sudder Board of Revenue, Fort William, 20th June, 1845.

al alcolors

No. 416.

From the Under Secretary to the Government of Bengal, to G. Plouden, Esquire, Officiating Secretary to the Sudder Board of Revenue. Dated, Fort William, 21st May, 1845.

I am directed by the Right Honourable the Governor of Bengal to acknowledge the receipt of your letter, No. 184, dated the 7th instant, and to inform you in reply, with reference to the question therein propounded, that if there are any Revenue duties which the Assistants could perform at outstations without hinderance to their business in the Judicial Department, there appears no reason why they should not perform them, and unless the Board are aware of any objection, this may be understood

ममत वार्ड दिविनिषेत्र मत्रकूग्लत अर्डत ।

5. 并经生业经济2000年6

३२ मधुत ।

অমুক এলাকার রাজদের অবুত কমিস্যানর সাহেবের প্রতি সদর বোর্ড রেবিনিউর এক্টিং সেক্রেটারী সাহে-বের পত্র।

১। সদর বোর্ড রেবিনিউর অকুমক্রমে তোমাকে জানাইতেছি যে গবর্গমেন্ট এমত অকুম করিরাছেন যে জিলার
মফঃদলে বাস করিতে এবং বিশেষ এলাকার ভার গ্রহণ
করিতে যে আসিন্টান্ট সাহেবেরা নিযুক্ত হন্ তাঁহারদের
বিচার কার্য্যের যদি ব্যাঘাত না হয় ভবে রাজহের যে
কোন কর্মা চালাইতে পারেন্ সেইং কর্মা তাঁহারা সং
মফঃদল মোকামে থাকিয়া নির্মাহ করিবেন।

' ২। পরন্ত আনা উচিত যে কোন২ গতিকে এই তকুয় বর্জিত হইতে পারে।

৩। গ্রন্মেটের ত্কুমের নকল নীচে লেখা যাই-তেছে।

জি লৌডন। এক্টি৭ সেক্টোরী। সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিয়য়। ১৮৪৫। ২০ জুন।

৪১৬ নযুর ৷

দদর বোর্ড রেবিনিউর এক্টিং সেক্রেটারী ত্রীযুত জি প্লৌডন সাহেবের প্রতি বাজলা দেশের গবর্ণমেন্টের ত্রীযুত ছোট সেক্রেটারী সাহেবের পত্র। ফোর্ট উলিরম ১৮৪৫। ২১ মে।

বাঞ্চলা দেশের প্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর সাহেবের প্রকুমজ্রমে ভোমাকে জানাইতেছি যে তিনি ভোমার
বর্ত্তমান মাসের ৭ তারিথের ১৮৪ নম্বরী পত্র প্রাপ্ত হইরাছেন এবং সেই পত্রের মধ্যে তুমি যে বিষয় জিজাসা করিয়াছ তাহার এই উহর দিতেছি বে মফঃসল
মোকামে যদি রাজধের এমত কোন কার্য্য থাকে যে
আসিফান্ট সাহেবেরা তাহা করিলে তাঁহারদের বিচার
কার্য্যের ব্যাঘাত হইবেক না তবে রাজধের সেই কার্য্য
করিবার কোন বাধা নাই এবং যদি বোর্ডের সাহেবেরদের ইহাতে কোন আপত্তি না থাকে তবে এই প্রকুম

[Government Gazette, 15th July, 1845.]

particular instances.

(Signed) C. Braden, Under Secy. to the Govt. of Bengal. жини мака (True Copy.) вызыва рези

(Signed) G, PLOWDEN, Offg. Secretary.

Sudder Board of Revenue, 1. 多种。使用 100多 多元 Fort William, 20th June, 1845.

tran reimfile

CIRCULAR ORDERS OF THE AC-COUNTANT-GENERAL.

No. 91.

To the Judges and Magistrates in the Lower Provinces.

Much dissimilarity of practice prevailing in the method adopted by officers rendering Deposit Accounts to this office, when entering in account recoveries on account of excess deposit repayments, I have the honour to request that you will have the goodness in future, when writing back to account recoveries of the above nature, to adopt the form expressed at foot of this Circular.

2nd. The object in view when effecting recovery being, simply to restore the integrity of the amount at credit in your account under the head of deposits, you will carefully abstain from inserting such recovery, either under a new number, or in any other manner, in your register of deposit receipts.

(Signed) C. MORLEY,

Accountant-General.

Fort William, Accountant-General's Office, Judicial Department, The 27th June, 1845.

(In the body of the Cash Account,) To Judicial Deposits. Received from individuals in NO THE WITH KANTE T this month as per accompanying Extract Register, 00,000 0 0

Recovered on account of excess charge in the month of

as per Accountant-General's Letter, No.

dated 00 0 0

- 00,000 0 0

(In the Memorandum of Deposits.)

Balance as per last month's

00,000 0 0 Add Receipts in this month, 00,000 0 0

Do. Excess charge recovered as per Accountant-Gene-

ral's Letter, No.

dated

... 00 00

00,000 0 0 00,000 0 0

AND REPORT OF THE PARTY OF THE

(Signed,) C. Morley,

Accountant- General.

AND THE STORY IN PARTY OF THE PROPERTY OF THE SOURCE OF No. 692.

To the Collectors of Land Revenue, Collectors of Customs, and Abharee Superintendents in the Lower Provinces.

1st. Much dissimilarity of practice prevailing in [नदर्गयने द्रारखें। २४८०। २० ज्लारे।]

to be the Rule, subject of course to exceptions in | বিধানস্কপ জান হইতে পারে সুভরাৎ কোনং বিশেষ গতিকে তাহা বৰ্জিড হইবেক। নিৰ্মাণ কৰিছেন।

বাঙ্গলা দেশের গ্রহণ্মেন্টের ছোট সেক্টোরী। ্যথার্থ নকল।)

ছি প্লোডন। একটিং সেক্টোরী।

সদর বোর্ড রেবিনিউ।

रकार्षे উलिय्य। ১৮৪৫।२० खून।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

আক্টোণ্টেণ্ট জেনরল দাছেবের দরকালর পত।

कर्भमूत्। वीक रेक्का

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের এযুত জজ এবং মাজিট্রেট সাহেব वतावदत्यु ।

১। যে টাকা আমানৎ হইয়াছিল তদপেক্ষা অধিক টাকা কথন২ দেওয়া যায় সেই টাকা ফিরিয়া পাওয়া গেলে হিদাবের মধ্যে জমা হয়। কিন্তু এই দস্তর্থানাতে আমা-নতী হিসাব দাখিল করণের সময়ে ঐ ফিরিয়া পাওয়া টাকা বিবিধ প্রকারে জমা হইয়া থাকে। অভএব ভোমাকে আদেশ করিতেছি যে উত্তর কালে দেইরূপে পুনর্বার প্রাপ্ত টাকা যথম হিসাবে জমা করিতে হয় তথম এই সর-কালর পত্রের নিমু ভাগে যে পাঠ লিখিত আছে তদন্-সারে তাহা জমা কর।

২। সেই টাকা ফিরিয়া পাইবার অভিপ্রায় এই যে তোমার হিসাবে আমানতের খাতার যে টাকা লেখা আছে ভাহা ঠিক থাকে অভএব তুমি অভিসাবধান হইয়া ঐ পুনঃপ্রাপ্ত টাকা কোন নৃতন নয়রে জমা করিবা না অথবা ভোমার আমানভের জমা টাকার রেজিউরের মধ্যে নীচের লিখিত প্রকারভিন্ন অন্য কোন প্রকারে লি-मि মরলि। থিতা না।

व्याटककोटलेले दलनत्म।

कार्षे উलियम । आरक्कोटलेले दसनत्न माट्ट्रायू मसुत्थाना। ১৮৪৫। २१ खुन।

(अभा शत्राहर विमादित भ्राप्ता)

আদালতদম্পর্কীয় আমানং। ইহার সঙ্গে লিখিত রেজি-

ফারের চুম্বকের অনুদা-

করের চুম্বকের অনুসা-রে এই মাসে নানা ব্য-ক্রির স্থানে প্রাপ্ত টাকা। •০,••• •••

আবেকান্টেন্ট জেনরল সা-

হেরের অমৃক তারিখের অমুক নয়রী পত্রের অনু-

দারে অমৃক মাদের অ-ধিক থরচার বাবৎ পু-

নর্কার পাওয়া টাকা

(आशानरजब देककित्र ।)

গত মাসের হিসাবের বালান্স ০০,০০০

এই যানের প্রাপ্ত টাকা .. ০০,০০০ অমুক তারিখের অমুক নয়রী

व्यादकोटलेले (जनत्राम्

পত্রের অনুসারে এত টাকা ফিরিয়া পাওয়া গেল... ... ০০০০

normal on or overlated the constitution of the beauty नि भव् नि। আठिकोट छ । छ । स्व

day, militar bonani o

कार्यात महाराज्य सम्बद्धाः বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের ভূমির রাজ্যের প্রায়ত কালেক্টর ও পরমিটের কালেক্টর ও আবকারীর সুপরিক্টেডেন্ট माट्य द्वादद्वयु।

্। যে টাকা আমান্ৎ হইয়াছিল তদপেক্ষা অধিক টাকা

the method adopted by officers rendering Deposit Accounts to this office, when entering in account recoveries on account of excess deposit repayments, I have the honor to request that you will have the goodness in future, when writing back to account recoveries of the above nature, to adopt the form expressed at foot of this Circular.

2. The object in view when effecting recovery being simply to restore the integrity of the amount at credit in your account under the head of deposits, you will carefully abstain from inserting such recovery, either under a new number, or in any other manner, in your register of deposit receipts.

(Signed) C. Morley, Accountant-General.

Fort William, Accountant-General's Office, Revenue Department, the 27th June, 1845.

STATE OF (In the body of the Treasury Account.) To Revenue Deposits.

Received from individuals in this month as per accom-

THE BUTTON PROPERTY.

panying Extract Register, 00,000 0 0

ecovered on account of ex-Recovered on account of ex-

as per Accoun-

tent-General's Letter No.

dated,, 00 0 0 ____ 00,000 0 0

(In the Memorandum of Deposits.)

Balance as per last month's account, 00,000 0 0

Add Receipts in this month, 00,000 0 0

Do. Excess charge recovered as per Accountant-Gene-

ral's Letter, No. dated, 00 0 0

____ 00,000 0 0

WINTERNING STRUCK L. TO

00,000 0 0

(Signed) C. Morley,

Accountant-General.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

No. 22,

To the Civil Judges in the Lower Provinces.

The Court direct, with reference to an opinion expressed by the Acting Advocate-General in a particular case that in every process which may be issued under Act XXIII. 1840, against either property or person, the names of the parties for and against whom respectively the process may be issued, be inserted and not merely the names of the Firms or Companies under which the respec-

[Government Gazette, 15th July, 1845.]

কথানহ দেওয়া যায় সেই টাকা ফিরিয়া পাওয়া গেলে হিদাবের মধ্যে জমা হয়। কিন্তু এই দম্ভর্থানাতে আমা-নতী হিদাব দাখিল কর্ণের সময়ে ঐ ফিরিয়া পাওয়া টাকা বিবিধ প্রকারে জমা হইরা থাকে। অতএব তোমাকে আদেশ করিতেছি যে উত্তর কালে দেইরূপে পুনর্যার প্রাপ্ত টাকা যথান হিসাবে জমা করিতে হয় তথান এই দর-কুলর পত্রের নিমু ভাগে যে পাঠ লিখিত আছে তদনু-সারে তাহা জমা কর।

২। সেই টাকা ফিরিয়া পাইবার অভিপ্রায় এই যে ভোমার হিদাবে আমানতের খাতার যে টাকা লেখা আছে তাহা ঠিক থাকে অতএব তমি অতিসাবধান হইরাঐ পুনঃপ্রাপ্ত টাকা কোন নুতন নমুরে জমা করিবা না অথবা ভোমার আমানভের জমা টাকার রেজিফরের মধ্যে নীচের লিখিত প্রকারভিন্ন অন্য কোন প্রকারে লি-थिया ना। मि भवनि ।

व्याटककोटलेले ट्लनत्म।

कार्ड डेनियम । आदक्कीरलेले उन्नत्न मारहरत्त দক্তর্থান।। ১৮৪৫। ২৭ জুন।

(জমা খার্চের হিলাবের মধ্যে।)

আদালতসম্পর্কীর আমানৎ। মান্ত বিভিন্ন কেলি

ইহার সজে লিখিত রেজি-

হার সঙ্গে লিখিত রেজি-উরের চুম্বকের অনুসা-রে এই মাসে নানা ব্য-

ক্তির স্থানে প্রাপ্ত টাকা। ০০,০০০ ০০

আকেকান্টেণ্ট জেনরল সা-হেবের অমূক ভারিখের

অমুক নমূরী পরের অনু-

সারে অমূক মাসের অ-

ধিক শ্রুচার বাবং পুন-

র্বার পাওরা টাকা

(আমানতের কৈফিরং।)

গত মাদের হিদাবের বা-

লান্স ০০,০০০ ৬ এই মানের প্রাপ্ত টাকা ... ০০,০০০

অমুক তারিখের অমুক নম্বরী

আকেটান্টেন্ট জেনরলের

পত্রের অনুসারে এত টাকা

ফিরিয়া পাওয়া গেল ... •• ••

সি মর্লি।

00,000 0 0

.

00,000 0 0

আকেচান্টের্ক জেনরল।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

সদর দেওয়ানী আদালতের সরকালর অর্ডর।

१ १ समूत्र।

ারাজলাপ্রভৃতি দেশের এয়ুত সিবিল জজ সাহেক

व्यावद्वम् ।

কোন এক বিশেষ মোকদ্মায় প্রীযুত এক্টিং আডবো-কেট জেনরল সাহেব আপনার যে অভিপ্রায় জানাইলেন তদন্দারে সদর আদালতের সাহেবেরা ভক্ম করিতেভেন যে ১৮৪০ সালের ২০ আইনক্রমে ব্যক্তিকে গ্রেম্ভার করিবার কি জিনিস আটকের নিমিত্তে যে অকুম দে-उत्रा यात्र द्य राक्तित्रामत आर्थनाक्राम धद९ द्य राक्तित-দের বিরুদ্ধে ত্রুম হয় সেই ব্যক্তিরদের নাম সেই তকুমেতে বিশেষ করিয়া লেখা যায় এবং যে নামে ঐ tive parties may be associated for trade or business, except when any Company may be empowered by a special law to sue or be sued in the name of an officer of their society or association.

W. Kirkpatrick, Deputy-Register.

REBUILDING THE WORLD PORTOR OF

Fort William, 30th May, 1845.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER DEWANNY AND NIZAMUT ADAWLUT.

দেশৰ চাহালাৰ বিভাগ

The following Circular, No. 45, dated the 1st March 1844, which was published in the Bengalee Gazette of the 26th idem, page 133, is republished in a correct form.

To the Civil and Criminal Authorities in the Lower Provinces.

To secure uniformity of practice regarding the mode of calculating the period within which an appeal should be lodged, or any official Act done, the Court desire it to be understood that when the period consists of days or weeks, the full number of days or weeks mentioned in the order should be allowed, exclusive of the day on which the order is passed; and that when a month or a year is mentioned, the month or the year should be reckoned according to the English Calendar; that is to say, the month should not be invariably reckoned at 30 days, and the year should comprise twelve English Calendar months.

(Signed) W. KIRKPATRICK, Deputy-Register. Fort William, 1st March, 1844.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER NIZAMUT ADAWLUT.

No. 13.

To the Several Criminal Authorities in the Lower Provinces.

The Court of Nizamut Adawlut for the Lower Provinces, circulate the subjoined amendment of an error in the Bengalee version of Clause 2, Section 16, Regulation XX. of 1817.

ই९ ১৮১৭ সালের ২০ আইনের ১৬ ধারার ২ প্রকরণ।

২ দিতীর প্রকরণ। পোলাসের দারোগাদিগকে বাবণ করা যাইতেছে যে মাজিট্রেট সাহেবের হজুরহইতে তাহারদিগের লামে খাদ অর্থাৎ বিশেষ হকুম হওনবাভিরেকে লুটের কি চুরীর মাল তালাণী করিতে তোন
এমারতের কি অরের ভিতরে না যায় কিন্তু মদি চোর।
কি লুটকরা মালের মালিক কি অপরাধকরণের দলি দাথি
অথবা অনা বান্তি লুটহওরা কি চোরা মালের তালিকার
ফর্ম থানাতে দাখিলে করে এবং এমত এছহার করে যে
সত্য লুট কি চুরি হইয়াছে এবং মাতবন্ত হেডুতে আমারদের রোধ হয় যে চোরা মাল অমুক স্থানে কি অমুক

কৃষ্ঠী অথবা কোম্পানি আপনং তেজারং কিয়া বাণিজা কর্মেতে বিখ্যাত কেবল দেই নাম দেই পর ওয়ানাতে দিতে হইবেক না। কিন্তু মখন কোন বিশেষ আইনজ্ঞা কোন কোম্পানি এমত ক্ষমভাপ্রাপ্ত হইপ্লাছন দে ভাঁহার-দের কোন কর্মকারক ঐ সমাজের পক্ষে নালিশ করিতে পারেন্ অথবা ঐ সমাজের নামে নালিশ হইলে ঐ কর্ম-কারকের নামে হইবেক তরে এই বিধি খাটিবেক না।

ভবলিউ কর্মপাত্রিক। ডেপুটা রেজিক্টর। ফোর্ট ললিয়ম। ১৮৪৫। ৩০ যে।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator,

সদর দেওয়ানী ও নিজামৎ আদালতের সরকুলের অর্ডর।

১৮৪৪ সালের ১ মার্চ তারিথের ৪৫ নম্রী নীচের লিখিত স্রকুলের অর্জর ঐ মানের ২৬ তারিথের বাজলা গবর্ণমেন্ট গেজেটের ১৩৩ পৃষ্ঠার প্রকাশ হইরাছিল তাহা এফণে স্তম্ক হইরা পুনর্কার প্রকাশ হইতেছে।

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত দেওয়ানী ও ফৌজদারীর কার্য্যকারক বরাবরেয়।

যে মিয়াদের মধ্যে আপীল দাখিল করিতে হয় অথবা আদালতসম্পর্কার কোন কার্য্য করিতে হয় দেই মিয়াদের গণনার বিষয়ে একিপ্রকার ব্যবহার চলন হয় এই নিমিছে সদর আদালতের সাহেবেরা পশউরুপে জানাইতেছেন যে ঐ মিয়াদ যদি কএক দিন কি কএক সপ্তাহ লইয়া নিরপণ হয় তবে যে দিনেতে হকুম করা গিয়াছে সেই দিনছাড়া যত দিন কি সপ্তাহ হুকুমের মধ্যে লেখা থাকে তাহার সম্পূর্ণ সংখ্যা গণনা করিতে হইবেক এবং এক মাস কিয়া এক বংসর মিয়াদ নিদ্বিট হইলে ঐ মাস কি বংসর ইলরে জা পাজার অনুসারে গণনা করিতে হইবেক আর্থাং প্রতিম্যাসের নিত্য ত্রিশ দিন ধরিতে হইবেক না এবং বংসরে ইলরেজী পাঁজার অনুসারে বারে। মাস ধরিতে হইবেক।

ডবলিউ কর্মপারিক। ডেপুটা রেজিউর। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৪। ১ মার্চ।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

সদর নিজামৎ আদালতের সরক্যুর অর্ডর।

১० नमूत् ।

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত ফৌজদারীর কার্য্যকারক দাহেব বরাবরেয়।

১৮১৭ সালের ২০ আইনের ১৬ ধারার ২ প্রকরণের বাঙ্গলা তরজমাতে যে ভুল ছিল বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের প্রীযুত সদর নিজামৎ আদালতের সাহেবেরা তাহা গ্রন্থ ফারুরা সেই প্রকরণ প্রকাশ করিতেছেন।

> हे९ ১৮১৭ माल्यु २० आहेत्मद ১५ धाराव २ श्रकत्व ।

২ দিওীর প্রকরণ। পোলীদের দারোগাদিগতে বারণ করা যাইতেছে যে মাজিস্ট্রেট সাহেবের হজুরহইতে ভাহারদিগের নামে থাস অর্থাৎ বিশেষ প্রকুম হওনতাতিরেকে পুটের কি চুরীর মাল ভালাশা করিতে কোন এমারতের কি ঘরের ভিতরে না যায় কিন্তু যদি চোরা কি পুটকরা মালের মালিক কি অপরাধ করণের সমি দাথি অথবা অন্য ব্যক্তি পুটহওরা কি চোরা মালের ভালিকার কর্দ্দ থানাতে দাথিল করে এবং এমত এজহার করে যে সভ্য পুট কি চুরী হইরাছে এবং মাত্রর হেডুতে আমারদের বাধে হয় যে চোরা মাল অমুক স্থানে কি

[बर्यायके कारखंड । ३४८४ । ३४ खनाहे ।]

যোকামে আছে ততে পোলীদের দারোগা মাজিট্টেট मार्क्टरात छक्मतिमा अमात्र कि घरत्व छिठरत शिवा তালাশী করিতে পারে ইতি।

(Signed) W. Kirkpatrick, Deputy-Register. Fort William, 6th June, 1845.

NOTIFICATION.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

LEAVES OF ABSENCE.

The 4th July, 1845.

Synd Jonab Ally, Moonsiff of Beegumgunge, Tipperah, for 10 days from the 21st ultimo, under Medical Certificate.

Baboo Rajmohun Mitter, Moonsiff of Lubsha, 24-Pergunnahs, for one month, from the 25th ultimo, under Medical Certificate.

The 8th July, 1845.

Baboo Rammohun Mookerjee, 1st Grade Moonsiff of Amdahra, Zillah Beerbhoom, for two days. NOTIFICATION.

The 9th July, 1845.

The leave of absence for two weeks, granted on the 6th ultimo, to Baboo Tarokechunder Ghose, Moonsiff of Mohanand, Zillah Hooghly, has been cancelled at his own request.

APPOINTMENTS.

The 9th July 1845.

Baboo Ramnarain Sandial, Moonsiff of Dwarhutta, Zillah Hooghly, to be Moonsiff of Hobrah, Zillah 24-Pergunnahs.

Baboo Denonath Bose, Moonsiff of Hobrah, Zillah 24-Pergunnahs, to be Moonsiff of Dwarhutta, Zillah Hooghly.

B. J. COLVIN, Offg. Register.

CIVIL APPOINTMENTS.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR OF BENGAL.

recommendation that the extent of the

APPOINTMENTS.

The 2d July 1845.

Moulavie Mahomed Kulleem to be Principal Sudder Ameen of West Burdwan, vice Moulavie Kumber Alli retired.

The 4th July, 1845.

Mr. R. E. Cuoliffe to officiate as Civil and Sessions Judge of Cuttack.

Mr. B. H. Cooper to officiate as Magistrate of Dacca, which will be the state of the state

Mr. J. Wheler to officiate as Collector of Dacca.

Mr. C. T. Sealy to officiate as Joint-Magistrate and Deputy-Collector of Noakolly.

Mr. E. H. Lushington to officiate as Magistrate of Chittagong.

Mr. W. S. Seton Karr to exercise the powers of Government Gazette, 15th July, 1845.]

अमुक क्यांकारम आटल उत्तर श्रीलीरमत मारताथा मा-क्रिक्कि मार्टराइ छकुमरिना अमात्र कि घरहरू छिठाउ গিয়া ভালাশী করিতে পারে ইতি।

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ভেপুটা রেঞ্জিইর । क्वार्ड डेलिस्स । ১৮৪৫ । ७ जुन ।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

বিজ্ঞাপন।

সদর দেওয়ানী আদালতের হকুম। छुछ। ১৮৪৫ नाल ८ जुलाई।

जिल्रहाह दर्शमणट अह मूनटमक अहु है रेमन स्मानाद আলী চিকিৎদকের দটিফিকটক্রমে গত মাদের ২১ তা-तिश्रज्यदि मन मित्मत कृषी शाहेशास्त्र ।

চরিদেপরগনার লবদার মৃনদেফ প্রীয়ত বারু রাজমো-হন মিত্র চিকিৎসকের দটিফিকটক্রমে গত মাদের ২৫ তারিএঅবধি এক মাসের জুটী পাইয়াছেন।

১৮৪৫ गांन ৮ खुलाई। জিলা বীরভুমের আমদহরার মুনদেফ এীযুত বাবু রামমোহন মুখুযা। দুই দিনের ছুটী পাইরাছেন। . विज्ञालन ।

১৮8¢ गान à खुनाहै।

জিলা তগলার মহানন্দের মুন্দেক প্রায়ত বাবু তার্ত-চন্দ্র ঘোষ গত মানের ৬ ভারিখে যে দুই সপ্তাহের ছটী পান তাহা তাঁহার প্রার্থনায় রহিত হইয়াছে।

facility of the facility of the second ১৮৪৫ माल ३ खुलाई।

क्रिला छशलीत बात्रामाद मुनत्मक नीमृठ दातु दाध-নারায়ণ সাল্যাল জিলা চরিশপরগনার হাবড়ার মান-**भक् इटेररम।**

জিলা চরিশপরগনার হাবড়ার মুনদেফ এযুত বাবু भीननाथ यमु किला छललीत **का**त्राणीत मनदमक हरे-

বি জে কলবিন। এক্টিং রেভিউর।

রাজকর্মে নিয়োগ।

THE THE PERSONNEL OF THE PERSONNEL

বাজলা দেশের তীবৃত রাইট অনরবিল গবরুনর সাহেরের তুকুম। নিরোগ।

নিরোম। ১৮৪৫ মাল ২ জ্লাই।

এবৃত মৌলবী মহমাদ কলীয় পশ্চিম বর্দ্ধানের প্রধান महत् आशीन श्रेटरन ।

১৮৪৫ माल ६ जुलाई । english के Local

জীয়ত আর ই কমলিফ সাহের কটকের সিবিল ও সেশন জজী কর্মা নির্মাহ করিবেন।

ত্রীযুত বি এচ কুপর দাবের চাকার মাজিয়েটী কর্ম নির্কাহ করিবেন।

প্রীযুত জে উইলর সাহের ঢাকার কালেক্টরী কর্মা নিকাছ করিবেন।

श्रीयुक नि कि निली मारहर नश्रीथानीत कारेके शांकिएको उ एक्ष्मी कालक्षेत्री कमा निसाद करि-

শ্রীযুত ই এচ লশিংটন সাহেব চাটিগাঁর মাজি ফুটা কর্ম নির্মাহ করিবেন।

প্রীয়ত ভবলিউ এস নিটন কার সাহের হংশাহরের

a Joint-Magistrate and Deputy-Collector in Jes- 1

NOTIFICATIONS.

The 5th July, 1845.

Mr. H. Swetenham, Civil and Sessions Judge of Dacca, made over charge of the current daties of his office to the the Principal Sudder Ameen on the 28th ultimo, in order to proceed on Circuit duty.

Mr. F. Skipwith, Officiating Civil and Sessions Judge of Tipperah, resumed charge of his office on the 30th ultimo.

Mr. R. W. Hughes, of the Civil Service, reported his return from England on board the Steamer "Precursor," which vessel reached Kedgeree on the 2nd instant.

By Order of the Right Honourable the Gover-F. J. HALLIDAY, nor of Bengal,

Secy. to the Govt. of Bengal.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.

The 5th July, 1845.

Mr. J. H. Doyle to perform the duties of a Sub-Assistant Surgeon at Chittagong.

LEAVE OF ABSENCE.

The 4th July, 1845.

Mr. J. B. Ogilvy, Officiating Civil and Sessions Judge of the Central Division of Cuttack, for three months, under Medical Certificate, in extension of the leave granted him in the Orders of the 12th ultimo.

NOTIFICATIONS.

The 9th July, 1845.

Mr. C. D. Russell assumed charge of the Bhaugulpore Collectorate on the 3d instant.

Mr. C. H. Lushington, Additional Collector of Chittagong, assumed charge of his Office on the 28th ultimo.

Mr. F. Stainforth, Civil and Sessions Judge of Chittagong, made over charge of the current duties of his Office to the Principal Sudder Ameen on the 30th ultimo.

Mr. H. V. Hathorn, Civil and Sessions Judge of Sarun, made over charge of the current duties of his Office to the Principal Sudder Ameen on the 30th ultimo, to proceed on Circuit.

Mr. R. B. Cumberland made over Medical charge of the Civil Station of Pooree to Mr. Assistant-Surgeon A. M. Bell on the 1st instant.

Messrs. A. Galloway, R. Spankie and J. Guthrie, of the Civil Service, are reported qualified for the Public Service by proficiency in two of the Native Languages.

Mr. William James Longmore, appointed by the Honourable the Court of Directors a Member of the Civil Service on the Bengal Establishment, reported his arrival on the Ship "Samarang," which Vessel reached Kedgeree on the 29th ulti-

By Order of the Right Honourable the Governor of Dongal, F. J. HALLIDAY,

Secy. to the Gort. of Bengal.

छाइले प्राक्रिक्टिव ও एउनुमि काटनक्षेत्रत क्रम्छान-সারে কার্য্য করিবেন। বিজ্ঞাপন।

১৮8¢ माल ¢ जुलाई।

ঢাকার সিবিল ও সেশন জজ প্রায়ত এচ সুইটনতায় मार्ट्य मा जुड्माराती करमा शंभरनत निभिन्न शंख मारमत ২৮ তারিখে আপন দিরিশতার চলিত কর্মেরে ভার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন্।

ত্রিপুরার এক্টিৎ দিবিল ও দেশন জল প্রীয়ত এফ ক্তিপউইথ সাহের গত মাদের ৩০ তারিখে আপন কর্মের छात श्रुमर्श्वर करत्न्।

সিবিল্যম্পর্কীয় সিরিশ্ভার এযুত আর ডবলিউ হিউদ সাহের " প্রিকর্মর" নামক বাঞ্চীয় জাহাজের দারা ইল-লওহইতে প্রত্যাগমন করিয়াছেন এমত রি পোর্ট করেন ঐ জাহাজ বর্ত্তমান মাদের ২ তারিখে খাজুরীতে প্রছে।

বাঙ্গলা দেশের ত্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর সাহেবের হুকুমক্রমে।

এফ জে शनिए ।

वाक्रला म्हिन्द्र शवर्गद्यादेव स्मरक्षीती।

বাদলা দেশের প্রীয়ত রাইট অনরবিল গবরুনর সাহেবের ত্রুম। निरम्नां ।

১৮8¢ माल ¢ जुलाई।

প্রীয়ুত জে এচ ভয়ল সাহেব চার্টিগাঁর সব-আসিফাট চিকিৎসকের কর্মা নির্বাহ করিবেন।

छ्छे।

১৮৪৫ माल 8 जुलाई।

কটকের মধাম অংশের এক্টিং সিবিল ও সেশন জঙ্ক প্রীযুত জে বি ওগলবি সাহেব গত মাদের ১২ তারি-খের অকুমক্রমে যে ছুটা পান্ তদতিরিক্ত চিকিৎদতের সটিফিকটক্রমে তিন মানের ভূটী পাইয়াছেন।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৫ माल ৯ जुलाई।

প্রীয়ত সি ডি রুসেল সাহেব বর্ত্তমান মাসের ৩ তারিখে ভাগলপুরের কালেকট্রী কর্মের ভার গ্রহণ করেন।

চাটিগাঁর অভিরিক্ত কালেক্টর শীযুত দি এচ লশিংটন সাহের গত মানের ২৮ তারিখো আপন কর্মের ভার গ্রহণ করেন।

চাটিগাঁর সিবিল ও দেশন জজ প্রীয়ত এফ ফেনফোর্থ দাহেব গত মাদের ৩০ তারিখে আপন দিরিশতার চলিত কর্মের ভার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ

সারণের সিবিল ও দেশন জজ প্রীয়ত এচ বি হেথর্ণ माट्य मारत्रमारत्रती कटम्म शयनार्थ श्रु यास्मत ०॰ তারিখে আপন সিরিশ্তার চলিত কর্মের ভার প্রধান ममत आधीरमत প্রতি অর্পণ করেন।

প্রীয়ুত আরু বি কয়ুরলাও সাহের বর্ত্তমান মাসের ১ তারিখে পুরীর সদর স্থানের চিকিৎসকতা কর্মের ভার আদিষ্টান্ট চিকিৎদক প্রীযুত এ এম বেল দাহেতের প্রতি अर्थन करत्न ।

সিবিলসম্পর্কীয় সিরিশতার শ্রীযুত এ গালোয়ে সাহেব ও ত্রীযুত আর স্পায়ন্ধি সাহের ও ত্রীযুত জে গথরি সাহের এদেশীর দুই ভাষার সুশিক্ষিত হইরা সরকারী কর্মের উপযুক্ত এমত রিপোর্ট হইয়াছে।

প্রীযুত ডবলিউ জে লংমার মাহেব প্রীযুত অনর্বিল কোর্ট অফ ডেরেক্টর্স সাহেবেরদের দ্বারা কোম্পানি वाशामुद्रक वाझला म्हण्यक निविजनम्बार्कीक मितियाणीय নিযুক্ত হট্য়া " সামারাং" নামক জাহাজের দারা পত-ছিয়াছেন এমত রিপোর্ট করেন ঐ ভাহাজ গত মাদের ২৯ তারিখে খাজুরীতে পততে।

বাঙ্গলা দেশের প্রায়ত রাইট অনরবিল গবর্নর্ গা अक स्म श्रांतिए। হেবের অকুমক্রমে।

वाक्ना त्मरण्य शवर्गद्मादन्व त्मदक्षित्री।

[अवर्गरमन्त्रे दशरक्षित । ३४८० । ३० क्लाहे ।]

Corner (1884)

PAGE HALLING

New to the Great of Bowind

AL INTE

ing and a significant of the sig 1/4 Ontage of the same THE SLATE AND A VICE A OF SEE SE PRO S গবর্ণমেপ্টের ইশ্ভিহার। ভূমিবিষয়ক ইশ্ভিহার। নির বাকী আদারের তারণ বর্ষান জুন মাসের ২৩। ADVERTISEMENTS. OVERTISEMENTS. প্ৰালের ১ আইনের ৬ ধারানুসারে জিলা বলুআর নীচের লিথিড মহাল মালগুজারীর : কালের ১ আইনের ৬ ধারানুসারে জিলা বলুআর নীচের লিথিড মহাল মালগুজারীর : GOVERNMENT ADVERTISEMENTS.
. LAND ADVERTISEMENTS.
त्म छह। स्किट्टाष्ट त्म ३४८६ नायन्द्र ३ चाहेत्नद्र ७ थाड़ानूमाव्ह কার্যক্র জন্ম ক্রিক্র নিজ্ঞাক বলের জন্মনি TOP SINE STREET OF THE STREET

4

| লর প্রকার | तिकीत वहीएक महाप्तात्र नमृद् | | লিখিত মালিক | সদর জমা | হাঙ্গলা ১২৫১ সন্দের হৈত্র মালের ৩০ ভারিখে হাঙী পান্তনা | मञ्जूदा कथ |
|--|--|--|--|--|--|-----------------------------------|
| महाहो समा पार्छ। महाल बे | 2 (, | তালুক, হায়জীবন দাস প্ৰং বৈকুণ্ঠপুৱের হিঃ ৬০ আন। ডালুক রফীকরিম জাইনুদীন মুদাফ্ৎ শাস্তালী প ^ৰ ্ স্থয়ুরাবাদের হিঃ॥০১৩।– | । द्राम्रक्कीदम माम व्यामीद्र उमीन भश्मम | KIIA 87498 | 7 × 5 × 5 × 5 × 5 × 5 × 5 × 5 × 5 × 5 × | e mais |
| enth a | 24.5 | न्य वे हिं वे। | म मिख | 8/4 | an the | lo ogi |
| o) don 12 odi | 53574 | কি মহমাদ রাজা পৎ ঐ হিঃ 🗸 ৬॥= | नाष्ट्र अद्भाव प्रत्य शह सम्बन्धित | • | ************************************** | 武仙 |
| ne washing in the in to published the feet and medi- | of the for a second sec | Alkari gami anin'i Zi no an Alamilia anin'i Zi no anin'i Zi no anin | MEDITAL PARTE PRODUCTION PRODUCTION OF THE CO. LEGISLANCE PRODUCTION OF THE CO. | Harmon II Dancon II Dance II A | मत्त्र मान्य | |
| effice are ruled to the state of the state o | eprin stys eprint i e eprint eprint eprint ier | দুক কৃষ্ণরাদপুর প | ट्यामानाथ भाज छ होप हिंद पर अवर कृष्णका | 200 | and of | NOTHER De Gel Ma Culeau, Gr |
| orate, 26th | (av. 1845. | i er kon j kon j kon j | eer Coll H | THE PARTY OF THE P | J. WHELER, Deputy-Coll | |

ा। व रष्ट्र ह अधि चामअविक श्रेष्ट्रमह म Government Gazette, 15th July, 1845.] 8 . 8

y of cold

| ed in the same manner as | he Remarks. | 0j. © * | 17 | This property belonging to Kistanundo Ghutuck who is the surety a defaulter is to be so under the provisions Section 5, of Act I. 1845, the usual notification having been alread issued. | | |
|--|---|--|---------|---|---|--|
| rected to be realize | Balance due on the 28th June 1845. | Chyet. 1251 B. S. 22 9 9 From By. sack to Justee. 1252 B. S. 1252 B. S. 51 3 4 | 5 73 13 | For the year. 1251 B. S. 127 ", " | | |
| lets in force, are di | Sudder Jumma. | 574 11 | 584 3 | | | |
| e Regulations and A | Recorded proprie- | Joykisto and Raj- kisto Mookerjea, | | Kistanundo Ghut. tuck, | | |
| District on Tuesday the 22d day of July 1845, for arrears of Revenue and other demands which, by the Regulations and Acts in force, are directed to be realized in the same manner as rs of Revenue due on the 28th June 1845. | Name of Mehal. | Kistrambattee, and Jote Harra-Joykisto and Raj- nund, kisto Mookerjea, | | Share of alleged Lakheraj land, tuck, comprised in a Tank called Kamar, situated in Mouzah Goberharra, Pergunah Boorshoot. 3 Beegahs 5 Cottahs, being a component part of 6 Beegahs 10 | Cottans or land situated in the above Mouzah and Pergunnah. | |
| for arrears of Reven | No. of the Mehal on the District Rent Roll or Register. | 204 | | | | |
| that District on Tuesday the 22d day of July 1845, for arrears of Revenue and other demands which, by the Regulations and Acts in force, are directed to be realized in the same manner as arrears of Revenue due on the 28th June 1845. | Class of Mehal. | Mehals permanently settled, | | Estates to be sold for arrears due on account of other Estates, | | |
| that District arrears of Reve | No. of Class. | - | | | | |

| त्वाभित् मञ्जू | মহালের শ্রেণী | জেলার ভৌজিতে মহালের | মহালের নাম | মহালের লিঙিড মালিক | मह्द क्ष्मा | त्य मतमत् ७ त्य भारमत् ताकी | মস্তব্য কথা |
|----------------|--|------------------------|--|--|-------------|---|---|
| | | | | | | | |
| F . | वैक्षमवावि स्था शर्रा इत्या | | | | | मन ३२६३ मात्लद् यह | |
| | महाज ः | 2°8 4° | াক্ৰ কৃষ্ণন্ধান্ধ জিলেভ হার্নিন্দ | ভয়ক্ত মুখোণাধ্যায় ও রাজক্ত মুখোপাধ্যায় | 8/41 86-2 | 22.11/2 22.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 24.11/2 2 2 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 | महरुवाहतू शाम भार थान। के मारि हाक्टाउ जास्क्रकान्त्री उन्हों |
| | A STATE OF THE STA | | | | 51 % S12 | HILL SECTION COM | প্রজাপতিপুরের ইন্ধার্দার প্রভা পচল মুখোপাধ্যায়ের ব্রামে রাকী |
| | | | | | 848VB | 404/2 | आमाश काइन काधिनमाड कृष्णानम शमेरकन वह काशबाद दीवान हुन |
| (c 00 | অন্য মহালের বাবিতে পাঙ্না বাকী মালগুজারীর নিমিতে মে মহাল নীলাম হয় তাহা | | পং ভুর্সিট মৌজে গোর্রহাড় এজহাহী লাখেরাজ কাম রেপুফ্জ রিণীর হিন্যা রকম ॥০ আনার কাড আনাজী ১ ৷০ বিঘা | ্তি বিজ্ঞান নার ক্রেন্ডানন্দ্র ঘটক | 4 | ১२६১ मात्मद्र शांक मादाको ১२५ | যাইডেছে ও ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৫ ধারানুসারে এত্তে- নাবাকী ১২৭১ |
| | | | | | | | |
| | জ্ঞীলালা মতিলাল মুত্রী | | ঐ গ্রামের উত্তর মাঠে ব্রন্ধোত্তর ৬॥• বিহারে মধ্যে ৩।• বিহা | : | Ą | | |
| | the size of production of the size of the | | | | | | |

क्षामी कात्मक् मेती। ३४८६। ३ मुनाहै।

| মন্তব্য কথা। | সমুদ্য সহাল নীলাম হইবেক। | এই বাকী মাৰ্চ মানের ১৩ ভারিখ ফোডাবেজ ১ টৈ- ৱের। এই মহাল ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ১৬ খা- রানুসারে পুননলাম হইবেজ। এ | চরিকাপর্গনার কালেক্টর সাহেবের গুলুমক্ষমে কালীনাথ রায় ও বৈকুপ্তনাথ রায় ও মথুরনাথ রায় ও কৃষ্ণনাথ রায় ও প্রিনাথ রায় চৌধুরীর জামিনীতে পর্- গনা মহম্মাদ আমীনপুরের ইজার। হইয়াছিল ভাহার জমার বাকীর নিমিত্তে এই পর্গনার উক্ত চৌধুরীরদের | বাকী ১৮৪৫ সালের মে মামের শেহপথ্যস্ত পাওনা আছে এবং ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৫ ধারার হুকুম কুমে তাহার এলেলা রীতিমতে দেওয়া ঘাইতেছে। |
|--|--|--|---|---|
| ३२ बाबाङ डादित्थ कि ১৮४६ मात्मद ३४ जून डादित्थ किश शक्रा क थाद घत्त त्य डादिश नि भिष्टे हम्न तम्हे डादित्थ शेंड दाली। | 3 9 | 247 (A) | ्। इस्म | <u> </u> |
| मस्य अया | 61 pos | 52 10/B 23 10/B | 8,084845 | |
| লিখিত যালিক | প্ডানন বসু রামর্জন নদী রামনাথ | রোষ জয়চন্দ্র মাজিক | কালীনাথ রায় হৈবকুঞ্চ নাথ রায় মুণুরনাথ কৃক্তনাথ রায় এবং প্রি রনাথ রায় চৌধুরী ওং | |
| মহালের নাম | কিং মকরামপুর পং মহম্মন শা হী কাজানন বসু কিং গুকুন্ধপুর উপপা বিনোদ রামর্জন নদী রামনাথ | পুর প্ কলেন নগর কিং কামারকুণ্ড বাদা মালগুণি প মহস্মদ শাহী | | |
| জিলার ভৌজি তে মহালের নমূর | 886 | • .; | 2 | |
| भष्ट (त्वर्ग) | केस्रमदादी कमाधार्या र ६९मा खूमि | केस्बादादी कथा थार्था ना रु६हा बराज | জ্ঞানাম্য মহালের বা কীর নিমিত্রে বিক্রম হইবেক | |
| শেণীক নয়ক | ^ AS | | o | 200 |

् जिला यत्नाहरत्त् कात्नकृति काष्टाती ३५४६ मान २ जुनाह ।

्रमहो ज्याथर्षम । अक्षित कात्मकृष्ट्रम ।

| 838AS | 9090 | |
|--|--|---|
| N | 10 | |
| H | 12 | |
| 3 | # | |
| 1000 | VEN! | |
| 0 | KY | |
| G | | |
| ipin. | 10. | |
| 100 | 3 | |
| - | 3 | *) |
| 4 | T | |
| hot. | 100 | |
| N. | V. | |
| - | 后 | |
| (5) | K | |
| 20 | 10 | |
| 18 | 100 | |
| 17 | ~ | |
| 4 | 10. | |
| CA | E | |
| 6 | 100 | |
| | 10 | |
| 16 | 1 | |
| - | | |
| 2 | V | |
| her. | 芸 | |
| 10 | W | |
| 2 | 4 | |
| W | 10. | |
| 2 | 15 | |
| F. | 7 | |
| Y | 15 | |
| 0 | N | |
| 100 | 8 | |
| N. | ~ | |
| 10 | Sec. | |
| 15 | 1 | |
| 100 | 15 | |
| 8 | 8 | 10 |
| 00 | 1 | |
| 2 | 3 | |
| 300 | Mer | |
| 12 | F | |
| 15 | 250 | |
| | | |
| 18 | N | 333 |
| 10/ | N | |
| 100 | her. | |
| 10 | 1. | |
| 10 | 1 | |
| 4 | F | |
| 10 | 1 | |
| le. | 00 | |
| K | h | |
| 4.5 | 17/2019 | |
| 1 | 100 | |
| 4 | - | |
| CLE PA | HA . | |
| नह भी | मन भ | |
| तित्रं भी | ह मम ३ | |
| ब्राटनह मी | बिड मन | |
| क्षियारनाइ भी | निविद्य मन ३ | |
| वर्ष्ट्रियादन मी | तिशिष्ट मन | |
| ना वर्ष्ट्रियात्नत्र भी | ात् निविद्य मन | |
| छला वर्ष्ट्रगात्नव भी | हात निविद्य मन | |
| - जिला दक्ष्यात्न मी | डाहां र निम्न छ मन ३ में 80 मात्नत १२ खुला हे त्या १ मम ३१ हर मात्मत छ जावन मम्मदात् कात्मकृष्ट मारहत्व ह जिहा दि। | |
| द किला वर्षमात्न मी | N. Sept. | |
| गाद् जिला वर्षमात्मत् मीटहत् लिथिक महाज मन ३৮८६ मात्मत् ७३ त्मार्थहत् लाकुना हाकी मानक्ष्माद्वित् निमिन्न ध्वतः ष्ममार | N. Sept. | |
| मार् किला वर्षमात्व भी | N. Sept. | |
| निजुमार् किला वर्ष्ट्रियारन ह भी | N. Sept. | |
| राजुम | N. Sept. | • |
| राजुम | N. Sept. | |
| राजुम | N. Sept. | g - |
| राजुम | N. Sept. | - Pag |
| राजुम | N. Sept. | F 20 - |
| राजुम | N. Sept. | কে ইন্তি। |
| राजुम | N. Sept. | বেক ইন্তি। |
| राजुम | N. Sept. | ইবেক ইতি। |
| राजुम | N. Sept. | । হছরেক ইন্তি। |
| राजुम | N. Sept. | ন্ম চ্ছবৈক ইতি। |
| राजुम | N. Sept. | ক্ৰ চ্ছবৈক ইন্তি। |
| राजुम | N. Sept. | रिक्रा हर्दे (दक वृत्ति। |
| राजुम | N. Sept. | য় বিক্ৰম হছবৈক ইতি। |
| राजुम | N. Sept. | াৰ বিক্ৰয় হইবেক ইন্তি। |
| राजुम | N. Sept. | ভান্ত বিক্ৰম হছবৈক ইতি। |
| राजुम | N. Sept. | নিভাৰ বিক্ৰয় হুইবেক ইন্তি। |
| राजुम | N. Sept. | । নিভান্ত বিক্ৰম চইবেক ইন্তি। |
| रानुभ | N. Sept. | বুণ মিডান্ত বিক্ৰম হইবেক ইন্তি। |
| रानुभ | N. Sept. | এবং মিডান্ত বিক্ৰয় চুইবেক ইন্তি। |
| रानुभ | N. Sept. | চ এবং মিভান্ত বিক্ৰয় চ্ছবৈক ইতি। |
| रानुभ | N. Sept. | বক এবং মিডান্ত বিক্রয় হুইবেক ইন্তি। |
| रानुभ | N. Sept. | रितक जारभ मिछास रिक्राम रहेर्तक है जि। |
| रानुभ | N. Sept. | স্থিকে এবং, নিভান্ত বিক্ৰয় হুইবেক ইতি। |
| रानुभ | N. Sept. | ষাইবেক এবং মিডাজ বিক্রয় হইবেক ইতি। |
| रानुभ | N. Sept. | না যাইবেক এবং নিভান্ধ বিক্ৰয় হুইবেক ইন্ডি। |
| रानुभ | N. Sept. | ধরা যাইবেক এবং নিভান্ত বিক্রয় হইবেক ইতি। |
| मश्रम (मश्रम याहेएडएक त्व ३४९६ माटलत् ३ खाइत्मत् ७ थात्।नुमाद् किला वर्ष्ट्यात्मत् मी | N. Sept. | । ধরা যাইরেক এবং নিভান্ত বিক্রয় হইবেক ইতি। |
| रानुभ | N. Sept. | রে ধরা যাইরেক এবং নিভান্ত বিক্রম হইরেক ইন্তি। |
| रानुभ | N. Sept. | জবে ধরা যাইবেক এবং নিভান্ত বিক্রম হইবেক ইতি। |
| रानुभ | N. Sept. | ওজনে ধরা ঘাইনেক এবণ, নিভান্ধ বিক্রম চ্ছনৈক ইন্ডি। |
| रानुभ | N. Sept. | া ওজ্ঞে ধরা যাইতেক এবং নিডান্ত বিক্রম হইবেক ইন্তি। |
| रानुभ | N. Sept. | বনা ওজনে ধনা যাইনেক এবং নিভাজ বিক্রম হইনেক ইন্ডি। |
| रानुभ | Salt & | विमा अञ्चाद थता शाहातक जादश मिलाख विक्रम हहाँदिक है। |
| राजुम | N. Sept. | विमा अझरव थवा याष्ट्रेटवक अवश् मिजास विक्रम व्हेटवक हैन्छि। |

| महारमह त्यभी | बहारम | জেলার ভৌজিতে মহালের নমুর | মহালের নাম | মহালের লিখিড মালিক | मम्द्र बधा | मम ३৮४६ मालह दिवस्किथ ७३ द्वाष्ट्रभिष्यस्बद्ध भा स्नादाकी |
|---------------------------------------|--------------|-----------------------------|------------------------------|----------------------------------|------------|---|
| हेक्यादादि क्या थार्य मा ह ६ सा | | | | | | |
| ग्रहान | 292 | शाम । | त्योश डिकड्रामि शर त्मद्रशङ | র্যামগি বিবি | 206 | 27/3 |
| A | 285 | ATA. | त्योर कखराष्ट्री श्रु घटनाइत | त्मन काष्ट्रश्र देवा ६ करिय देवा | | |
| | | | সাহি | छ तम्य कामानिमम छ हालिमछेल। | 240/33 | 240/23 |
| /sj | 458 | श्रीम | त्योत त्वाइव्डिमिन भाष | | | |
| | Alega, | | সেরগড | পতিতপাবন বায় | 202 | 200 |
| A | 680 | A IN | त्योश श्वियामि अश्वध्यान | वाङेकित्भाव मझ्यमाइ | 6/2/0 | 0/9/0 |
| A | ∕¢j | | Æ | अंक्रहंब मृत्यानाधाव | 10/6 | 110/0 |
| Ą | 356 | 4 社会 | ठक त्राशाम भ९ भीमाम्रश्व | श्रिमात्राज्ञ (कांडाव् | & H5 e | \$ 115 o |
| Ą | 262 | बाम | त्योश ठाकमला श्र तमवश्र | कार्डिक शक्रमाड़ नारामदन्त् | | |
| | | | • | मांका श्रिमकी त्म्रोभमी त्मरा। | 5/15 | 5 1/2 |
| A | 906 | श्रीम | त्योर बाद्रशासामीर अर | मांशद्दाय दाय गीलाय श्रिमाद | | |
| | | | অ্যিকাদীৎ | জিনাথ রায় | 20405 | e/n |
| A | 933 | थाम | (ब्रो९ माध्याता श९ शोलाय | | | |
| | | | भेव भ | व्रक्षित्रिक्ष छत्त्रिक्ष | 8/4 | 8/4 |
| 7 | 644 | शास | गित्रहा है अब बाग्न ब | ह विक्रमित्र हो | 401 | \$ |
| /S) | /49 | | व्याशमादाम भर वाविहामि | शक्षांथ्यं सम्मी | 10/01 | 9/9 |
| , and |) G j | | /ej | कामानिठ्द्र एम स मर्द्धभंद्र एम | 8 19/2 | 8 ls/a |
| · · | / G g | | रैयमाश्रुत अर्द्धानीहामि | व्यादमूलगू किम | 5243 | 643 |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | B | | हिंद्राम्भुद - ६ ममीमभूद | | | |
| | | | भार दाशीहामि | उत्यम् क्षायामार | 3 10/8 | 2 lx8 |
| /9 | 40.05 | #TH | माहिमभाद भिर वानीहामि | छ्माय अक्षाबन ल्युकार्या | 5 10/9 | PW C |
| | | THE CARROLL | | Marty emost | 4 | |

| | | | RABON |
|---|------------|------|-------|
| 0 | No. of Lot | | 200 |
| 8 | 0 6 | 4000 | 000 B |
| | | | 9648 |

| N. | महाएम् इंद्रभी | জেলার ভৌজিভে মহালের নয়র | स्रोटनुद्र नाम | মহালের লিখিত মালিক | मम्द्र क्या | म् ३४४४ माम्बर् ७३ स्टब्स्याख्ड | रैक्क्नि |
|----|--------------------------------------|--|--|---|-------------|--|---------------------|
| | केस्त्रम् अधा भाषा न। ह ७३ महान | ०००० थाम | त्योत मधनग्रामीत अप हानी हाड़ी | यम नायाश्य रहाधात्र छ द्रायम्बिध रहाधात रह छेत्रहरू रहाधान | | পাওমা বাকা | |
| | | | AN ARM AND STRAIGHT OF | अ वाम्यावायन क्षावाद | 8>44/5 | 23440 | |
| | P | 32ee 41H | टकविश्विष्मित अप श्रामाश्र | | | | BELL SURPLY DAIS |
| | | | भारी | मक्तिमा विवि मी . | 0 110 | 0 11/10 | THE RESERVE OF THE |
| | /5 | 00。如时 | इक्स बडुनीड़ा श्रेर गडुनहाडे | ग्रष्टलम्बालि थी | MUG | No.C | Man Bally Man |
| | /q | २३६ थान | त्योर खक्रमशूर पर त्मद्रशङ | শ্রীরামকেশ | e tile | g hie | The Carting |
| | Ą | ७३७ थाम | त्योश दिसका अर त्वाद्ता | बश्जुमन बृद्धांशाह | 0) (| ٥.٥ | の一個で |
| | /aj | ३०३३ थाम सम्ब | त्योत ठक वहज्ञानमीय अप | | | | • |
| | | | यदमाश्र्व भाष्टी | माधर धुनी | 7) | * | |
| | /GJ | ३३६३ थान | त्योत त्माहा भय भाउटेनका | धक्ष्यमाम चाधिकाती | 8/8 | 8/8 | |
| | /g x | /sq | The state of the s | श्रीव्राष्ट्रीम जाधिकात्री | 8/8 | 8/8 | |
| | /eg | ३०११ थाम | विष्णभूत्र भार तम्हनाङ | किशशूर ठट्डोम्लाध्यक् | 2442 | 5 44/2 | |
| | Ø• | ঙ্গে | काश्यमेश्व श्र त्मव्शक | মাণিক মণ্ডল | 8/6 | 3/8 | |
| | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | 9 | बहे दाकी मन ३१८९ |
| | | | THE STREET STREET | | | • | मारम् दाव 89 |
| | | 1000年度の | Charles de mais | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | ।/७ छ मन ३३६३ |
| | मन हात्मद्र अदर डाहाद्र श्रे | A STREET, STRE | | | • | 一年 の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の | मारमं वाव 87 भा |
| | वस्मत्त्रं शुक्षं शुक्षं रक्षमत्त्रं | | | を | の 日間 大部 | A STATE OF THE PARTY OF THE PAR | টাকা একুনে ৯৬।৺৩ |
| | यालध्यादि त्य ग्रहारलद् दाकी | | | the 1 | | 4 | निका दक्षित्र कात्र |
| | আছে সেই প্ৰকার মহাল | 1804 | उचहायपुर्व मा त्माद्रशक | নৌরদাস নাড়া | en48 | 26 10/0 | नीलाम् इहेददक। |
| | वाकी शानधकारि (य क्रिंभ चा | | | | | | |
| | मात्र इत्र त्महेत्राल जामात्र कत् | | | | | | |
| | পের দাওয়ার নিমিত্ত বিজন্ম ছ | | | | | | |
| | 8शं महान | 3,5 | গ্রীমতী মহারাণী কোওল কোঙা | | | | |
| | | | वात काममात् ७५ वाकाववाम | | | 6 | Sur Actually and |
| | | | क्षत्रक्ष क्षांच्यास ४७६२७२ ११३३ होका मिस्त स्थाद भवा | | | 16 | ट्रामुक द्यामका ना |
| | | | | | | | |

| | | (| | 8 | • : | > | | 週 | | | | | | | |
|---|--|-------------------------------|---------------------------------|-----------------------------|---------------------------------------|---------------------------|---------------------------|---------------------------------------|-------------------------|---------------------------------------|---------------------------|---------------------------|--|---------------------|--|
| त रैककिस् ज़ | श्रक्षत्र घाटित् वाकीत् काद्रभ मीनाम इष्टे | (বক্ | | | | | | क्षिमा नमीश्राद श्रीश्रुक | कात्मक्षेत्र मारहत्त्त् | লকুষ প্ৰমাণ সন | ३२८७ माल्ल ब्याद | कादीत वाकीव निधि | तब कर नीनात्र हरे | রেক। | の見が言葉を見げたがいたことが |
| मन ३৮४६ मारलद् ७३ (ब्रहेभर्यास्ड्र भाउना दाकी | | 8/1424 | | | | | | | | | | | | 8/46CA | THE WAY OF THE |
| भूम त्र अधा | | 1040. | | | | | | | | | | | | 2 115/0 | THE WASTER |
| মহালের লিখিড মালিক | | रुदिग्रहा मङ | | | | | | の の の の の の の の の の の の の の の の の の の | | 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 一 | | | The state of the same of the s | মাণিকচন্দ্র শাহা | 日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日本の日 |
| মহালের নাম | লের জ্বন্তঃপাতি পহনি তালুক লাট উলামপুর প্য সমর্শা | - · | ब्रीयुङ दम्द डेझामिशद्द्र क्रिय | मादि कार्याक्रदायाम अवजनात् | भाहाजूह अशहहह त्हार | ₩833/5° होक। मम्ब् क्यांव | श्रश्तम् ब्राह्मः भाउनावि | श्रीदम माम्रमत्मादत्व दानित भ | किष्य मनाडन नाहाद दामित | मिक्स ज्लाकमाथ द्राह्मद् दाष्ट्री द | शर्क बाधानाथ ठाकदवव वामिक | उद्ध वह कोश्मीव शर्था छम। | मम दाष्टी माल सामारत्व ॥॰ | কাটা মায় ঘর এক খান | 1 日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本 |
| জেলার ভৌজিভে মহালের নমূর | | | 59 | TO SERVICE STATES | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | AND STREET ASSESSED. | 1 20年間の日本の | | | | | | | | |
| মহালের শ্রেণী | বাকী মালগুজারী যেরুপে আ। দায় হয় সেইরুপে আদায় | করণের দাওয়ার নিমিত্ত বিক্রয় | ह ६ आ महाल | | | | | | | | | | | | 日本のは、大学の大学の一方は日本の大学の大学の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の一方の |

मम ३৮८६ मान डादिश ७० खून त्यार ३२६२ मान डादिश ३९ व्याघाइ।

J. H. CRAWFORD, Collector.

870

| | | | | 7 | | | | | |
|------------------------------|---|---------------------------------------|---------------------------|---------------------------------|---|--|-------------------------------|--|---|
| | 8/8 | £\$ | 8/9 2 | a | 25 | 2 ld>0 | \$ | 0) | = 81 |
| मुष्ठं छम्। | 3¢ 1/8 | ç, | @ V8 | \$/\$ | P 19 | » (n) « | C/W | ٠٠ ١٠٠ | = 2= |
| | | | i. | i | | <u> </u> | 1 | 3 | |
| ड मानित | 1 | | | | | | • | 1 | |
| মহালের লিখিড মালিক | ায়ণ … ছত্রসার্রেণ মিত্র | নন্দকুমার সেন | ा विभिटमत् वाव्र | त्मोनड थी | माः कोद्रोधमाम दाव | প্রব্ ত্রাক্নাথ দেও | ··· রাষ্টায় দেন ··· | ছত্তনারায়ণ মিত্র | मोलङ की |
| শহালের নায় | জ্জিলে বিক্রমপুর থাৎ পাং বিক্রমপুর হাৎ ছত্রনারায়ণ মিত্ত | জ্জিলে তথা হাৎ মটু নিং এং নদকুমার সেন | धार श्री दमाबादाम उर श्रह | কেমেখ্রা জগমোহন মুগল হ নত থা | ब्रिल्टल नुक्रमाश्रूव था९ श९ मामामश्रूव विन्नि छा९ शमा थ्र मध्या नि९ थ९ शोदीश्रमाम दाश | জুজিলে পাএকাবেগ প্ৰ মুলভান প্ৰভাপ ভাৎ রামেশ্বর চক্ত নিং এং লোকনাথ দেও | দাবেক অনুদ্ধি ভাৎ রাম্রাম সেদ | জুজিলে রাজনগর চাং ফুলবাড়িরা হাৎ ছত্রনারায়ণ মিত্র | কাৎ ডগা হাৎ ডেঞ্চব হালদাব মিং থাৎ দৌলত থা দৌলত থা |
| জিলার ভৌজির মহা লের নমূর্ | 465 | 8 % | 8546 | 8846 | b 46 0 | P.R. | \$635 | 8448 | 43.03 |
| श्रहारमञ्जू (खेनी | हेस्डमहाही समा थार्य इ ६ सा महाल | | | | | | | | |
| জেপীর নম্বর | • | | | | | | | | |

्रिवर्ग्यम्बे शिष्ट्रणे । ১৮৪৫। ३৫ खूलाहे।]

| | | | | (85 | | | | | | 1 |
|--|---|---|--|---|---|---|---|--|---|-------------------------|
| মন্তব্য কথা | বাবতে ফিস বাজেয়াণ্ডীও এই ওসত হাওলা মধ্যে হাজকিশোর রায় জামীন- ওয়াদীলাত ৭৬৩। ।। দারের মে হক। | এই हा8मा शर्था উक्ट सामीनमादित स्य हरू। | এই ওসত তালুক মধ্যে উক্ত জামীনদারের যে হক। | এই ভালুকের মধ্যে হ্রচন্দ্র দত্ত জামীনদারের মে হক কিন্দু ইহার ॥/১৩। – জান্তি হিন্যা লাট বনিহইতে থারিজ পাওয়ার দাবিতে কানুন চহ- | ংমে শালেশ তপান্তত আছে হয়। ভিগার হয়লে ডিগারিদারের হন্ধ নাই হয়কে না। এই ডালুকের মধ্যে কালীকিশোর সেন জামীনদা। | এই ডালুকের মধ্যে কাশীচন্দ্র দেন আলোকচন্দ্র দেন ও কালাটাদ দেন জামীনদারানের যে হক। | এই ভালুকের মধ্যে আলোকচন্ত্র দেন জামীনদ। রের যে হক। | এহ ভালুকের ৩ দুহ আমা হিস্যা,মধ্যে বুজ- মোহন দেন জামীনদারের যে হক। এই ভালুকের মধ্যে মাহেলুনারায়ণ আইচ ও | ঈশ্রচন্ত্র আইচ আসামীআনের যে হক। এই ডালকের মধ্যে উদ্দ আসামীগণের যে হক | R. R. Sruar, Collector. |
| मन ३৮८६ है९ २৮ बुद्म इ शास्त्रादाकी | दादएड किम दारम्राचीछ अशमीलाङ १७७ । ॥ | Ng | 49 | Ag I | Ą | A9 | /aj / | জিক সর্বর্হিকটের্ | ত্যালাহের। ৭৮৬ | |
| मन्द्र क्या | 18/626 | 49.00 | 11 6/11062 | 18 66/55 11 | \$. 40,00 = | 11 (1 0.9) | و المرك | 114/1156 | | |
| মহালের লিখিড মালিক | রাজকিশোর রায় | Æ | 9 | दिक्ष्यभाम मङ | শীভারাম দেন | ••• जिदमान तमन | নেগারাম সেন | প্রাণ্ড্যন্ত সেন মহেন্দ্র নারায়ণ আইচ | ও স্থর্ডন্ত আইচ | |
| মহালের নাম | भ्य हाडिन मिनिशादाम स्थामादी श्रीकृष्ण द्राप्त इत्रकृत्य स्था दाशकृत्र हाशुक्षण्यद्र हिमा। हा। जिस्कोशाय स्था अस्तर्भक्ता साधितमात स्था | কিময়ত বাইড্যা পণ ঐ জয়ীদার্হী দুগভনারায়ণ দেনজগর্হত ভালুক শ্যামনুন্দর রায় হিম্যা গোবিন্দপ্রদাদ রায় হাওলা | রাজকিশোর রায় কিমমত লালমোহন তপে আজিমপুর ও পর্ণনে বাসরোড়া তাপুক রামমেয়েহন দাস ও রামশুরণ দাস ওসত তাপুক | রাজকিশোর রার কিসমত মানপুর ওগম্বহ্ থারিজা পরগনে বালরোড়া বিজ্পুসাদ দই ভা লুক | থারিক্কা পর্গনে বাঙ্গোড়া সীতারায় সেন ভালুক সীতারায় সেন | थांदिश भद्रात बे नियमाम त्मन ठालूक | i | থারিজা প্রগনে এ প্রণিক্ষ দেন ভালুক প্রগনে সিলিমাবাদ হিস্যা ৺ আনীমুদাফভ।১॰ | AND RESIDENCE OF SHAREST | হরিবলভ আইচ নামিক ভালুক |
| জিলায় ভৌ জিভেমহালের নযুর | | • | • 1 | 639 | , 686 | Acoc | . 204 | ė . | | |
| महारमह त्यंभी | दाकी शामधभाति त्य कत्म प्राप्तांश इत्र मिट्टे कत्म व्यासाय स्वराधन | লাওয়ার নিমিত্ত বিজ্ঞ র হওয়া মহাল | | | | | | | | |
| त्वा पी द | , | | | | | | | | | |

J. C. Dick, Acting Collector.

The terms of the present Settlement are that the Estate should pay the present rate of assessment until a detailed permanent Settlement at a Nisf Jumma can be effected.

12

140

10

271 9

Mowjeh Tonah Pergun- Nimchand Bhuttacharjee.

1186.

Estate not permanently Settled.

II.

o yo

Balance due the 28th day June 1845

Sudder Jumma.

Recorded Proprietor.

Name of Mehal.

No. of the Mehal in the District Rent Roll or Re-

Class of Mehal.

ci

gister.

.

Collector's Cutcherry, 24-Pergunnahs, 10th July, 1845.

ঘোষণা করা ঘাইতেছে যে দন ১৮৪৫ দালের ১ আইনের ৬ ধারানুদারে জেলা ২৪ প্রগনার কালেক্ট্রীর অধীনস্থ নীচের লিখিড ইন্টেট উক্ত ভেলার কালেক্ট্রীডে দন ১৮৪৫ সালের ২৮ জুলাই মোভারকে । দন ১২৫২ দালের ১৪ আবিণ দোমহার দন ১২৪৫ দালের ২৮ জুল তারিখঅবধি বাকী টাকা দাখিল না করা জন্য প্রকাশে বিক্লী হইবেক।

| মন্তব্য কথা | কৈছিল, এই মহালের যাবৎ নিসিপ লমার দারেমী রন্দোবন্তু না হয় তাবৎপর্যন্ত এই ইক্টেট হইতে বর্হমান নিরিথে দ্রকারের রাজ্য আ- দায় হইবেত। | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|
| বাকী সন ১৮৪৫ সালের সদর জ্যা কো [ু] ২৮ জুন অব্ধির প্রাণ্য স্কুকা | 6 h • 8 C | | | | | |
| সদর জ্বা কো [্] তিক্কা | 9/1 (*** ***) | | | | | |
| বাল্লাবন সংগ্ৰহ্মাত্র মহাল হৈছেই। বিজ্ঞাত্তির নয়র মাহালের নাম মালিকের নাম সদর জনা কেবি ২৮ । সুমারি নয়র সুমারি মহাল হেজেইটিরে নয়র মাহালের নাম মালিকের নাম সদর জনা কেবি ২৮ । | নিষ্ঠাদ হট্টাগর্থ | | | | | |
| মাহালের নাম | প্য কলিকাতা নৌগ টোনা | | | | | |
| কেজেফারির নাম ক | 28. | | | | | |
| भूगादि महाल . | भागत् वटमाविष्ठ | | | | | |
| मुसादि नहत | | | | | | |

त्व मि जिक्। अक्षिर कारमक्षेत्र।

१ अ अव्याना काष्ट्रादी कात्मक्षेत्री। ३० कुलाई मन ३४४६ मान।

[नर्यर्द्याने रनटकरे : ১৮৪৫ । ১৫ जुलाई ।]

No. of Class.

NOTICE is hereby given, under Section 6, Act I. of 1845, that the undermentioned Estate in Zillah 24-Pergunnahs will be put to public and unreserved Sale at the Collector's Office of that District, on Monday the 28th day of July 1845, corresponding with 14th Srawon 1252 B. S., for arrears of Revenue due on the 28th day of June 1845.



গ্ৰন্থেন্ট গেজেট্

গ্রণ্মেণ্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, JULY 22, 1845.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৫ সাল ২২ জুলাই।

ACTS.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE.

THE 12TH JULY, 1845.

The following Act, passed by the Governor General of India in Council on the 12th July 1845, is hereby promulgated for general information:

ACT No. XIV. of 1845.

An Act to provide for the appointment of Nazirs in the Moonsiffs' Courts.

I. It is hereby enacted, that so much of Clause 4, Section 5, Regulation VII. of 1832 of the Bengal Code, as enacts that certain duties assigned to the Nazir of the Judge's Court shall in the Moonsiffs' Courts be performed by the Moonsiffs themselves, and that the Tullubanah levied in the Moonsiff's Court shall only be three-fourths of what is levied in the Judge's Court, is repealed.

II. And it is hereby enacted, that within the Territories subject to the Presidency of Fort William in Bengal, the Moonsiffs shall from and after the passing of this Act retain on their Establishments Nazirs to whom the provisions of Clause 8, Section 14, Regulation XXVI. of 1814 of the said Code shall be applicable.

G. A. Bushby, Secy. to the Govt. of India.

DRAFTS OF ACTS.

HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE.

Тик 19ти July, 1845.

Resolution.—The following Act is brought up before the Legislative Council this day—the Governor-General of India in Council being desir-

[Government Gazette, 22d July, 1845.]

আইন।

ফোর্ট উলিরম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট। লেজিদলেটিব।

हेक्ट्रकी ১৮৪৫ नाम ১२ खुनाई।

ভারতবর্ষের প্রীমৃত গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌলেলে ইলরেজী ১৮৪৫ সালের ১২ জুলাই তারিথে নীচের লিখিত আইন জারী করিলেন এবং তাহা দর্ম সাধারণ লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হইতেছে।

रेक्टब़की ১৮৪৫ मान ১৪ आहेग।

মুনদেকের আদালতে নাজিরদিগতে নিযুক্ত করণের তকুম করিবার বিষয়ি আইন।

১ ধারা। ইহাতে ছকুম হইল যে বাঙ্গলা দেশের চলিত ১৮৩২ দালের ৭ আইনের ৫ ধারার ৪ প্রকরণের যে ভাগে ছকুম আছে যে জজ দাহেবের আদালতে যে কতক কর্মা নাজিরের প্রতি অর্পণ আছে দেই২ কর্মা মুন-দেকের আদালতে মুন-দেকের আদালতে মুন-দেকের আদালতে যে তলবানা লওয়া যায় মুন-দেকের আদালতে দেই তলবানার চারি ভাগের কেবল তিন ভাগ লওয়া যাইবেক ভাহা রদ্দ হইল ইতি।

২ ধারা। এবং ইহাতে হুকুম হইল যে বাজলা দেঁ শের ফোর্ট উলিয়ম রাজধানীর অধীন দেশে এই আইন জারী হওনঅবধি এবং তাহার পরে মুনদেফেরা আ-পন্য সিরিশ্তার নাজির নিযুক্ত করিবেন। ঐ নাজি-রেরদের বিষয়ে বাজলা দেশের চলিত ১৮১৪ সালের ২৬ আইনের ১৪ ধারার ৮ প্রকরণের বিধান খাটিবেক ইভি। জি এ বৃশবি।

ভারতবর্ষের গবর্গমেন্টের দেকেটারী। John C. Marshman, Bengalee Translator.

আইনের মুদাবিদা।

দেশীয় ডিপার্টমেন্ট। লেজিসলেটির।

हेक्टरबंबी ১৮৪৫ माल ১৯ खुलाहे। निर्द्धारुग।

নীচের লিখিত আইন ব্যবস্থাপক কৌন্দেলের সম্পূর্বে আদ্য উপস্থিত করা গেল।, ভারতবর্ষের প্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্দেলে এই আইন অংগাঁণে

ye at wais ap

ous that no time should be lost in passing the Act | জারী করিতে ইচ্ছুক হইয়া এই নির্দারণ করিয়াছেন তে -Resolved, that the rule requiring a previous publication of two months or three months before the passing of any Act of the Government of India, be suspended in respect to the following proposed Act, and that it be reconsidered at our first Legislative meeting after the 31st proxime.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE.

THE WINDS

Тне 19тн Јилу, 1845.

The following Draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 19th July 1845 :

ACT No. — OF 1845.

An Act respecting the appointment and powers of Agents for the suppression of Meriah Sacrifices in Hill Tracts of Orissa.

I. It is hereby enacted, that it shall be lawful for the Governor-General in Council, by an Order in Conneil, to remove from the jurisdiction and superintendence of the Commissioner and Superintendent of Tributary Mehals in Cuttack, any of the Tributary Estates specified in Section 2, Regulation II. of 1816 of the Bengal Code, and to place any such Estates under the jurisdiction and superintendence of such Officer (to be called the Agent for the Suppression of Meriah Sacrifices) and his subordinates, as shall from time to time be appointed by the Government of Bengal in that behalf.

II. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the Governor-General in Council by an Order in Council to remove from the jurisdiction and superintendence of the Agent to the Governor-General, appointed under Regulation XIII. of 1833 of the Bengal Code, any portion of the tracts of Country specified in Section 3 of the said last mentioned Regulation, and to place any such portion under the jurisdiction and superintendence of such Officer (to be called the Agent for the Suppression of Meriah Sacrifices) and his subordinates, as shall from time to time be appointed by the Governor of Bengal in that behalf.

III. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the Governor-General in Council by an Order in Council to remove from the jurisdiction and superintendence of the Collectors of Ganjam or Vizagapatam, exercised by them as Agents to the Governor of Fort St. George under Act XXIV. of 1839, any portion of the tracts of Country specified in Section II. of the said last mentioned Act, and to place any such portion under the jurisdiction and superintendence of such Officer (to be called the Agent for the Suppression of Meriah Sacrifices) and his subordinates, as shall from time to time be appointed by the Government of Fort St. George in that behalf.

IV. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the Governor-General in Council, by an Order in Council, to remove from the operation of ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের কোন আইন জারী করণের দুই কি তিন মাস পূর্বে তাহা প্রকাশ করিতে যে বিধান আছে দেই বিধান নীচের লিখিত আইনের বিষয়ে স্থগিত হইবেক এবং তাহা আগামি মানের ৩১ তারিখের পর ব্যবস্থাপক কৌন্দেলের প্রথম যে বৈঠক হয় ভাহাতে श्रनिदियमना इहेरवक। Marted and an agree

donn ille mit auf ber Genfau ! fi find ben ber ed; bus brand To winness ad . देनीय डिशार्टियले ! selan tannes feeling বিশ্বভাৰত **লেভিসলেটিব।** nolmbelval mish

প্রস্তাবিত আইনের নীচের লিখিত মুদাবিদা ইলরেন ১৮৪৫ সালের ১৯ জুলাই তারিখে হজুর কৌলেলে প্রথমবার পাঠ করা গেল প্রিমান বা

উড়িয়ার পর্বভীয় দেশে মেরিয়ানামক নরবলি নি বারণার্থ এজেন্ট সাহেবকে নিযুক্ত করণের এবং ভাঁহার ক্ষতা ধার্য করণের আইন। springer from siles

- ১ ধারা। ইহাতে তকুম হইল যে প্রিয়ত গররনর জেনরল বাহাদর হন্তুর কৌন্দেলে কৌন্দেলের আজাক্রমে वाक्रमा मिटलात ठलिंड ১৮১७ माटलत २ आहेरमत् २ ধারার নির্দিষ্ট কোন পেশক্সী মহাল কটক দেশের পেশকদী মহালের কমিদানর ও সুপরিংঐতেও দাহে-বের এলাকা ও কর্তৃত্ব ছাড়া করিয়া এ২ মহাল যে কর্মকারক এবং তাঁহার অধীন ব্যক্তির্দিগতে বাললা দেশের গবর্ণমেন্ট ভলিমিত্ত সময়েং নিযুক্ত করেন ভাঁহার मह अनाका ও कईखाधीत हाथित शाहन । बे कर्र-কারক মেরিয়ানাগক নরবলি নিবারণার্থ এলেও নামে বিখ্যাত হইবেন ইতি। dament to was talken
- ২ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে প্রীযুত গবর্-नत् रक्षनत्ल राशाम्ब रक्षत्र रकोरमाल कोरमालत् आसा-ক্রমে বাঙ্গলা দেশের চলিত ১৮৩৩ সালের ১৩ আইনের चाता नियुक्त श्रीयुक भरत्नत् (अनत्न दाराम्द्रत् अस्ति সাহেবের এলাকা ও কর্তৃত্বহুইতে ঐ শেষোক্ত আইনের ৩ ধারার নিদিউ দেশের কোন ভাগ ছাড়া করিয়া যে কর্মকারক এবং তাঁহার অধীন ব্যক্তিরদিগকে তলিমিটে वाक्रण। क्रिल्ड शवर्वस्थले मधस्यर नियुक्त करत्न् छारात-**मित्र अलाका छ कर्बुखाधीरम जे स्मर्गत छान कर्मन क**रिएक পারেন এবং ঐ কর্মকারক মেরিয়ানামক নরবলি নিবার-ণার্থ এজেন্ট নামে বিখ্যাত হইবেন ইতি।

while one prefered in the decisions of Sudden

chinese with Medicina not being applicable to the ৩ খারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে ত্রীয়ত গবর-नत् (जनत्म राशमृद र खुद क्लेक्स्स क्लेक्स्स আজাক্ষে ১৮৩৯ माल्य २८ आहेनानुमाद्व बाखाल्य श्रीयुङ भवत्नत् मारश्यत् अस्मरसेत् छेशनरक भाक्षा ও বিজয়গপ্টম জিলার কালেকটর সাহেবের শেঘোল আইনের ২ ধারার নির্দিষ্ট দেশের কোন ভাগে যে এলাকা ও কর্তৃত্ব আছে ভাহা ছাড়া করিয়া দেশের দেই ভাগ যে কর্মকারক ও তাঁহার অধীন ব্যক্তিরদিগকে তানি-शिटल **शास्त्रारक** शवर्गरमञ्जूष नियुक्त करतन् की श्रद्भार अनाकां अ कर्वुआधीरम ब्राथिए शार्वम् अव मिहे कर्मकातक प्रतिशामाभक मत्राल नियात्वार्थ अर्डाले নামে বিখ্যাত হইবেন ইতি।

। ৪ ধারা। এবং ইহাতে ত্কুম হইল যে এমৃত গ্রহ-নর জেনরল বাহাদ্র হজুর কৌন্দেলে কৌন্দেলের আজাজ ম জিলা রাজমহন্ত্রির কোন ভাগে দাখারণ

Continued the state of the thirty

[त्रवर्गमळे त्रारक्षे । ३५८० । १२ क्लाहे ।]

the General Regulations and Laws any portion of Zillah Rajamundry, and to place any such portion under the jurisdiction and superintendence of such Officer (to be called the Agents for the Suppression of Meriah Sacrifices) and his subordinates, as shall be appointed by the Government of Fort St. George in that behalf.

V. And it is hereby enacted, that all such Agents and their subordinates as shall be ap-pointed under this Act, shall, in the exercise of their jurisdiction and superintendence, be guided by such instructions as they may from time to time receive from the Government of India through their respective Governments.

VI. And it is hereby enacted, that it shall be competent to the Governor-General in Council, through the Governments, of the aforesaid Presidencies respectively, to prescribe such Rales as he may deem proper for the guidance of such Agents and subordinates, and to determine to what extent the decision of the said Agents in Civil Suits shall be final, and in what Suits an appeal shall lie to the Sudder Court, and to define the authority to be exercised by the said Agents in Crimical trials, and what Criminal cases they shall submit for the decision of the Sudder Court.

Ordered, that the Draft now read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be reconsidered at the first meeting of the Legislative Council of India after the 31st day of August 1845.

G. A. Bushby, Secy, to the Govt. of India.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

to take the party and server it had state o No. 24.

To the Civil Judges in the Lower Provinces and Commissioners of Hazareebaugh and Assam.

The rule in clause 3, Section 2, Regulation VII. 1832, for calculating the period within which appeals are preferable from the decisions of Sudder Ameens and Moonsiffs not being applicable to the decrees of Moonsiffs, which are not required to be written on Stamp paper, the Courts of Sudder Dewanny Adawlut, for the Lower and Western Provinces have ruled that the period of thirty days allowed for appealing from Moonsiffs' decrees shall be reckoned from the date of delivery, or tender of decree to the parties.

(Signed) W. KIRKPATRICK, Deputy-Register Fort William, 11th June, 1845.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER NIZAMUT ADAWLUT.

To the Criminal Authorities in the Lower Provinces. The services to

আইন ও বাবস্থার কর্তুত্ত নিবর্ত করিতে পারেন এবং সেই ভাগ বে কর্মকারক এবং ভাঁহার অধীন কর্মকারকদিগকে ভলিমিতে মান্দ্রাজের গ্রণ্মেন্ট নিযুক্ত করেন ভাঁহারদের अलाका ও कडुंटळात अधीरन ताबिटड शाद्वन अंतर समेरे कर्माकात्क धार्त्रमागामक नत्रतिल निराद्रशार्थ अटबन्धे নামে বিখ্যাত হইবেন ইভি।

৫ ধারা। এবং ইহাতে ছকুম হইল যে এই আইন-क्रा य मकल अरकले छ महकातिता नियुक्त हम ठाँशाती সময়ক্রমে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের স্থানে আপনং গবর্ণ-মেন্টের দারা যে সকল তকুম পান্ তদনুদারে আপন> এলাকার ও আপনারদের হাতে অপিত কার্যা নির্মাহ कविद्यम देखि।

৬ ধারা। আরো ইহাতে তকুম হইল যে প্রীযুত शरस्मत् (अनत्न राष्ट्राम्त रख्त कोरमारन धेर এएअले छ डीहात्राहर अधीन कर्मकात्त्राहरू कार्या निकारहत নিমিত্তে যে দকল নিয়ম উচিত বোধ করেন তাহা পূর্কোক্ত बाजधानीव विरमधर गवर्गध्यक्ति बावा निकल्प कदिएक পারেন এবং দেওয়ানী মোকদ্মায় উক্ত এজেন্টেরদের নিষ্ণাত্তি ষেপর্যান্ত চূড়ান্ত হইবেক এবং যে২ নিষ্ণাত্তির উপর সদর আদালতে আপীল হইতে পারে তাহা निक्रभण कतिएक भारतन अव एकोक्रमाती स्माक्सभाग्र উক্ত এজেন্ট সাহেবেরদের যে২ ক্ষমতা থাজিবেক এবং যেং মোকদ্দমা নিব্পত্তির নিমিত্তে তাঁহারা সদর আদাল-তে অর্পণ করিবেন তাহা নিরূপণ করিতে পারেন ইতি।

Billion III of 1816 care banged Code, and ত্তৃম হইল যে একণে পাঠকরা মুসাবিদা দর্ম সাধা-রণ লোককে জানাইবার নিমিত্ত প্রকাশ হয়।

ত্রুম হইল যে আগামি ৩১ আগট তারিখের পর ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌন্দেলের প্রথম যে বৈঠক হয় তাহাতে এই মুসাবিদা পুনরায় বিবেচনা করা যায়।

জি এ বুশবি। JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

ममत (म अयानी आमानरकत मत्कानत व्यक्त।

and to notified you as and their and the Charles

বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের আযুত দিবিল জল সাহেব ও হাজারীবাগ এবং আসামের প্রিয়ত কমিস্যানর সাহেব ্বরাবরেষ ।

ममत आशीम । शूरमाफत्रामत निकाहित उँभत त মিরাদের মধ্যে আপীল করিতে হয় তাহা হিসাব করিবার বিষয়ি ১৮৩২ দালের ৭ আইনের ২ ধারার ৩ প্রকরণে যে বিধান আছে তাহা মুনদেকেরদের ডিজার বিষয়ে খাটে না যেহেতুক তাঁহারদের ডিক্রী ইফ্টাম্প কাগছে লিখিবার আবশ্যক নাই অভএব বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের এবং উত্তর পশ্চিম দেশের সদর দেওয়ানী আদালতের দাহেবেরা বিধান করিয়াছেন যে মুনদেফের ডিক্রীর উপর আপীল করণের যে তিশ দিন মিয়াদ নিদিক্ট আছে তাহা ঐ ডিক্রী উভয় পাক্ষকে দিবার কি দিতে প্রস্তাব করিবার ভারিখ आदिश त्रिण कदिएक हे हैंदिक bai to morroy you महिल्ली

ক্রম । তেপুটা রেজিউর কর্মপাত্রিক। ডেপুটা রেজিউর। कार्षे डेलिस्स । ১৮৪¢ 1.52 जुन । तेत्रव पूर्ण करबीप का

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

ু সদর নিজামৎ আদালতের সরকালর অর্জন।

১৪ নমুর ।

as supplied by the Covernment of Fort St.

বাদলাপ্রভৃতি দেশের ত্রিযুত ফৌজদারীর কার্যাকারক प्त प्त तिक्ववेश नार्द्य दहादरहरू।

With reference to the Circular Order No. 82 ১৮৪০ সালের ২০ আইনানুমারে মুপ্রিম ভোটের

[Government Gazette, 22d July, 1845.]

of the 1st March 1841, regarding the forms of processes for service within the jurisdiction of the Supreme Court, under Act XXIII. 1840, I am directed to transmit to you the subjoined form to be used in the like case and otherwise under Act X. 1845.

Warrant in cases of failure to serve summons. To Mahomed Nazim, Nazir of the Fouzdarry Court of the 24-Pergunnahs.

Whereas, a Summons was issued against Ramdhun Mistry, to appear and answer to a charge of assault preferred by Sheikh Ramjoo, and, whereas, it has been proved that, notwithstanding due diligence, the Officer entrusted with the summons has been unable to serve the same on the defendant, you are hereby directed to apprehend the said Ramdhun Mistry, and to produce him before the Magistrate of the said Court. In this fail not. Dated, the 5th day of April, 1845.

EL KALS



表示多种类型的 A. B. Magistrate. ASSMIR RPUL

W. KIRKPATRICK, Deputy-Register.

新西州 (克里斯·斯·罗斯)

Fort William, 4th July, 1845. RESERVED ALL AND ALL A

NOTIFICATION.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

LEAVE OF ABSENCE.

The 11th July, 1845.

Syud Nooril Hossein, Moonsiff of Nicklee, Zillah Mymensingh, for 4 months, from the 29th ultimo, in extension of that granted on the 20th idem.

APPOINTMENT.

The 11th July 1845.

Syed Mahomed Moazim, (who has obtained a diploma,) to be Acting Moonsiff of Nicklee, Zillah Mymensingh.

B. J. Colvin, Offg. Register.

CIVIL APPOINTMENTS.

No. 516. NOTIFICATION. GENERAL DEPARTMENT, N. W. P. AGRA. EDUCATION.

The 21st June, 1845.

Rajah Sut Churn Ghosaul having munificently placed at the disposal of the Local Committee of Public Education in Benares, the sum of 5,000 Rs. in founding a Scholarship in the Government College at that Station, the Honourable the Lieuএলাকার মধ্যে ত্কুম জারী করিবার পাঠের বিষ্টি ১৮৪১ সালের ১ মার্চ তারিখের ৮২ নম্বরী মরকু-লর অর্ডরের উপলক্ষে ১৮৪৫ মালের ১০ আই-নানুসারে দেই প্রকার গতিকে এবং অন্যান্য গতিকে ব্যবহার করণের নিমিত্ত নীচের লিখিত পাঠ ভোমার নিকটে পাঠাইতে তক্ম পাইয়াছি।

मधन छात्री कहिएउ ना शाहिएन एवं खबातको दाहित হইবেক তাহার পাঠ।

ठिखनान्तरागात कोक्षमाती आमानट्यं गानित श्रीर्क মহমান নাজিম বরাবরেয়।

যেহেত্ক রামধন মিক্সীর নামে দেখ রামজু মারিপিটের বিষয়ে নালিশ করিয়াছে এবং রামধনকে হাজির হইয়া ঐ নালিশের জওয়াব দিবার নিয়িতে ভাহার নামে সমন বাহির হইয়াছে এবং যেহেতৃক সমন যে পেয়াদার হাতে **मिश्रा** राज स्में राज्यामा संदर्शाहिक केंद्रमान कतिरलंड আসামীর উপর তাহা জারী করিতে পারিল না এমত প্রমাণ হইরাছে অভএব ইহাতে ভোগার প্রতি ছক্ষ হইতেছে যে তুমি উক্ত রামধন মিপ্রীকে গ্রেন্ডার করিয় উক্ত আদালতের যাজিট্টেট দাহেবের সম্প্রে হাজিব कतां हे हार शांकिली कृतिया ना है है। ১৮৪৫ मान डात्रिथ ৫ जाशिन।



क का मार्टिस का विकास के विकास de all gaira a dall प्राविद्युपे। Landbay Yaranga Liber

ভবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিফার। टकार्ने डेलिस्स । ३४८৫ । ८ खुलारे ।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator

বিজ্ঞাপন। married at a series of the series of problems and

সদর দেওয়ানী আদালতের ত্রুম। ष्ट्री।

১৮৪৫ সাল ১১ জুলাই।

জিলা মরমুনিসিংহের নিকলির মুনদেক প্রীযুত সৈয়দ নুরিল জনেন গত মাদের ২০ তারিখে যে ভূটা পান্ তদতিরিক্ত গত মাসের ২৯ তারিএঅবধি চারি মানের ভূটী পাইয়াছেন।

निद्यांश।

১৮৪৫ मान ১১ जनहि।

যোগাতার প্রপ্রাপ্ত শ্রীষ্ত দৈয়দ মহমাদ মুআছিম किला गरम्बिम १८१३ निकलित अक्षि भूबरम्क इटेर्टन।

বি জে কলহিন। একটিৎ রেজিফার।

রাজকর্মে নিয়োগ।

৫১৬ নমুর । বিজ্ঞাপন। উত্তর পশ্চিম দেশের জেনরল ডিপার্টমেন্ট। আগ্না। হিন্যাধ্যাপন । ১৮৪৫ माल २১ ছন।

বারাণদের গ্রেণ্মেন্ট কালেজে বৃত্তি স্থাপন করিবার নিমিত আযুক্ত রাজা সভাচরণ ঘোষাল বারাণ্সে বিদ্যা ধ্যাপনের লোকেল কমিটির সাহেবদিগকে অভিবদনাঙা-পূর্ব্বক ৫০০০ টাকা প্রদান কার্যাছেন অভএব ইযুত अमज्ञिल दलदल्डिंदनके शवज्ञात मार्ट्य आमाहेरल्ड्स

[शदर्वायके दशस्त्र । ३४८४ । २२ ख्लाई ।]

tenant-Governor is pleased to notify, that the sum | যে ঐ টাকাতে অধিক সুদ যে ছানে পাওয়া যায় সেই will be invested to the best advantage, and the interest appropriated to the maintenance of a Scholarship to be hereafter called "The Ghosaul Scholarship."

By order of the Honourable the Lieut.-Govr. N. W.P.,

J. THORNTON, Secy. to Govt. N. W. P.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR

OF BENGAL.

APPOINTMENTS. The 9th July 1845.

Mr. J. W. Dalrymple to exercise the powers of a Joint-Magistrate and Deputy-Collector in Bullooah.

Mr. T. B. Mactier, Assistant to the Magistrate and Collector of Cuttack, is vested with the special powers described in Clause 3, Section 2, Regulation III. 1821, and Section 21, Regulation VIII.

Mr. E. Jackson to be an Assistant to the Magistrate and the Collector of Shahabad.

Mr. W. S. Seton Karr to officiate as Magistrate of Backergunge, during the absence of Mr. Shawe, or until further orders.

Mr. E. J. C. Richardson, to exercise the powers of a Joint-Magistrate and Deputy-Collector in Jessore.

LEAVES OF ABSENCE.

The 9th July, 1845.

Mr. J. S. Torrens, Collector of Rajshahye, for one month, on private affairs. Mr. W. M. Dirom, Magistrate, will conduct the duties of the Collector's Office in addition to his own during Mr. Torrens'

Mr. M. A. G. Shawe, Magistrate of Backergunge, for four months, under Medical Certificate.

Mr. F. Skipwith, Officiating Civil and Sessions Judge of Tipperah, for two months, under Section XII. of the Rules in force, from the date on which he may make over charge of the current duties of his office to the Principal Sudder Ameen.

Mr. W. Grey, Officiating Magistrate of Dinagepore, for a fortnight, under Section XII. of the Rules in force, in extension of the leave granted to him on the 12th ultimo.

By Order of the Right Honourable the Governor of Bengal,

F. J. HALLIDAY, Secy. to the Goot. of Bengal.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVER-NOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.
The 16th July, 1845.

Mr. W. Sarson to be a Second Class Abkarry Superintendent in the Dacca Division, from the 7th ultimo, and to exercise the powers of adjudication described in Section 3, Act No. XXV. of

Mr. H. Atherton to be a Member of the Ferry Fund Committee of Jessore, vice Mr. Lowth.

[Government Gazette, 22d July, 1845.]

স্থানে গক্ষিত করিয়া ঐ মুদের টাকাতে " ছোযালের বৃত্তি নামক" বৃত্তি ছাপন করিকেন।

উত্তরপশ্চিম দেশের শ্রীযুত অনরবিল লেপ্টেনেউ গ্ররনর সাহেবের জক্মজ্ঞে।

ছে থণ্টন।

উত্তরপশ্চিম দেশের গবর্ণমেন্টের সেকেটারী।

বাজলা দেশের প্রীযুভ রাইট অনরবিল গবর্নর সাহেবের ত্রুখ। निद्यांश ।

১৮৪৫ সাল ১ জুলাই।

श्रिष्ठ. एक प्रवित्रे प्रामितिन्त्रान मार्ट्ट राज्यार बा-देले बालिएके छ एडपुण कारलक्षेत्र मारहरतत कवलान-मारत कम्म कतिरवन।

ক্টকের মাজিট্টের কালেক্টর দাহেবের আদিক্টান্ট প্রীযুত টি বি মাকটিরর সাহেব ১৮২১ সালের ও আইনের ২ ধারার ৩ প্রকরণের এব৭ ১৮৩১ সালের ৮ আইনের ২১ ধারার নির্দিষ্ট বিশেষ ক্ষমভাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

আযুত ই জাক্সন সাহেব শাহাবাদের মাজিক্টের ও চা-লেক্টর সাহেবের আসিফীট হইবেন।

প্রীয়ত শা সাহেবের অনুপস্থান কি অন্য তকুম না হওনপর্যান্ত শ্রীযুত ডবলিউ এদ দিটন কার দাহেব বাক্র-গঞ্জের মাজিউেটা কর্মা নির্মাহ করিবেন।

শ্রীবৃত ই জে সি রিচার্ডসন সাহের ঘশোহরে ছাইন্ট মাজিক্টেট ও ডেপুটা কালেক্টর সাহেবের ক্ষমভানুসারে কর্মা করিবেন।

छूछ। ১৮৪৫ गाल २ खुलाई।

রাজশাহীর ফালেক্টর জীয়ত জে এস টরেন্স সাহেব স্বীয় কর্ম্মোপলকে এক মানের ভূটা পাইয়াছেন। প্রিযুত টরেন্স সাহেবের অনুপস্থানপর্যান্ত মাজিট্রেট প্রীযুত ডবলিউ এম ডিরম সাহেব আপন কর্মের অভিরিক্ত कारमक्षेत्र गोरश्टरत् काञ्चातीत कम्म जाजाश्टरम ।

বাকরগঞ্জের মাজিট্টেট অযুত এম এ জি শা সাহেব हिकि भारकत माँ किक छे ज्ञारम हाति मारमत छूँगे शाहता-

ত্রিপুরার এক্টিং সিবিল ও দেশন ভজ এযুত এফ ন্তিপউইথ সাহেব যে ভারিবে আপনার সিরিশতার চলিত কর্মের ভার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন সেই তারিশঅবধি চলিত বিধানের ১২ ধারান-নারে দুই মাদের ছুটা পাইয়াছেন।

দিনাজপুরের এক্টিৎ মাজিক্টেট প্রীয়ত ভবলিউ গ্রে সাহেব গত মাদের ১২ তারিখে যে ছটা পান তদতিরিক্ত চলিত বিধানের ১২ ধারানুসারে দুই স্থাহের ছুটা পাইয়াছেন।

বাঙ্গলা দেশের জীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর্ সাহে-বের হুকুমক্রমে।

এফ ভে হালিডে। राश्रमा प्रत्मव शवर्गमात्मेव स्वत्मारी।

বাললা দেশের জীযুত রাইট অনরবিল গবরুনর দাহে-বের ছকুম। बिदशाश।

১৮৪৫ माल ১৬ खुलाई।

প্রীয়ত ডবলিউ সার্পন সাহেব গত মাসের ৭ তারিখ-অর্যাধ ঢাকার এলাকায় বিভীয় প্রোণীর আবকারীর সুপ-विद्वारिक हे हेरदन अर्थ ३४८० मारलव २० चाहित्व ৩ ধারার নিদিউ বিচার করণের ক্ষমভানুসারে ভাষ্য कविद्वन।

মিয়ত লৌথ সাহেবের পরিষত্তে প্রিয়ত এচ আথর্টন দাহের ঘশোহরে ওদারার নৌকার দারা প্রাথ ফাজিল होका रामक्तरभन्न कमिष्टिन सम्मन बहैरदन।

Street of the Art State of State of

LEAVES OF ABSENCE.

The 15th July, 1845.

Mr. H. C. Watts, Collector of Assessment for the Town of Calcutta, for three months, on private affairs, from the 1st proximo.

The 16th July, 1845.

The remaining portion of the leave of absence for one month, granted on the 20th ultimo, to Moulavie Furzund Hossein, Mahomedan Law Officer of East Burdwan, is cancelled from the 8th

Mr. C. R. Strong, Sub-Assistant to the Commissioner of Assam, for two months, on private affairs, from the 1st February next.

NOTIFICATIONS. The 16th July, 1845.

Mr. A. Reid, Officiating Civil and Sessions Judge of Backergunge, assumed charge of his office on the 8th instant.

Mr. H. V. Hathorn, Civil and Sessions Judge of Sarun, resumed charge of his office on the 7th

By order of the Right Honourable the Governor of Bengal, F. J. HALLIDAY,

Secy. to the Govt. of Bengal.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.

The 16th July, 1845.

Mr. J. W. H. Campbell to officiate as Assistant Secretary to the Board of Customs, Salt and Opium, and Collector of Calcutta Stamps, during the absence of Mr. Houstonn, or until further

Mr. R. W. Hughes to officiate as Assistant to the Collector of Government Customs at Calcutta.

Captain S. R. Tickell and to be Principal Assistants to the Commissions, sioner of Arracan.

Mr. W. G. Young, Assistant to the Magistrate of Howrah, is vested with the special powers described in Clause 3, Section 2, Regulation III.

Mr. H. Atherton to be a Member of the Local Committee of Public Instruction of Jessore.

Mr. Joseph Richard Bedford to be Civil Assistant-Surgeon at Gowalparah in Assam.

LEAVE OF ABSENCE.

The 19th July, 1845.

The Revd. C. J. Quartley, Chaplain of the Old or Mission Church, for one month, from the 17th instant, under Section XI. of the Amended Absentee Rules.

NOTIFICATIONS.

The 19th July, 1845.

XV. of 1843, was located at Santipore in Zillah | প্রীযুক্ত ভবলিউ টি লা সাহেব গত আপ্রিল মানের ৯ তা-

[शवर्वयम् द्यारक । २४८४। २२ क्लाहे ।]

lates for time 200 colored and markets

১৮৪৫ मान ১৫ जुनाई।

কলিকাতা শহরের টাত্তের কালেক্টর জীনত এচ জি ওয়াট্স সাহেব আগামি মাসের ১ তারিশঅবধি দীয় কর্মোপলকে তিন মানের ছুটা পাইয়াছেন।

১৮৪¢ माल ১७ ज्लाहे।

পূর্বে বর্দ্ধমানের ফডওরাদায়ক প্রীযুত মৌলবী ফরজন ভদেনকে গভ মাদের ২০ তারিখে যে এক মাদের ছটা দেওয়া যায় তাহার অবশিষ্ট কাল বর্তমান মানের ৮ তারিথঅবধি রহিত হইল।

আসামের কমিদানর সাহেবের ছোট আসিফান্ট প্রিয়ত দি আর উূৎ দার্হেব আগামি ফেব্রুআরি মাদের ১ তী, রিথঅবধি ধীয় কর্মোপলকে দুই মাদের ছুটা পাই-

বিজ্ঞাপন।

的問題所以 ১৮৪৫ माल ১৬ खुलाई।

বাকরগম্ভর এক্টিৎ সিবিল ও সেশন জজ জীযুত এ রীড সাহেব বর্তমান মাসের ৮ তারিখে আপনার কর্মের छात शुर्ग करत्ता।

শারণের সিবিল ও দেশন জন্ত <u>প্রিয়ত এচ বি হেখর্</u> সাহেব বর্ত্তমান মাদের ৭ তারিখে আপন কর্মের ভার পুনর্গ্রহণ করেন।

বাঞ্লা দেশের প্রায়ত রাইট অনরবিল গবর্নর সা-रदित ए कुमक्रामा । विकास अक एक एक राजिए ।

वाक्रना म्हिल्यू शवर्गस्म होता ।

राम्मला त्मर्भत बियु तारे हे अनत्तिन शयदनद দাহেবের হুকুম। ि काकी से हिंदामि के इ**मिर्सार्ग।** विकास काउड़ा

अर्था अर्थ अन्य अर्थ मान ३५ बुनारें।

প্রিয়ত হোট্টন সাহেবের অনুপস্থান অথবা অন্য ত্তৃয না হওনপর্যান্ত প্রীযুত জে ডবলিউ এচ কাম্বেল সাহেব পর্মিট ও নিমক ও আফীনের বোর্ডের আসিফাট कर्म निकार कतिरवन।

শ্রীয়ত আর ডবলিউ হিউস সাহেব কলিকাতার গবর্ণ-মেন্টের হাসিলের কালেক্টর সাহেবের আসিফালী कर्म निर्कार कहिर्दम ।

গ্রীযুত কাপান এম আরু টিকেল সাহেব ও গ্রীযুত ल्ला कित के विकास कार्य कार्यकान मिट्न ক্ষিদ্যনর দাহেবের প্রধান আদিষ্টান্ট হইবেন। -

शावजात बाजिएकुँ गार्ट्स्टर वागिका है अपूर উবলিউ জি ইয়॰ मारहत ১৮২১ मारलत ७ আইনের ২ ধারার ৩ প্রকরণের নির্দিষ্ট ক্ষ্মভাপ্রাপ্ত হইরাছেন।

প্রীযুত এচ আথর্টন সাহেব যশোহরে বিদ্যাপ্যাপনের স্থানীয় কমিটির মেমুর হইবেন।

· প্রীযুত জোজেফ রিচার্ড বেডফোর্ড **সাহেব আসাম দে**শে গোজালপাড়ার সিবিল আসিষ্টাত চিকিৎসক হইবেন।

छुछ।

১৮৪৫ माल ১৯ जुलाई।

লালগিরজার ধর্মোপদেশক প্রীযুত দি জে কার্টলি সাহেব ছুটা প্রাপণের অধ্রা বিধির ১১ ধারানুসারে বভ্যান মাদের ১৭ তারিশঅবধি এক মাদের ছুটা পাই-सारक्रम ।

विज्ञाशन।

১৮8¢ माल ১৯ जुलाई।

Mr. W. T. Law, Deputy-Magistrate under Act ১৮৪৩ সালের ১৫ আইনানুসারে তেপুটা মাজিট্রেট

Nuddea on the 9th April last, and invested with বিখে জিলা নদীয়ার পাজিপুরে নিযুক্ত হউলেন এবং the full powers of a Magistrate in Thannahs Santipore, Nuddea, Ranaghaut and Sooksagur.

Mr. E. T. Trevor, Officiating Magistrate of Nuddea, assumed charge of his office on the 15th

By Order of the Right Honourable the Governor of Bengal,

THE RESIDENCE TO STATE OF THE HALLIDAY, STATES Secy. to the Govt. of Bengal. থানা শান্তিপুর ও নদীয়া ও রাণাঘাট ও সুথসাগরেতে माकिएके हे मारहरतत मन्त्रभ क्रमहाक्षाश्च इहेरबना

समीतात अकिए शाकिएक्रें श्रीमुख है कि किरत मार्ट्स বর্ত্তমান মাদের ১৫ তারিখে আপন কর্মের ভার গ্রহণ

राष्ट्रला म्हर्गत वियु उत्राहे ज वर्तिल शरहनत् माहर-त्वत् छकुमक्तरम् ।

अक रख शिनाए । वाह ना वाहला तालात शर्वद्यात्मेत सारक्षीती।

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS.

গ্রাক্তি প্রবর্ণমেন্টের ইশ্ভিছার দি ১ না

SALT.

ANAIvanoude'l del ads mont এত্তেহার দেওয়া যাইতেছে যে নীচের লিখিত পাঙ্গা নেমক পশ্চাদুক্ত নিরিখদরে বিক্রয়ার্থে প্রস্তুত আছে ধরিদারাণের উচিত যে ঐ নেমকের রকম মোৎ বালিয়াখাটার গোলার নমুনা দুফে থাতির জমামত বুঝিয়া থারিদ ঠরেন্ আর যে ব্যক্তি মোকাম মজকুরে প্রথমে রওয়ানা দাখিল করিবেক দেই ব্যক্তি পহিলা ওজন পাইবার যোগ্য इडेरदक ।

हिवि च अस्त्रीय मात्रके े त्मारकत दवस्ता।

| এছেন্দী অর্থাৎ | াত থাটের নাম নার | ত কোন্ সনের জি | মওয়াজি নেমক | দিরিশ দর |
|---|--|----------------|--------------|---------------|
| জেলার নাম | বালীভ কল্যাত চল | জি পোকান | | ফি ১০০/ যোন |
| ২৪ পরস্কা ১৪ পরস্কা বিশ্বিকাদে ক্রিকা | বালিয়াঘাটা হলে বালিয়াঘাটা হলে কাৰ ক্ষেত্ৰেয় ক্ষেত্ৰ | ১২৫১ সাল | ৩৮০৫/ যোন | কোৎ ৪০০১ টাকা |

বোর্ড পর্মিট নিমক ও আফিম তাৎ ১৬ জুলাই দন ১৮৪৫ দাল। এচ টরেন্দ। দেক্রেটারী।

এত্তেহার দেওয়া হাইতেছে যে নীচের লিখিত পাঙ্গা নেমক পশ্চাদুক্ত নিরিখ দরে বিক্রয়র্থে প্রস্তুত আছে থবিদারাণের উচিত যে ঐ নেমকের রকম মোণ নারায়ণপুরের গোলার নমুনা দুটে থাতিরজমামত বুঝিয়া থবিদ করেন আর যে ব্যক্তি মোকাম মজকুরে প্রথমে রওয়ানা দাঝিল করিবেক দেই ব্যক্তি পহিলা ওজন পাইবার যোগ্য एरेटरका नाम वास वास कार्या कर कर कि कार

| এজেন্সী অর্থাৎ জেলার নাম | ঘাটের নাম ^{চতীর} লাম কটার চারাস্থ | কোন্ সনের পোকান | মণ্ডয়াজি নেমক | নিরিথ দর্ ফি ১০০/ মৌন |
|-----------------------------|---|--------------------|----------------|--------------------------|
| ৪পরগনানারয়ণপুর | নারায়ণপুর | ১ ২৪৪ দাল | া॰ মোন | and an areas |
| विष्य के के | | ১২৪৯ সাল | Legionia 2227 | bus as assign |
| 直直直 | 3 | ১২৫০ সাল | A2051 | কোৎ ৪০০১ টাকা |
| থ নারায়ণপুর মিত্রিত | à | ১২৫০ সাল | POOONO | ,mp |
| 医医医 | 3 | ३२৫३ मान | 2 PE 29 110 | L.W. G. Young |

বোর্ড পর্মিট নিমক ও আফিম তাৎ ১৬ জলাই সন ১৮৪৫ সাল। এচ টরেন্স। সেকেটারী।

এত্তেহার দেওয়া ঘাইতেছে যে নীচের লিখিত পালা নেমক পশ্চাদৃক নিরিখ দরে বিক্রয়ার্থে প্রস্তুত আছে ধরিদারাণের উচিত যে ঐ নেমকের রকম মোৎ নারায়াণপুরের গোলার নমুনা দৃষ্টে থাতিরজমায়ত বুঝিয়া ধরিদ করেন আর যে ব্যক্তি মোকায় মঞ্চকুরে প্রথমে রওয়ানা দাখিল করিবেক সেই ব্যক্তি পহিলা ওজন পাইবার যোগ্য

| A DETECTION OF | SHOWING MATEL | নেমকের বেওরা। | diseas of dise | planet) in morganization |
|------------------------------|------------------|------------------------|----------------|--------------------------|
| এজেন্সী অর্থাৎ জেলার নায় | ঘাটের নাম | কোন্ সনের পোকান | মধ্যাজি নেমক | নিরিথ দর ফি ১০০/ মোন |
| २८ शतभागा (वॅड्डा ये खे | নারায়ণপুর ঐ | ১২৪৮ সাল এ ১২৪৯ সাল | ১৮৯০/ | netent under Bertlon |
| खे खे टालिसामाचे | The Man | ১২৫ • দাল ১২৫ • দাল | 0348/ OTTAG | ighton - |

বোর্ড পর্মিট নিমক ও আফিম তাৎ ১৬ জুলাই ১৮৪৫ দাল। এতা এচ টরে লা। সেক্টোরী।

Breek and Louise (Terra Consens)

[Government Gazette, 22d July, 1845.] . Of the Land on harding the between the faturble . (7)

ভূমিবিষয়ক ইশ্ভিহার। ইহার ছারা সমুদ দেওরা যাইভেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ ধারানুসারে জিলা বলুআর নীচের লিখিত মহাল মালওভারীর বাকী আদায়ের কারণ বর্ষান জুন মানের ২৩ ডারিখ সোমবারে ঐ জিলাক কালেক্টরী কাছারীতে নীলামে বিজয় হইবেক।

| গণীর নমূর | महारमद् क्षकृद | জিলার জমা ওয়াসীল বাকীর বহীতে মহালের নমূর | | দিথিত মালিক | मन्द्र क्ष्मा | दाम्नना ১२६० मत्मद् रैठड झात्मद्र ७० कादित्थ दाकी मास्ना | মন্তব্য কথা |
|-----------|---|---|---|---|---------------|--|-------------|
| n 19 | हेन्द्रमहादी क्या थाह्य हनुस्रा महान के | 0.4° | ভালুক রামজীবন দাস পথ হৈকুণ্ঠুতুরের হিঃ দ০ জানা। রামজীবন দাস ভালুক রফীকরিম জাইনুদীন মুদাফং শাজালী প ^র ্জামীর উদ্দীন মহম্মদ অষ্রাবাদের হিঃ॥৮১৩।- | রায়জীবন দাস আমুর উদ্দান মহম্মদ | हाम् सम्ब | <u>v</u> 8/08/ | |
| A 1 | /g / | 740°C | ভালুক কান্তুমণি বাহ্নণ পণ <i>্</i> ত্ৰ হিঃ ঐ। | কালিদাস মিত্র গাঁচু ভীরন্দাজ এবং মহ | 8/8 | 8/9 | |
| 9 | 9 | 6486 | তাসুক মহামাদ বাজা প্ৰ এ হিঃ ৮৬ ॥= | भाम है म यह | \$ C C | . Oll K | |
| | | | | | | বাঞ্চলা ১২৫১ সনের জাবে হানের ৩০ ভার্বি- থে ব্যক্তী পান্তনা | |
| 4 | A | ** | ভালুক কুষ্ণনামপুর প॰ ঐ হিঃ।।১৩। – | ভোলানাথ পাল ও রাম হরি দে এবং কৃষ্ণকান্ত দত্ত। | S)RR | m, oc | |

n 11 ... t Callectorate 96th May 1845. Bullooah Collectorate, 26th May, 1845.

J. WHELER, Deputy-Collector.

(820

| त्यंगीत्र मधुत्र | भरात्नद् त्यमि | জিলার ভৌজির মহা লের নয়র | মহালের নাম | মহালের লিখিড মালিক | निक | मन्द्र क्या | | |
|----------------------|-----------------------|-----------------------------|--|------------------------|-----|--------------|----------|--|
| \$ \$8.4 \$ \$6.4 | टेड्यादादी क्या थार्थ | 66, | জ্জিলে বিক্রমপুর থাৎ পথ বিক্রমপুর হাৎ ছত্রনারায়গ মিত্র তি | লেজ জন্ম বিলিখন মিক | | \$ 7. 8 V. 8 | 8/8 | |
| 1 A 40 | | 88 6 | नमक्षाद् सम् | नमकूषाद जाम | : | 575 | 5 | |
| | | 8 5 | ज्ञाब्दन दमानवनुत्र यो तो योवावान व रहायान जी दमितमद दक्षिः | व्रायदम् व वात्र | 1 | 8 7 8 | \$ 17/8 | |
| | | 8246 | गित्राम निरु खर त्मोलङ थी | तमोज्ञ थी। | | \$/\$ | <u>s</u> | |
| | THE RESERVE | 6014 | জ্বজিলোপুর থাৎ পৎ সাজাদপুর ভাল ভাৎ গদা ধর শ্র্মা নিৎ খৎ গৌরীপ্রসাদ রায় | कोदीथमाम दाव | | 7.7 | 3 | |
| | | う た。り | জ্ঞাজলে পাএদাবেগ প্ৰ সুলভান প্ৰভাপ ভাৰ ব্যামম্বৰ চক্ৰ নিং খা লোকনাথ দেও | শ্ব লোকনাথ দেও | | » P/N « | 2 W3° | |
| | | 6433 | সাবেক হজুরি ভাশ রাম্রাম সেন ্লার্যাম সেন | | | ₹/q . | S | |
| | | 8868 | জ্জিলে রাজনগর চাৎ ফুলবাড়িয়া হাৎ ছত্রনারায়ণ মিত্র | ছত্তনারায়ণ মিত্ত | | 2 2 | 2 | |
| | | 43.03 | এয়িৎ অভা ছাৎ চেক্টত হালদাৰ নিং এৎ দেলত থ | அதை தி | | 11.4.11 | | |

Government Gazette, 22d July, 1845.]

ইহার দ্বারা সম্বাদ দেওরা ঘাইতেছে যে নন ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ ধারানুনারে জিলা ভাগলপুরের নীচের লিখিত বাজলা মহালসকল সন ১৮৪৫ সালের ২৮ জুন তারিখে যত মালওজারী বাকী আছে তাহার নিমিত্ত এবং অন্যাহ যে দাওরা চলিত আইনক্রমে বাকী মালওজারীর ন্যায় আনায় করণের তকুম আছে তাহার নিমিত্ত ঐ জিলার কালেক্ট্রী ভাছারীতে সন ১৮৪৫ সালের ২৮ জুলাই ভারিখে রোজ সোমবার নীলামে বিক্রয় ইইবেক

| ইতি। শ্রেণীর | মহালের | জিলার | মহালের নাম • | ভৌঙির লিখিত | সদর জমা | मम ३৮৪৫ | কৈফিয়ৎ |
|-----------------|------------------|-------------|-----------------------------|---------------|-----------|-------------|---------|
| নম্ব | त्यांगी | ভৌদ্ধীতে | | মালিকের নাম | | मादलतं २४ | |
| | | মহালের | | | | জুন তারি | 527 |
| | | नमृत | | | | থে যে বাকী | |
| | | | | | | পাওনা | |
| 2 | বন্দোবস্ত | SUNT STREET | ভারগীর শাহাউদ্দীন সুবেদার | | i jacoba. | | শমুদর |
| | हारम नशी | | মতালকে থানা উধয়াননা প্ৰ | | | | महान नी |
| | डे नरदिलि | 9 | কীফ ভোল | অমূতলাল | 01/8 | 0 V 8 | লাম হই |
| | थाना न् १ | 1 | | | | | दरक |
| | - di | 22 | क्षात्रशीत स्मनाद था मूर्द | | | | |
| | | ALC: N | দার থানা ঐ জোল | মিশ্রী | 2 10 | 2 10 . | B |
| | ब्रे | 95 | জারগীর নেজাম নস্করা থানা | Electric Art | | | |
| | | | À | মদন | susu | 3434 | · A |
| | ब्रे | 200 | सावशीत अनारङ्ग राउनमात | | | | |
| | | | થાના હો | হিজন | 11511 | 11311 | À |
| | ā | 5 | कावनीत उभन थाँ भूरवलात | কাশীনাথ | | | |
| | | | থানা সংগ্রামপুর | যিশ্ৰী | 5 M5 | 511/5 | ā |
| | £ . | 2 | जायगीत त्वकू नि९ जभानात | | | | |
| | | | शाना खे | ভবানী রার | 29/5 | 295 |) |
| | औ | • | क्रावतीत कत्रम था मूरवनात | | | | |
| | | 100000 | থানা ঐ | ৰ্থা | 100 h | Nobi | ù |
| | d | 48 | कारगीत नकीव उसा शास्त्राम | মুসাম্পত থায় | | | |
| | | | দার থানা ঐ | इल | 2 10/8 11 | 2 198 II | ă ă |
| | ब्रे | 0.0 | জায়গীর ভর্তন নায়েক থানা ঐ | ্যুসমত সারো | ONB | O 1/8 | ď |
| | তারিখ ৩ ব | वाहे मन | ১৮৪¢ मान। | | 0.0 | | |
| | | | | | C. D. B | USSELL, Col | tector. |

ইস্তাহারনামা কাছারী কালেক্টরী জিলা মালদহ এই যে

দিলা চিজিশ প্রগনার কোর্ট আফ আর্ডেরের অধীন পং মহামুদ্ধ আমীনপুরের দন হালের লাগাইদ্ব মেইর হাকী রাজয় আদার কারণ প্রিয়নাথ রায়দিগরের জ্ঞাদারী প্রগনে গৌরহণ্ড দন হালের ২২ জুলাই মোতা-বেক দন ১২৫২ সালের ৮ প্রাবণ মঞ্চলবার এই কালেক্ট্রীতে বিনা ওজরে নীলাম হওয়ার ইস্তাহার দন হালের ৮ জ্লাই তারিখের ২৬৪ নম্বরের বাদলা গাবর্ণমেন্ট গেজেটে প্রকাশ হইয়াছে বেহেতুক জ্লা চিজিশ প্রগনার কালেক্ট্রীতে উক্ত বাকী দাখিল হওয়া বিধায় উক্ত নীলাম হইবেক না মতে এই ইস্তাহার দর্ম সাধারণের জ্ঞাতার্থে প্রচার করা গেল ইতি দন ১৮৪৫ ইং তাং ১১ জুলাই।

F. B. KEMP, Depy.-Collector.

ত্রিপুর। ও বলুআ ও চাটিগার এমুত জমীদারান বরাবরেস্থ ।

ইহার দ্বারা সম্বাদ দেওয়৷ যাইতেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ২ ধারানুসারে এবং এই সিরিশ্ভাহইতে ১৮৪৫ সালের ৪ ফেকুআরি তারিখে যে এফেলা প্রকাশ হর তদনুক্রমে উত্তর কালে

১। যে মহালের বন্দোবস্ত বাজলা সনজ্জনুসারে হইরাছিল দেই মহালের বাকী রাজ্য ভালু মানের কিন্তী
সমেত ২৫ সেপ্টেম্ব ভারিথে অথবা ভাহার পূর্বে
দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত
ইঞ্চরেজী সনজ্জনুসারে হইরাছিল দেই মহালের বাকীরাক্ষয় আগন্ট মানের কিন্তীসমেত উক্ত ভারিথে কি
ভাহার পূর্বের দাখিল করিতে হইবেক।

২। যে মহালের বন্দোবন্ত বাঙ্গলা দনজানুসারে ছইরাছিল সেই মহালের বাঙ্গী রাজ্য অগ্রহায়ণ মানের
কিন্তীসমেত ২৬ ডিসেয়র তারিথো কি তাহার পূর্বো দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবন্ত ইফরেজী দনজানুসারে হইরাছিল দেই মহালের বাকী রাজ্য
নবেয়র মানের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখো কি তাহার
পূর্বো দাখিল করিতে হইবেক।

৩। যে মহালের বন্দোবস্ত বাঞ্চলা সনজ্মনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাকী রাজস্ব মাঘ মাদের কিন্তী-সমেত ২৫ ফেব্রুআরি তারিথে কি তাহার পূর্বের দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত ইঙ্গরেজী সনজ্মনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাকী রাজস্ব জানুআরি মাদের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পূর্বের দাখিল করিতে হইবেক।

৪। যে মহালের বন্দোবন্ত বাঙ্গলা সনঅনুসারে হই নাছিল দেই মহালের বাকী রাজন্ব বৈশা আমাসের কিন্তী সমেত ২৫ মে তারিথে কি তাহার পূর্কে দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবন্ত ইঞ্চরেজী মন অনুসারে হইরাছিল দেই মহালের বাকী রাজন্ব আপ্রিল মাসের কিন্তীসমেত উক্ত তারিথে কি তাহার পূর্কে দাখিল করিতে হইবেক।

হেনরি রিকেট্স।
১৬ সংখ্যক এলাকার কমিন্যনর এবং সদর বোর্ড।
তাটিগাঁর কমিন্যনর সাহেবের দক্তর্থানা।
১৮৪৫। ২৪ জুন।

(889)

| नशुरं | म्हारमह त्यंग | क्षिणाङ् रही जिएक शहरत्व द नधुद | মহালের নাম | মহালের লিথিত্ত মালিক | সদ্র জমা | मन ১৮৪৫ हें १৮ लूत्न इ भारमा दावी | मखरा रूपा |
|-------|--|---------------------------------------|--|--|--|---|---|
| ^ | देहमहादी समा थाया हसुमा भराज | ž | থারিজা পর্ণনে উত্তর শাহাবায়পুর কৃষ্ণবায় মুনশী তালুক | জি হেছকুন সাহেব | % e42 | লাগানিত চৈত্র সন্সহৎ১ বাঙ্গলা ২৩ ৮৬ লাগানিত জৈচ্ছ সন ১২ | হোল আন। মহাল নীলামে বিক্লী হইবেক ইছি। |
| ~ | देखमदादी क्या थार्थ) नाह दुश घराज | | উক্ত প্রগ্রেন সিলেমারাদ চক বেংকাটা ভালুব ভানমঞ্জী দাসা। | alegis S. W. | P 800 VI 2800 | 89 197 | 84 1√१ अस २२६५ आण ला५८७७ ग्रेड ग्रहाल अप्सददासद स्थल खादामी अन्सददासद |
| | | | | | | ॥ ३५७५८॥ मम् ३२६२दार सार रेडाप् | ১৭৬৮৪॥ কমিসান্রী মহকুমাছইতে আবাদ করে ভানুমন্তী স্ম ১২৫২বাং লাং কৈছি দিনাসার সহিত ইস্তক সন ১২৪৫ বাং লাগারেজ |
| | | | | | ३४८४ सार १३३ १९४ | • | तम ३२७८ टा९ मूम्ड २० दिण दक्षमूद्र शिशाहम इमीमी स्थाश दरमावह ष्याग्रत्म ष्यांतिश होक्षिः |
| | | | 大日日子は大田の左西ガラの間の田 丁丁 | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 326. 21 3.320/2 | | জুক হইয়াছে তাহার মেয়াদের ৭ সাত বৎস্র |
| | | | | 7 | मन ५२६३ दा९ ५३३७४८१ | | গভ হৃত্যাছে তের বংশর বাকা আছে মহাল মন্তত্তের আবেদকারি যোল আনীর হক নীলাম |
| | | | | | मन ३२७१ हार ३३.७ । । । | | edica 2,51 |
| | | | | | 3260 | | |
| | | | | | वार ३००० ॥ | | 「 |
| | 10000000000000000000000000000000000000 | | · 大學 · 一种 · 一 | 100 To 10 | मन ३२६८ मोल | | |
| | | | | | FF 5266 | | |
| | | | | | 217 2020 1/2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | | |
| | | | | | AR 21 - 24 51 58 2 2 3 | | |

· [Government Gazette, 22d July, 1845.]

| মন্তব্য কথা | এই ওসত হাওলা মধ্যে বৃজিতিশোর রায় জামীন- দারের যে হক। | এहे हाडमा शटसा উक्त कामीनमादहत त्य हक। | এই ওমত তালুক মধ্যে উক্ত জামীনদারের যে হক। | এই ভালুকের মধ্যে হর্চজ্র দত্ত জামী নদারের যে হক কিন্তু ইহার ॥১১৩৷ – জান্তি হিস্যা লাট | বাদ্হছত্তে খার্জ পাওয়ার দাবতে কানুন চহ- রুমে নালিশ উপস্থিত আছে ইহা ডিগরি হন্তলে ডিগরিদারের হক নঊ হইবেক না। | এहे डाजूरहर ग्राथा कानीकिटगांत रमन झाग्नीनमा- (त्रत रथ हरू। | धर्रे डाजूरकत् मरक्षा कामीठस्तु त्मन आस्मिक्ठस्त त्मन ६ कानाठीम तम बाघीनमाद्रातन्त् त्म इक। | এहे जालूरकर गरधा आमाकठम्म तम माभीनमा- त्रह त्य हक। | এই ভালুকের ৺ দুই আনা হিস্যা মধ্যে ব্রজ্গ নাহন দেন জামীনদারের যে হক। | এই তালুকের মধ্যে মাহেন্দ্রনারায়ণ আইচ ও ঈশ্রচন্দ্র আইচ আসামীআনের যে হক। | এই ভালুকের মধ্যে উক্ত আসামীগণের যে হক। |
|--|--|--|---|--|---|--|--|---|---|--|---|
| जन ३৮৪৫ है९.१৮ सूदन इ शास्त्रमा दाकी | दादरक किम दारक्षश्राक्षी ६ ६श्रामीलाङ १७० । | 4 | 4 | ∕eg | | /g | ∕aj | /ej | Ą | জোক শ্বব্যহিকীরের মোশাহের। ৭৮ <i>৬</i> | /sj |
| मस्द क्या | 10/635 | \$ 6 | 1 4/01045 | 11 CC/ph 8C | | 3 - 40/55 | 26.90 | 4,41 0 | 53 1741 | • | • |
| মহালের লিখিড মালিক | রাজকিশোর রায় | i _M | Ag | विक्ट्यमान मह | | দীভারাম দেন | मिदमाम त्मम | সোগারায় সেন | প্রাণকৃষ্ণ দেন | মহেন্দ্র নারায়ণ আইচ ও ঈখর্চন্দ্র আইচ | Ag |
| মহাজের নাম | ালিমাধাদ জমীদারী শ্রীকৃক্তর রার রামভদু রায়গুগায়হ হিদ্যা গো ৪ ওসতহাগুলা রাজকিশোর রায় | াক্ৰমঙ বাড়েয়া প্য এ জ্বমাদারী,দুর্লভনারায়ণ দেনপ্রগয়র্হ ভালুক শ্যামসুন্দর রায় হিদ্যা গোবিন্দপ্রশাদ রায় হাওলা রাজকিশোর রায় কিমমত লালমোহন | তথে আজিমপুর ও প্রগনে বাকরোড়া তালুক রাময়োহন দাস ও রামশ্রণ দাস ওসত তালুক রাজকিশোর রার কিমমত মানপুর ওগয়রহ | আরিজা পরগনে বাঙ্গরোড়া বিফুপ্রসাদ দত্ত তা লুক | | শারিজাঞ্জিরগনে বাঙ্রোড়া দীঙারাম দেন ভালুক দীভারাম দেন | শারিজা পর্গনে_ঐ শিবদাস সেম ডালুক | থারিজা পরগনে ঐ সোণারায় সেন ভালুক | 11 TO 12 TO 15 TO | इड १५ ° | কিসমতে লক্ষ্মীনাথ আইচ নামিক ভালুক এ পর্গনার ঐ জমীনারী মধ্যে কৃষ্ণকাটী কিসমতে ছরিবল্লভ আইচ নামিক ভালুক |
| क्षिताव ट्यो स्रिट्डमहाटलत् नश्रुत | • | • | | 63 | | 6800 | ACOC | . 36 | 984 | | |
| महारलद्ध त्थांभी | दाकी मालध्रकादि स ज्ञत्भ जामात्र इत्र सक् ज्ञत्भ जामात्र क्रदाभू | माउद्यास । माम स । दक्क स रुद्धा मराज | | | | | | | | | |
| त् <u>ड</u> ांबोद् मध्द | | , | | | | | | | | | |

(85%)

| স্দৃত্ জ্যা বাকী পাওনা | প্ৰবিশ্বন্ধ মৌ্শার মোভাবেক শিৱনগ্রনামক সরকারের অরিদা মহালের মুস্তাজী মটুক দেবনারাগ্রণ ও কানাইয়া দূরের যালভামিন পুরুক্ত দিশ্হের্মে সুক্ত ও দন্শার্ক থাকে ভাহা গ্রণ্মেন্ট্র বাকী আদায়ের নিমিত্রে | • 34.045. | | \$. . | লের যে বাকী পড়িল ভাহা আদায়ের নিমিত্তে ১৮৪৫ নালের ১ আইনের ৮ ধারানুধীরে উপযুক্ত এতেলা দেওনের পরে এই সন্ধান্তিতে বুলাকী ও সুয়ারীর যে ষব্স | | গালের ১ আহনের ৮ ধার্নুসারে ৬পখুল এবেলা দেওনের পরে এই সক্ষরিতে চমক্র পুল চুণার যে স্বস |
|---------------------------------|---|--|--------------------------------------|--|---|---|--|
| বাকীদারের নাম | थतञ्जय मिन्छ मान | | | । সুমারা ও মোহনা | मा त्नाशे ଓ जूयादी | • | F |
| • মহালের নাম | ক্ষুত্ৰ সমস্তা বামপ্ৰেৰ প্ৰ গ্ৰাসপ্ৰে একটা এড্ৰাপ্ৰৰ | घत्र डाहाटक मानानह कारिए। | প্ৰ আভিযাবালের ফতুহা থানার এলাহার যৌ | সমসপুরে মেটে দেওয়নে ও টালী ও এড়ুয়া ছাতের ঘর। সুমারা ও মোহনা ··· | জিলা পাটনার সীকার্পুর চকে দুইটাকাম্যাও দা লাম। | | क्रिमा व्यक्तियात माहाज्ञत्स प्रकष्ठा बकुना त्माकामा |
| জিলার ভৌজী তে মহানের নমুর | • | • | | | | | |
| गशामह द्रमणी | | बन्ताम् बराजवृत्तः ठीव् निश्चत्व मीलाग्र इङ्केदवरु । | ठाड़ी शहारलद्व वाकी | আদায়ের নিয়িত্ত স ম্পত্তি নীলায় হইবেক | A | | ^ |
| জেপীক নম্বর | | 0 | | | | | |

| | ा शरक नह ४ नह ४ निलाम | ते भएड़ त्नेत्र ४ एजोड़ि- इ डोहा | ह कहिं- 8 भूमाएं • 6 ह प्रमूत्र हिंदाह़ (| ब्यामा- बूजाएव ह्युला- हा | जुर्माए जुर्माए जुर्म | भूगार्द्ध विकास स्टब्स |
|----------------------------------|--|---|--|---|---|---|
| इबदा कथा | ফদলী ১২৪০ সালের ভাতুী মহালের যে বাকী পড়ে তাহা আদারের নিমিতে ১৮৪৫ সালের ১ জাইনের ৮ ধারানুমারে উপযুক্ত এতেলা দেওনের পরে এই সম্পত্তি তে গণেশী পাদীর যে হস্ত ও সম্পর্ক আছে ভাহা নীলাম করিবার প্রস্তাব হইরাছে। | ফদলী ১২৪০ সালের ভাড়ী মহালের যে বারী পড়ে ভাছা আদারের নিমিতে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুমারে উপযুক্ত একেলা দেওনের পরে এই মন্সতি- তে লালু ও ভঙ়ী পাদীর দে ষব্স ও সন্পর্ক আছে তাহা নীলাম করিবার প্রস্তাহ হুয়াছে। | ফদলা ১২৪০ সালের সর্কার্রে দাঁওয়া আদায় কার্- বার নিমিত্তে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুমারে উপযুক্ত এ:হুলা দেওনের পরে এই সম্পরিঙে মদন পাসীর যে হুত্ত ও সম্পর্কি থাকে ভাহা নীলাম করিবার প্রভাব হুইয়াছে। | ফ্ৰমলী ১২৪০ সালের ভাড়ী মহালের বাকী আদা- রের নিমিভে;১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুসারে উপযুক্ত এভেল। দেওনের পরে এই সম্পরিভে চ্টুপা- সীর যে স্বস্ত ও সম্পর্ক আছে ভাহা নীলাম হইবেক। | নিয়িতে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুসারে উপযুক্ত এতেলা দেওনের পরে এই সম্পত্তিতে চাদপা সীর যে হত্ত ও সম্পর্ত আছে তাহা নীলায় হইবেক। | ক্ষণা ১০৪০ সালের ১ আইমের ৮ ধরিনুমারে উপযুক্ত এরেলা দেওনের পরে এই মঙ্গারিতে আকলোল পাণীর যে শ্বন্ধ ৪ সন্পর্বি আছে ভাহা নীলাম হইবেক। |
| वाकी शास्त्रम | \$\$ \$\$\frac{1}{2}\$\$ | \$8(4 | 4 | c /40 | SS. | 6 1/2 |
| मस्द अया | | | • | | | |
| হাকীদারের নাম | शद्यामी शामी | ু লালু ও ভড়ী প্ৰাসী | 1 व श्लामी | ठड्डे शामी | डेाम शामी | श्वाक्टाल शामी |
| बहाटल द्र नाम | আভাষাবাদ পরগনার মৌৎ চমর ডিহীতে একটা নেটে দেওয়ালের খড়ুয়া ঘর ভাহাতে দুইটা কামর। | প্ আজীয়াবাদে নদীরপুর মৌজাতে মেটে দেওয়া লের খড়ুযা ঘর ভাষাতে কেবল একটা কাম্রা ভাষার চারি দিগে দেওয়াল | প্' আজীমাবাদের চমর ডিহী মৌজাতে একটা মাটির গড়ুয়া ঘর ভাহাতে একটা কাম্রা | প্ আজিয়াদে মো্ চমর্ডিহীতে একটা মাটির্ গ্ডুয়া ঘর ভাহতে দুইটা নামর। | জিলা পাটনালু থানমীরজা, মহলাতে একটা মাটির থড়ুরা ঘর ও বাগানে ভালগাছ আছে | প্য আজিমাবাদে মোথ কৃষ্ণপুরে একটা মাটির এডুয়া ঘর ভাহার চারিদিগে দেওয়াল এবং বাগাদে দুই টা থান্তব গাছ ও চারিটা ভালগাছ |
| জিলার ভৌজী তে মহালের নমূর | • | | | | | • |
| मर्शतमृत त्यभी | अपृत्रे महादलत् दाकी व्यामात्रत् विरिद्धः मच्चाहि नीवास् इस्र | /4 | 7 Ag | /43 | Ą | /ej |
| ্ম জিব্লুমেন্ড ভিন্তুমেন্ড | ळ जिटलचे : ১৮৪৫ । २२ व | ^ল জলাই ≀ী | A | Ą | Ag | A |

| | | (8 | 55) | | |
|-------------------------------|---|--|--|---|---|
| মন্তব্য কথা | ফদলী ১২৪॰ দালের ভাড়ী মহালের বাকী আদ্বের নিমিত্র ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুদাত্রে উপযুক্ত এরেলা দেওনের পরে এই দান্সরিভে মদমাৎ ভাদো ওগোলাবুর যে স্বস্ত ও দান্সক আছে ভাহা নীলাম হইবেক। | কালী:১২৪॰ সালের ডাড়ী মহালের বাকী আদারের দিয়িত্তে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুসারে উপযুক্ত এতেলা দেওনের পরে এই সন্দরিতে ভিতু পাদির যে যুব্স ও সন্দর্শক আছে ভাহা নীলাম করিবার্ প্রস্তাব হইয়াছে। | ১৮৪৩ । ৪৪ সালের ভাড়ী মহালের বাজী আদারের নিমিত্তে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৮ ধারানুসারে উপযুক্ত এত্তেলা দেওনের পরে এই সম্পত্তিকে দীপঠাদ পামার যে হজ্ঞ ও সম্পর্ক আছে ভাহা নীলাম করিবার | ফসলী ১১৪॰ মালের আবকারীর হাকী আদায়ের নিমিত্তে ১৮৪৫ মালের ১ আইনের ৮ ধারানুদারে উপযুক্ত এতেলা দেওনের শরে এই সম্পরিতে হলাস পা- নীর যে স্বস্ত্র পুম্পর্কি আছে ভাহা নীলাম করিবার প্রস্তাব হইয়াছে। | টি দাণ্ডিগ । কালেক্টর। |
| সদর জমা হাকী পাওনা | ۲,040 | e/wcc | š | . 53. | |
| मस्द स्था | | A the test of the control of the con | | | |
| दाकीमादहह भाग | মাটিরুমসমুখ ভাদোও গোদ লাবু | हिंदू नामी | में अर्थे में | হুলাস পাসী | to a supplemental |
| মহালের নাম | পথ, আজিমাবাদের নগর। মহলাতে একটা মাটির। টালির ঘর ভাহাতে একটা কাম্রা ও এক দালান | ৃণংআলিয়াব্দদর দিকারপুর মৌলাতে একটা যাটির টালির ঘর ভাহাতে এক কাম্রা ও একটা দালান আছে | প্য আজিমারাদের বাঁকীপুরে মাটির হর ডাহার উপরকার কামরা টালী ও খড়েতে ছাওয়া হইয়াছে ও ভাহাতে দালান আছে | ফুতুজা থানার এলাকার মধেয় মৌজা বাঁকীপুরে একটা মাটির অডুয়া ঘর তাহাজে দুইটা কামরা | |
| জিলার ভৌ তে মহামের ক্রম | | Parkersky source | | • | শ জুলাহ |
| भश्राम ह त्यांनी | डाड़ी महाटलत राकी जामारतर निगटड म न्नाहि नीलांग हहेटरङ | A 10 | * | * | পাটনার কালেক্টরী। ১৮৪৫।৮ জুলাই |
| b. इस । ह | | | | | शाहेभाद |

[Go vernment Gazette, 22d July, 1845.

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

NOTICE is hereby given, that pursuant to an order of the said Court, made in the matter of ROBERT EDWARD BLANEY, an Insolvent, on the eighteenth day of July instant, the Sche- इडेबाट्स उमनुमादत ओ डेक विश्वदात दमना अवर शास्त्रात of the said Court.

MARSHALL and WALLER,

Mission Row, 18th July, 1845.

NOTICE is hereby given, that by an order of ইহার ছারা সন্তাদ দেওরা যাইতেছে যে বর্তমান জ্লাই Writers' Buildings, in the town of Calcutta, but at তা নগরে দালালা ও মহাজনী কর্মকারী যে present residing at Chandernagore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business in Calcutta, as a Broker and Merchant, against whom an adjudication of Insolvency was made and pronounced by this Court, on the second day of তাঁহার এক জন মহাজন জান মাথিউ ডব সাহেত্বের দর-Relief of Insolvent Debtors in the East Indies," are লড়ে খনা যাইবেক। appointed to be heard in the said Court, on Saturday the 6th day of September next, at the hour of 11th o'clock in the forenoon.

The names of the Creditors of the said JOHN Schedule filed in the Office of the Chief Clerk of প্রধান ক্লাক সাহেবের দন্তর্থানার দাখিল হইয়াছে the said Court, to which any Creditor may refer.

> THOMAS and CAMPION, Attornies for the Insolvent.

1, Larkin's Lane, Calcutta, 14th July, 1845.

[शबर्गामके श्राटकरें। २४ ८०। २२ जुलाई]]

শহর কলিকাতার অক্ষম ঋণিদিগের পরি-ত্ৰাণাৰ্থ আদালত।

সমাচার দেওয়া যাইতেছে যে বর্তমান মাদের ১৮ জুলায়ের ত্ৰুম যাহা

রাবর্ট এডওয়ার্ড ক্লেনির বিষয়ে

dule filed in the said matter on the thirty-first day ফর্জ যাহাগত ৩১ মে দিবলে এ উক্ত আদালতে দাখিল of May last, has been amended by the said Robert হইয়াছে তাহা ঐ রাবট এডওরার্ড রেনির ছারা শোধন Edward Blaney, and that the same may be inspect- করা জোল এবং তাহা ঐ আদালতের প্রধান স্লাকের ed by his Creditors at the office of the Chief Clerk দত্তর্থানাতে তাঁহার মহাজনেরা আগমনপূর্বক নিরীকণ भारमान এও उत्राम् । कतिरवन्। इन्मान्दरकृत डेकीन।

- Insolvent's Attornies. মিদিয়ান রো। ১৮৪৫। ১৮ জুলাই।

the said Court, bearing date the 14th day of the মাদের ১৪ তারিখের উক্ত আদালতের অকুমক্রমে পুরে present month of July, the matters of the Schedule কলিকাতা নগরের রাইটর বিলুডিং নিবাসা কিন্ত একণে of JOHN WATKINSON ROBERTS, late of হাজলা দেশের চল্দন নগর নিহাদী এবং পূর্বে কলিক।

জান ওয়াটকিন্সন রাবর্টন সাহেব

July instant, on the application of one John Mat- খান্তমতে বৰ্তমান জুলাই মানের ২ তারিখে পূর্বে ভারthew Dove, a Creditor of the said John Watkinson ত্রর্ঘে যোত্রহান গুণিরদের উপকারার্থ আইননামক মৃত Roberts, under the provisions of an Act of Parlia- চতুর্থ জর্জ রাজার অধিকারের নবম কংসরে ৭০ অধ্যাment, made and passed in the Ninth year of the রের আইনানুসারে যোত্রহীন প্রকাশ হন সেই জান Reign of His late Majesty King George the Fourth, ওয়াটকিলন রাবর্টন সাহেবের তফ্সীলের বিষয় অ-Chapter 73, entituled "an act to provide for the গামি নেতেইমূর মানের ৬ তারি বা শনিবারে উক্ত আদা-

उक कान उराणिक जन दावर्षेत्र मार्ट्टवं श्रहाकरमद WATKINSON ROBERTS, appear in the said দের নাম উক্ত তফদালে লিখিত হইয়া উক্ত আদালতের

> তামদ ও কাল্পিয়ন। যোত্রহানের উকাল।

১। लाउ किन्मरलन कलिकांडा ১৮৪৫। ১৪ खुलाई।

প্রিরামপুরের যন্ত্রালয়ে প্রীযুত জান কাশমন সাহেবকর্ত্ক মৃদ্ভিত।



গ্রণ্মেণ্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, JULY 29, 1845.

কলিকাতা মঞ্লবার ১৮৪৫ সাল ২৯ জলাই।

CIRCULAR ORDERS OF THE AC- । আফ্রোণ্টেণ্ট জেনরল সাহেবের সরকালর পত্র। COUNTANT-GENERAL.

No. 693.

To the Collectors of the Districts noted below.

With the view of preventing the recurrence of discrepancies in the item of Collections exhibited in the Quarterly Statements of Mehals not on the Towjee, and in the Memorandum of Actual Collections of Class 6 Mehals inserted at foot of the Hal and Bukaya Towjees of rent roll Estates, as compared with the corresponding sums credited in the Treasury accounts, and of obviating the necessity of frequent references to Collectors on the subject, I have the honor to request, that in future you will be pleased invariably to annex to your Quarterly Statements abovementioned Memoranda agreeably to the Forms indicated in the Margin,*

* Memorandum No. 1.

Gross Collections on account of Mehals not on the Towjee exhibited under the head of " Profit and Loss" in the Treasury account, viz.

| May, 1845, | ••• | 111-12-12 | *** | *** | 00 0, 0 |
|-------------|---------|-----------|--------|-------|---------|
| June, " | | | | | 00 0 0 |
| July, " | • | | ••• | ••• | 00 0 00 |
| | | | | | 00 0 0 |
| Add Surplus | Collect | tions cr | edited | up to | |
| the end of | 00 0 0 | | | | |
| April, 1845 |) | | | | 00 0 0 |

Deduct Surplus Collections on account of ensuing Quarters, 00 0 0

[Government Gazette, 29th July, 1845.]

্ ৬৯৩ নযুর।

পশ্চাৎ লিখিড জিলার শ্রীযুত কালেক্টর সাহেব द्राद्रद्र ।

ভৌজীতে না থাকা মহালের ত্রৈমাদিক কৈভিয়তে আদার হওয়া যে টাকা লেখা যায় এবং ভৌজীতে লিখিত মহালেব ষষ্ঠ সম্পুদায়ের হাল ও বকেয়ার হিসাবের নিয় ভাগে নিতান্ত আদারহওরা টাকার যে কৈফিরথ লেখা থাকে এই দুই কৈফিরং থাজানাথানার হিসাবে জমাহওয়া তৎসমূলিত টাকার সঙ্গে মোকাবিলা করিলে কথন ২ বৈলক্ষণা দুই হই-তেছে। অতএব উত্তর কালে সেইরূপ বৈলক্ষণা না হয় **এ**व९ এই विषय वाज्यात कालक्षेत्र मास्विमिशस्क জিজাসা করিতে নাহয় এই নিমিত্তে আদেশ করিতেছি যে উত্তর কালে তুমি নিয়ত আপনার উপরের উক্ত ত্রৈমাসিক কৈফিয়তের সঙ্গে পশ্চাৎ লিখিত * পাঠানুসারে বিবরণ লিখিবা এবং আদারহওয়া যে টাকা ভাহার মধ্যে

*5 मध्ती देककिश्वतः । असी विकास

ভৌদ্ধীতে না থাকা মহালের বাবৎ আদায়হওয়া যে মোট টাকা ঝালানাঝানার হিসাবে "লাভপ্রাপ্তির" শিরোভা-भाव नित्म लिथा याम ।

३४८६ मान मा ... • জুন ... ख्नाই...

পূর্ব্ব তিন মাদের শেষপর্যান্ত অর্থাৎ ১৮৪৫ সালের আপ্রিল মাদপর্যান্ত যে ফাঞ্চিল টাকা আদায় ছইয়াছিল ভাহার জমা

বাল। আগামি তিন মাদের হিলাবের দরুন আদারহওয়া ফাজিল টাকা ০০ •

reconciling the Collections to be shewn therein, with those to be credited under the prescribed heads in your Treasury accounts.

(Signed) C. Morley,

Accountant-General.

Fort William, Accountant-General's Office, Revenue Department, the 12th July, 1845.

Jessore. Aeng. Jorehaut. Akyab. Backergunge. Kamroop. Beerbhoom Luckimpore. Burdwan. Maldah. Bancoora. Moorshedabad. Mymensing. Bullooah Bograh. Monghyr. Midnapore. Bhaugulpore. Nuddea. Behar. Calcutta. Nowgong. Pubnah. Cachar. Purneah. Chittagong. Cuttack C. D. Patna. Rajshahye. Cuttack S. D. Cuttack N. D. Rungpore. Dacca. Ramree. Dinagepore. Shahabad. Sandoway. Darrung. Sarun. Furreedpore. Gowalparah. Tipperah. Hooghly. Tirhoot. Hazareebaugh. Maunbhoom D. 24-Purgunnahs.

Lohardugga D.

Ditto Collections on account of
Mehals transferred to the
Towjee during the Quarter, 00 0 0 00 0 00 0

Memorandum No. 2.

Excess Collections and Charges of Collections of Class 6
Mehals credited in the Treasury accounts.

| May, | 1845, | 4 | | Sec. 8 | | 00 0 0 |
|-------|-------|------|---|--------|-----|--------|
| June, | 23 | 17.3 | | *** | *** | 00 0 0 |
| July, | 35 | | 0 | ••• | | 00 0 0 |
| | | 100 | | | 200 | 00.0.0 |

Add Surplus Collections credited up to the end of the last Quarter, (i. e. April,

Deduct Surplus Collections on account of ensuing Quarter, 00 0 0

Ditto Ditto exhibited in the Memorandum at foot of the Hal and Bukaya Towjees, viz.

May, 1845,... 00 0 0

June, ,, 00 0 0

July, ,, 00 0 0

Bukaya Towjee for the 1st Quarter) 00 0 0 of 1845-46,... 00 0 0

লেখা যায় তাহা তোমার আজানাখনোর হিদাবের নিজিফ্ট শিরোভাগের নিমে জমাহওরা টাকার সজে মিলাইরা ঠিক করিবা।

দি মরলি। আকেটাটেট জেনবল। ফোর্ট উলিরম। আকেটাটেট জেনবল নাহেবের দন্তর্থানা। ১৮৪৫। ১২ জুলাই।

जावर । ্যশোহর। যোড়হ ট। আক্যাব ৷ কামরূপ। বাক্রগ-ম। लक्षीशृत्। वीत्र जुम। বর্ষমান। शालनक्। दांकुषा। भृत्रिमानाम । বলুআ। মর্মুনসিংহ। মুক্রের। বপ্রভা। त्मिमिनीशृत्। ভাগলপুর। मनीया। বেহার। मडगा। কলিকাতা। পাবনা। ণ হাত্তাক शृत विद्या। চাটিগা। शाविता। কটকের মধ্যাংশ। রাজশাহী। কটকের দক্ষিণাৎশ। রঙ্গপুর। রামরি। কটকের উত্তরাৎশ। ঢাকা। শাহাবাদ। দিনাজপুর। मादमां थ। उत्ज। ফরিদপুর। সার্ণ লোয়ালপাড়া। छिल्छ । छशनी। ত্রিপুরা। शकातीतान । ত্রিহত। गारचुग। ठिकामश्रद्धाः। লোহার্ডগা।

বাদ। তিন মাসের মধ্যে তৌজীতে যে মহা-লের থারিজদাখিল হইয়াছে তাহার বা-বং আদায়হওয়া টাকা •• • • • • • • • •

বাদ। ১৮৪৫। ৪৬ সালের প্রথম তিন মাদের যে মহাল ভৌজাতে ছিল না ভাহার
কৈফির জনুসারে আদারহওরা টাকা...

এ
২ মমুরী কৈফির ।

থাজানাথানার হিদাবে ও দম্পুদারের মহাতের আদার হওরা যে টাকা এবং আদার করণের যে থরচ জেখা গিয়াছে ভাহা।

পূর্ব্ধ তিন মানের শেষপর্যান্ত অর্থাৎ ১৮৪৫ পালের ১ আপ্রিলপর্যান্ত আদারহওর। যে ফাজিল টাকা জমা হইরাছিল তাহা • ৭

বাদ। আগামি তিন মাদের বাবং আদার হওরা ফাজিল টাকা --- °° বাদ। হাল ও বকেরা ভৌজীর নিমের লিপি তে দৃষ্ট হওরা ঐ অর্থাং

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

No. 25.

To the Civil Judges in the Lower Provinces.

1st. Doubts being found to exist in regard to the interpretation of Section 6, Regulation XV. of 1806, notwithstanding the exposition of that enactment, contained in Construction No. 983, dated 16th October, 1835, it is thought advisable to promulgate for the information and future guidance of the Civil Judges in the Lower Provinces, the issue of a correspondence which has recently passed on the subject with the Sudder Dewanny Adamlut in Agra.

2d. It has been concurrently ruled by both Courts, that, if a Will be in existence, and be found among the effects of a deceased British Subject, before the Judge have formally, by the imposition of the Seal of his Court, received charge of the said Effects, his interference is clearly barred by the terms of the enactment cited, whether Trustee or Executor appointed in such Will, be present on the spot or not, and that, if after the Judge have taken charge of the Estate, a Will should be discovered, and produced, it would still be obligatory on him to retain charge until probate of the said Will might be obtained from the Supreme Court, whether Trustee or Executor, appointed by the deceased, or other party, willing to receive, and be responsible for the property, were present at the time and place of the Testator's decease or

W. Kirkpatrick, Deputy-Register.
Fort William, 3d June, 1845.

No. 26.

To the Civil Judges in the Lower Provinces.

I am directed by the Court, to transmit to you, for your information and guidance, a copy of the Orders of Government, No. 1113, of the 18th ultimo, and of the correspondence therein alluded to, regarding Cutcherries for Moonsiffs.

W. Kirkpatrick, Deputy-Register. Fort William, 3d July, 1845.

Copies.

From the Government of Bengal to the Court, No. 1113, dated the 18th of June, 1845.

- 1. I am directed to forward for the purpose of being laid before the Sudder Court, copy of the correspondence as per Margin,* on the subject of providing Moonsiffs with Cutcherries at the expense of the state.
- In order that immediate effect may be given to the sanction conveyed in Mr. Under Secretary

দদর দেওয়ানী আদালতের দরকুলের অর্ডর।

२० मध्य ।

বাসলাপ্রভৃতি দেশের এমুভ সিবিল জন্ম সাহেব বরাবরেষু।

১। ১৮০৬ সালের ১৫ আইনের ৬ ধারার অর্থ
১৮৩৫ সালের ১৬ অক্টোবর তারিখের ৯৮৩ নম্বরী
আইনের অর্থের হারা ব্যক্ত হইলেও তাহার অভিপ্রারের বিষয়ে সন্দেহ আছে দেখা সাইতেছে অত্এব
তহিয়য়ে আগ্রার সদর দেওয়ানী আদালতের সন্দে
সম্পৃতি যে লিখনপঠন হইয়াছে তাহার ফলিতার্থ বাজলাপ্রভৃতি দেশের শ্রীযুত দেওয়ানীর জজ সাহেবেরদের
বিজ্ঞাপন ও উপদেশের নিমিত্তে প্রকাশ করা বিহিত
বোধ হইয়াছে।

২। উভয় আদালতের ঐকাবাকোতে বিধান হই-রাছে যে মৃত কোন ব্রিটনীর প্রজার উইল যদি থাকে এবং জজ সাহেব নিয়মমতে আপন আদালতের মো-হর ছাপাওনের ছারা তাঁহার দকল দক্ষার আপনার क्रिमाय लक्ष्मत शृद्धं वे उँदेन यि छावात विषयत মধ্যে পাওয়া যায় তবে ঐ উইলের নিযুক্ত টুফ্টি কি অছি महे खात्म दर्शमाम इडेंग कि मा इडेंग डेंक आहेत्मव निव्याद यादा जल मार्ट्यद महे मन्निष्टि हेल्टकन करा मशेकेंद्रप्थ निवात् व व्हेबाइड । এत् अस मार्ट्य ঐ সম্পত্তি আপন জিল্লায় লগুনের পরে যদি উইল পা-ওয়া যার ও দাখিল হয় তথাপি মৃত ব্যক্তির দারা নি-যুক্ত টফি কি অছি কিয়া অন্য যে কোন হাক্তি এ সম্পত্তি আপন জিমায় লইয়া তাহার দায়ী হইতে সমাত হন এই মত ব্যক্তি উইলকারি ব্যক্তির মরণের সময়ে ও স্থানে বর্তমান হউন কি না হউন জজ সাহেবের আবশ্যক যে ঐ উইলের প্রোবেট অর্থাৎ প্রমাণপত্র যাবৎ সুপ্রিম কোর্ট-হইতে না পাওয়া যায় তাবং ঐ সম্পত্তি আপন জিমায় রাথেন।

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। তেপুটা রেজিকীর। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৫। ৩ জুন।

২৬ নয়ব।

বাঞ্লাপ্রভৃতি দেশের ত্রীযুত দিবিল জন্ধ শাহেব বরাবরেরু।

মুনদেফেরদের কাছারীর বিষয়ি গত মাদের ১৮ তারিথের ১১১৩ নম্বরী গবর্গমেন্টের ছকুমের এবং তাহার মধ্যে যে লিখনপঠনের বিষয় উল্লেখ আছে ভাহার নকল সদর দেওরানী আদালতের আজাক্রমে ভোমার বিজ্ঞাপন ও উপদেশের নিমিত্তে পাঠাইতেছি।

ভবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিইটর।

कार्षे উलियम। ১৮৪৫। ७ जुलाई।

নকল।

সদর দেওয়ানী আদালতের প্রতি বাজলা দেশের গবর্ণ-মেন্টের ১৮৪৫ সালের ১৮ জুন তারিখের ১১১৩ নমুরী পত্র।

- ১। সরকারের খরতে মুনদেক্ছের্দিগতে কাছারী দেওনের বিষয়ি পশ্চাৎ লিখিত পত্রের * নকল সদর আদালতের সাহেবদিগকে জানাইবার নিমিত্ত ভোষার নিকটে পাঠাইতেছি।
- ২। গত মাদের ৩১ তারিখে ছোট নেক্রেটারী প্রিমুত মেলবিল নাহেবের পত্তে যে অনুমতি দেওয়া গিরাছে

* দেশীয় ডিপার্টমেন্টে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের

প্রায়ত সেক্রেটারীর প্রতি ১৮৪৫ সালের ২১ মে তারিখের

^{*} Letter No. 893, of 21st May, 1845, to Secretary to the Government of India, Home Department.

Letter No. 399, of 31st Do. from Under Secretary to the Government of India.

৮৯৩ নম্রী পত্র। ভারতবর্ষের গবর্গমেন্টের শ্রীযুক্ত ছোট দেক্রেটারী দাহেবের ৩১ মে তারিখের ৩১১ নম্বরী পত্র।

Melvill's letter of the 31st ultimo, the Court are requested to inform the Moonsiffs, through the Zillah Judges, that the Government are prepared to purchase the present Cutcherries as they stand at a price not exceeding Rupees 75 each, provided the Judges are satisfied, after due enquiry that the buildings are worth that sum or any lesser amount which the proprietors may report to have been expended in their construction.

- 3. The Judges are authorized to pass in future, in their Office, Contingent Bills, charges not exceeding one-fourth of the above sum (75 Rs.) for the annual repairs of each Moonsiff's Cutcherry; charges not exceeding one-half, where the repairs are made after an interval of two years and so on. In the event of the total destruction of a Moonsiff's Cutcherry by fire or other accident, the case must be reported to Government.
- 4. It is to be understood that these orders are not applicable to Moonsiffs who already hold their Courts in public buildings or in their own private dwellings. The latter officers should be allowed to draw on the district Treasuries any sums not exceeding Rupees 75, for the purpose of erecting new Cutcherries apart from their dwelling houses.
- 5. Every Moonsiff, on taking charge of his Office, should be required to report to the Judge, the state in which his predecessor has made over the Cutcherry to him.

(Signed) A. TURNBULL,

Under Secy. to the Govt. of Bengal,

From the Government of Bengal, to the Government of India, No. 893, dated the 21st of May, 1845.

- 1. I am directed by the Right Honourable the Governor of Bengal to request you will submit for the consideration of the Supreme Government, the following observations on the present practice of requiring Moonsiffs to build and repair their Cutcherries at their own expense.
- 2. The anomaly of expecting Moonsiffs with very moderate allowances to defray such charges from their private funds, whilst the well remunerated higher grades of Native Judges are provided with Offices erected and kept in repair at the expense of the state, is so apparent, that the Governor of Bengal does not apprehend the justice of putting the Moonsiffs on an equality in this respect with their more fortunate brethren, will admit of dispute.
- 3. Should the Government of India concur with his Excellency as to the propriety of the measure, the expence of introducing it in the Lower Provinces, I am desired to state, will in the first instance probably amount to Rs. 16,000 or Rs. 17,000, and for the future to about 25 per cent. of that outlay per annum for repairs.

(Signed) A. TURNBULL, Under Secy. to the Govt. of Bengal. ভাষা অগৌণে আমলে আনিবার নিমিত্তে জিলার জন্ত্র লাহেবের ত্বার। মুনসেফদিগকে ইহা জানাইতে সদর আদালতের প্রতি আদেশ হইয়াছে যে উপযুক্ত অনু-সন্ধান করণের পর যদি জজ সাহেবেরদের এমত হুছোধ হয় যে এক্ষণকার কাছারীর যথার্থ মূল্য ৭৫১ টাকা তবে ৭৫১ টাকার অন্ধিক মূল্যে গবর্ণমেন্ট ঐই কাছারী বর্ত্ত্বমান অবস্থায় ক্রয় করিতে প্রস্তুত্ত আছেন্ অথবা যদ্য-পি কাছারীর মালিকের। কহে যে কাছারী প্রস্তুত করণে ভদপেক্ষা কম টাকা বায় হইয়াছে তবে দেই কম টাকায় গবর্ণমেন্ট ভাষা ক্রয় করিবেন।

- ৩। প্রভাক মুনদেফের কাছারীর বার্ষিক মেরামন্তের নিমিন্তে ৭৫ টাকার চারি ভাগের এক ভাগের অনধিক টাকা জন্ধ সাহেবেরা বার করিতে এবং আপনারদের উপরি বিলের মধ্যে লিখিতে অনুমতি পাইলেন এবং ঘদি দুই বংসর অন্তর মেরামং হয় তবে ঐ ৭৫ টাকার অক্টেকের তুলা টাকা দিতে পারিবেন এবং তদনুমারে বংসর গণনা করিয়া টাকা দিবেন। যদ্যপি অগ্রি অথবা অনা দৈব ঘটনাপ্রযুক্ত মুনদেফের কাছারীর সমন্ত সম্পূর্ণক্রপে নন্ট হয় তবে দেই বিষয়ের রিপার্ট গবর্ণমেন্টের নিকটে করিতে হইবেক।
- ৪। কিন্তু জানা কর্ত্বর যে যে মুন্সেফের। কোন সরকারী ইয়ারতে অথবা আপনারদের নিজ বাটাতে কাছারী করেন্ সেই মুন্সেফেরদের বিষয়ে উক্ত ভুকুম থাটিকে না। যে মুন্সেফেরা আপনারদের ঘরে কাছারী করেন্ তাঁহারা আপন্য বাটাছাড়া পৃথক্নূতন কাছারী প্রস্তুত করিবার নিমিত্তে ৭৫১ টাকার অন্ধিক টাকা মুকঃসলের থাজানাথানাইউতে লইতে পারেন্।
- ৫। প্রত্যেক মুনদেফ আপনং পদের ভার গ্রহণকরণ সমরে যে অবস্থার পূর্ব মুনদেকের স্থানে কাছারী পাই-লেন তাহার এক রিপোর্ট গ্রন্মেন্টের নিকটে করি-বেন।

এ টর্গ্রুল। বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রেটারা।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের প্রতি বাঙ্গলা দেশের গবর্ণ-মেন্টের ১৮৪৫ দালের ২১ মে তারিখের ৮৯৩ নমুরী পত্র।

- ১। মুনদেফদিগকে আপন্য কাছারী আপন্য থারচে গাঁথিতে ও মেরামৎ করিতে এক্ষণে যে নিয়ম আছে তদ্বিয়ের পশ্চাৎ লিথিত কথা কর্তৃত্বকারি গ্রন্থটোর বিবেচনার নিমিত্তে নিবেদন করিতে বাঙ্গলা দেশের শ্রীযুত রাইট অন্রবিল গ্রন্নর্ সাহেব গুকুম করিতেছন।
- ২। মুনদেফেরা এক্ষণে অপপ বেতন পাইয়া থাকেন্
 তথাপি তাঁহারদের নিজবারেতে কাছারী প্রন্ত ও মেরামৎ করিবার নিরম আছে অথচ ভারি বেতনভোগি
 দদর আমীন ও প্রধান দদর আমীনেরদের কাছারী
 প্রন্ত ও মেরামৎ করণের খরচ সরকারহইতে দেওয়া
 ঘাইতেছে ইহা অযথার্থ জান হয় এবৎ বাজলা দেশের
 শ্রীযুত্ত রাইটু অনরবিল গবর্নর সাহেব বোধ করেন্ যে
 উচ্চ পদস্থেবদের পক্ষে যে নিরম আছে মুনদেফেরদের
 বিষয়ে দেই নিরমকরা অভিযথার্থ এ বিষয়ে সাদেহ
 হতত পারে না।
- ৩। যদ্যপি এ বিষয়ে ভারতবর্ষের গ্রণ্মেন্ট বাজলা দেশের প্রীযুত রাইট অনরবিল গ্রন্নর দাহেবের দলে একা হন্ তবে প্রীযুতের আজোক্রমে লিখি যে বাজলা প্রভৃতি দেশে দেই নিয়ম সম্পান করণের খরত প্রথমে অনু-মান ১৬,০০০ বা ১৭,০০০ হাজার টাকা হইবেক এবং-উত্তর কালে মেরামং করণের নিমিত্তে প্রতিবংসারে ঐ দংখ্যার চারি অংশের এক অংশ টাকা লাগিবেক।

এ টুর্ববুল। বাদলা দেশের গ্রর্থমেন্টের ছোট সেক্টোরী। From the Government of India to the Government of Bengal, No. 399, dated the 31st May, 1845.

I am directed to acknowledge the receipt of your letter, No. 893, dated the 21st instant, and in reply to state that the Governor-General in Council, concurring in the views entertained by the Right Honourable the Governor of Bengal as to the propriety of providing Moonsiffs with Cutcherry accommodation, like the higher grades of Native Judges, at the expense of the state, is pleased to authorize the measure being introduced into the Lower Provinces, the expense attending which is estimated by the Right Honourable the Governor of Bengal, at from 16 to 17,000, in the first instance, and for the future at about 25 per cent. of that outlay per annum for repairs.

(Signed) P. MELVILL, Under Secy. to the Govt. of India. (True Copy.)

W. KIRKPATRICK, Deputy-Register.

No. 28.

To the Civil Authorities in the Lower Provinces.

In continuation of the Circular No. 3358, of the 16th September, 1842, I am directed by the Court to annex for your information, extract (Paragraph 3) of a letter from the Officiating Judge of Seharunpore, dated the 4th instant, and to enjoin upon you, the strict and punctual observance of the plan therein described. It is essential to the maintenance of uniform practice in the subordinate Civil Courts, that the Gazettes in which the Circular Orders issued for their guidance appear, should be regularly filed and carefully bound into Annual Volumes, and it is hoped that the rule now prescribed will suffice to secure this desirable object.

2. You will be pleased to inform the Judicial Officers subordinate to your authority, that they will be held personally answerable for the preservation of the official Gazettes supplied by Government for their use, and that they will be required to replace those numbers of the Gazette which may be found, on examination at the end of each year, to have been injured, defaced, or mislaid.

W. Kirkpatrick, Deputy-Register.
Fort William, 17th June, 1845.

Extract (Paragraph 3) of a letter from the Officiating Judge of Scharunpore, dated 4th June, 1845, No. 104.

Para. 3d. I am induced to think that the Agra Government Gazettes, in which these Circular Orders appear, are very irregularly kept and filed by the Moonsiffs, and propose to require an acknowledgment in future, at the expiration of each month, that the Gazettes forwarded to, have reached them, and in future at the expiration of the year- to require (as is usual with Tehseeldars) that they be sent in to me for inspection, that the file is complete, and that they have been properly

বাঙ্গলা দেশের গ্রন্থেনটের প্রতি ভারতবর্ষের গ্রন্থেন টের ১৮৪৫ সালের ৩১ মে তারিথের ৩৯৯ নয়রী পত্ত।

আপনার ২১ তারিখের ৮৯৩ নম্বরী পত্র প্রাপ্ত হওয়া গিয়াছে এবং তদুন্তরে লিখি যে এদেশীয় উচ্চ পদস্ব বিচারকেরদের কাছারী যেরুপে সরকারী খরতে প্রস্তুত্ত ও মেরামং হউতেছে দেইরুপে মুনদেফদিগতে কাছারী দেওনের বিষয়ে বাজলা দেশের শুরুত রাইট অনরবিল গবর্নর সাহেব যে প্রামর্শ করিয়াছেন তাহাতে শুরুত গবর্নর জানরল বাহাদুর হজুর কৌলেলে সমাত্ত ইয়াছেন এবং বাজলাপ্রভৃতি দেশে দেই নিয়ম স্থাপন করিতে ভকুম করিতেছেন। আদৌ তাহার খরচ বাজলা দেশের শ্রীযুত গবর্নর সাহেবের অনুমানে ১৬,০০০ বা ১৭,০০০ হাজার টাকা লাগিবেক এবং উত্তর কালে বার্ষিক মেরামতের নিমিত্ত দেই টাকার চতুর্থাংশ লাগিবেক।

পি মেলবিল।
ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রেটারী।
(মথার্থ নকল।)
ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিইর

२५ नमूत् ।

বাললাপ্রভৃতি দেশের এযুত দেওয়ানীর কার্যাকারক মাহের বরাবরেয়ু।

১৮৪২ সালের ১৬ সেপ্টেম্বর তারিখের ৩৩৫৮ নম্বরী সরকালর অর্ডরের অনুক্রমে সদর আদালতের প্রকুমানু-সারে শাহারণপুরের এক্টিং ভল সাহেবের ৪ তারিখের পত্রের চুম্বক অর্থাও ৩ দফা ভোমার বিজ্ঞাপনের নিমিত্রে পাঠাইরা আদেশ করিতেছি যে তাহার মধ্যের লিখিত নিয়ম অবিকলরূপে প্রতিপালন করিতে হইবেক। এবং অর্থানস্থ দেওয়ানী আদালতের ব্যবহার সর্ব্বক্র একি প্রকার হইবার নিমিত্রে ইহা আবশ্যক আছে যে তাহারদের কার্য্যের রীতির বিষয়ে জারীহওয়া সরক্যলর অর্ডর যে২ গেজেটে প্রকাশ হয় দেই২ গেজেট ক্রমশঃ গাঁথা যার এবং অতিসাবধানরূপে বংসরে২ জেল্দ করা যার। এবং ভ্রসা হয় যে এক্ষণে যে প্রক্রম দেওয়া গেল তদ্ধারা এই অতিবাঞ্ধনীয় বিষয় সিদ্ধ হইবেক।

ই। তোমার অধীন আদালতসম্পর্কার কর্মকারকদিগকে ইহা জাত করিবা যে তাঁহারদের উপকারের
নিমিরে গবর্গমেন্ট যে সরকারী গেজেট দেন্ তাহা রক্ষা
করণের বিষয়ে তাঁহারা নিজে দারী থাকিবেন এবং প্রতিবংসরের শেষে গেজেটের যে২ ফর্দ নফ কি বিরূপ
হইরাছে কি থোআ গিষাছে তজবীজক্রমে দৃষ্ট হয় তাহার
বদলে নৃতন ফর্দ তাঁহারদের আনাইতে হইবেক।

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিইর।

कार्षे छेलियम्। ১৮৪৫। ১१ जुन।

শাহারণপুরের এক্টিং জজ সাহেবের ১৮৪৫ সালের ৪জুন তারিথরে ১০৪ নমূরা পত্রের চুমুক অর্থাৎ

ও দফা। আমার বোধ হয় যে এইং সরকালর অর্জর আগার যেং গবর্ণমেন্ট গেজেটে প্রকাশ হয় দেইং গেছেট মুনসেফেরা নিয়মসত রাখেন্না এবং তাহা গাঁথেন্না অতএব আমি এই প্রথাব করিতেছি যে তাহারদের নিকটে মেং গেজেট পাঠান গিয়াছে তাহা তাঁহারদের নিকটে নিতান্ত প্রছিয়াছে এমত এক রসীদ উল্লেক কালে মাসেং তাঁহারদের স্থানে লওয়া যায়। এবং উল্লেক কালে বংসরের শেষে তহসীলদারের প্রতি যেমত ভকুম আছে দেইমত তাঁহারদিগকেও বংসরের গেজেট আমার নিকটে পাঠাইতে ভকুম দেওয়া যায়। তাহাতে এ নথী সম্পূর্ণ আছে

[Government Gazette, 29th July, 1845.]

bound, and kept, and have called for those of pre- কি না এবং গেজেট রীতিমত জেলদ হইয়াছে কি না ইচা vious years to ascertain this point.

(True Extract.)

W. KIRKPATRICK, Deputy-Register.

দেখিতে পাইব। অভএব ইহা নির্গয় করিবার নিমিত্তে আমি পূর্বং বৎদরের গেজেট তলব করিয়াছি।

(যথার্থ চুমুক।)

ডবলিউ কর্কপাত্রিক। ডেপুটা রেজিফার। JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

CIVIL APPOINTMENTS.

No. 1266.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVER-NOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.

The 21st July, 1845.

Mr. J. T. Worsley to be Deputy-Magistrate under Act XV. of 1843, in Zillah Shahabad.

Baboo Jogeschunder Ghose to be Deputy-Magistrate under Act XV. of 1843, in Zillah Backergunge.

Mr. A. Pigou to be Members of the Ferry Fund Committee in East Allee and Moulavie Gholam Ashruf.

Mr. W. W. Swinden to officiate as Superintendent of Barripore Salt Chokeys, and to exercise the power of adjudicating cases of contravention XXIX. 1838.

LEAVE OF ABSENCE.

The 23d July, 1845.

Moulavie Mahomid Nazim, Sudder Ameen of Tipperah, for one month, on private affairs.

NOTIFICATIONS.

The 23d July, 1845.

Mr. F. Skipwith, Officiating Civil and Sessions Judge of Tipperah, made over charge of the current duties of his office to the Principal Sudder Ameen on the 15th instant.

Mr. H. Swetenham, Civil and Sessions Judge of Dacca, resumed charge of his office on the 15th

Mr. J. S. Torrens, Collector of Rajeshye, made over charge of his office to Mr. Dirom on the 17th

By Order of the Right Honourable the Governor of Bengal,

F. J. HALLIDAY. Secy. to the Govt. of Bengal.

বাজকর্মে নিয়োগ

১২৬৬ নমুর ৷

বাজলা দেশের প্রিয়ত রাইট অনরবিল গবরনর সাহেবের অকুম।

• बिद्याश ।

১৮৪৫ मान २३ खुनाहै।

প্রীনৃত জে টি ওর্ললি সাহেব ১৮৪৩ সালের ১৫ আই-নানুসারে জিলা শাহাবাদে ডেপুটা মাজিফ্টেট হইবেন।

প্রীযুত বাবু যোগেশচন্দ্র ঘোষ ১৮৪৩ নালের ১৫ আই. নানুসারে জিলা বাকরগঞ্জে ডেপুটা মাজিট্রেট হই-

প্রীয়ত নৈয়দ জোনাব আলী ও প্রীযুত মৌলবী গোলাম and Fund Committee in East
Mr. C Norton Burdwan, vice Syed Jonab আশ্রুফের পরিবর্তে এযুত এ পিন্ত সাহের ও এযুত সি নটন সাহেব বর্দ্ধনানে গুদারার নৌকার ছার। প্রাপ্ত ফাঞ্জিল টাকা ব্যয়ত্রণের কমিটির মেম্বর হইবেন।

প্রিয়ত ডবলিউ ডবলিউ সুইওেন সাহেব বারুইপুরে निमक धोशीत मुलतिदलैएकी कमा निकार कतिदवन of the Salt Laws under Section 25, Act No. এবং ১৮১৮ সালের ২৯ আইনের ২৫ ধারানুষারে निशक्त आहेन उल्लब्सनकातित्रमत् विठात करियात ক্মতাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

एकी।

১৮৪৫ माल २० जुलाई।

ত্রিপুরার সদর আমীন তীযুত মৌলবী মহমাদ নাজিয স্থীর কর্মোপলকে এক মানের ছটা পাইরাছেন।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৫ माल २० खुलाहै।

ত্রিপুরার এক্টিৎ সিবিল ও সেশন জজ শীঘূত এফ দ্বিপউইথ সাহেব বর্তমান মাদের ১৫ তারিখে আপন সিরিশতার চলিত কর্মের ভার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন।

ঢাকার সিবিল ও দেশন জজ তীয়ত এচ সুইটনহাম সাহের বর্তমান মাদের ১৫ তারিখে আপন সিরিশতার ভার পুনর্গ্রহণ করেন।

রাজশাহীর কালেক্টর ত্রিযুত চে এস টরেন্স সাহেব বর্তমান মানের ১৭ তারিখে আপন কর্মের ভার এবত ডিরম সাহেবের প্রতি অর্পণ করেন।

বাঙ্গলা দেশের প্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর সাহে-বের তকুমক্রমে। अक एक रानिए।

বাঞ্জা দেশের গবর্ণয়েত্রের সেক্টোরী।

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS.

LAND ADVERTISEMENTS. NOTICE.

"To be let in farm at the Office of the Collector of Jessore, on the 7th August next, for a period of Nine years, commencing from the 1st of the present Bengalee year, 1252, the estate of the Minor Rajah Indrubboosun Deb Roy, viz., 6 Annas 8 Gundas, Pergunnah Mahomedshye, Sudder Jumma Rs. 44,405-9-10. An offer of 68,300, on good security has already been made, but this sum with reference to that paid by the late farmer, viz. 74,234-10-9, has been considered insufficient.

HENRY ATHERTON, Offg. Collector. Zillah Jessore Collector's Office,

24th July, 1845.

[तर्नदान (तर्के । ३४८४। १२ क्लोरे।]

গ্রণ্মেটের ইশাত্হার।

ভূমিবিষয়ক ইশ্তিহার। বিজ্ঞাপন।

নাবালক রাজা জীযুত ইন্দ্রভূষণ দেব রাফের এক মহাল অর্থাৎ পর্গনা মহমাদ শাহীর তি৮ আনা আট গণ্ডা হিস্যা বাঞ্চলা ১২৫২ সালের প্রথম তারি এঅবধি নয় বৎসর মিয় দে আগামি আগকী মাদের ৭ তারিথে যশোহরের কালেক্টর সাহেবের কাছারীতে ইঞারা प्ति छत्रा या है दिक डाहा त मन त समा 88.8 ° € 1/ > ° होका। এক रास्ति माउदब आर्थिन पित्रा ७৮,००० होका निएउ চাহিয়াছেন কিন্তু লাবেক ইজারদার ৭৪,২৩৪ ৯৯ টাকা দিতেন অভএব উক্ত ব্যক্তির প্রস্তাব অপ্রচুর বোধ হ হেনরি আথর্টন।

धक्षि काटलक्षेत् ।

জিলা ঘশোহরের কালেক্টর সাহেবের কাছারী। ১৮৪৫ माल २८ जुलाई।

805

R. M. SHINNER, Collector.

(

NOTICE is bereby given, under Section VI. Act No. I. 1845, that the undermentioned Estates in the Zillah Mymensingh, will be put to public and unreserved re-sale at the Collector's Office of that District on Friday, the 8th August, 1845, or 25th Srabon, 1252, B. S., for arrears of Revenue due on the 30th Falgoon, 1251, B. S.

| | | IN TELEVISION |
|---|---|---|
| Remarks. | | |
| Sudder Jumma, the Kist of Falgoon 1251 B. S. | 8 " " | 5 9 5 |
| Sudder Jumma. t. | s s | |
| Recorded Proprietors. | Pergunnah Ramdeb Surma Chukkerbūtty, | Anundo Chunder Bisas, |
| Name of Mehal, | Talooq Baker Mukeem Pergunnah Hosenshye, | Kismut Gopaulbaree Talook Sheebbe- node Roy Pergannah Pookereah, Anundo Chunder Bisas, 22 10 6 |
| No. of the Mehal on the district rent roll or Register. | 1899, | 4447, |
| Class of Mehal. | Permanently settled Es- tates, | . До |
| No. of Class. | T | |

Mymensingh Collectorship, 15th July, 1845.

সালের ৮ আগফ মোডাবেক বাদ্দলা ১২৫২ সালের ২৫ আবণ শুক্রবার দিবস এই কালেক্টরি কাছারিতে বিনা ওজরে পুনঃনিলামে ধ্রা গিয়া নিভান্ত বিক্র হইবেক ইতি ১৮৪৫ ইন তারিখ ১৫ জুলাই মোন ১২৫২ সমূদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ৬ ধারানুসারে জিলা ময়মনসিংহের নীচের লিখিত মহালাত ১২৫১ সালের ফাল্প্রণ মানের ৩০ তারিখাপ্যন্ত পাওনা বাকী মালপ্রভারির নিমিল ১৮৪৫ बामना जादिय > खादन।

| इस्तुत कथा | ্ আৰু এম ভিন্তু। কালেজ্ডাইত্র। |
|---|--|
| टाकी थाज्ञामा जार काल् <i>छ</i> । ১१৫১ | 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |
| मन्द क्ष्मा | ¥ 2 × |
| মহালের লিখিত মালিক | রামদের শর্মা চক্রবপ্তর্শি আনদচন্দ্র বিখাদ |
| ুমহালৈর নাম | পরগণে হোসনসাহী ভালুত বাতের মহিম পরগণে পুঋরিয়া কিং গোপা- লয়ড়ী তালুক শিহহিনোদ রায় |
| জিলার ভৌজিভে মহালের নমূর | The world of the |
| महात्मह त्ख्रंभी | हेडुमद्राद्धिक्यां थादी हुनुसा ১৮৯२ न ९ सहाल दे सहित |
| टबीव् नमुद | |

मसममिन्द्र कारलक्ष्रेत वाष्ट्राता। ३४८६ मान ३६ खुनाई।

अत्हनामामा ठाष्टाती काटनक्रेत्री जिला दाक्द्रभ छ मर्था न्यापाद्य जाभमार्थ

এবং অন্যান্য যে দাওয়া চলিত আইনক্ষে থাকী যালগুলারির ন্যায় আদায় করার অক্ষ আছে তাথার নিমিতে সন ১৮৪৫ ইং ২১ জুলাই মোডাবেক সন ১২৫২ সালের ৭ আবণ রোজ লোমবার এই কালেক্ট্রীর কা-ছারিতে বিনাওজরে ধরা ঘাইবেক এবং নিভাষ বিক্রী হইবেক ইভি সন ১৮৪৫ ইং তারিথ ৩ জুলাই মোডাবেক সন ১২৫২ সাল তারিথ ২০ আঘাট। मश्रम त्मछत्रा शहेरहराष्ट्र त्य ३४८४ मात्मद ३ श्रथम आहेरमह ७ थाहामुमारह मीटहर निविज् महानाड नाताब रेटड मन ३२६३ मान बदर नाहाबर हैं असे भन ३२६२ वामनाइ नाहमा हानी मानधमादि मितिरह [शवर्गरमन्ते दशरखरे। २४८०। २२ खुलाहे।]

| । সন ১৮৪৫ ইং ২৮ জুনে র পাওনা বাকী | লাগাএত চৈত্ৰ সল১২৫১ বাঙ্গলা ২৩॥৮৬ লাগাএত জৈচান্ত নন ১২ ৫২ বাং ২৩॥৮৮ | 84 16/2 | ७३७ १९ मन ३२६३ माल ला९रैठड क्रे महाल मुमद्रदत्नद् सम्म वादामी मुन्द्रदत्नद् | ७१२५/१ ॥ २९७४८ । किमिमानही प्रश्क्राष्ट्रिक षादाम कर्त्र सन्प्रकी | 99२ IE जन ३२ ६२ दा श ना र छा मात्र अहि । हे छ क मन ३२ ६ दा साधारह | ७० मन ३२७८ टॉ॰ गुमक २० दिम दबनद ग्रिझाटल | अरठभार अप्राप्त क्रमास हासास हास्ता कामास क्रामिता डोकि | ३२०/२ | शंउ हरेंग्रह उउन वश्मत् याकी प्राप्त प्रशंत | ३३३७७/८ ।। यककृटहर् बारामकादि त्याल ब्यानीड् हक नीनाम | इहेरदक है छ । | 22.0 Iv8II | | 5000 10/4 | | 8/0500 | The second secon | 10.00 le/20 | FIX 52 |
|---|--|---------------------------------------|---|--|---|--|--|--|---|---|---------------------|---|---------|-----------|-----------|--------|--|---|--------------------|
| मम्द्र सम् | ج ج ج | | 528¢ ZIA 35 | ३२८७ दा९ ७१३ | ३२८९ हार ५५ | क्ष भार महरद | १२८३ वार अर | 5260 819 30320/2 | मन ३२६३ | वाद ३३ | मन ३१६१ | हार ३३०। | मन ३२६७ | वार ००० | मन ३२६ आल | 500 | मन 5३६६ | हार ३७३७ | हर ३२६७ मान मा९ ३२ |
| মহালের লিখিড মালিক | াম ভি মেছকুন সাহেব | | . जिन्मजी मामा। | 大学 カラスタの | | | The Lates of | | | | | | | | | | | | |
| মহালের নাম | খারিকা পরগনে উহুর শাহাবাজপুর, কৃষ্ণবাম মুনশী তালুক | সিলেমাবাদ চক বেডকাটা ভালু | छानुम्रही मात्राः | THE RESERVE OF THE PARTY OF THE | SCHOOL OF LAND PROBLES SHIPS | PRINCE WHEN SHIPPING THE STATE OF SHIPPING | Contraction of the contraction o | THE RESIDENCE ASSESSMENT OF THE PARTY OF THE | (日本の日本の日本の日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本 | の ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** ** | 一番ので、北方はあれて、一次の漢目 | THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN THE PERSON NAMED | | | | | | | |
| জিতে মহালে র নমূর | 2042 | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भर्गालह त्यंनी | वृक्षम् । स्थि वृक्षम् महान | डेक्डमदादी कथा थाया नाह छत्रा महाल | | | | | | | | | THE PERSON NAMED IN | STREET OF SALE | | | | | | | |
| त्ख्रभी;द नश्रुद | - | • | | | | | | | | | | | | | | | - | | |

)

880

| মন্তব্য কথা | बावरक किम बारक्रमाथी । अबे अगड वाडमा बर्धा हाजकिरणाह हो। जाबीन- | | क्षेट्र हा छत्। इत्था फैल भाषीतमात्वत त्य हक। | | अहे अमङ जानूक मत्था उँक आधीनमारहत त्य | | এই ভালুকের মধ্যে হর্চনুদ্দ লভ জামীনদারের যে হক কিন্দু ইহার ॥/১৩। – জান্ধি হিন্যা লাট | হুইতে খ্রা নালশ | जिनादित रक मधे रहैत्वक मा। | এই ভালুকের মধ্যে কালীকিশোর দেন জামানদা- সেম বে মস্মা | এই ভালুতের মধ্যে ভাশীচন্দ্র সেম আলোকচন্দ্র | সেন ও কালাচাদ দেন জায়ানদারানের যে হক। এই ভালুকের মধ্যে আলোকচন্দ্র দেন জায়ানদা- | | এই তালুকের ৫ পুত আমা হিশ্যা মধ্যে এক মোহন দেন জামীনদারের যে হক। | এই ভালুকের মধ্যে মহেন্দ্রনারায়ণ আইচ ও ইমসনেল আইন আমাসীআন্তর সেতত। | Town which the same Books | अहे जानूत्कत् ग्रांसा डेक जामाग्रीभाषक् त्य हक। | |
|--|---|--|---|-------------------------------------|---------------------------------------|---|---|--------------------|----------------------------|---|--|---|----------|--|---|---|---|----------------------------|
| मन ১৮৪৫ ई९ १४ खुत्न इ शास्त्रा दाकी | दादएड किम दाएकवाथीड | 1 0 0 0 1 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | /G | | /g ° | | ΛĐ | | | M | /9 | /sj | R | 7 | <u>त्काक महददाहकाट्ड्र</u> | | Ag | |
| मस्द छम् | 11 8/628 | | 37.76 | | 120 10c2 | | 18 66/09 86 | | | 3 · ho/55 II | 3691311 | শুলা হ | | 3317411 | | | | |
| মহালের লিখিত মালিক | বাজকিশোর রাম | | | | Λij | | रिक्ट्यमाम मृत्र | | | मीडाद्राय त्यन | जिद्माम त्मन | সোণারাম সেন | | শাণকৃষ্ণ দেশ | मट्स्न्नाद्राम् व्याहेट | FIANA | শ্ব | |
| মহালের নাম | | कान्नद्र भारता द्रामणम् द्रानकान्त्रद्र । रुगा । त्रा विकल्लमाम् द्राम क्रमण्ड्राक्षमा द्रामिक्टमाद्र द्राम | किममुक्त दार्ट्ड्स किममुक्त दार्ट्ड्स | धाममुम्द दाम हिमा आदिमधाम दाम हाउमा | | রামমোহন দাস ও রামশর্ণ দাস ওপত ভালুক রাজকিশোর রায় কিসমত মানপুর ওগয়র্হ | থারিজ। পরগনে বাঙ্গরোড়া বিস্থুপ্রসাদ দক্ত ভা লক্ত | | | থারিজা পরগনে বাঙ্গরোড়া দীতারাম দেন তালুক | শারিজা প্রগনে ঐ শিবদাস সেন ভালুক ··· | থারিজা প্রগমে ঐ সোগারাম সেন ডালক | | - 100 | रक्ता १०० | बारा बरायाता शहरा कुळकाण ठ ६६६६६९९। किमगट वास्त्रीमाथ बाह्य माग्निक डालक | ए क्षकाति किमा | राज्यमध्य भारत मामिक खांचक |
| জিলার ভৌ জিভেমহালের নম্বর | • | | | | ۰ | | 6.3 4 | | | 5089 | 4505 | . 36 . | . F.S.s. | | • | 経済が成 | | |
| महारमद त्यंगी | दाको शामधेगादि त्य | करने बामान्न रहान्त | দাওয়ার নিমিন্ত বিক্র য চন্দ্রা মহাল | | | | | | | | | | | | | から 一番の 一番の の の の の の の の の の の の の の の の の | | |
| त्वाभी त मञ्जूष | | 9 | C I Mo | | | | | | | | | | | | | | | |

ত্রিপুরা ও বলুআ ও চাটিগাঁর জীযুত জমীদারান বরাবরেষু

ইহার হার। সম্বাদ দেওরা ঘাইতেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ২ ধারানুসারে এবং এই সিরিশ্ভাহইতে ১৮৪৫ সালের ৪ ফেকুআরি তারিথে যে এভেলা প্রকাশ হয় তদনুক্রমে উত্তর কালে

১। যে মহালের বন্দোবস্ত বাঙ্গলা সমজনুসারে হইরাছিল সেই মহালের বাকী রাজন্ব ভালু মানের কিন্তী
সমেত ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে জ্বথবা ভাহার পূর্বে
দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত ইলরেজী সমজনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাকী
রাজন্ব আগন্ট মানের কিন্তীসমেত উক্ত ভারিখে কি
ভাহার পূর্বে দাখিল করিতে হইবেক।

২। যে মহালের বন্দোবস্ত বাজলা সনঅনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাজী রাজয় অগ্রহায়ণ মানের
কিন্তীসমেত ২৬ ডিসেয়র তারিখে কি তাহার পূর্বের দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত ইয়রেজী সনঅনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাজী রাজয়
নবেয়র মানের কিন্তীসমেত উক্র তারিখে কি তাহার
পূর্বের দাখিল করিতে হইবেক।

৩। যে মহালের বন্দোবস্ত বাঞ্চলা দনঅনুসারে হটয়াছিল দেই মহালের বাকী রাজ্য মাঘ মাদের কিন্তীসমেত ২৫ ফেব্রুআরি ভারিথে কি ভাহার পূর্কে দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত ইক্সরেজী দনঅনুসারে হইয়াছিল দেই মহালের বাকী রাজ্য জানুআরি মাদের কিন্তীগমেত উক্ত ভারিথে কি ভাহার পূর্কে দাখিল করিতে হইবেক।

৪। যে মহালের বন্দোবস্ত বাজলা সনজনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাকী রাজস্ব বৈশাথ মাসের কিন্তী।
সমেত ২৫ মে তারিখে কি তাহার পূর্বে দাথিল করিতে
হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবস্ত ইন্সরেজী সনজনুসারে হইরাছিল সেই মহালের বাকী রাজস্ব আপ্রিল
মাসের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পূর্বে
দাথিল করিতে হইবেক।

হেনরি রিকেট্ন।
১৬ সংখ্যক এলাকার কমিদানর এবং দদর বোর্ড।
চাটিগাঁর কমিদানর সাহেবের দস্তর্থানা।
১৮৪৫। ২৪ জুন।

· INSOLVENT COURT.

যোত্রহীনেরদের আদালত।

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, the matters of the Petition of John Newton Pratt, a Creditor of WILLIAM RUSHTON, late of Hare Street, in the town of Calcutta, and Factory of Fort William, in the Province of Bengal, Printer and Book Seller, and now residing at Serampore, against whom an adjudication of Insolvency was made and pronounced on the thirtieth day of May, one thousand eight hundred and fortyfive, on the application of the said John Newton Pratt, are appointed to be heard in the said Court, on Wednesday, the first day of October next.

The names of the Creditors of the said WIL-LIAM RUSHTON, appear in a Schedule filed in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which Creditors may refer. Dated this 22d day of July, 1845.

Baillir, Molloy and Mackintosii,

Attornies for the Insolvent.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, bearing date the 5th day of July instant, the hearing of the matters of the Petition of CHARLES GRILLARD, sued by the name of C. Grillard, an Insolvent, has been adjourned to Saturday, the 2d day of August next.

NATHANIEL HUDSON,

Attorney for the Insolvent.

Calcutta, 22d July, 1845.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, the matters of the Petition of Dwarkanauth Mullick, a Creditor of BENJAMIN PEACH SINGER, late of Berhampore, in the শহর কলিকাভার অক্ষম ঋণিদিগের পরি-ত্রাণার্থ আদালত।

পূর্ব্বে বাঙ্গলা দেশের ফোর্ট উলিয়ম কুটার ও কলি-কাতা নগবের হের ফ্টিট নিবাসী ছাপাওয়ালা ও কেতার-বিক্রেতা এবং এক্ষণে এরামপুর নিবাসী

উলিয়ম রফীন দাহেব লব ৩০ মে তাবিখে হোত্রহীন

১৮৪৫ সালের ৩০ মে তারিথে যোত্রহীন এমত ওাঁহার এক জন মহাজন জান নিউটন প্রাট সাহেবের দ্রথান্ত-মতে প্রকাশ হন্। ইহার দ্বারা সম্বাদ দেওরা যাইতেছে যে উক্ত আদালতের প্রকুমক্রমে উক্ত জান নিউটন প্রাট সাহেবের দ্রথান্তের মর্মা আগামি অক্টোবর মানের ১ তারিথ ব্ধবারের উক্ত আদালতে শুনা যাইবেক।

উক্ত উলিয়ম রক্টন সাহেবের মহাজনেরদের নাম তফসীলে লিথিত হইয়। উক্ত আদালজের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তর্থানায় দাখিল হইয়াছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন্। ১৮৪৫ সাল ২২ জুলাই।

> বেলি ও মলর ও মাকিউস। যোত্রহীনের উকীল।

ইহার দ্বারা সম্বাদ দেওরা যাইতেছে যে বর্তমান জুলাই মাদের ৫ তারিখের উক্ত আদাপতের অকুমক্রমে দি গ্রিলার্ড নামে সফীনা হওরা যোএহান

চার্লস গ্রিলার্ড সাহেরের দর্থান্তের মর্ম আগামি আগন্ট মানের ২ তারিশ শনিবারে শুনা যাইবেক।

মাথানিয়েল হডসন। যোত্রহীনের উকীল।

कनिकाण ३४८६। २२ खुनारे।

পূর্ব্ধে বাজলা দেশের বছরমপুরনিবাদী এবং পরে কলিকাতা নগরনিবাদী কিন্তু এক্ষণে বাজলা দেশের জীরামপুরনিবাদী এবং পূর্ব্ধে বছরমপুরে রেশমের বাণিজ্যকারী

[शवर्गयन्ते प्रारक्षते। २४८४ । २२ जुलाहे।]

Province of Bengal, and afterwards of the Town of Calcutta, but at present residing at Serampore, in the Province of Bengal, and lately carrying on trade and business at Berhampore aforesaid as a Silk Merchant, and against whom an adjudication of Insolvency was made and pronounced by the Court, on the fifth day of July instant, on the application of the said Dwarkanauth Mullick, are appointed to be heard in the said Court, on Wednesday, the first day of October next.

The names of the Creditors of the said BEN-JAMIN PEACH SINGER, appear in a Schedule filed in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which Creditors may refer.

W. N. HEDGER, Insolvent's Attorney.

In the matter of the Petition of GEORGE THOMAS DEVERELL, sued by the name of George Deverell, late an Assistant Indigo Planter, in the Ackragunge Indigo Factory, in the district of Moorshedabad, afterwards of North Road Entally, in the Twenty-four Pergunnahs, and now a prisoner confined in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act of the ninth year of the Reign of His late Majesty George the Fourth, entitled an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors, in the East Indies.

NOTICE is hereby given, that at a Court holden on Saturday, the fifth day of July instant, it was ordered, that the said Insolvent be at liberty to amend his Schedule filed in this matter on the first day of March last, by inserting therein an extract from the last Will and Testament of B. Deverell deceased, and that the hearing of the matters of the Petition of the said Insolvent, be adjourned until Saturday the second day of August next.

CH. STRETTELL, 和亚北京安徽市北京 金沙湖 450 Insolvent's Attorney.

Calcutta, July, 1845.

NOTICE is hereby given, that pursuant to an order of the said Court, made in the matter of MANICKCHUND CULLEANJEE, an Insolvent, on the fifth day of July instant, the Schedule filed in the said matter on the twenty-second day of April last, has been amended by the said Manickehund Culleanjee, and that the same may be inspected by his Creditors at the Office of the Chief Clerk of the said Court.

BEDELL, Insolvent's Attorney.

Calcutta, 5th July, 1845.

In the matter of STEPHEN WILLIAMS, an Insolvent,

On Saturday, the 5th day of July instant, upon an application of the Assignee in this matter, it

বেঞ্জিমেন পাঁচ দিন্দর লাহেবের এক জন মহাজন স্বার্কানাথ মলিকের দর্থাত্মতে বর্তমান जुलाई शादमत । ভाরিখে ये माद्य উक्त जामानद्यत ভকুমক্রমে যোত্রহীন প্রকাশ হন । ইহার ছারা স্থান দেওরা যাইতেছে যে উক্ত আদালতের প্রক্মজনে উক্ত মারকানাথ মালকের দরখান্তের মর্ম্ম আগামি অক্টোবর মাদের > ভারিশ বুধবারে উক্ত আদালতে ভনা ঘাই-

উক্ত বেঞ্জিমন পীচ সিল্পর সাহেবের মহাজনেবলের নাম ভফসীলে লিখিত ছইয়া উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দন্তর খানার দাখিল হইরাছে মহাজনের। তাহা দেখিতে পারেন।

ভবলিউ এন হেন্তর।

दशाज्हीत्मत् उँकील।

HILL TO THE RESERVE OF THE BUILDING জর্জ তামন ডিবরেল

EP STEEL TOWN STANSON

नोलिन इत कर्फ डिटट्रल नाट्य यिनि शृद्ध किला मूत-শिवादात्व जागवागत्यात नीलक्ठीत जानिकाले हिटलन তৎপরে জিলা চারিশপর্গনার উত্তর রাভায় ইটালিতে বান করিতেন এবং এফণে শহর কলিকাভার প্রধান কারাগারে আছেন ভাঁচার দর্গান্তের ভাৎপর্যা অর্থাৎ গত রাজার অধিকারের নতম বৎসরের নির্ম ঘাতা ভারতবর্ষের সকল আক্ষয় গণিরদিগের উপকারার্থে হই-রাছে ঐ সকল নির্মানুসারে আপন উদ্বারের নিমিত্তে প্রার্থনা করেন ইতি।

ইহার ভারা থবর দেওয়া যাইতেছে যে জ্লাই মাহার ৫ তারিথ শনিবার দিবদে আদালত অবধারিত হট্যা-ছিল তাহাতে হুকুম হর যে উক্ত অক্ষম গণি ব্যক্তির প্রতি অনুমতি প্রদান হইয়াছে তাহার শীডিওল অর্থাৎ ফর্দ অধরাইবার নিমিতে যাহার ১ মার্চ তারিখে উক্ত বিষয়ে দাখিল হইয়াছে মৃত বিঃ ডিবরেল সাহেবের উইল হইতে এই চুম্বক উক্ত শীডিওলে অর্থাৎ ফর্কে নামিল कदर्शत बाता अव९ आमाशी स्मामता आगके निवात তারিথ উক্ত দর্থাত্তের বিষয় প্রবণার্থ নির্দ্রারিত হই-য়াছে ইতি ভা° ৫ জুলাই সন ১৮৪৫ সাল।

> हेक्षार्वेल। इनगालद्यत्लेव छेकील।

ইহার দ্বারা সম্বাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে যোত্রহীন মাণিকচাদ কল্যাণজীর

বিষয়ে বর্তমান জ্লাই মাদের ৫ তারিখের উক্ত আদা-লতের ভক্ষত্রমে ঐ বিষয়ে গত আপ্রিল মাদের ২২ उादिएथा एवं उक्तमील माधिल इस डाहा उक्त मानिक्रीम কল্যাণজী অধ্রাইয়াছেন এবং তাঁহার মহাজনের। সেই ন্তুধরাণ তফুদীল উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তব্থানায় দেখিতে পারেন।

विष्डल।

বৈছেল। উক্ত যোত্রহীনের উঠীল।

কলিকাতা ১৮৪৫ সাল ৫ জুলাই।

CHILL LEEL, many burnhammens

যোত্রহীন ফিবন উলিয়ম্ন সাহেবের বিষয়ে। এই বিষয়ে বর্তমান জুলাই মাসের ৫ তারিখ শনিবারে আদৈনি দাহেব দর্থান্ত করাতে ত্কুম হইয়াছিল বে উক্ত যোত্রহীনের তফদীলের যে দকল দাওয়া মঞ্ব

[Government Gazette, 29th July, 1845.

out of the sum of Co.'s Rs. 2,526-15-7, in his hands pay a dividend at the rate of Co.'s Rs. 10 per cent. (which will amount to the sum of Co.'s Rs. 2,375-2-6,) upon the several claims admitted on the Schedule of the said Insolvent, so soon as such claims shall be duly substantiated to the satisfaction of the said Assignee.

Notice whereof is hereby given.

R. O'Dowda, Assignee.

Assignee's Office, 26th July, 1845.

The like notice, in the matter of WILLIAM EDWARDS, an Insolvent, in which it was ordered that out of the sum of Co.'s Rs. 3692-13-11, a dividend at the rate of 50 per cent. (amounting to Co.'s Rs. 3,149-4-2) be paid.

The like notice, in the matter of COLLYDOSS CHATTERJEE, an insolvent, in which it was ordered that out of the sum of Co.'s Rs. 2,662-4-3, a dividend at the rate of 15 per cent. (amounting to Co.'s Rs. 1980-11-8) be paid.

R. O'Dowda, Assignee. Calcutta, 26th July, 1845.

[शवर्ष्यले श्राटकरे। ১৮৪৫। २৯ कुलाई।]

to the other grapes to take with any

was ordered that the said Assignee do from and হইরাছে সেই সকল দাওয়া উক্ত আগৈনি সাহেবের খা-তিব্রলমামতে সাবাস্ত হুইলে তাঁহার হাতে যে ২৫২৬৮/৭ টাকা আছে তাহাহইতে তিনি উক্ত প্রত্যেক দাওয়ার উপর শতকরা ১০১ টাকার ডিবিডেও দেন্ অর্থাৎ নর্মসুদ্ধ २०१६०७ होका।

ইহার সম্বাদ দেওরা গেল।

আর ওডৌডা। আদৈনি।

व्यारेमनिव प्रकृत्थाना। ১৮৪৫। २७ मुनारे।

याजशीन উলিয়ম এড়ার্ডস সাহেবের বিষয়ে উক্ত প্রকার সম্বাদ দেওয়া ঘাইতেছে। এই বিষয়ে প্রকম হইল যে ৩৬৯২ ৭/১১ টাকাইইতে আদৈনি সাহের শতকরা ৫০১ টাকার ডিবিডেও দেন অর্থাৎ मर्वामुक्त ७५८२ ।२ होका।

যোত্রহীন কালিদাস চাটুয়াার विषय छेक श्रकात मञ्चाम दमश्रा शाहरकट । अ विषय ভকুম হইল যে ২৬৬২ IO টাকাহইতে শভকরা ১৫১ টাকার ডিবিডেও দেওয়া যায় অর্থাৎ দর্কসুদ্ধ ১৯৮০ ॥/৮ টাকা দেওরা যার।

the grant of the contract of the second of the second

ARM (CE) C. (CE) SEGO. TO SECURE SEGERAL ASSOCIATION

error or your primary and a substitute deposite STATE OF THE PARTY SECTION OF THE PERSON NAMED IN THE PARTY

the formation bear spelp freely as species

আর ওডৌডা। আদৈনি। कनिकांडा। ১৮৪৫। २७ जुनाई।

গ্রীরামপুরের যন্ত্রালয়ে শ্রীযুত জান কাশমন সাহেবকর্ত্ক মুদ্ভিত।



গৰৰ্নমেন্ট গোজেট

গ্রণ্মেণ্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 5, 1845.

কলিকাতা মঙ্গলবার ১৮৪৫ সাল ৫ আগঊ 1

DRAFTS OF ACTS.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE.

THE 28TH JUNE, 1845.

The following Draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 28th June 1845.

ACT No. --- OF 1845.

An Act for Incorporating the Assam Company.

Whereas it hath been discovered, that there are in the British Province of Assam and other the North Eastern parts of India, numerous and extensive tracts of country producing the genuine Tea Plant, and it has been ascertained that the soil and climate are in all respects adapted for the cultivation of Tea Plant on an extensive scale.

And whereas it is considered, that the cultivation and manufacture of Tea in India will be of great national importance and benefit, as well to the United Kingdom as to the British Territories in India, and the same may be advantageously prosecuted on a scale beyond the resources and enterprize of individual Capitalists, and a Society or Company hath been lately formed for the purpose of prosecuting and extending the said culture and manufacture with a Capital of Company's Rupees 50,00,000 in 10,000 Shares of Co.'s Rs. 500 each, and certain grants of land have been already made to the said Company in Assam and the North East parts of India aforesaid, and establishments have been formed by the said Company for the purposes of the said culture and manufacture, and are now in operation.

And whereas the whole 10,000 Shares have been subscribed for and appropriated, and the Proprielors have actually paid up Company's Rupees আইনের মুদাবিদা।

ফোর্ট উলিয়ম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট। লেজিসলেটিব।

वेकदब्बी ১৮৪৫ माल २৮ खुन।

প্রস্তাবিত আইনের নীচের লিখিত মুসাবিদা ইঙ্গরেজী ১৮৪৫ সালের ২৮ জুন তারিথে হজুর কৌন্দেলে প্রথম-বার পাঠ করা গেল।

ইঙ্গরেজী ১৮৪৫ দাল——আক্ট। আসাম কোম্পানিকে চার্টর দেওনের আইন।

যেহেতুক দৃষ্ট হইরাছে যে আসাম দেশে ইল্লেগ্রীরের-দের অধিকারের মধ্যে এবং ভারতবর্ধের উত্তরপূর্ব্বের অন্যান্য ভাগে যাহাতে আসল চা উৎপন্ন হর এমত অনেকং ও বিন্তারিত ভূমিখণ্ড আছে এবং ইহা নিশ্চর জাত হওরা গিরাছে যে সেখানকার ভূমি এবং আহহাওরা বাহুলামতে চার বৃক্তের কৃষি করণের সর্ব্ব প্রকারে
উপযুক্ত।

এবং মেহেতৃক এমত বোধ হইরাছে যে ভারতবর্ষের মধ্যে চার কৃষিকরা ও চা প্রস্তুত করাতে যেমন ইঞ্লপ্ত দেশের উপকার ও লাভ তেমনি ভারতবর্ষে ইঞ্লগুরির-দের অধিকারে মহোপকার ও লাভ হইবেক এবং বিশেষং মহাজনেরদের দংস্থান ও উদ্যোগের দারা যেপর্যান্ত তা-হার কৃষি হইতে পারে তদপেকা বাছলামতে ঐ চার ব্যবসা করিলে উপকার দর্শিবার সম্ভাবনা আছে এবং যেহেত্রক ঐ বৃক্ষের চাস ও তাহা প্রস্তুত করিবার এবং তাহা বাড়া-ইবার নিমিত্তে সম্পুতি এক সোমৈটি অর্থাৎ কোম্পানি স্থাপন হইয়াছে এবং ঐ কোম্পানির মূল ধন ৫০,০০,০০০১ লক্ষ টাকা এবং তাহা ৫০০১ টাকা করিয়া ১০,০০০ স্যা-রেতে বিভক্ত হইয়াছে এবং ঐ কোম্পানিকে আসাম দেশে এবং ভারতবর্ষের উত্তরপূর্ব্ব দিগে কএক এও ভূমি ইহার পূর্বে দেওরা গিয়াছিল এবং ঐ বৃক্ষের কৃষি করিবার ও তাহা প্রস্তুত করিবার নিমিত্তে উক্ত কোম্পানি নানা কৃঠী স্থাপন করিয়াছেন এবং ঐ কুঠীর কর্মা এক্ষণে ठिनाउट्ड।

এবং বেহেতুক ঐ সমুদর ১০,০০০ স্যার সহী হই-রাছে ও বন্টন হইয়াছে এবং ঐ অধিকারিরা ঐ কোম্পানির ৫০,০০,০০০ লক্ষ কোম্পানির টাকা)মূল ধনের মধ্যে

[Government Gazette, 5th August, 1845.]

20,00,000 of the said Capital of Company's Rupees 50,00,000, and the several Subscribers are willing at their own expense to carry on the said culture and manufacture, and it would tend much to the convenience and advantage as well of the said Subscribers as of the public, that they should be incorporated in the manner hereinafter mentioned and provided.

And whereas it is considered that there are in Assam other articles and products of indigenous growth, or to which the soil and climate are also adapted, the culture and preparation of which may be carried on with great advantage and profit by the said Company as incidental to, or in connection with their Tea cultivation and establishment, and whereas it is desirable that provision should be made for enabling the said Company if they shall think fit to avail themselves thereof, and for enabling them to increase their Capital Stock.

And whereas several of the persons hereinafter named had been appointed and acted as a Provisional Committee for the purpose of forming and establishing the said Company, and commencing the business thereof, and the said Company has since been constituted under the provisions of a Deed of Association, bearing date the 31st day of January 1840, and made between the several persons whose names are thereunder subscribed, and whose seals are thereunto affixed, (except the several persons, parties thereto of the second and third parts) of the first part, Sir William Baynes, Baronet, Richard Twining, Thomas Weeding, John Alliston, Andrew Henderson, Francis Fox and William Cracroft, therein respectively described of the second part, and Sir George Gerard de Hochipied Larpent, Baronet, John Small, Alexander Rogers, Foster Reynolds, John Travers, William Manning, William R. Robinson and Ross Donnelly Mangles, therein also respectively described, of the third part, and under which Deed the business of the said Company has been commenced and carried on, and whereas in such Deed provision was made for confirming the several Acts, Deeds, Matters and Things executed and performed by the Provisional Committee in that capacity.

And whereas it is expedient that like provision should be made herein, and also provision for vesting, continuing and establishing in, for, and against the Corporate Body hereby created after (and notwithstanding their Incorporation) all such property, rights, contracts and liabilities whatever as the said existing Society or Company are, or but for such Incorporation would be possessed of, entitled or liable to:

1. It is therefore hereby enacted, that James Pattle, Charles Hay Cameron, Dwarkanauth Tagore, William Prinsep, Alexander Rogers, Henry Barclay Henderson, James Prinsep, Edward Harding, James Colquhoun, James Church, Henry Chapman, John Lowis, John Farley Leith, Thomas Charles Morton, Mutty Lall Seal, William Richard Young, James Young, Archibald Sconce,

কোম্পানির ২০,০০,০০০ লক্ষ টাকা দাখিল করিরাছেন এবং ঐ নানা হাক্ষরকারী আপন্য খরতে উক্ত বৃক্ষের চাদ ও তাহা প্রস্তুত করিতে ছীকৃত আছেন এবং ঐ স্বাক্ষরকান রিরা যদি পশ্চাৎ লিখিত ও নির্দিক্ত মতে চার্টরপ্রাপ্ত হন্ তবে প্রত্যেক স্বাক্ষরকারির এবং সর্ক্ত সাধারণ লোকের আনেক সুগম ও উপকার হইবার সম্ভাবনা আছে।

এবং যেহেতুক এমত বোধ হইরাছে যে আদাম দেশে ডদেশজ অন্যান্য দুব্য আছে অথবা দেই দেশের ভূমি এবং আবহাওয়া প্রযুক্ত উত্তমরূপে জালিতে পারে এবং দেই২ দুব্য ঐ কোম্পানির চার চাসের এবং কুচীর দম্পর্কে অথবা সমন্তিব্যাহারে চাস ও প্রস্তুত করিলে উক্ত কোম্পানির বড় উপকার ও লাভ হইবেক এবং যেহেতুক সেই২ দুব্য উৎপন্ন করিতে ঐ কোম্পানিকে ক্ষমতা দি-বার এবং ভাঁহারদের মূল ধন বৃদ্ধি করিবার ক্ষমত। দেওনের নিয়মকরা বিহিত বোধ হয়।

এবৎ যেহেতৃক যে২ ব্যক্তিরদের নাম পশ্চাৎ লেখা আছে তাঁহারদের মধ্যে কএক জন উক্ত কোম্পানি নিযক্ত ও সংস্থাপন করিবার এবং ডাহার ব্যবসা আরম্ভ করি-বার নিমিত্তে ক্লণেক কালের জন্যে কমিটিখরুপ নিযুক্ত হইয়াছিলেন এবং সেইরূপে কর্মা করিয়াছিলেন এবং ভাহার পরে ১৮৪০ সালের ৩১ জানুআরি তারিখের সমূলপতের নিয়মানুসারে উক্ত কোম্পানি স্থাপন চইয়া-ছিল এবং ঐ পত্রের (দ্বিতীয় ও তৃতীয় ভাগের ব্যক্তি-ছাড়া) প্রথম ভাগে ঐ সমৃদ্ধপত্রের নিমে যে ব্যক্তির-দের নাম ও মোহর আছে দেই নানা ব্যক্তির মধ্যে পরসপর তাহাতে যীকৃত হইয়াছিলেন ঐ দ্বিতীয় ভাগে যাঁহারদের নাম লেখা আছে ওাঁহারা এইং সর উলিয়য় বেন্স বারনেট ও রিচার্ড টুআইনিং ও তামস উইডিং ও জান আলিফন ও আন্ক্র হেওর্সন ও ফালিস ফর ও উলিয়ম ক্রেক্রপ্ট এবং তৃতীয় ভাগে যাহাঁরদের নাম নিদিষ্ট আছে তাঁহারা এই২ সর জর্জ জেরার্ড ডি হচিপেদ लात्रा तात्रां ए जान गाल ए जारलक जाउत त्वर्म ও ফফীর রেণাল্ডস ও জান ট্রস ও উলিয়ম মানিং ও উলিয়ম আর রাবিন্সন এব রস ডনেলি মাঙ্গলস সাহেব। এবং ঐ সমৃদ্ধপত্রের অনুসারে ঐ কোম্পানির কর্ম আরম্ভ হইরাছে এবং চলিতেছে এবং যেহেতৃক উল্ পত্रে এইমত নিয়ম ছিল যে ঐ ক্লণেককালীন কমিটি मिट भएमाभनक्क रा मकन कर्म छ काँग छ विषय छ ব্যাপার করেন্ এবং সম্পন্ন করেন্ তাহা মঞুর হইবেত।

এবং যেহেতুক উক্ত প্রকার নিরম এই চার্চরের মধ্যে করা উচিত বোধ হইরাছে এবং উক্ত সোনৈটির অথবা কোম্পানির যে সকল সম্পত্তি ও স্বস্ত ও বন্দোবন্ধ ও দার আছে এবং এইকপ চার্টর না পাইলে ঐ কোম্পানির থাকিত কিয়া ঐ কোম্পানি দাওয়া করিতে পারিতেন অথবা ঐ কোম্পানির উপর দাওয়া হইতে পারিত সেই সকল সম্পত্তি ও স্বস্ত ও বন্দোবন্ধ এবং দার এই আইনের দারা পশ্চাৎ সংস্থাপিত চার্টরপ্রাপ্ত সমাজে এবং ওাঁহারদের পক্ষে ও তাঁহারদের বিরুজে অর্পণ করিবার ও বজার রাখিবার এবং সংস্থাপন করিবার বিরুজে বিরুজি নির্মিত নিরমকরা উচিত বোধ হইরাছে।

১ ধারা। অতএব ইহাতে তকুম হইল যে জেম্ব পাটল সাহেব ও চার্লস হে কামিরন সাহেব ও বাবু হার-কানাথ ঠাকুর ও উলিয়ম প্রিন্সেপ সাহেব ও আলেক-জাওর রজর্ম সাহেব ও হেনরি বারক্লে হেওর্মন সাহেব ও জেম্ব প্রিন্সেপ সাহেব ও এডার্ড হার্ডিং সাহেব ও জেম্ব কোলন সাহেব ও জেম্ব চর্চ সাহেব ও জান কের্বি লাথ সাহেব ও ভামন চার্লস মাহেব ও জান কের্বি

Richard Walker, Henry Meredith Parker, Edward Charles Ravenshaw, Charles Raikes, John Storm, George Shearwood, James Charles Colebrooke Sutherland, Samuel Smith, John Deans Campbell, John Carrington Palmer, William Soltan Pillans, Prosunno Coomar Tagore, Ramanath Tagore, Cuthbert Bensley Thornhill, Thomas Scott, Thomas Sewell, Francis Dashwood, Charles Dundas Mitchell, Alexander Garroch Mackenzie, Henry Angustus Woollaston, Francis P. Mendes, William Henry Jones, Peter Innes, Robert John Lattey, Jenkins Llewelyn, John Jenkins, Arthur Pittar Lattey, Andrew Henderson, John Grant, Alexander Garden, William Cobb Hurry, Henry Holroyd, Robert Becher, Daniel Eliott, Edward Garstin, John Becher, James Cullen, Thomas Hyde Gardiner, Donald McLeod Gordon, William Henry Harton, Thomas Henry Hockley, J. M. Hill, Thomas Bracken, John Carr, Theodore Dickens, Charles Deverinne, William Pringle Downing, John Calder, Henry Burkinyoung, Charles John Burkinyoung, Roderick Mackenzie, John Williamson Macleod, John Muller, E. Elphinstone, J. D. Mullins, Richard Bird, Alfred Parker, C. J. Pittar, Henry Piddington, George Rogers, William Rushton, James Sydny Stopford, Robert Scott Thomson, C. A. Vertannes, William Greenway, R. S. Homfray, Francis Augustin, Richard J. Chambers, Aga Mahomed Ibrahim, Bissonauth Muttyloll, Brijonauth Dhur, Doorgachurn Dhur, Additchund Dut, Gooroopersaud Bose, Gourmohuu Gossain, Hadjee Mirza Mehdi Ispahanee, Luckinarain Dutt, Megnarain Roy, Muddenmohun Chatterjee, Nubkissen Sing, Nilcomol Ghose, Prawnkissen Law, Prawnkissen Bagchee, Rajah Radacant Deb, Radamadub Dutt, Ramchand Dhur, Rajchunder Mookerjee, Rajbullub Seal, Radacant Mitter, Shaik Allum Ullah, Sreecant Bannerjee, Seetanauth Bose, Woomachurn Bhose, and all other persons and corporations who have subscribed to, or shall hereafter subscribe towards the said undertaking, and their several and respective Successors, Executors, Administrators and Assigns shall be, and they are hereby united into a Company for the purposes herein declared, and shall constitute and be one Body Corporate by the name and style of the "Assam Company," and by that name shall have perpetual succession, and a Common Seal and by that name shall and may sue and be sued. entration of the se where some fire all-

II. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the said Company to carry on, prosecute and extend the cultivation of the Tea Plant in the lands, which have already been granted to the said Company in Assam and the North East parts [Government Gazette, 5th August, 1845.]

STREET ST. ME STOP SEASON ST. . "TO BETTER

the warper manday to kind of the Kind Story

EVER AS PORT THE ASSESSMENT OF THE

TENNE MATERIAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE

THE BUY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

Decree actions of the work week at

লাল শীল ও উলিয়ম রিচার্ড ইরং সাহেব ও শ্লেমদ हेन भारत ও आर्टियन्ड खन्म मारहर छ दिनाई छन्ना-কর সাহের ও হেনবি মেরিডিখ পার্কর সাহের ও এডার্ড ठालेंग (त्रक्या मार्ट्य ও ठालेंग (त्रक्य मार्ट्य ९ जान কর্ম সাহেব ও ভর্জ সেরউড সাহেব ও জেম্স চার্লস কোলবুক মথরলেও মাহের ও শাম্এল ঘিথ মাহের ও জান ডিব্দ কাম্বেল সাহেব ও জান কারি উন পামর সাহেব ও উলিয়ম সলটান পিলালা সাহেব ও বাব প্রময়-कुमात ठाकुत ও বाव त्रमानाथ ठाकुत ও कथवर्ड दरन-লি থণ্ছিল সাহেব ও তাম্ম স্কট সাহেব ও ভাম্ম সিউএল সাহেব ও ফালিস ডাগুড সাহেব ও চার্লস ডণ্ডাদ মিচেল দাহেব ও আলেকজাণ্ডর গারক মাকেঞি माद्दर ७ हमति जाशकेम उनकेम माद्दर ७ कानिम পি মেন্দিস সাহেব ও উলিরম হেনরি জোল সাহেব ও পিটর ইনিস সাহেব ও রাবর্ট জান লাটি সাহেব ও জেন-কিলা ল্এলিন সাহেব ও জান জেনকিলা সাহেব ও আর্থার পিটার লাটি সাহেব ও আন্দ্র হেওর্নন সাহেব ও জান গ্রান্ট সাহের ও আলেকজাওর গার্ডন সাহের ও উলিয়ম কব হরি সাহেব ও হেনরি হলরয়ড সাহেব ও রার্ট বিচর সাহেব ও ডানিএল এলিরট সাহেব ও এড়ার্ড গাফিন সাহেব ও জান বিচর সাহেব ও জেমস কলেন দাহেব ও তামদ হাইড গার্ডিনর দাহেব ও ডনাল্ড মাক্লৌড গর্ডন সাহেব ও উলিরম হেনরি হার্টন সাহেব ও তামদ হেনবি হক্লি দাহের ও জে এম হিল দাহের ও তামস ব্রাকেন সাহেব ও জান কার সাহেব ও থিয়োডোর ডিকিন্স সাহেব ও চার্লস ডেবরিন সাহেব ও উলিয়ম প্রিঙ্গল ডৌনিৎ সাহের ও জান কল্ডর সাহের ও হেনরি वर्किंगा भारत ଓ ठालम जान वर्किंगा भारत ଓ র্ডিক মাকেঞ্জি সাহেব ও জান উলিয়মসন মাঞ্লেড সা-হেব ও জান মলর সাহেব ও ই এলফিনিন্টন সাহেব ও জে ডি মলিন্দ সাহের ও রিচার্ড বর্ড সাহের ও আলফেড পার্কর সাহেব ও সি জে পিটার সাহের ও হেনরি পি-ডि॰ টন मार्ट्स ও জর্জ র্জর্ম সাহের ও উলির্ম র্ক্টন সাহেব ও জেম্দ সিডনি ফ্টপফোর্ড নাহেব ও রার্ট স্কট তামসন সাহেব ও সি এ বর্টানেস সাহেব ও উলিয়ম গ্রিন-ওএ সাহেব ও আর এস হফিচ্ সাহেব ও ফালিস আগ-ফিন সাহেব ও রিচার্ড জে চেমুর্স সাহেব ও আগা মহ-মাদ ইব্রাহিম ও বিশ্বনাথ মতিলাল ও ব্রজনাথ ধর ও मुजी हत्व धत । अरेब डिहाम मस । धल्लामान वम । গৌরমোহন গোধামী ও হাজি মীরজা মেহদি ইক্পাহানি ও লক্ষ্মীনারায়ণ দত্ত ও মেঘনারায়ণ রায় ও মদন্যোহন চাটুষ্যা ও নবকৃষ্ণ দিংহ ও নীলকমল ছোষ ও প্রাণকৃষ্ণ লাহা ও প্রাণকৃষ্ণ বাগচি ও রাজা রাধাকান্ত দেব ও রাধা-মাধব দত ও রামটান ধর ওরাজচন্দ্র মুখ্যা। ওরাজ-বলভ শীল ও রাধাকান্ত মিত্র ও দেখা আলম উলা ও প্রকান্ত বাঁড়ুষ্য। ও সীতানাথ বসু ও উন্নাচরণ বসু এবং व्यमा रा मकल वाक्तिता এव प्राईत्युक मशा अहे কর্মের নিমিত্তে সহী করিয়াছেন অথবা উত্তর কালে मही करत्न अव औशंतरमत नाना अ विरम्य केंद्राधि-কারী ও টর্নি ও আড়মিনিস্টেটর এবং আদৈন এই আইনের নিদিউ অভিপ্রায় দিল কবিবার নিমিত্তে এক কোম্পানিতে সংযুক্ত হইবেন এবং এই আইনের দারা তাঁহারা সংযুক্ত হইলেন এবং "আদাম কোল্গানি"নামে বিখ্যাত চাট্রপ্রাপ্ত সমাজহরণ সংস্থাপিত হইবেন এবং থাকিবেন এবং দেই নামেতে তাঁহার্লের অনবর্ভ পর্যায় থাকিবেক এবং তাঁহারদের এক নাধারণ মোহর থাকিবেক এবং দেই নামেতে তাঁহারা নালিশ করিবেন ও দেই নামেতে তাঁহারদের বিজ্জে নালিশ হইবেক ইভি।

২ ধারা। এবং ইহাতে হুকুম হইল যে আসাম দেশে এবং পূর্কোক্ত ভারতগর্মের উত্তরপূর্ব ভাগে ঐ কোম্পানিকে যে সকল ভূমি দেওয়া গিয়াছে দেইং ভূমিতে উক্তকোম্পানি চার বৃক্ষের কৃষি করিতে এবং তাহা বাড়াইতে পারিবেন এবং তাহার উৎপন্ন চা প্রস্তুত করিতে ও

of India aforesaid, and to manufacture and dispose of the Tea the growth thereof, and generally to carry on the business of cultivating the Tea Plant, and manufacturing or preparing the same for sale and exportation, and for such purposes to take and hold or make any such grants, leases or purchases, or other acquisitions of land in perpetuity, or for any term of years as the Governor-General in Council shall approve, such approval to be signified in writing under the hand of one of the Secretaries to the Government of India, and if requisite to sell, dispose of and alienate the same respectively, and to form, erect and make all such establishments, buildings, works and conveniences as the said Company shall think proper, and generally to use all such other ways and means as to the said Company shall seem meet for carrying into effect the objects aforesaid; and also (if they shall deem it advisable) to engage in or prosecute the cultivation, manufacture or preparation of all and any such other products and articles as may be found expedient for, or incidental, or assistant to the production of Tea. Provided always that the said Company shall not engage in or prosecute the cultivation, manufacture or preparation of Opium, Coffee or Sugar.

III. And it is hereby enacted, that the Capital of the said Company shall consist of Company's Rupees 50,00,000, to be contributed in 10,000 Shares of Company's Rupees 500 each, which shall be the original Capital of the said Company, and of such further sum as may be raised by the creation and sale of new Shares as hereinafter provided for. Provided always that it shall and may be lawful for the said Company at any time, and from time to time to encrease the Capital of the said Company to any amount not exceeding One Crore of Company's Rupees altogether by the issue of fresh Shares of Company's Rupees 500 each upon such terms as to them shall seem fit.

IV. Provided always and it is hereby enacted, that it shall not be lawful for the said Company to raise money by way of loan to a greater amount than one-fifth of the Capital of the said Company.

V. And it is hereby enacted, that all and every the Grants of Land already made, obtained or contracted for by the said Society or Company in the names of any Directors or Director thereof, or of any person or persons, and the plantations and works made and erected thereon and the produce thereof, and all offices, ware-houses, and buildings, and all articles whatsoever upon or appertaining thereto, or used therewith, and all property, real and personal, goods, articles and things whatsoever purchased, taken, bought, grown, produced or otherwise acquired for the purposes of the said Company, and all the estate, right, title and interest whatsoever therein both at Law and in Equity to all intents and purposes shall henceforth vest in and belong to the said "Assam Company," and their successors in their corporate capacity, and that no individual Subscriber or এবং তাঁহারদের সামাজিক উত্তরাধিকারিরদিগতে অপ্প

विज्ञान कतिएक शाहित्यम এवर सीमानाकः छात बुद्धान কৃষিকর্ণের বাবসা চালাইতে পারিবেন এবং তাহা বিভয় করণের এবং বিদেশে প্রেরণের নিমিত্তে ভাহা প্রস্তুত অথবা তৈয়ার করিতে পারিবেন এবং দেই কর্মা নির্মাচ্ত্র নিমিত্তে মৌকুদীকুপে অথবা কোন বং-সরের মিয়ালে প্রীযুত গ্রবনর জেনরল বাহাদ্র হন্ত্র কৌলেলে যাহাতে সমাত হন সেইমতে ভূমি লইতে ও পাট্টাক্তমে ধার্যা করিতে অথবা ক্রয় করিতে কি অন্য কোন প্রকারে চন্ত্র-গত করিতে পারেন এবং আযুতের ঐ সমতে ভারতবর্ষের গ্রর্থমেন্টের সেক্রেটারীর মধ্যে কোন এক জন সেক্রে-णेतीत मह्यश्कारम कांड कता गांचेरतक। अदेश डेक का-ন্পানি আবেশ্যকমতে ঐ ভূমি বিক্রয় করিতে ও দান করি-তে এবং হস্তান্তর করিতে পারেন এবং ঐ কোম্পানি যেয়ত উচিত বোধ করেন দেইমত দিরিশতা নিযুক্ত করিতে ও এমার্থ ও কার্থানা গাঁথিতে ও যে কোন বিষয় সুগম হয় তাহা করিতেও পারেন্ এবং সামান্যতঃ পূর্ব্বোক্ত অভিপ্রায় দিদ্ধ করিবার নিমিত্তে উক্ত কোম্পানির বিবেচনার অন্য যে কোন কর্মা বা উপায় উপযুক্ত বোধ হয় তাহা করিতে পারেন । এবৎ আরো যদি ঐ কোম্পানির উচিত বোধ হয় তবে চা উৎপন্ন করিতে যাহা প্রপায়িক বা ভদ্ঘটিত কি উপকারক বোধ হয় এইমত অন্যান্য বৃক্ষ বা দুব্যের কৃষি করিতে কিয়া প্রস্তুত করিতে বা তৈয়ার করিতে পারেন্। কিন্তু জানা কর্ত্ততা যে উক্ত কোম্পানি আফীন কি কাওয়া বা চিনির কৃষি করিতে বা ভাহা প্রস্তুত করিতে কি তৈয়ার করিতে পারিবেন না ইতি।

৩ ধারা। এবং ইহাতে ত্রুম হইল যে উক্ত কোম্পা-নির মূল ধন কোৎ ৫০,০০,০০০ লক্ষ টাকা হইবেক এবং তাহা কোৎ ৫০০১ টাকা করিয়া ১০,০০০১ ন্যারে বিভক্ত হইবেক এবৎ তাহা ঐ কোম্পানির আসল মূল ধন জান হইবেক এবং পশ্চাৎ নিশিকীমতে নৃতন স্যার দ্যিকরণ ও বিক্রম করণেতে যে টাকা উৎপন্ন হয় তাহাত্ত ঐ কোম্পানির মূল ধনের মধ্যে গণ্য হইবেক। এবং উক্ত কোম্পানি কোন সময়ে এবং সময়ক্রমে যেং নিয়ম ভাঁহারনের উচিত বোধ হয় দেই ২ নিয়মজ্ঞমে কোৎ ৫০০১ টাকা করিয়া নৃতন স্যার সৃষ্টি করিয়া আপনার মূল ধন সর্বসৃদ্ধ কোৎ এক কোটি টাকাপর্যান্ত বাড়াইতে পারেন ইতি।

৪ ধারা। কিন্ত ইহাতে তকুম হইল যে উক্ত কোম্পা-নির যে মূল ধন থাকে ভাহার পাঁচ ভাগের এক ভাগের অধিক কর্জ করিতে পারিবেন না ইতি।

৫ ধারা। এবং ইহাতে ত্রুম হইল যে উক্লো-দৈটি অথবা কোম্পানি আপনার অধ্যক্ষেরদের অথবা অধ্যক্ষের নামে অথবা কোন ব্যক্তি বা ব্যক্তিরদের নামে যে দকল ভূমি পাইয়াছেন অথবা হস্তগত করিয়াছেন অথবা যে ভুমির নিমিত্তে তাঁহারা বন্দোবন্ত করিয়াছেন তাহা এবং তাহার উপর যে সকল বৃক্ষ রোপণ করিয়াছেন এবৎ যে দকল কার্থানা করিয়াছেন এবং তাহার উৎপল দুব্য এবং মেই ভূমির উপর অথবা তৎসম্পর্কে কি ভাহার সঙ্গে ব্যবহারকরা সকল দক্তর্থানা এবং গুদাম ও এমারং ও দুব্য এবং ঐ কোম্পানির অভিপ্রায় দিল্প করিবার নিমিত্ত যে সকল স্থাবর ও অস্থাবর সম্পত্তি ও যে সকল क्रिनिम ও पुरा ও मामशी जन्त रहेबाहिल वा लख्या शिया-हिल कि थतीम श्रेग़हिल दा खियाग़हिल किया मृधि श्रे-রাছিল কি প্রাপ্ত হওয়া গিয়াছিল এবং সেই সকল বিষয়ে আইনানুসারে ও একুটাপকে উক্ত কোল্পানির যে ইকেট ও হক ও অধিকার ও সম্পর্ক আছে ভাহা সর্ব্ব প্রকারে এবং সকল কার্য্যের নিমিত্তে উক্ত আসাম কোম্পানি

tend to any estate, ownership or right of property therein.

VI. And it is hereby enacted, that the said Company shall have full power to make and constitute any Bye-Laws, Rules and Regulations not repugnant to Law or to this Act for and relating to the government and affairs of the Company, and for the government and guidance of the Directors and Officers, and from time to time to rescind, alter and vary the same, and that the provisions of the said Deed of Association shall until duly altered or abrogated constitute and be deemed the first Bye-Laws, Rules and Regulations of the said Company, and shall have and take effect as such so far and in such particulars as the same are not repugnant to Law or to this Act.

VII. Provided always and it is further enacted, that nothing herein contained shall be construed to render illegal or invalid any general or other Meeting of the said Company, or of the managing body thereof, or any election, resolution or other proceeding whatsoever held, made or passed thereat by reason of the same being held in pursuance of the said Bye-Laws, Rules and Regulations so contained in the said Deed of Association.

VIII. And it is hereby enacted, that a General Meeting of the said Company shall be held at the principal office or place of business of the said Company at Calcutta twice at the least in every year and oftener, when and if need shall be, the time of holding which periodical Meetings, and the form and mode of requisition for holding special or extraordinary Meetings, and of advertising and giving notice thereof respectively shall be settled and determined by Bye-Law or Rule of the said Company. And that at all such General Meetings, whether periodical or special, every Proprietor holding 5 Shares and less than 20 Shares, shall be entitled to 1 vote; 20 and less than 50 Shares, to 2 votes; 50 and less than 100 Shares to 3 votes; 100 Shares and upwards; to 4 votes; but that no Proprietor shall be entitled to vote who shall not hold at least 5 Shares; provided, however, that except as to the present Proprietors of the said Company and the Shares now held by them only the Shares in respect of which any Proprietor shall claim to vote shall have been held for such period of time as is or shall be required by Bye-Law of the said Company; provided always, and it is hereby enacted that votes given by proxy according to any Bye-Law, Rule or Regulation of the said Company shall be deemed to be as valid and effectual as if given in person.

IX. And it is hereby enacted, that at such periodical Meetings as aforesaid, the Books and Accounts of the said Company shall be produced and exhibited for the inspection, examination and approval of the Subscribers or Shareholders at large, and that at each of such periodical Meetings there shall be produced and presented by the Directors, or other Officers of the said Company for the time

Shareholder thereof shall as such have or pre- | ছইবেক এবং ওঁছোরবেরি আকিবেক । এবং কোন বিশেষ স্বাক্রকারি অথবা অধিকারির ভাষাতে কোন ইফেট বা খামিত্র কি সম্পত্তির অধিকার থাকিবেক না ইতি।

७ थाता । जित्र हेशार छक्म हहेल स जे काल्ला-নির ভার্যা ও ভর্তা নির্মাহের নিমিত্তে এবং ঐ ভোল্পা-नित "अधारकत । आमलात्रामत कार्या जानाहरात । উপদেশের নিমিত্ত যে কোন বিধান ও নিয়ম ৪ দাঁড়া माधात्व आहेरनत् अथवा এই आहेरनत् विक्रम ना इत তাহা স্থাপন করিতে এবং লময় ক্রমে তাহা রুদ ও মতান্তর ও ফেরফার করিতে ঐ কোম্পানির সম্পূর্ণ ক্ষমতা থাকি-रतक। **এব**९ উক্ত সমাজের সমৃদ্ধপত্রের বিধান যাতৎ রীতিমতে মতান্তর অথবা রদ না হর তাবৎ উক্ত কোল্পা-নির প্রথম বিধান ও নিরম ও দাঁড়া চইবেক এবং राष्ट्री छ छ रार विषय और विधान माधान आहेन अर्थता এই आहेरनव विक्रम ना वह मिहेश्यी छ अदर মেই ২ বিষয়ে ভাহা বলবৎ থাকিবেক ইতি।

৭ ধারা। কিন্ত জানা কর্ত্তব্য এবং ইহাতে আবো তক্ম হইল যে উক্ত সমাজের সমূদ্ধপত্তের লিখিত বিধান तिश्रम ६ माँजानुमाद्व इहेबाए देनिया छेक काम्लानिय অথবা তাঁহারদের কর্তৃত্বকারিরদের কোন সাধারণ কিয়া जना रेरठेक जशरा मिर्डे रेरठेरक राक्तिक घरनानीड कहन কাৰ্য্য কিয়া নিৰ্দ্ধাৰ্য্যহওয়া কোন কাৰ্য্য কিয়া অন্য কোন কর্ম এই আইনের লিখিত কোন বিষয়প্রযুক্ত বেআইনী অথবা অসিদ্ধ হইবেক না ইতি।

৮ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে কলিকাঙার উক্ত কোম্পানির প্রধান দস্তরখানার অথবা কর্মস্থানে প্রতিবৎসরে অন্যুন দৃইবার এবং আবশাক হইলে অ-ধিকবার উক্ত কোম্পানির সাধারণ বৈঠক হইবেক এবং ঐ দায়রিক বৈঠতের সময় নিরূপণ এবং বিশেষ অথবা উপরি বৈঠক আহ্রান করণের নিয়ম এবং ভাষার ইশতি-হার ও এতেলা দেওনের প্রাকার উক্ত কোম্পানির বিধান অথবা নিয়মের ছারা নিরূপণ এবং ধার্য্য হট-বেক। এবং ঐ সকল মাধারণ বৈঠকে ভাহা সাময়িক হউক বা বিশেষ হউক যে প্রত্যেক অধিকারির ৫ স্যার থাকে এবং ২০ স্যারের ন্যুন না থাকে ভাঁহার এক বোট हरेरक अव९ वाँशांत्रम्त २० माति अव९ ६० मार्त्त् কম না থাকে ওাঁহারদের ২ বোট হইবেক এবং মাঁহার-मह e • खर्मा > • अधास माद थादक डाँहाइदानद ৩ বোট হইবেক এবং ঘাঁহারদের ১০০ অথবা ভদপেক্ষা অধিক দ্যার থাকে তাঁহারদের ৪ বোট হইবেক কিন্তু যে অধিকারির অন্যন ৫ স্যার না থাকে তাঁহার ভোন বোট इडेरवक ना। किन्त जाना कर्डवा या छेन काम्भानित दर्ख-মান অধিকারী এবং ভাঁহারদের এফণে যে স্যার আছে তাহা বর্জিত হইয়া যে মিয়াদ উক্ত কোম্পানির বিধানে নিরূপণ আছে বা নিরূপণ হইবেক কেবল দেই মিয়াদ ব্যাপিয়া যে অধিকারী আপম ম্যার রাখিয়া থাকেম তিমি কোন বোট দিতে পারিবেন। এবং আরো হকুম হইল যে উক্ত কোম্পানির কোন বিধান বা দাঁড়া কি নিয়মানুসারে যে বোট কোন প্রতিনিধির দারা দেওয়া যায়ভাচা অধি-কারী ময় দিলে যেরূপ বলবৎ ও সিদ্ধ হইত দেইরূপ হইবেক ইভি।

৯ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে পর্য্বোক্ত সা-ম্য়িক বৈঠকে উক্ত কোম্পানির বহী এবং হিমাব মাধারণ शक्तिकाति अथवा मात्रधातिकरमत रमधन अव९ विरव्छना করণ ও মঞুর করণের নিমিত্তে দরপেশ হউবেক এবং দর্শান ঘাইবেক। এবং উক্ত প্রত্যেক সাময়িক বৈঠকে তথ-কালীন উক্ত কোম্পানির অধ্যক্ষ অথবা অন্য আম্লার। হিসাবের যথার্থ চুমুক এবং জয়াওআদীল বাকীর ফর্ম উপস্থিত করিবেন এবং দরপেশ করিবেন এবং তাহার

being a true account in abstract and balance sheet, shewing the whole of the receipts and disbursements and operations of the said Company commencing from the date of their next preceding periodical Meeting and Account brought down to the date of holding such periodical Meeting at which the same shall be produced, or as near thereto as conveniently may be, and that such abstract account and balance sheet when examined, approved or passed by such or any subsequent Meeting shall immediately be published in the Government Gazette of Calcutta, and in two public Newspapers of general circulation at Calcutta aforesaid.

X. And it is hereby enacted, that all payments already made on account of the Shares subscribed for in the said Company shall be deemed valid and effectual payments, and are hereby acknowledged and confirmed.

XI. And it is hereby enacted, that a Certificate signed by three Directors of the said Company shall be delivered to every Proprietor or Shareholder of the said Company, and that any Share of the said Company shall be transferable by indorsement made on the Certificate representing such Share or Shares respectively by the holder thereof, provided that such indorsement shall specify the name of the party to whom such transfer is made; provided always that no such indorsement shall be effectual to transfer any Share or Shares until the transfer shall have been registered in a registry to be kept for that purpose at the Principal Office in Calcutta of the said Company, and until a note of such registration and of the date thereof shall have been made on the back of the indorsed Certificate under the hand of the Secretary of the said Company for the time being, or of such other Officer as shall be appointed by the said Company for that

XII. And it is hereby enacted, that the Shares of and in the said Company shall, as between the several Proprietors thereof, and their real and personal representatives, and all other persons claiming under them, be deemed to be personal Estate to all intents and purposes whatsoever, and be transmitted and transmissible and disposed of accordingly.

XIII. And it is hereby enacted, that for the purpose of satisfying any demands upon the said Company, or for the purpose of raising any further Capital that shall become requisite for the purposes aforesaid, the several Subscribers or Shareholders shall pay up the whole or any part of the unpaid amount of their respective Shares by instalments to be called for by such persons in such manner, and to be paid at such times and places and manner as shall be appointed for that purpose by any Bye-Law or Regulation of the said Company.

XIV. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the said Company by Bye-Law or Rule to provide that if any such instalment be not paid on or before the day fixed for the payment

অব্যবহিত পূর্বের সামরিক বৈঠকের তারিথঅবধি বে সামরিক বৈঠকে ঐ হিসাব দাখিল হয় সেই বৈঠকের তারিথপর্যান্ত অথবা অক্লেশে তাহার যত নিকট হইতে পারে সেইপর্যান্ডের উক্ত কোম্পানির সমুদর জমা ও থারচ ও কার্য্যের বিবরণ ঐ জমাওআদীলবাকীর ফর্লেডে লেখা থাকিবেক। এবং ঐ চুমুক এবং জমাওআদীল বাকীর ফর্ল সেই বৈঠকে অথবা তাহার পর কে'ন বৈঠকে তজবীজ এবং মঞ্জুর অথবা খীকার হইলে তাহা অগোণে কলিকাতার গ্রন্থেক গ্রেছেট এবং কলিকা-তার যে দুই সম্বাদপ্রের অধিক গ্রাহক আছে তাহাভে প্রকাশ হইবেক ইতি।

১০ ধারা । এবং ইহাতে তকুম হইল যে উক্ত কোম্পানির স্যারের নিমিত্তে যে টাকা ইহার পূর্কে দেওরা গিরাছে তাহা বলবং ও সিদ্ধ হইবেক এবং ইহার ভারা তাহা দ্বীকার ও বহাল হইল ইতি।

১১ ধারা। আরো ইহাতে তক্ম হইল যে উক্ কোম্পানির তিন জন অধ্যক্ষের সহীকরা এক সটিফিকট উক্ত কোম্পানির প্রত্যেক অধিকারি অথবা স্যার্থারিকে मिड्या याहेरतक अद्र भार मात् वा मात्मकरलत् সর্টিফিকটের পর্ছে ঐ সর্টিফিকটের মালিকের দস্কথতের ঘারা উক্ত কোম্পানির কোন স্যার হস্তান্তর হইতে পারে किन य वास्तिक जे मर्णिकिक हे इस्रास्त्र कतिहा (मध्या গোল তাঁহার নাম বিশেষরূপে পৃষ্ঠে লিখিতে হইবেক। কিন্ত উক্ত কোম্পানির কলিকাতার প্রধান দত্তরখানার मार्दित रखाखर कतिवाद या दिखिकेदी वही ताथा যাইবেক যাবৎ দেই বহাতে ঐ হস্তান্তর করণ লেখা না यात्र अव याद अ काल्मानित् उ कालीन मिद्धिगती অথবা তলিমিতে উক্ত ক্লোম্পানির নিয়ক অন্য আ-মলা ঐ রেজিফীরী হওন এবং ভাহার ভারিথ ঐ পুষ্ঠে मस्थ कता मिं किकटे जे शुर्छ ना लिए व डार के मस-খতের ভারা কোন স্যার বা স্যার্সকলের হস্তান্তর কর। সিদ্ধ হইবেক না ইতি।

১২ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে উক্ত কোক্পানির নানা অধিকারির এবং ওাঁহারদের স্থাবর ও
অস্থাবর সম্পত্তির টার্নিনের এবং অন্যান্য যে ব্যক্তি ঐ
অধিকারির সম্বন্ধে দাওয়া রাথেন্ ওাঁহারদের মধ্যে পরসপর ঐ কোম্পানির স্যার সর্বপ্রকারে এবং সকল
কার্য্যের নিমিত্তে অস্থাবর ইস্টেট অর্থাৎ সম্পত্তি জান
হইবেক এবং ভাহা হস্তান্তর ইইবেক এবং হস্তান্তর
হপ্ত:নর যোগ্য হইবেক এবং ভাহা অস্থাবর সম্পত্তির
ন্যায় ক্রম্বিক্রের হইতে পারে ইতি।

১৩ ধারা। এবং ইহাতে জকুম হইল যে উক্ত কোম্পানির উপর যে কোন দাওয়া ঘটে তাহা সংশোধনের নিমিত্তে এবং পূর্বেক্ত কার্য্য সম্পন্ন করণার্থ অধিক যে মূল ধনের আবশ্যক হয় ভাহা পাইবার নিমিত্তে নানা স্বাক্ষরকারি অথবা স্যারধারিরা কিন্তিবন্দী করিয়া আপন্য স্যারের অবশিষ্ট টাকার সমুদ্র অথবা কোন ভাগ দিবেন। এবং উক্ত কোম্পানির কোন বিধান অথবা নিয়মের স্বারা যেরপে নিরপণ হয় সেইরপে নিরপিত হাক্তি ঐ কিন্তি ভলব করিবেন এবং ঐ নির্মিণ্ড প্রকারে ও নির্মিণ্ড স্থানে ঐ কিন্তি প্রকারে ও নির্মিণ্ড স্থানে ঐ কিন্তি দেওয়া যাইবেক ইতি।

১৪ ধারা। আরো ইহাতে তকুম হইল যে উক্ত কোম্পানি এইমত কোন বিধান অথবা নিয়ম করিতে পারেন্ যে ঐ কিন্তি দেওনের নিয়িতে যে দিন নিরূপণ হয় যে দিনে কি ভাহার পূর্কে যদি দেই কিন্তি না thereof, interest after any legal rate to be appointed by such Bye-Law or Rule shall be paid upon such instalment from such day up to the day when the same shall be actually paid, and the amount of any such call with interest shall be a debt due to the said Company, and it shall be lawful for the said Company in like manner to make any provision or provisions for the forfeiture of any Share or Shares on the non-payment of any such instalment and interest or the restoration of any forfeited Share or Shares. Provided that no such forfeiture shall be incurred until after default shall have been made for at least three calender months.

XV. And it is hereby enacted, that the said Company shall have the benefit of and shall be bound by all the Contracts, Acts, Deeds, Matters and Things which up to the passing of this Act have been done, executed and performed by the Provisional Committee, or the Partnership Association constituted under the said Deed of the 31st January 1840, and hitherto known as the Assam Company for the purpose of forming and establishing the said Company, or by, or with their or any of their order, direction or sanction in regard thereto, or to the business, or the funds, or property thereof, or in any wise relating thereto. And the said Company shall and may in manner hereinmentioned and provided in that behalf, sue and be sued thereon, and in respect thereof, and shall have and be subject to the like rights and liabilities in respect thereof, as the said Partnership Association or the Members thereof would have been.

XVI. And it is hereby enacted, that a copy of the Original Deed of Association of the said Company, and copies of all Rules, Orders, Bye-Laws, Regulations or Proceedings of the said Company, or other Instruments whatsoever, whereby any change shall at any time be made by the authority of the said Company in the provisions of the said Original Deed of Settlement shall be kept at the Office of the said Company in Calcutta, and shall there be open to the inspection of all persons during the usual hours of business of the said Office, and a copy of such Original Deed of Settlement, and a copy of each such Rule, Order, Bye-Law, Regulation, Proceeding or Instrument as aforesaid, shall also be deposited by the said Company as soon as it can be done after the passing of this Act, or after the making of any such Rule, Order, Bye-Law, Regulation, Proceeding or Instrument hereafter to be made, in the Office of the Prothonotary of the Supreme Court of Judicature at Fort William aforesaid, and shall be there filed, and be and remain open to the inspection of all persons during the usual hours of such Office, and an examined copy of each such filed copy as aforesaid certified by and under the hand of the Prothonotary for the time being of the said Supreme Court shall be good and sufficient evidence of each such Original Deed, Rule, Order, Bye-Law, Regulation, Proceeding or Instrument in

দেওয়। যার তবে ঐ বিধান অথবা নিয়মে নির্পণকরা আইনের হারানুসারে সৃদ ঐ কিন্তির উপর ভলবের
দিবসঅবধি দাখিলের দিবসপর্যান্ত চলিবেক এবং যে
টাকা এইরুপে সুদদমেত তলব হয় ভাহা উক্ত কোম্পানির
পাওনা টাকার ন্যায় গণ্য হইবেক। এবং উক্ত কোম্পানি
ঐ প্রকার কোন কিন্তি এবং সৃদ না দেওয়াপ্রযুক্ত কোন
এক বা ততোধিক স্যার ক্ষম্প করিতে পারেন অথবা সেই
জন্মকরা স্যার বা স্যার্সকল ফিরিয়া দেওনের বিষয়ে
নিয়ম করিতে পারেন্। কিন্তু অনু্যন তিন মাসপর্যান্ত
হিদি টাকা দেওনের কাটি না হইয়া থাকে তবে ঐ ন্যার
জন্ম হইবেক না ইতি।

১৫ ধারা। এবং ইহাতে ভকুম হইল যে যে ক্ষণেক কা-লের কমিটি অথবা যে অধিকারির সমাজ ১৮৪০ সালের ৩১ জানুআরি তারিথের উক্ত সমুদ্ধপত্রানুসারে সংস্থাপিত হইয়াছিলেন এবং এইপর্যান্ত উক্ত কোম্পানি স্থাপন ও নিরূপণ করিবার নিমিত আসাম কোম্পানি নামে বিখ্যাত আছেন দেই অধিকারির সমাজ যে সকল বন্দোবন্ত হ। কর্ম বা ক্রিয়া কি কার্য্য অথবা ব্যাপারএই আইন জারী না হওয়াপর্যান্ত করিয়াছিলেন অথবা সম্পন্ন করিয়াছিলেন কি শেষ করিয়াছিলেন অথবা উক্ত অধিকারির সমাজের হকুম বা আজা অথবা অনুমতির দারা দেই বিষয়ে অথ-বা ঐকোম্পানির কার্য্য বা টাকা অথবা সম্পত্তির বিষয়ে বা কোন প্রকারে তৎসম্পর্কে যে বন্দোবস্ত কর্মাপ্রভৃতি হইয়া-ছিল এই আইনের দ্বারা স্থাপিত আসাম কোম্পানি সেই বন্দোবন্ত কর্মপ্রভৃতির উপকার প্রাপ্ত হইবেন এবং তাহার দায়ী হইবেন। এবং এই আইনের নিদিষ্ট এবং তলিমিত্ত নিরূপিত্যতে উক্ত কোম্পানি সেই বি-ষয়ে এবং তৎসম্পর্কে নালিশ করিতে পারেন এবং তাঁহারদের নামে নালিশ হইতে পারে এবং অধিকারির সমাজের অথবা ভাহার অন্তঃপাতির সেই বিষয়ে যেরূপ যুত্র ও দার হইত আসাম কোম্পানির সেইরূপ যুক্ত ও माग्र इहेरतक हैं जि।

১৬ ধারা। এবং ইহাতে ছকুম হইল যে উক্ত কোম্পা-নির আদল সমূদ্রপত্রের এক নকল এবং উক্ত কো-ম্পানির দকল বিধি ও ছকুম ও বিধান ও নিয়ম অথবা কার্য্যের বিধরণের নকল অথবা অন্য যে কোন দলীল-দস্তাবেজের দারা উক্ত কৌল্পানির তকুমে কোন কালে উক্ত বন্দোবস্তের আসল পত্রের নিয়মেতে কোন কের-ফার হয় এই সকল কলিকাভায় উক্ত কোম্পানির দক্তর-থানাতে রাথা ঘাইবেক এবং উক্ত দক্তর্থানার কার্য্যের নিয়মিত সময়ের মধ্যে সকল লোকের দুটিগোচরের निमिट्ड डांश त्थाला था करतक। अत् अ वरकावत्स्त्त আসল পত্রের এক নকল এবং ঐরূপ প্রভাক বিধি ও তুকুম ও বিধান ও নিয়ম ও কার্য্যের বিবরণ অথবা দলীল-मखाद्यदाबत এक नकल এই আইन बाही हउदनत शत অথবা বিধি বা হুকুম বা বিধান কি নিয়ম অথবা কার্য্যের বিবর্ণ কি দলীলদস্থাবেজ হওনের পর যত শীঘু হইতে পারে তত শীঘু উক্ত কোম্পানির দারা ফোর্ট উলিয়মের সুপ্রিম কোর্টের প্রথমটেরী সাহেবের मस्त्रशानात माश्रिल इटेटवरू अत् महेशान नशोत শামিল করা যাইতেক এবং দেই দত্তরের কার্য্যের নিরু-পিত সমরের মধ্যে তাহা সকল লোকের দুঞ্জিগোচরের निमिट्ड (थोला थाकिटवक। अवर महेक्स नथीएड भाषा-হওয়া কাগজপতের মোকাবিলাহওয়া নকলে সুপ্রিম काटिंत उरकालीन अधनटिती मारश्तत मस्थर छ महि-ফিকট হইলে যে দেশের নিমিত্তে আযুত গবরুনর জেনরল বাহাদর হত্তর কৌলেলে আইন করিতে পারেন সেই দকল দেশ ব্যাপিয়া আদালতের ক্ষমতাক্রমে কার্য্য কর্ণ সময়ে অথবা আদালতের বিচারের পুর্ফে কোন কার্যা নির্বাহ করণ সময়ে কোন আদালতে অথবা কোন যাজিট্টেট সাহেবের সম্মুখে অথবা অন্য কোন কর্মকার- all Actions, Suits and Proceedings whatsoever, whether Civil or Criminal, to be had in any Court of Justice, or before any Magistrate or other Officer whether acting judicially, or in any proceeding preliminary to a judicial enquiry throughout the Territories for which the Governor-General in Council has power to legislate.

XVII. And it is hereby enacted, that the said Company shall cause the name of each and every Director of the said Company, and also the name and proper official description of each and every Officer of the said Company, and of every person acting and officiating for the time being as such Officer to be entered in a book to be kept at the said Principal Office in Calcutta of the said Company, to be there open to the inspection of all persons during the usual hours of business of the said Office, and shall also within six months from the time of passing this Act cause a Memorial of the said names and descriptions respectively to be enrolled in the said Office of the Prothonotary of the said Court, and a fresh Memorial thereof to be from time to time enrolled as often as any change or changes shall be made or take place either in the Direction aforesaid or in any of the said Offices.

XVIII. And it is hereby further enacted, that the said Company shall cause the names, places of residence, and descriptions of the business, profession or employment of the Proprietors of Shares in the said Capital Stock, and the number of Shares held by each Proprietor, to be registered in a book and numbered in a regular consecutive series beginning with No. 1, and such book shall be kept at the said Office in Calcutta of the said Company, and shall there be open to the inspection of all persons during the usual hours of business, and each successive transfer or change of Ownership in any Share or Shares shall be entered in the manner above mentioned with the like particulars above mentioned in the said book, and against the original entry of such Share or Shares shall be entered a note of every such change of Ownership or transfer, with a sufficient reference to the place or places in such book wherein is or are made the entry or entries of the name or names, place or places of residence and descriptions of the Proprietor or Proprietors to whom or in whose favour such transfer or change, transfers or changes shall have been made or had from time to time as aforesaid.

XIX. And it is hereby enacted, that the said Company shall sue and be sued, and described in and by its said corporate name and not otherwise in all proceedings whatsoever, whether Civil or of a Penal or Criminal character, and whether the same be the proceedings of any Court, or of any Magistrate or other Officer executing any enquiry either preliminary to, or in the nature of a judicial investigation or enquiry, and shall for all purposes of jurisdiction be capable of suing and proceeding, and be liable to be sued and proceeded against in its said corporate name, character and

কের সমূথে হওয়া কোন দেওয়ানী অথবা ফৌজনারা নালিশ ও মোকদমা ও কার্হো সেই নকল সেই বন্দোর. স্তের পত্র এবং বিধি ও ছকুম ও বিধান ও নিয়ম ও কার্য্যের বিবর্গ ও দলীলদন্তাবেজ থাকনের উভম ও মাত্ত-বর প্রমাণ জান হইবেক ইতি।

১৭ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে উক্ত কোম্পানির প্রত্যেক অধ্যক্ষের নাম এবং উক্ত কোম্পানি আপনার প্রত্যেক কর্মকারকের নাম ও তাঁহার উপযুক্ত পদেব খ্যাতির নিদর্শন এবং যে কোন ব্যক্তি কিছু কালের নিমিত্ত এ কর্মকারকের এওজে কর্মা করেন ভাঁহার নাম একটা दशीत मध्या लिथिएतन अद९ ये दशी छेक काम्भानित कलि-कांडांच প্रधान महुत्थानाटंड शांकिट्रक अदे वे महुत्-খানার কার্য্যের নির্পেত সময় ব্যাপিয়া তথায় সকল লো-কের দৃষ্টিগোচরের নিমিত্তে তাহা খোলা থাকিবেক। এবং এই আইন জারী হওনের পর ছয় মাসের মধ্যে উক্ত কোম্পানি উক্ত ব্যক্তিরদের নাম ওপদের এক ফিবিমি উক্ত সুপ্রিম কোর্টের প্রথনটেরী সাহেবের দক্তর্থানাতে माथिल कतिरान এवर উक्त काम्मानित अधारकत्-দের মধ্যে অথবা ভাহার কোন কর্মকারকেরদের মধ্যে যদি কোন ফেরফার হয় তবে সময়ে২ ভাছার এক নুতন ফিরিত্তি ঐ দন্তর্থানার দাখিল করিতে হইবেক ইতি।

১৮ ধারা। এবং ইহাতে তক্ষ হইল যে উক্ত ভো-ন্পানির মূল ধনের স্যারের অধ্যক্ষেরদের নাম ও বাস-স্থান এবং ভাঁহারদের কার্য্য ও ব্যবদা ও ব্যাপারের বিবর্ণ এবং প্রত্যেক অধিকারির যত স্যার আছে তাহা এক বছার মধ্যে রেজিউরী করিবেন এবং তাহা ১ नशुद्ध चात्रस इटेश अकानिकारम नमुद्र विलि इटेरिक। এবং ঐ বহী উক্ত কোম্পানির কলিকাতার দমর্থানাতে রাখা ঘাইবেক এবং কর্মের নিরূপিত ঘন্টা ব্যাপিয়া সকল লোকের দুট্টিগোচরের নিমিত্তে খোলা থাকি-त्तक। अद९ जर्भात् भे मात् ता मात्मकलात् वस्ना-ন্তর বা বদল হইলে ভাষা পুর্মোক্তমতে এবং পুর্মোক বিবরণ সম্ভে উক্ত বহীর মধ্যে লেখা ঘাইবেক। এবং ঐ मात् वा मात्रमकल आफ्नो य द्यारम लाशा हरेग्राहिल দেই স্থানের সম্পুথে তাহার স্বামিক্সের প্রত্যেক বদল ও হস্তান্তর করণের বিবরণ লেখা যাইবেক। এবং যে অধি-वारी वा अधिवारिमकलक शृद्धांक्रमण्ड वे मार् ममग्र-ক্রমে হস্তান্তর করিয়া দেওয়া গিরাছিল অথবা মাঁহার পক্ষে স্বামিজ্য বদল হইল ভাঁহার নাম বা নামস্কল এবং ভাঁহার वाम चाम वा चाममकल अवर जांदात विवद्य कि वृद्यां दहीत या खान दा खानमकला लाखा शांक समेरे खान অনারাদে পাওরা হাইবার নিমিত্তে নিদর্শন লিখিতে र्टेर्टिक हेडि।

১৯ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে দেওয়ানী বা ফৌজদারী সকল ব্যাপারে ভাহা কোন আদালভের কার্য্য হউক কি মোকজমার পূর্ব্বের তহকীক বা আদালভের তজবীজ সম্পর্কে মাজিস্ট্রেট সাহেব বা অন্য কর্মকারকের কার্য্য হউক দেই কার্য্যে ঐ কোম্পানি আপন সামাজিক নামে নালিশ করিবেন এবং ঐ নামে উহার বিদ্ধন্দে নালিশ হইবেক এবং ঐ নামে ঐ কোম্পানি বিশ্বাত হইবেন এবং আদালভের এলেকা সম্পর্কে যে সকল দেশে প্রীযুক্ত গবর্নর জেনবল বাহাদুর হস্তুর কৌশেলে আইনকরণের ক্ষমতা রাখেন্ সেই সকল দেশের মধ্যে যে সকল বিষয় ও কার্য্যের উপার কোন আদালভ

[शवर्वयाने लाटकरे। ३४८०। ए आशके।]

capacity in and before any such Court, Magistrate or Officer within any of the Territories for which the Governor-General in Council has power to legislate in respect of all matters and things over which such Court, Magistrate or Officer respectively may have jurisdiction, and to the extent of such jurisdiction in like manner as the same may for the time being be there had by or against any British subject or subjects within the said Territories; provided always that no process or proceedings whatsoever whether of a mesne or judicial nature shall be had against the person or property of any individual Members, Shareholders or Subscribers of the said Company either for the purpose of giving notice of any suit or proceeding, or of effecting any appearance to any suit or proceeding, or of obtaining payment or satisfaction of any debt, claim or demand against the said Company, or of levying any fine or penalty awarded against the said Company, or of obtaining payment or satisfaction of any judgment, decree, award, order or determination against the said Company, or for any the like purpose, but that all such process and proceedings of what nature soever shall be had solely against the Corporate Stock, Property and Effects of the said Company.

XX. And it is hereby enacted, that all services of mesne process, and all notices whatsoever which by law, or by the practice of any Court wherein the said Company shall sue or be sued, are required to be served or given for the purpose of compelling or causing an appearance to be entered in any suit, or for enabling a proceeding to be had exparte in the absence of a party to a suit or previously to the institution of any suit or proceedings, or for any other purpose whatsoever connected with or having reference to the continuation, conduct or prosecution of any suit, or the revival of the same, or which shall at any time be directed to be given by any such Court to the said Company in reference to any proceedings therein pending shall and may be made and given in addition to all ways and means by which the same may otherwise be legally made or given upon, or to the Secretary for the time being of the said Company resident in Calcutta, or the person or persons acting and officiating as such, or by leaving the same addressed to the said Secretary or person acting and officiating as such at the said Principal Office in Calcutta of the said Company.

XXI. And it is hereby enacted, that this Act shall continue in force until the 30th day of April 1854.

Ordered, that the Draft now read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be reconsidered at the first meeting of the Legislative Council of India after the 28th day of August next.

> G. A. Bushby, Secy. to the Govt. of India.

তাঁহারদের এলাকার সীমাপ্র্যান্ত দেইং বিষয়ে ঐ আ-मालड कि माजिएको ज्याता कक्रीकात्रकत् मञ्जूषा जे কোম্পানি আপনার সামাজিক নাম ও খ্যাতি ও ক্ষমতায় নালিশ করিতে পারেন ও কার্য্য করিতে পারেন ও দেই নামেতে ভাঁহারদের বিকল্পে নালিশ ও কার্য্য হইতে পারে अर्था - उक दास्मात मर्था कान विवेनीत श्रमा दा প্রজাদকল যেরূপে নালিশ করিতে পারেন ও তাঁহার-দের নামে যেরূপে নালিশ হইতে পারে সেইরূপে এই কোম্পানির বিষয়েও খার্যা হইটেক। কিন্ড জানা কর্ত্তরা যে কোন মোকদ্দমা অথবা কার্য্যের এভেলা দেওনের নিমিত্তে অথবা কোন মোকক্ষমা বা কার্য্যে হাজির করাও-ণের নিমিত্তে অথবা উক্ত কোম্পানির কোন দেনা আ-দার করিবার নিমিত্তে অথবা উক্ত কোম্পানির বিরুদ্ধে যে কোন দাওয়া থাকে তাহা প্রাপণের নিয়িত্তে অথব। উক্ত কোম্পানির নামে হওয়া কোন জরীমানা বা প্রনাহগারী উদল করিবার নিমিত্তে অথবা উক্ত কোম্পানির বিক্লমে হওয়া কোন নিম্পত্তির বা ডিক্রীর কি ফরসলার অথবা ত্তক্ষের কি নির্ছার্য্যের টাকা পাইবার নিমিত্তে বা উক্ প্রকার কোন কার্য্যের নিমিত্তে উক্ত কোম্পানির বিশেষ অন্তঃপাতি বা স্যার্থারি কি শ্বাক্ষরকারির বিরুদ্ধে বা তাঁ-হারদের সম্পত্তির উপর মোকদ্মার বিচারের পূর্বের। পরে কোন छकुम বা कार्या जाती रहेदवर ना किए य কোন প্রকার হউক ঐরপ সকল ছকুম বা ভার্য্য কেবল ঐ কোম্পানির দামাজিক দংস্থান ও বিষয় ও দম্পত্তির উপর জারী হইবেক ইতি।

২০ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে যে কোন আ-দালতে উক্ত কোম্পানি নালিশ করেন বা যে আদালতে তাঁহারদের নামে নালিশ হয় সেই আদালতের বাবহার কিয়া সাধারণ আইনানুসারে কোন মোকসমায় হাজির করাওণের নিমিত্তে অথবা মোকসমাসম্পর্কীয় ব্যক্তির অনুপস্থানপ্রযুক্ত কিয়া মোকদ্রমা বা কার্য্যের আর্য্যের পুর্বে একতর্ফা কার্য্য কর্ণের নিমিত্তে অথবা কোন মোকদ্মা অনবর্ত চালাওন অথবা নির্বাহ তর্ণ বা পুনরুত্থান সম্পর্কীয় কোন অভিপ্রায় সিদ্ধ করিবার নি-মিত্তে যে সকল এতেলা মোকদায়া আর্ডের পর্যে দিত্তে হয় তাহা এবং সর্মপ্রকার ইশতিহার অথবা আদালতে উপস্থিত থাকা মোকন্দমাসম্পর্কীর যে সকল এছেলা উক্ত কোম্পানিকে দিতে উক্ত আদালতের ছক্ম হয় সেই এরেলা আইনমতে যে দকল প্রকারে ও উপারেতে দেওয়া ঘাইতে পারে সেই প্রকারে ও সেই উপারে দেওয়া যাই-বেক এবং ভদতিবিক তাহাকলিকাভানিবাসি উক্ত কো-म्मानित स्माजियोती मार्ट्यक अथवा या वाकि वा वाकि-রা তৎসমরে সেকেটারীর এওজে কর্ম করিতেছেন তাঁ-হাকে দেওয়া যাইতে পারে অথবা উক্ত কোম্পানিব কলিকাতার প্রধান কুঠীতে উক্ত সেক্রেটারী অথবা তাঁ-হার এওজে যিনি কর্মা করিডেছেন ভাঁহার নামে ঐ এত্তে-লায় শির্নামা দিয়া উক্ত কোন্সানির দক্ত্রখানার দিয়া আইলেই হইবেক ইতি।

২১ ধারা। এবং ইছাতে ছকুম হইল যে এই আইন ১৮৫৪ দালের আপ্রিল মাদের ৩০ তারিখপর্যান্ত চলন থাকিবেক ইতি।

ন্তুম হ'ইল যে এক্ষণে পাঠকরা মুদাবিদা সর্ব্ধ দাথা-রণ লোককে জানাইবার নিমিটে প্রকাশ হয়।

ছকুম হইল বে আগামি ২৮ আগন্ট ভারিখের পর ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌলেলের যে প্রথম বৈঠক হর ভাহাতে এই মুলাবিদা পুনরায় বিবেচনা হয়।

> জি এ বুশবি। ভারতবর্ষের গবর্গমেটের সেক্টোরী। John C. Marshman, Bengalee Translator,

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER BOARD OF REVENUE.

No. 14.

From the Offg. Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Commissioner of Revenue for the Division of ——

1st. I am directed by the Sudder Board of Revenue to transmit for your information and guidance a copy of a letter No. 384, dated the 10th of May, from Under Secretary Mr. Beadon, and of its enclosure, from which you will perceive that the Supreme Government have been pleased to sanction the payment of fees to the Government Agent at the Court of the Special Commissioner at the Presidency, in Resumption Appeals decreed in favour of Government, upon the principle of calculation, and according to the graduated scale laid down in the annexed Extract (Paragraphs 3 to 7,) from the Board's letter to Government No. 3, dated the 23d of January last.

2d. It will be observed that these orders are to take effect from the date on which Mr. Alexander assumed charge of the Office of Solicitor to the Government of Bengal, viz., the 1st August, 1844, and they will be found to supersede the Board's several Circulars, noted in the Margin.*

3d. To enable the Government Agent (Moonshee Ameer Ali) duly to recover his fees, it has been arranged that he is to receive from the Special Commissioner at the Presidency a Certificate under his signature, either showing the amount or affording the means of calculating the amount to which he may be entitled in each case of Appeal successfully conducted, and you are requested upon being furnished by the Government Agent with such Certificate and his receipt, to intruct the Collector to remit the certified amount or an amount calculated according to the Certificate, to the Government Agent without delay, by a Draft on the General Treasury, holding the disbursement in inefficient balance until it has been sanctioned by the Board as a law charge under the 27th Rule of practice, for which purpose you will submit an English Bill in duplicate in each case, the original of which will be returned to you, after countersignature, for transmission by the Collector to the Civil Auditor, as a voucher to support the disbursement. A letter need not be forwarded with the Bill, but it must be accompanied by the Special Commissioner's Certificate, and, when the fees are not specified in this latter document, must exhibit clearly the calculation by which the amount charged has been arrived at.

4. The Board desire me also to take this opportunity of requesting, with reference to their Circular No. 31, dated the 24th August 1840, that সদর বোর্ড রেবিনিউর সরক্যুলর অর্ডর।

३८ नश्त ।

অমুক এলাকার রাজখের জীযুত কমিসানর সাহেবের প্রতি সদর বোর্ড রেবিনিউর এক্টিং সেক্টোরী সাহেবের প্রা।

বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রেটারা প্রীয়ুত্ত বীড়ন সাহেবের ১০ মে তারিথের ৩৮৪ নম্বরী পরের এবং তাহার দকে যে লিপি ছিল তাহার নকল ভোমার বিজ্ঞাপন ও উপদেশের নিমিটে তোমার নিকটে পাঠাইতছে। তাহাতে তোমার দুই ইইবেক যে এই রাজধানীতে ক্যেসিয়ল কমিসানর সাহেবের আদালতে বাজেয়াস্ত বিষ্করের যেই আপীলের সরকারের পক্ষে ডিক্রী হয় সেইই আপীলের সরকারের এজেন্টকে রসুম দিতে গবর্গমেন্ট অনুমতি করিয়ছেন। গত ২৩ জানুআরি তারিথের ১ নম্বরী যে পত্র গবর্ণমেন্টের নিকটে বোর্ডের সাহেবেরা লিথিলেন তাহার পশ্চাৎ লিথিত চুম্বক অর্থাৎ ৩।৪।৫।৬।৭ দফার নির্দ্ধিই হিসাব করণের নিয়ম এবং ক্রমশঃ হারানুসারে এ রসুম গণনা করা যাইবেক।

২। তোমার দৃষ্ট হইবেক যে প্রীযুত আলেকজাণ্ডর
দাহেব যে তারিএঅবধি বাঙ্গলা দেশের গর্বর্গমেন্টের
দোলিদিটর অর্থাৎ উকীলের পদ গ্রহণ করিলেন
বিশেষতঃ ১৮৪৪ দালের ১ আগষ্টঅবধি এই হুকুম
আমলে আদিবেক এবং এই হুকুমের ছার। বোর্ডের
দাহেবেরদের নীচের লিখিত কএক দরকুলের অর্ডর *
অন্যথা হইল।

৩। গবর্ণমেন্টের এজেন্ট প্রিযুত মূনশী আমীর আলী আপনার রসুম আদায় করিতে পারেন এই নিমিত্তে নিয়ম হটয়াছে যে রাজধানীর কেপদিয়ল কমিদ্যনর দাহেতের দন্তথৎকরা, এক সটিফিকট তিনি পাইবেন এবং যে প্রত্যেক আপীলী মোকন্দমায় তিনি কৃতকার্য্য হন সেই মোকদমার যে রসুম পাইবার যোগ্য ভাহার সংখ্যা व्यथेता ठाहात मर्थाात शंगमा कतरणत तीं कि सम्हे मर्टिफिक्टि लाथा थाकिटिक। अव खाशांत প্রতি ছকুম হইল যে গবর্ণমেন্টের এজেন্টের স্থানে ঐ সটিফিকট এবং ঐ এজেন্টের রসীদ পাইলে তুমি কালেক্টর সাহেবকে এই শুকুম দিঁবা যে তিনি ঐ নিন্দিষ্ট টাকা অথবা ঐ সটি-ফিকটঅনুসারে হিসাব করিয়া যত টাকা হয় তাহা গ্রণ্মে-ন্টের এজেনতক জেনরল ভেজুরীর উপর একটা ছণ্ডী করিয়া পাঠান। এবং ঐ টাকা হাবং বোর্ডের সাহেবেরা কার্য্য নির্বাহের ২৭ বিধির অনুসারে আদালতের এরচা বলিয়া মঞ্র না করেন্ তাবৎ কালেকটর সাহেব ঐ টাকা হিসা বের মধ্যে অসম্পন্ন খাতায় লিখিবেন। এবৎ বোর্ডের মশুর হইবার নিমিত্তে তুমি প্রত্যেক মোকদ্মায় ইন্সরেজী ভাষায় লিখিত এক বিলের দৃষ নকল বোর্ডে দরপেশ করিবা। আসল বিল সহী হইলে পর তাহা ডোমার নিকটে ফিরিয়া পাঠান ঘাইবেক এবং তুমি কালেক্টর সাহেবের নিকটে তাহা পাঠাইবা এবং তিনি ঐ টাকা দে-ওনের নিদর্শনের ন্যায় তাহা ষিবিল আডিটর সাহেতের নিকটে পাঠাইবেন। ঐ বিলের সঙ্গে কোন পত্র পাঠাই-বার আবশ্যক নাই কিন্তু ক্লোমিয়ল কমিদ্যনর মাহেবের সটিফিকট তাহার সঙ্গে দিতে হইবেক এবং যথন ^এ मर्टिकिक्ट हेत् शर्था तमुदात वित्यव होका मा ज्या शांदक उन्नम दय श्वमानुमादत अ होकात विमाद हरेल তাহা দপষ্টরূপে জ্ঞাত করিতে হইবেক।

৪। বোর্ডের সাহেবেরা আরে। এই সুযোগে ১৮৪০ সালের ২৪ আগঊ তারিখের ৩১ নম্বরী সরক্যলর অর্ডরের সম্পর্কে আদেশ করিতেছেন যে সদর দেওয়ানী

^{*} No. 10, dated 5th February, 1830.

^{,, 72,} dated 22d August, 1837.

^{., 243,} dated 6th November, 1838.

^{*} ১৮৩॰ সালের ৫ ফেব্রুআরি তাৎ ১০ নং । ১৮৩৭ সালের ২২ আগফ তাৎ ৭২ নং। ১৮৩৮ সালের ৬ নবেম্বর তাৎ ২৪৩ নং।

precisely the above course of procedure may be observed in respect to the fees payable to the Government Pleader at the Sudder Dewanny Adaviut under Certificates from the Register of that Court.

(Signed) G

G. PLOWDEN,
Offg. Secretary.

Sudder Board of Revenue,
Fort William, 11th July, 1845.

No. 384.

* From the Under Secretary to the Govt. of Bengal to the Offy. Secretary Sudder Board of Revenue, dated Fort William, 10th May, 1845.

In reply to your letter No. 3, of the 23d January last with enclosure, I have the honor to transmit for the Board's information the accompanying copy of a letter from the Secretary to the Government of India, Home Department, No. 347, dated the 3d instant, sanctioning the proposed remuneration to Ameer Allee, the Government Pleader in the Court of the Special Commissioner at the Presidency.

2d. The order will take effect from the date on which Mr. Alexander assumed charge of the office of Solicitor to the Government of Bengal.

(Signed) C. Beadon.

Under Secy. to the Govt. of Bengal.

No. 347.

From. P. Melvill, Esquire, Under Secretary to the Government of India, to C. Beadon, Esquire, Under Secretary to the Government of Bengal, dated the 3d May, 1845.

I am directed to acknowledge the receipt of your letter No. 114, dated the 5th February last, with enclosures, and in reply to state that under the recommendation of the Right Honourable the Governor of Bengal, the Governor-General in Council is pleased to sanction the remuneration proposed for the Government Pleader at the Court of the Presidency Special Commissioner, viz. a Salary of Rs. 150 a month, and fees on suits successfully conducted according to the scale laid down in paras. 4 and 7 of the Sudder Board's letter dated the 3d January, 1845.

(Signed) P. Melvill,

Under Secy. to Govt. of India.

Council Chamber, the 3d May, 1845.

(True Copy),

(Signed) C. Branov.

(Sigued) C. Beadon,
Under Secy. to the Govt. of Bengal.

Extract of a letter from the Officiating Secretary to the Sudder Board of Revenue to the Secretary to Government of Bengal, Revenue Department, No. 3, dated 3d January, 1845.

3d. In respect to the fees to be awarded in cases decreed in favor of Government, the Board would recommend that the following Rules be adopted in modification of those sanctioned by the orders of Government, dated 21st August, 1828.

আদালতের রেজিউর সাহেবের সর্টি ফিকটক্রমে ঐ আ-দালতের সরকারী উকীলকে যে রসুম দেওয়া যায় তাহার বিষয়ে ঐ ছকুম আমলে আসিতে পারে।

> জি প্লোডন। একটিং দেক্লেটারী।

সদর বোর্ড রেবিনিউ। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৫। ১১ জুলাই।

०৮৪ नगुत्।

সদর বোর্ড রেবিনিউর প্রীযুত এক্টিং নেক্রেটারী সাহে-বের প্রতি বাঞ্চলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রে-টারী সাহেবের পত্র।

গত জানুআরি মানের ২৩ তারিখের ৩ নম্বরী তোমার পত্র এবং তাহার সঙ্গে যে লিপি ছিল তাহার উত্তরে দেশীর ডিপাটমেন্টে ভার হবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্টো-রীর ৩ তারিখের ৩৪৭ নম্বরী পত্রের নকল তোমার বিজ্ঞা-পনের নিমিত্তে পাটাইতেছি। তাহাতে রাজধানীর স্পো-দিয়ল কমিসানর সাহেবের আদালতে সরকারী উকীল আমীর আলীকে যে মেহনতানা দিবার প্রস্তাব হইরাছে তাহা মঞ্জুর হইল।

২। যে তারিপঅবধি বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেটের উকীল শ্রীযুত আলেকজাওর লাহেব আপন পদ গ্রহণ করিলেন দেই তারিথঅবধি ঐ পদের মেহনতানা চলিবেক।

সি বীডন। বাঙ্গলা দেশের গবর্গমেন্টের ছোট সেক্রেটারী।

७४१ मधुत्।

of the state of

বাঞ্চলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রেটারী প্রীযুত সি বীডন সাহেবের প্রতি ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রেটারী প্রীয়ত পি মেলবিল সাহেবের পত্ত।

গত ৫ কেব্ৰুআরি তারিখের ১১৪ নমুরী পত্র এবং তাহার সঙ্গে যে লিপি ছিল তাহা প্রাপ্ত হওয়। গিয়াছে তদুররে লিখি যে রাজধানীর সেপসিয়ল কমিসানর সাহেবের আদালতে সর্বারী উকীলকে যে মেহনতানা দিতে প্রস্তাব হইয়াছে তাহা বাজলা দেশের জীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর সাহেবের পরামর্শক্রমে জীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌলেলে মঞ্চুর করিয়াছেন অর্থাৎ ১৫০১ টাকা মাহিয়ানা এবং যে মোকন্দমাতে তিনি কৃতকার্য্য হন্ সৈই মোকন্দমার ১৮৪৫ সালের ও জানুআরি তারিখের সদর বোর্ডের সাহেবেরদের ৪। ৫। ৬। ৭ দফার নির্দিট হারানুসারে রসুম পাইবেন।

পি মেলবিল। ভারতবর্ষের গর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটারী। কৌন্সেল ঘর। ১৮৪৫। ৩ মে। (মথার্থ নকল।)

> দি বীডন। বাজলা দেশের গবর্ণমেন্টের ছোট দেক্রেটারী।

রে নিউ ডিপার্টমেটে বাললা দেশের গবর্ণমেটের প্রতি দদর বোর্ড রেবিনিউর এক্টিং দেক্রেটারী সাহে-বের ১৮৪৫ সালের ৩ জানুআরি তারিখের ৩ নযুরী পত্রের চুমুক।

৩। সরকারের পক্ষে ডিক্রীহওয়। যে মোকলমার রসুম
দিতে হইবেক ডছিষয়ে বোর্ডের সাহেবেরা পরামর্শ দেন্
যে ১৮২৮ সালের ২১ আগফী ভারিখের গবর্ণমেন্টের
অনুমভিহওয়। বিধানের মতান্তর হইয়। নীচের লিখিড
বিধান স্থাপন হয়।

4th. In place of calculating the fees, in cases of land heretofore held free of rent and churs on the full amount of the annual assessment at which such lands may be settled in execution of the Special Commissioner's decree, a process which necessitates the postponement of the calculation indefinitely, the value of the lands in litigation to be fixed upon the principle observed in Civil Suits for land paying Revenue to Government, viz. the lands to be rated all round at a low average, say for rent free lands 6 annas, and chur lands 3 annas per acre, to find the Revenue, and this product multiplied by three to give the value.*

5th. That upon the value so determined of suits successfully pleaded, fees be allowed on the graduated scale fixed by Section 25, Regulation XXVII. of 1814, for the Wakeels of the Civil Courts as follows.

If the value shall not exceed 5,000 Sa. Rs. 5

If the value shall exceed 5,000 Sa. Rupees, and shall not exceed 20,000 Sa. Rupees, on 5,000 as above, and on the remainder 2 per cent.

If the value shall exceed 20,000 Rupees, and shall not exceed 50,000 Rupees, on 20,000 as above, and on the remainder one per cent.

If the value shall exceed 50,000 Sa. Rupees, and shall not exceed 80,000 Sa. Rupees, on 50,000 as above, and on the remainder 8 annas per cent.

If the value shall exceed 80,000 Sa. Rupees, the fee to the Pleader shall be 1,000 Rupees, and shall in no instance exceed that sum however great may be the value of the suit.

6th. In all the preceding calculations when the value may be in fractions of Rupees such fractions to be rejected in calculating the fees thereupon.

7th. In cases of lands heretofore held at an inadequate Jumma, the same Rules to be observed, excepting that the Revenue already derived from the lands is to be deducted in computing the value of the suit.

(True Copies and Extract.)

G. PLOWDEN, (Signed)

Offg. Secretary.

Fort William, 11th July, 1845.

NOTIFICATION.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

LEAVE OF ABSENCE.

The 25th July, 1845.

Syud Jonab Ullee, Moonsiff of Begungunge, Tipperah, for two months, from the 10th instant, under Medical Certificate.

B. J. Colvin, Offg. Register.

* Vide Clause 1, Section 14, Regulation I. of 1814.

করার অত্যন্ত বিলয় হয়। অতএব আমরা এই প্রাম্শ্ দিই যে তাহা না করিয়া খেরাজা ভূমির বিষয়ে দেওয়ানা মোকদ্মায় যে নিয়ম নিৰ্দিষ্ট আছে সেই নিয়ম এই विवापि ज्यात मूला निक्रभावत विषया विवासि इस অর্থাৎ ঐ ভূমি গড়ে ন্যুনসংখ্যক খালানায় ধরা বার ' যথা নিকর ভূমির খাজানায়রপ "একর" প্রতি ৮ আনা এবং চরের ভূমি "একর" প্রতি ১ আনা খালানা ধরা যায় এবং ভাহার তিনগুণ ঐ ভূমির মুলায়রপ নিরূপণ হয়।* ৫। खुमित मूला এই कर्ल धार्या रहेरल मकल र उन्न

৪। ইহার পূর্বেয়ে ভূমি নিক্ষর ছিল তাহার এবং

চরের যে বার্হিক খাজানা দেশদিয়ল কমিদ্যনর দাহেবের

ডিক্রী জারী করণক্রমে ধার্যা হয় তাহার সম্পূর্ণ সংখ্যা

ধরিয়া যদি রসুম গণনা করা যায় তবে সেই হিসাব

মোকদমার উপর রসুম ১৮১৪ দালের ২৭ আইনের २ व शाहात दम अतानी आमान एउत् छेकी दन द दमत निभिन्त ক্রমশঃ যে হার নির্দিষ্ট আছে তদনুদারে দেওয়া যাই-(वक।

यमाणि ভাষার মূলা ৫০ ०० । টাকার উর্ছ না হয় তবে তাহার উপর শতকরা ৫১ টাকা।

যদি ভাহার মূল্য ৫০০০১ টাকার অধিক ২০,০০০১ টাকাপষ্যন্ত হয় তবে ভাহার ৫,০০০ প্রযান্ত উপরের লিখিত হারে ও বাকীর উপর শতকরা ২১ টাকা।

যদি তাহার মূলা ২০,০০০ টাকার অধিক ৫০,০০ পর্যান্ত হয় তবেঁ তাহার ২০,০০০ পর্যান্ত উপরের লি-থিত হারে ও বাফী টাকার উপর শতকরা ১১ টাকা।

যদি ভাহার মূল্য ৫০,০০০১ টাকার অধিক ৮০,০০০১ পর্যান্ত হয় তবে ৫০,০০০১পর্যান্ত উপরের লিখিত হারে ও বাকী টাকার উপর শতকরা ॥॰ আনা।

বন্তর মূল্য ৮০,০০০১ টাকার অধিক যত হয় দেই মোক্দমাতে উকীল মোটে ১,০০০১ টাকা রসুম পাই-বেন। তাহার অধিক কোন প্রকারে পাইবেন না।

৬। উপরের লিখিত হিসাবে বন্ধর মূলোর উপর আনামাদা থাকিলে রুদুমের হিদাব করণেতে গ্রাহ্য হই-বেক না।

৭। যে ভূমি ইহার পূর্বে অপ্রচর জমার ধার্যা হই-য়াছিল তাহার বিষয়েও এই নিয়ম চলিবেক কিন্ত ঐ ভূমি-হইতে যে খালানা ইহার পুর্বে পাওয়া গিয়াছে তাহা মোকদ্দমার মূল্যের হিদাব করণের সময়ে বাদ দিতে হই-(हक्।

(যথার্থ চমুক ও নকল।)

छि दशोउन। এकि भ म्हिले ।

कार्षे উलियम ३४८०। ३३ खुलाई।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

नम्त (म उयानी यामान रहत हक्ता।

১৮৪৫ माल २ जुलाहै।

তিপুরার বেগমগঞ্জের মুনদেফ এযুত দৈয়দ জোনাব जानी **ठिकि॰मरक** निर्णिकके किया वर्डमान मारमह >॰ তারিথঅবধি দুই মাদের ভূটী পাইয়াছেন।

বি জে কলবিন। একটিং রেজিউর।

[शदर्वरमन्त्रे श्लारक्षते । ३५३२ । ६ व्यानके ।]

^{*} ১৮১৪ माल्लत ३ आहेरनत् ३८ धातात् ३ धकरण त्मश्रा

CIVIL APPOINTMENTS.

No. 579. NOTIFICATION. GENERAL DEPARTMENT, N. W. P. AGRA.

The 14th July, 1845.

The Honourable the Lieutenant-Governor N. W. P. is pleased to direct, that the following List of the Donations of the GHOSAUL Family, for public and benevolent purposes at Benares, be published for general information:

Raja Jay Narayan Ghosaul, A. D. 1818, endowed and instituted the Benares Free School, in which 200 boys receive education gratis, by the gift of-

- I. A valuable stone-built House in Bengalitola, to be used as a School House.
- II. A House in the Civil Station, now rented at Rs. 110 per mensem, and originally valued at Rs. 20,000
- III. A House in the Civil Station, now rented at Rs. 100 per mensem, and valued at Rs... 15,000

- 35,000

Raja Kali Shunker Ghosaul, Bahadoor, A. D. 1826, endowed and instituted the Asylum for the Destitute, especially for the Blind, at Benares, in which 150 persons are fed and sheltered, by the gift of-

- I. The sum of Rs. 48,000, for which Government grant a fixed Interest of 5 per Cent., Rs. 48,000
- II. A House in the Civil Station, now rented at Rs. 80 per mensem, and valued at Rs. 10,000

___ 58,000

Raja Sutt Churun Ghosaul, Buhadoor, A. D. 1842-45, augmented the endowments of the Free School, and enabled the Committee entrusted with its management to remove the Institution to a new and more commodious edifice-

- I. By purchasing from them the old School House, at the 5,000 price of Rs.
- II. By four successive gifts of Rs. 5,000, 1,500, 300 and 500, for the construction of the new building, ... 7,300
- III. By giving for the foundation of Scholarships in the Free School, 5,000

[Government Gazette, 5th August, 1845.]

বাজকর্মে নিয়োগ ।

ে ৫৭৯ নহর। বিজ্ঞাপন।

ख्यमत्न डिशाई रम्छे। उद्दर्शक्रिम स्मा

ज्याना ।

১৮৪৫ मान ३८ खुलाई।

উত্তরপশ্চিম দেশের প্রিযুত লেপ্টেনেও গবর্নর সা-হেব অকুম করিয়াছেন যে বারাণদেতে দাধারণ লোকের-দের মঞ্জজনক কার্য্যের নিমিত্তে ঘোষাল রাজার পরি-বার যে সকল টাকা দিয়াছেন ভাহার ফর্দ সর্ব্ব সাধারণ লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

- ১৮১৮ माटन दोका क्यनदायन ঘোষাল বারাগদে অবৈতনিক পাঠশালা স্থাপন করেন তাহা-তে ২০০ বালক বিনামূল্যে শি-का करत्न अव अ विमाना अँहेर विषय मान कतियाद्यम ।
- ১। ইন্ধল ঘরের নিমিতে বাজালী টোলাতে ব্তমুল্য পাথরীয়া একটা ঘর।
- ২। সদর স্থানে ১ ঘর তাহার ভাড়া এक्ट शामिक ১১० होका এर॰ প্রথমে ঐ ঘরের মূলা ... ২০,০০০১
- ৩। সদর স্থানে ১ ঘর ভাহার ভাড়া এইক্ষণে মাদিক ১০০১ টাকা তাহার মূল্য ১৫,০০০১

मर्कमूष-১৮২৬ সালে রাজা কালীশক্তর ঘোষাল ৰাহাদুর বারাণদেতে कामानीतरमत् अव९ विरमघडः অন্ধ লোকেরদের নিমিত্তে আগ্রের বাটী স্থাপন করেন্ তাহাতে ১৫০ জন প্রতিপালন ও রহ্মা হয় দেই কার্য্যের নিমি-टि जिनि এই२ विषय तन्।

- ১। ৪৮,০০০১ টকা। ভাছার উপর গ্রবর্ণমেন্ট শতক্রা ৫১ টাকা मुम निर्मिखे करिय़ा मिटउट्यन । 8b,०००)
- ২। সদর স্থানে এক ঘর তাহার ভাড়া মাসিক ৮০১ টাকা তাহার जुला 5०,०

১৮৪২ দালঅবধি ৪৫ দাল-পর্যান্ত আয়ুত রাজা সভাচরণ ঘোষাল এ অবৈভনিক বিদ্যা-লয়েতে অধিক টাকা দেন্ এবং ক্মিটির সাহেবদিগকে ঐ বি-দ্যালয় স্থানান্তর করিয়া নৃতন এবং আরে৷ উপযুক্ত বাটাতে স্থাপন করিবার উপার দেন।

১। তিনি পুরাতন ইকুল ঘর ক্রয় করিয়াছিলেন তাহার মূল্য ... ৫,০০০১

২। নুডন ঘর বানাইবার নিমিছে চারিবার টাকা দেন্ অর্থাৎ अकरात ७,०००/ शदत ३,७००/ शहत ७००५ शहत ४००। ... १,७००५

 । चारेतङ्गिक विमालदः वृष्टि স্থাপনের নিমিত্তে

IV. He has now given, for Scholarships in the English and
Oriental Colleges at Benares, supported by Government, ... 5,000

22 300

Total of Donations of the Ghosaul Family, for public purposes at Benares, ...

1,15,300

J. THORNTON, Secy. to the Govt. N. W. P.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.

The 23d July, 1845.

Captain G. Reid, of the 1st Regiment Light Cavalry, and Honorary Aid-de-Camp to the Governor-General, to be Superintendent of the Affairs of the Mysore Princes.

Mr. R. N. Shore to be Register of Deeds under Act XXX. 1838, for the Southern Division of Cuttack.

Mr. W. Barnett to be Superintendent of Abkarry Revenue at Midnapore, and to exercise the powers specified in Section 3, Act No. XXV. 1840.

Moulavie Mahomed Kulleem to be Principal Sudder Ameen of Backergunge. This cancels his appointment to West Burdwan.

Baboo Chunder Seekur Chowdry, to be Principal Sudder Ameen of West Burdwan.

Lalla Tarrachand Roy, Darogah of Thannah Benipore, in Zillah Hooghly, is raised to the 1st Grade.

LEAVES OF ABSENCE.

The 23d July, 1845.

Mr. W. S. Hudson, Sub-Assistant at Gowalparah, for three months, on private affairs, commencing from the 1st September next.

The 24th July, 1845.

Syed Azimoodeen Hossein, Deputy-Collector under Regulation IX. of 1833, in Behar, for ten days, in extension of the leave granted to him on the 18th ultimo.

NOTIFICATIONS.

The 23d July, 1845.

Mr. J. Tynan, Superintendent of the Backergunge Salt Chokies, is vested with the power of adjudicating cases of contravention of the Salt Laws, under Section 25, Act No. XXIX. 1838.

The 25th July, 1845.

The Right Honourable the Governor of Bengal is pleased to confer a Degree of Honour on Brevet-Captain J. S. Banks, of the 33d Regiment of Native Infantry, for proficiency in the Persian language.

By order of the Right Honourable the Governor of Bengal,

F. J. HALLIDAY, Secy. to the Goet. of Bengal.

 ৪। এফণে তিনি বারাণসেতে গবর্ণ-মেন্টের ইঙ্গরেল্পী ও এদেশীর কালেজে বৃত্তির নিমিত্তে দিয়া-ছেন · · · · · · ·

22.000

বারাণনে সাধারণ কার্য্যের নি-মিতে শ্রীযুত ঘোষালের পরি-বার দিয়াছেন সর্বস্থন্ধ ...

3,30, 0000

জে থণ্টন।

উত্তরপশ্চিম দেশের গ্রেগ্মেটের দেক্রেটারী।

বাঙ্গলা দেশের জীযুত রাইট জানরবিল গবর্নর্ সাহে-বের ছাকুম। নিয়োগ।

১৮৪৫ माल २० जुली ।

লঘু অন্তথারি অখারোহি প্রথম পল্টনের কাপান এবং বিনা বেতনে শ্রীযুত গ্রহ্নর জেনরল বাহাদুরের মুসাহেব শ্রীযুত জি রীড সাহেব মহীপুরের রাজারদের বিষয়ব্যাপারের সুপরিকেণ্ডেন্ট হইবেন।

শ্রীযুত আর এন শোর সাহেব কটকের দক্ষিণ অঞ্জের ১৮৩৮ সালের ৩০ আইনানুসারে দলীলদস্তাবেজের

রেজিফার হইবেন।

শ্রীরুত ডবলিউ বার্ণেট সাহেব মেদিনীপুরের আবকারীর রাজস্বের সুপরিটেওেট হইবেন এবং ১৮৪০ সালের ২৫ আইনের ৩ ধারার নির্দিষ্ট ক্ষমতানুসারে কার্যা করিবেন।

প্রীযুত মৌলবী মহম্মদ কলীম বাকরগঞ্জের প্রধান সদর আমীন হইবেন। ইহাতে পশ্চিম বর্দ্ধমানে তাঁহার যে নিরোগ হয় তাহা রহিত হইল।

প্রীযুত বাবু চল্রদেশ্যর চৌধুরী পশ্চিম বর্দ্ধমানের প্রধান সদর আমীন হইবেন।

জিল। তগলীর বেণিপুর থানার দারোগা ত্রীযুত লালা তারাটাদ রায় প্রথম শ্রেণীভূক হইয়াছেন।

छ्गे।

১৮৪৫ माल २० जुलाई।

গোজালপাড়াতে ছোট আদিস্টাঐ প্রীযুত ডবলিউ এস হড়সন সাহেব আগামি সেপ্টেম্বর মাসের ১ তারিখঅবধি স্বীয় কর্মোপলক্ষে তিন মাসের ছুটা পাইরাছেন।

১৮৪৫ माल २८ जुलाई।

১৮৩৩ সালের ৯ আইনানুসারে নিযুক্ত বেহারের ডেপুটা কালেক্টর প্রীযুক্ত দৈয়দ আজীমুন্দীন ভদেন গত মাসের ১৮ তারিথে যে ছুটা পান্ তদতিরিক্ত দশ দিনের ছুটা পাইরাছেন।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৫ मान २० जुनाहै।

বাকরগুপ্তের নিমক চৌকীর সুপরিক্টেণ্ডেন্ট প্রীযুত জে টাইনান সাহেব ১৮৩৮ সালের ২৯ আইনের ২৫ ধারানুসারে নিমকের আইন উল্লেক্ড্যনকারিরদের মোকদমার বিচার করিবার ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইয়াছেন।

১৮৪৫ माल २৫ जुलाहे।

এদেশীয় পদাতিক সৈন্যের ৩০ পল্টনের বিবেট কাপ্তান ত্রীবৃত জে এস বান্ধস সাহেব ফারসী ভাষায় নিপুণ হওয়াতে বাঙ্গলা দেশের ত্রীবৃত রাইট অনরবিল গবর্নর্ সাহেব তাঁহাকে সন্তুমসূতক পদবী প্রদান করিয়াছেন।

বাঙ্গলা দেশের প্রীযুত রাইট আনরবিল গবর্নর্ দাহেবের ছকুমক্রমে।

> এফ জে হালিডে। বাঙ্গলা দেশের গর্বধ্যেন্টের সেক্রেটারী।

[नरर्नटमले त्नटक्रे। ३४८०। १ व्यानके।]

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.

The 23d July, 1845.

Baboo Chunder Sein, to be Principal Sudder Ameen of Kamroop, in Assam.

Baboo Deohur Burdolye, Sudder Ameen of Kamroop, in Assam, to exercise the powers of a Principal Sudder Ameen in that District.

Moulavie Mahomed Irfan Khan to be Deputy-Collector under Regulation IX. of 1833, in Zillah Purneah.

Mr. C. B. Quintin, Supdt. of Survey, full powers under Moulavie Shaka-wut Ali, ... Depy.Collrs. under Regulation VII. 1822, in Zillah Monghyr.

The 30th July, 1845.

Mr. R. Abercrombie to be a Member of the Local Committee of Public Instruction at Sylhet.

> LEAVE OF ABSENCE. The 28th July, 1845.

Mr. J. Brown, Deputy-Collector under Regulation IX. of 1833, in Bhaugulpore, for one month, on private affairs.

The 30th July, 1845.

The leave of absence granted on the 12th March last to Mr. Sub-Assistant-Surgeon C. T. Imlay, of Sandoway, in Arracan, is cancelled.

NOTIFICATIONS.

The 30th July, 1845.

Mr. F. Gouldsbury, Civil and Sessions Judge of Bhaugulpore, made over charge of the current duties of his office to the Principal Sudder Ameen on the 23d instant, in order to proceed on Circuit duty.

Captain Geo. Reid, Superintendent of the Affairs of the Mysore Princes, assumed charge of his office on the 26th instant.

By order of the Right Hon'ble the Governor of Bengal,

F. J. HALLIDAY,
Secy. to the Govt. of Bengal.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVER-NOR OF BENGAL.

Little Substitute of

APPOINTMENTS.

The 30th July, 1845.

Lieutenant Albert Fytche, 70th Regiment N. I., to be a Junior Assistant to the Commissioner of Arracan

Mr. T. Hastings to be Civil Assistant-Surgeon of Monghyr.

Mr. Civil Assistant-Surgeon A. M. Bell to be Assistant to the Salt Agent of Khoordah.

Mr. J. Weston to be Sudder Ameen and Sudder Moonsiff of the 24-Pergunnahs.

Baboo Isserchunder Gangoolee to be Sub-Assistant-Surgeon of Jessore.

Baboo Ooma Churn Seth to be Sub-Assistant-Surgeon of East Burdwan.

[Government Gazette, 5th August, 1845.]

বাঞ্জা দেশের প্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর। সাহেবের হুকুম। নিয়োগ।

558¢ माल २० खुलाहै।

প্রীযুত বাবু চন্দ্র দেন আসামে কাম্রূপের প্রধান সমর আমীন হইবেন।

আসামে কামরূপের সদর আমীন প্রযুত বাবু দেবছর বরদলই ঐ জিলাতে প্রধান সদর আমীনের ক্ষমতানুষা-রে কার্য্য করিবেন।

শীযুত মৌলবী মহমাদ ইরফান থাঁ ১৮৩৩ সালের ৯ আইনানুসারে জিলা পুরণিয়াতে ডেপুটা কালেক্টর হউবেন।

জরিপী কর্মের সুপরিন্টেণ্ডেন্ট শ্রীযুত সি । জিলা মুলেরে । ১৮২২ সালের ১৮২২ সালের । শ্রীযুত মৌলবী সকা । শ্রীযুত মৌলবী সকা । শ্রিদিন্ট সম্পূর্ণ পুটী কালেক্টর । শ্রীযুত সৈরদ অজী । ইইরাছেন।

১৮৪৫ সাল ৩০ জুলাই।

শ্রীরুত আর আবরক্রম্বি সাহেব ছিলটে সাধারণ লোকেরদের বিদ্যাধ্যাপনের কমিটির মেম্বর হইবেন।

खूषी। ১৮৪৫ माल २৮ जुलाই।

ভাগলপুরে ১৮৩৩ সালের ৯ আইনানুসারে নিযুক্ত ডেপুটী কালেক্টর! এযুত জে ব্রৌণ সাহেব স্থীর কর্মো-পলক্ষে এক মানের ছুটা পাইরাছেন।

১৮৪৫ मान ७० खुलाई।

আরাকাণে সান্দোএ স্থানের দর-আসিফাট চিকিৎসক প্রযুত সি টি ইমলে সাহেবকে গত মার্চ মানের ১২ তারি-থে যে ছটা দেওরা যায় তাহা রহিত হইরাছে।

বিজ্ঞাপন।

১৮৪৫ माल ७० जुलाहै।

ভাগলপুরের সিবিল ও দেশন জজ প্রীয়ুত এফ ওল্ব-বেরি সাহেব দারেরসারেরী কর্মে গমনার্থ বর্ত্তমান মাদের ২০ তারিখে আপন সিরিশ্তার চলিত কর্মের ভার প্রধান সদর আমীনের প্রতি অর্পণ করেন।

মহীশুরের রাজারদের বিষয় ব্যাপারের মুপরিক্টেণ্ডেন্ট প্রীযুত কাপ্তান জি রীড দাহেব বর্ত্তমান মাদের ২৬ তারি-থে আপন কর্মের ভার গ্রহণ করেন।

বান্ধলা দেশের প্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর সাহে। বের ত্রুমক্রমে।

> এফ জে হালিডে। বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের দেক্রেটারী।

বাঙ্গলা দেশের প্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর্ সাহেবের হুকুম। নিয়োগ।

১৮৪৫ माल ७० जुलाई।

এদেশীয় ৭০ সংখ্যক পল্টানের লেপ্টেনেট শীযুত আলবর্ট ফিচ সাহেব আরাকাণের ক্মিস্যনর সাহেবের ছোট আসিফাট হইবেন।

প্রীয়ুত টি হেফিৎস সাহেব মুঙ্গেরের সিবিল আসি-ফান্ট চিকিৎসক হইবেন।

দিবিল আদিষ্টাঐ চিকিৎসক শ্রীযুত এ এম বেল সাহেৰ খোর্দার নিমকের এজেঐ সাহেবের আদিষ্টাঐ হইবেন।

প্রায়ুত জে উএইটন সাহেব চরিবশপর্গনার সদর আ-মীন ও সদর মুনসেফ হইবেন।

শ্রীযুত বাবু ঈশরচন্দ্র গাঙ্গুলি যশোহরের সব-মানি-ফান্ট চিকিৎসক হইবেন।

প্রিযুত উমাচরণ দেট পূর্ব্ব বর্ত্তমানের সব-আদিকীন্ট চিকিৎসক হইবেন।

Control of the second persons for the

LEAVE OF ABSENCE.

The 30th July, 1845.

the same during Mr. Cheap's absence.

Baboo Isser Chunder Nye, Sub-Assistant-Surgeon of Midnapore, to the 27th proximo, in exten- ইম্ব্রুড নাই গত মার্চ মানের ১৭ ভারিখে যে ছটা sion of the leave granted to him on the 17th March পান্ তদতিরিক্ত আগামি মানের ২৭ তারিঅপর্যান্ত ভূটা

NOTIFICATION.

The 30th July, 1845.

The leave of absence granted on the 25th June last to Mr. J. Macleod, Deputy-Collector under Regulation IX. of 1833, in Shahabad, is cancelled at his request.

By Order of the Right Honourable the Governor of Bengal,

> F. J. HALLIDAY, Secy. to the Goot. of Bengal.

E G

■S৮8¢ माल ७० खनाउँ।

Mr. G. C. Cheap, Civil and Sessions Judge of বাজশাহীর সিবিল ও সেশন জজ প্রায়ত জি সি চীত Rajeshye, for fifteen days, on private affairs, mak- সাহেব আপনার সিরিশভার চলিত কম্মের ভার প্রধান ing over charge of the current duties of his Office সময় আমীনের প্রতি অর্পন করিয়া স্থীয় কর্মোপলক্ষে to the Principal Sudder Ameen, who will conduct পালর দিনের ছটা পাইয়াছেন তিনি এযুত চীপ নাছে-বের অনুপশ্বানপ্যান্ত ঐ কর্মা চালাইরেন ।

া মেদিনীপুরের সব আদিফার্ত চিকিৎসক প্রয়ত বাব পাইয়াছেন।

১৮৪৫ माल ७० जुलाहै।

১৮৩০ সালের ৯ আইনানুদারে শাহারাদে নিযুক্ত ভেপুটী কালেক্টর প্রীয়ত জে মাক্লোড সাহেবকে গত জন মাদের ২৫ তারিখে যে ছুটা দেওরা যার তাহা তাঁহার প্রার্থনার রহিত হইয়াছে।

বাললা দেশের প্রযুত রাইট অনর বিল গবরুনর সা-হেবের হুকুমক্রমে।

> अक ट्रांकिएप । टाक्रना प्रत्मेत् शवर्गप्रदेखेत स्मरक्षेत्री।

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS.

গবর্ণমেণ্টের ইশভিছার।

LAND ADVERTISEMENTS.

NOTICE.

"To be let in farm at the Office of the Collector of Jessore, on the 7th August next, for a period of Nine years, commencing from the 1st of the present Bengalee year, 1252, the estate of the Minor Rajah Indrubhoosun Deb Roy, viz., 6 Annas 8 Gundas, Pergunnah Mahomedshye, Sudder Jumma Rs. 44,405-9-10. An offer of 68,300, on good security has already been made, but this sum with reference to that paid by the late farmer, viz. 74,234-10-9, has been considered insufficient.

HENRY ATHERTON, Offg. Collector. Zillah Jessore Collector's Office, 24th July, 1845.

ভূমিবিষয়ক ইশ্তিহার।

বিজ্ঞাপন।

নাবালক রাজা জীযুত ইন্দ্রভূষণ দেব রাচের এক মহাল অর্থাৎ প্রগ্না মহম্মদ শাহীর ১৮৮ আনা আট গণ্ডা হিদ্যা বাজলা ১২৫২ মালের প্রথম তারিখঅবধি নর বৎসর মিরাদে আগামি আগন্ট মাদের ৭ তারিখে যশোহরের কালেক্টর সাহেবের কাছারীতে ইয়ারা দেওরা যাইবেক তাহার সদর জমা ৪৪,৪০৫।। ১০ টাক।। এক ব্যক্তি মাতবর জামিন দিয়া ৬৮,৩০০১ টাকা দিতে চাহিয়াছেন কিন্তু সাবেক ইজারদার ৭৪,২৩৪ ৯৯ টাকা দিতেন অতএব উক্ত ব্যক্তির প্রস্তাব অপ্রচুর রোধ হই-হেনরি আথর্টন।

একটি॰ काटलकरेत ।

জিলা ঘশোহরের কালেক্টর সাহেবের কাছারী। ३४८६ माल २८ खुलाई।

विश्रुता ও रल्या ও চাটিগার য়য়য়ভ জয়ीमातान বরাবরেষ

ইহার দারা সম্বাদ দেওয়া যাইতেছে যে ১৮৪৫ সালের ১ আইনের ২ ধারানুদারে এবং এই দিরিশ্তাহইতে ১৮৪৫ সালের ৪ ফেব্রুআরি তারিখে যে এছেলা প্রকাশ হয় তদনুক্রমে উত্তর কালে

১। যে মহালের বন্দোবস্ত বাঙ্গলা সমঅনুসারে হই-য়াছিল দেই মহালের বাকী রাজয় ভাদু মাদের কিন্তী সমেত ২৫ সেপ্টেম্বর তারিঝে অথবা তাহার পুর্বের माशिल कविष्ठ इडेरवक धवर य महारलव वरकावछ इक्रद्रकी ममञ्जनगादत रहेशालिल मिट प्रशास्त्र योकी রাজ্য আগফ মাদের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি ভাহার পূর্বে দাখিল করিতে হইবেক।

যে মহালের বন্দোবস্ত বাজলা সনঅনুসারে হই-য়াছিল সেই মহালের বাকী রাজয় অগ্রহায়ণ মাসের কিন্তীসমেত ২৬ ডিলেম্বর তারিখে কি তাহার পূর্বের দা. থিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবন্ত ইল-রেজী সমঅনুসারে হইয়াছিল সেই মহালের বাকী রাজয মবেমুর মানের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পূর্বো দাখিল করিতে হইবেক।

৩। যে মহালের বন্দোবস্ত বাঞ্লা বনঅনুসারে इहेग़ाছिल मिहे बहारलज़ राकी ज़ाक्य बाध बारमज़ किसी সমেত ২৫ ফেব্রুআরি তারিখে কি তাহার পুর্যে দাখিল করিতে হইবেক এবং যে মহালের বন্দোবন্ত ইঙ্গরেজী मनजन्माद्व रुरेग्राष्ट्रिक स्मरे भराद्यत बाकी दाख्य बानु-আরি মাদের কিন্তীদমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পূর্বে দাখিল করিতে হইবেক।

8। त्य प्रशास्त्र यदक्षीवस वाक्रला मनञ्जूमाद्व व्हेशी-ছিল সেই মহালেক বাকী রাজ্য বৈশাথ মাদের কিন্তী সমেত ২৫ মে তারিখে কি তাহার পুর্মে দাখিল করিতে इहेरतक अव९ या महारलत तरकावस हेक्द्रकी मनजनु-সারে হইয়াছিল সেই মহালের বাকী রাজয় আপ্রিল মাদের কিন্তীসমেত উক্ত তারিখে কি তাহার পুর্বে দাখিল করিতে হইবেক।

द्याति दिक्छेम। ১৬ দ°থাক এলাকার কমিসানর এবং সদর বের্ড। চাটিগার কমিদানর সাহেবের দফুর্থানা। > ४४६ । २८ जून । 4808 WALEST TO 10 WEST

Edekl mayer, we absend sanctary

[शर्वरमते श्रास्के । २४८०। व व्यानके ।]

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of WILLIAM BRUCE, JOSEPH WEBBE CRAGG, WILLIAM PATRICK and HUGH MORTON SHAND, Insolvents.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, made in this matter on the 22d day of July instant, it is ordered, that Saturday the 2d day of August next, be appointed for the further hearing of the matters of the Petition of the said Insolvents, for the purpose of making a Dividend, on which day or on any other day to which the further hearing shall be adjourned. Any Creditors or other persons interested, who may be desirous of establishing or opposing any claim may attend and be heard upon any affidavits which shall have been filed by them in the Office of the Chief Clerk of this Court, three clear days previous to the day of hearing.

THOMPSON and ALLAN,

Attornies.

Calcutta, 22d July, 1845.

NOTICE is hereby given, that by an order of the Court for the Relief of Insolvent Debtors at Calcutta, dated 24th July last, the matters of the petition of KYLASSCHUNDER GHOSE, late of Subba Bazar, in the town of Calcutta, Banian and Trader, but now residing at the Danish Settlement of Serampore, against whom an adjudication of Insolvency was made and pronounced on the 5th day of July last, on the Petition of Russickchunder Bose, seeking the benefit of the Act of the 9th year of the Reign of His late Majesty George the Fourth, entitled, "an Act to provide for the Relief of Insolvent Debtors in the East Indies," are appointed to be heard in the said Court, on Saturday the sixth day of September next, at the hour of eleven o'clock in the forenoon.

The names of the Creditors of the said KY-LASSCHUNDER GHOSE, appear in a Schedule filed with the Chief Clerk of the said Court, to which any Creditor may refer.

Bedell,

Attorney for the Insolvent.

Calcutta, 1st August, 1845.

In the matter of the Petition of WILLIAM DURIE, late-of Tank Square, in the town of Calcutta, Boot and Harness Maker, lately carrying on business in Calcutta aforesaid, in copartnership with one John Gordon Stuart, who is at present residing in Calcutta aforesaid, under the Name, Style or Firm of Begbie and Company, as Boot, Shoe, and Harness Makers.

NOTICE is hereby given, that by an order made in this matter on the 23d day of July last, it was ordered that unless cause be shewn to the contrary on Saturday, the 6th day of September next, Roশহর কলিকাতার অক্ষম ঋণিদিগের পরি-ত্রাণার্থ আদাপত।

উলিয়ম ব্রুদ দাহেব ও জোজেফ উএব ক্রাণ দাহেব ও উলিয়ম পাত্রিক দাহেব ও হিউ মর্টন দাগু দাহেব ফোত্রহীনেরদের বিষয়ে

ইহার দ্বারা সমাদ দেওরা যাইতেছে যে উক্ত আদাল-তে বর্ত্তমান জুলাই মাসের ২২ তারিখে এমত গুকুম হইল যে ডিবিডেও করিবার নিমিত্তে উক্ত যোত্রহীনের দর্পাত্তের মর্ম্মের শুননি আগামি আগস্ট মাসের ২ তারিখা শনিবারে পুনর্পার হইবেক এবং কোন মহাজন কিয়া যে কোন বাক্তি এই বিষরে সম্পর্ক রাখেন তিনি কোন দাওরা সাবুদ করিতে কি কোন দাওরার প্রতিবন্ধকতা করিতে ইচ্ছুক হইলে শুননির দিবসের পূর্কে তিন দিবস এই আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দন্তর্পানার আফিডেবিট দাখিল করিবেন এবং সেই আফিডেবিট অনুস্নারে দেই জন ঐ শুননির দিবসে কিয়া ঐ বিষর শ্রনিবার নিমিত্তে অন্য যে দিন নিরূপণ হয় সেই দিনে হাজির হইলে তাহার কথা শুনা যাইবেক।

তামসন ও আলেন।

उकीन।

कनिकांडा ১৮৪৫ मान २२ खुनाई।

পূর্ব্বে কলিকাতা নগরের শোভাবাজারনিবাসি রণিক ও সওদাগর কিন্তু এক্ষণে দেখাকারেরদের অধীন শীরামপুর নগরনিবাসি

> কৈলাশচন্দ্র ছোষ ার ৫ তারিখে রসিকচং

গত জুলাই মাদের ৫ তারিখে রিদিকচন্দ্র বসুর দর্থান্তমতে যোত্রহীন প্রকাশ হন্ তিনি ভারতবর্ধের যোত্রহীন
ঋণিরদের উপকারার্থ আইননামক মৃত চতুর্থ জর্জ
রাজার অধিকারের নবম বৎদরের আইনের হার। উপকার প্রার্থনা করিতেছেন অতএব ইহার হার। সমাদ
দেওয়৷ যাইতেছে যে গত জুলাই মাদের ২৪ তারিখে
কলিকাতার যোত্রহীন ঋণিরদের উপকারার্থ আদালতের
ভকুমক্রমে উক্ত কৈলাশচন্দ্র ঘোষের দর্থান্তের মর্ম্ম
আগামি দেপ্টেম্বর মাদের ৬ তারিখ শনিবারে বেলা
এগার ঘন্টার সময়ে উক্ত আদালতে শুনা যাইবেক।

উক্ত কৈলাশচন্দ্র ঘোষের মহাজনের দের নাম তফদীলে লিখিত হইয়া উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক দাহেবের দক্তর্থানার দাখিল হইয়াছে মহাজনেরা তাহা দেখিতে পারেন্।

বিডেল। যোত্রহীনের উকীল।

কলিকাতা ১৮৪৫। ১ আগষ্ট।

উলিয়ম জুরি দাহেব

পূর্কে কলিকাতা নগরের লালদিঘীর নিকটে জৃতা ও সাজ বানাইতেন এবং পূর্কে উক্ত কলিকাতা নগরনিবাসি জান গর্ডন ফুআর্ট সাহেবের খৌতায় বেগবি কোম্পানির নামে উক্ত কলিকাতা নগরে বুট ও জুতা ও সাজ বানাইতেন।

ভাঁহার বিষয়ে ইহার ছার। সম্থাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে গত জুলাই মাদের ২৩ তারিখে ত্রুম হইল যে আগামি দেপ্টেম্বর মাদের ৬ তারিখ শনিবারে বিপ-রীত কারণ না দর্শান গেলে উক্ত যোত্রহানের মাল

[Government Gazette, 5th August, 1845.]

bert O'Dowda, Esquire, Assignee of the Estate and Effects of the said Insolvent, have leave to commence and prosecute actions at Law, against the debtors of the said Insolvent Firm generally, and against the several persons in particular named in the Exhibit A. annexed to the Petition of the said Assignee, filed in the Office of the Chief Clerk of the said Insolvent Court, on the said 23d day of July last, and to defray the costs to which the said Assignee might be put in respect of such actions out of the proceeds of the Estate and Effects of the said Insolvent: and for the aforesaid purpose, It was ordered that the said Assignee be authorized to join the said John Gordon Stuart, with himself as Plaintiff in such action or actions respectively, and to sign the name of the said John Gordon Stuart to any Warrant or Warrants to prosecute, or to any other papers necessary for the purpose of prosecuting such actions, the said Assignee, undertaking to keep the said John Gordon Stuart, sufe, harmless and indemnified from all costs, charges, and expences, in respect thereof, if the said John Gordon Stuart, should take no part in the prosecution of such actions.

FRITH and SANDES, Attornies.

In the matter of BENJAMIN HARVEY, late of Bow Bazar, in the Town of Calcutta, formerly Head Assistant in the Marine Store Keeper's office, and some time the Owner and Trader, lately in no trade, business or employment, and now a prisoner confined in the Common Gaol of Calcutta, seeking the benefit of the Act for the relief of Insolvent Debtors in the East Indies.

NOTICE is hereby given, that by an order made by this Court, on and bearing date the thirtieth day of July last, Robert O'Dowda, Esquire, was appointed the Assignee of the Estate and Effects of the said Insolvent, and it was further ordered that Patrick O' Hanlon, Esquire, the Common Assignee of this Court, should immediately assign over and convey the said Estate and Effects, to the said Robert O'Dowda, and that the said Patrick O'Hanlon, and the said Insolvent should forthwith put the said Robert O'Dowda, as such Assignee, into possession of all the Estate and Effects of the said In-

SHAW and LYONS, Attornies for the said Robert O'Dowda, Esquire. ্রিবর্ণমেন্ট গেছেট। ১৮৪৫। ৫ আগফী।]

STATE OF STREET WAS TRANSPORTED AS SERVICE TRANSPORTED AND THE STORY

自然 在约号中的图16 数据 文明 在中中的 20 m

POT DESCRIPTION OF THE PARTY OF

ও সম্পত্তির, আদৈনি প্রযুত রাবর্ট ওডৌডা সাহের টক त्याजहीरमद्र कुठीव रमममारवत्रामत गारम अव डेक আদৈনি বাহেবের গত জ্লাই মাদের ২৩ তারিখে উক্ত যোত্রহীনের আলালতের প্রধান ক্লার্ক সাহে-त्यद मछत्थानाम माथिल एउना मत्थास मम्लिउ A চিহ্নিত তফদললৈ যাহারদের নাম লেখা আছে তা-হারদের মামে নালিশ করিয়া মোকদ্দমা চালাইতে অনুষতি পান এবং উক্ত কার্য্যের নিমিতে উক্ত আসৈনি সাকেবের যে খরত লাগে তাহা তিনি উক্ত যোত্রহানের মাল ও সম্পত্তির মূল্যহইতে লইবেন এবং डेक अडिश्रारंग्रह छकुम इहेन रा डेक आरेमिन मारहर এইমত সকল মোকদমাতে উক্ত জান গর্ডন ফুআর্ট গা-ट्रटक फवियामीयक्रभ आभगोत मन्नी कहिरदम अवर এইমত কার্য্য চালাইবার জন্যে যে কোন ওয়ার-ট কিয়া অন্য কোন কাগজের আবশ্যক হর ভাহাতে উক্ত লান গর্ডন ফুআর্ট সাহেবের নাম স্বাক্ষর করিতে পারেন কিল জান গর্ডন ই আর্ট সাহের যাদ উক্ত মোকদ্ব্যার কাৰ্য্য চালাইবাতে কোন অংশ না লন ভবে ভ্ৰিষয়েতে উক্ত আদৈনি সাহেব উক্ত জান গর্ডন ফ্রুআর্ট সাহেবকে সকল অরচহইতে নির্মিল্লে রাথেন্।

ফিথ ও সাণ্ডিস। উকীল।

বেঞ্চামিন হার্বি দাহেব

পূর্বে কলিকাতা নগরের বড় বাজারনিবাসি ভাচাছ সম্পর্কীর জিনিসপতের রক্ষকের দক্তর্থানার প্রধান আসিষ্টান্ট এবৎ কতক দিনপর্যান্ত বাণিজ্যকারী কিন্ত পরে কোন কর্মেতে ছিলেন না তিনি এক্ষণে কলিকা-তার সাধারণ জেল্থানায় কয়েদী হইয়া ভারতবর্ষে ঘোর-হীন থণিরদের উপকারার্থ আইনের দারা উপকার প্রার্থনা করিতেছেন।

তাঁহার বিষয়ে ইহার দারা সম্বাদ দেওয়া যাইতেছে যে গত জুলাই মাদের ৩০ তারিখে এই আদালতের তকুম-ক্রমে জীয়ত রাবট ওড়ৌডা সাহের উক্ত যোত্রহীনের মাল ও সম্পত্তির আইসনি পদে নিযুক্ত হন এবং আরো ভক্ম হইল যে এই আদালতের সাধারণ আদৈনি এযুত পাত্রিক ওহানলন সাহের অবিলয়ে উক্ত মাল ও সম্পত্তি উক্ত জীযুত রাবর্ট ওডৌডা সাহেবকে অর্পণ করেন এবং উক্ত প্রায়ত পাত্রিক ওহানলন সাহের ও উক্ত যোএহীন উক্ত প্রকারে নিয়ক্ত আহত রাবর্ট ওডৌডা সাহেবকে উক্ত शाब्दीरमत् मकल शाल अ मन्नहि अर्थन करत्न्।

শা এবং লায়ন্স ৷ উক্ত রাবর্ট ওডৌডা সাহেবের উকীল।

The state of the second of the second state of the second state of the second s

Large and the state of the stat

the state of the s Date Street a new world their Thompson which when is not below to the sale on the realist



গবৰ্ণমেণ্ট গোজেট

গবর্ণমেপ্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 12, 1845.

কলিকাতা মঞ্লবার ১৮৪৫ সাল ১২ আগউ 1

DRAFTS OF ACTS.

FORT WILLIAM, HOME DEPARTMENT, LEGISLATIVE,

Тне 26тн Јилу, 1845.

The following Draft of a proposed Act was read in Council for the first time on the 26th of July 1845:

ACT No. - or 1845.

An Act for establishing a Court for the trial of Pilots accused of breach of duty.

I. It is hereby enacted, that from and after the day of , if any person employed in the Pilot Service of the East India Company, at the Presidency of Fort William in Bengal, shall be accused of having committed any breach of daty while engaged in such Service, and it shall appear to the Superintendent or Acting Superintendent of Marine, that such person ought to be brought to trial for such breach of duty, such person shall be brought to trial before a Court, consisting of a President and two Branch Pilots, with whom shall be joined, whenever it may be practicable, four Commanders of British Ships lying in the River Hooghly, and two Merchants of Calcutta.

II. And it is hereby enacted, that the said President shall be such person as shall be, from time to time as occasion may require, appointed for that purpose by the Governor of Bengal.

III. And it is hereby enacted, that whenever it shall appear to such Superintendent or Acting Superintendent of Marine, that any person employed in the said Pilot Service ought to be brought to trial before such Court, the said Superintendent or Acting Superintendent shall convene such Court by given notice to the said President, and Sum-

আইনের মুসাবিদা।

ফোর্ট উলিরম। দেশীর ডিপার্টমেন্ট। লেজিসলেটির।

हेक्द्रकी ১৮৪৫ माल २७ खुनाहै।

প্রস্তাবিত আইনের নীচের লিখিত মুদাবিদা ইন্সরেজী ১৮৪৫ দালের ২৬ জুলাই তারিখে হজুর কৌন্দোলে প্রথম বার পাচ করা গেল।

ইঙ্গরেজী ১৮৪৫ সাল— আকৃট।
কর্ত্তব্য কর্মের ফাটির নালিশগ্রন্থ আড়কাটিরদের
বিচারের নিমিতে আদালত সংস্থাপনের আইন।

১ ধারা। ইহাতে হুকুম হইল যে অমুক মানের অমুক তারিথঅবধি এবং তাহার পর বাঙ্গলা দেশের ফোর্ট উলিন্ন ম রাজধানীতে কোম্পানি বাহাদুরের আড়কাটির দিরিশ্তার নিযুক্ত কোন ব্যক্তির নামে যদি এমত অপবাদ হয় যে তিনি ঐ কার্য নির্বাহের সময়ে কোন প্রকারে কর্ত্য কর্মের ফার্ট করিয়াছেন এবং ঘদ্যপি জাহাজী ব্যাপারের মুপরিন্টেন্ডেন্ট সাহের অথবা এক্টিং সুপরিন্টেন্ডেন্ট সাহের অথবা এক্টিং সুপরিন্টেন্ডেন্ট সাহের বেখি করেন্ যে ঐ কর্ত্র কর্মের ফার্টিপ্রযুক্ত ঐ ব্যক্তির আদালতে বিচারার্থ সোপক্ষরণ বিহিত ভবে ঐ হ্যক্তির অপরাধের বিচার আদালতে হইবেক এবং ঐ আদালতে এক জন সভাধ্যক ও দুই হন প্রধান আড্রাটি থাকিবেন এবং সাধ্য হইলে তাহারদের সঙ্গে হুগলী নদীন্তি বিউদীয় জাহাজের চারি জন মালিম এবং কলিকাতানিবাদি দুই জন মহাজন সংযুক্ত হইবেন ইতি।

২ ধার)। এবং ইহাতে তকুম হইল যে আহশ্যকমতে
সমরেই বাজলা দেশের শ্রীমৃত গরর্মর সাহেব থে
ব্যক্তিক নিযুক্ত করেন্তিনি ঐ আদালতে সভাধ্যক
হইবেন ইতি।

ও ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে জাহাজী ব্যাপা-রের সুপরিন্টেণ্ডেন্ট অথবা এক্টিং সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহে-বের যদি এমত বোধ হয় যে উক্ত আড়কাটির সিরিশ্তায় নিযুক্ত কোন ব্যক্তিতে এই প্রকার আদালতে বিচারার্থ সোপর্ককরা উচিত তবে ঐ সুপরিন্টেণ্ডেন্ট অথবা এক্টিং সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহেব ঐ প্রকার এক আদালত সংস্থাপন করিবেন অর্থাৎ উক্ত মোক্দমার বিচার ভ্রিবার নি-

[Government Gazette, 12th August, 1845.]

moning by writing under his hand any two Branch Pilots of the East India Company's Service, and any four Commanders of British Ships lying in the River Hooghly, and any two Merchants of Calcutta, to appear at a time and place to be specified in such writing for the purpose of holding such trial-Provided always that every Court to be held under this Act, shall consist of the President, and at least four Members, and that the decision shall in every case be according to the votes of the majority, and that in case of equality of votes the President shall have a casting vote.

IV. And it is hereby enacted, that if any person so summoned, as aforesaid, shall neglect or refuse to attend in pursuance thereof, or to remain in attendance to the end of such trial without sufficient cause, then it shall be lawful for the said Superintendent or Acting Superintendent of Marine to impose such fine upon such person as to him shall appear proper, not exceeding the sum of Rupees 200 for every such default, and every Justice of the Peace for the Town of Calcutta is hereby authorized and required upon representation made to him in writing and signed by the said Superintendent, or Acting Superintendent, to enforce the payment of such fine in like manner as if such fine had been imposed by himself.

V. And it is hereby enacted, that the proceedings before such Coart shall be conducted on the part of Government by such person as the Governor of Bengal shall from time to time appoint to act as Judge Advocate in the said Court.

VI. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the said Superintendent or Acting Superintendent of Marine, and he is hereby authorized and required either at the request of the party accused, or of the party making the accusation, or of the said Court, by writing under his hand to summon any person whatsoever, to attend as a witness at a time and place to be specified in such summons for the purpose of being examined at any trial before a Court constituted as aforesaid, or if such person shall be about to depart from Calcutta, so as to be unable to attend at such trial without serious inconvenience, then to be examined before the President of the said Court, and any two Members of the said Court, provided always that due notice of the time and place of such examination shall be given to the person against whom a charge is about to be preferred, and provided also, that such witness may nevertheless be examined at the trial if he shall be able to attend thereat in which case his examination may also be read at the trial.

VII. And it is hereby enacted, that every witness duly summoned to attend any such Court or President and two Members, shall during his necessary attendance on such Court or President and two Members, and in going to and returning from the same, be privileged from arrest, and shall,

মিত্রে লিপির মধ্যে নির্দিষ্ট স্থান ও সময়ে হাজির হইতে উক্ত সভাধ্যক্ষকে এত্রেলা দিবেন এবং আপনার দস্তথংকরা লিপির ছারা কোম্পানি বাহাদুরের কর্মে নিযুক্ত কোন দুই প্রধান আড়কাটি সাহেবকে এবং জগলী নদীতে নোজরকরা ব্রিউনীর জাহাজের কোন চারি জন মালিমব্রে এবং কলিকাভানিবাসি কোন দুই জন মহাজনকে তলব করিবেন। কিন্তু জানা কর্ত্বহা যে এই আইনানুসারে যে প্রত্যেক আদালত স্থাপন হর তাহাতে সভাধ্যক্ষ সাহেব এবং অনুম চারি জন অন্তঃপাতী থাকিবেন এবং ওাঁহার্বদের মধ্যে অধিকাংশ হাক্তির মতানুসারে ফরসলা হইবেক এবং যদি দুই জন এক পক্ষে ও অন্য পক্ষে দুই জন হন্তবে সভাধাক্ষ যে পক্ষে থাকেন্ সেই পক্ষের মত বলবং হত্তবে ইতি।

৪ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে পূর্কোক্রমতে তলবহওরা কোন ব্যক্তি যদি মাতবর কারণ বিনা ঐ তলক অনুসারে হাজির হইতে অথবা ঐ মোকদ্দমার শেষপর্যন্ত হাজির থাকিতে জটি বা অস্বীকার করে তবে ঐ জাহাজী ব্যাপারের সুপরিটেণ্ডেন্ট অথবা এক্টিং সুপরিটেণ্ডেন্ট সাহেব প্রত্যেক জটির বিষয়ে ২০০১ টাকার অনধিক যে জরীমানা তাঁহার উচিত বোধ হয় সেই ব্যক্তির সেই জরীমানা করিতে পারেন্। এবং কলিকাতা শহরের প্রত্যেক জ্ফিদ অফ দি পাসকে ইহার দ্বারা হ্লমতা ও হুকুম দেওরা গেল যে উক্ত সুপরিটেণ্ডেন্ট অথবা এক্টিং সুপরিটেণ্ডেন্ট সাহেবের সহীকরা লিপি পাইলে আপনি সেইরপ জরীমানার তকুম দিলে যেরপ করিতেম সেইরুপে দেই জরীমানার টাকা উসুল করেন্ ইতি।

৫ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হইল যে সমরেং বাললা দেশের প্রীযুত গবর্নর সাহেব যে ব্যক্তিকে উক্ত আ-দালতে জল আডবোকেটা কর্মাকরণার্থ নিযুক্ত করেন্ সেই ব্যক্তি সরকারের তরফে ঐ আদালতে উপস্থিত হওয়া কার্যা নির্বাহ করিবেন ইতি।

৬ ধারা। এবং ইহাতে হুকুম হইল যে উক্ত জাহাঞী वााशाद्वत मुश्रविक्टिएक व्यथना अक्टि मुश्रविक्टिएक সাহেবের এই ক্ষমতা থাকিবেক এবং ইহার ছারা তাঁহাকে ক্ষমতা ও ত্কুম দেওয়া গেল যে নালিশগ্রস্ত ব্যক্তির অথবা যে ব্যক্তি নালিশ করে তাহার কি ঐ আদাল-তের দর্থাস্করুমে কোন ব্যক্তিকে সমনে নির্দিষ্ট স্থান ও সময়ে দাকিয়রপ উক্রমতে স্থাপিত আদালতে উপস্থিত কোন মোকদ্মমায় জোবানবদ্দী দেওনের নিমিত্তে मधन करत्न । यमाणि मारे वाकि कलिकाछारहेरड প্রস্থান করিতে এমত উদাত আছে যে ভাষার ঐ যোকদমায় হাজির হউলে অভিভারি ক্লেশ হউবেক তবে উক্ত আদালতের সভাধ্যক্ষ সাহেবের এবং অভঃ-পাতি কোন দুই জন সাহেবের সমক্ষে ঐ ব্যক্তির জো-वानवन्ती लख्या याद्रेदक । किन्न आना कर्त्वरा त्य व वाक्तित नाम नालिल इडेरवक माडे वाक्तिक के खावान- . वन्ती लक्षरमञ्ज्ञ अञ्चारमञ्जू छेश्रयुक्त मश्चाम मिए इहै-दिक धर श्रादा छोना कईरा स से माक्की यमानि বিচারের সময়ে উপস্থিত হইতে পারে তবে বিচারের সময়েও তাহার জোবানবন্দী লওয়া ঘাইতে পারে এবং এমত হইলে তাহার প্রথম জোবানবন্দী মোকলমার সময়ে পাঠ করা যাইবেক ইতি।

৭ ধারা। আরে। ইছাতে তকুম হইল যে যে প্রত্যেক সাক্ষী এইপ্রকার কোন আদালতে অথবা সভাধ্যক্ষ এবং দুই জন অন্তঃপাতির সমুখে হাজির হইতে রীতিমতে সমন পায় সেই ব্যক্তি ঐ আদালতে অথবা সভাধ্যক্ষ এবং দুই জন অন্তঃপাতির সমুখে আবশ্যকমতে হাজির থাকন সময়ে এবং তথাই গ্রমন কর্ণ সময়ে এবং তথাইটতে

In the Land All controls to

if arrested in breach of such privilege, be discharged by such Court or President and two Members, or by the Supreme Court, or any Judge thereof, according as the case shall require, upon its being made to appear to such Court or President and two Members constituted by this Act, or to such Supreme Court, or Judge, by affidavit in a summary way that such witness was arrested in going to or returning from or attending upon such Court or President and two Members constituted by this Act, and that every witness so duly summoned to attend as aforesaid, who shall not attend on such Court or President and two Members, or who attending shall refuse to give evidence on Oath or Solemn Affirmation or Declaration, or to answer all such questions as the Court or President and two Members may legally demand, shall be liable to be attached in the Supreme Court, upon complaint made, in like manner as if such witness had neglected to attend on any trial in such Supreme Court.

VIII. And it is hereby enacted, that every Member assisting at every such Court, before the commencement of any proceeding to be had before it shall take the following Oath upon the Holy Evangelists, which Oath shall be administered by the President of such Court to the other Members thereof, and to the President by any Member who has taken the said Oath, that is to say,

do swear that I will duly determine and administer justice according to the evidence in the matter that shall be brought before me. So help me God."

IX. And it is hereby enacted, that every witness before any such Court or President and two Members shall be examined upon Oath, which such Courts and President and two Members are hereby authorized to administer. Provided always that in all cases wherein a Solemn Declaration or Affirmation would be allowed in Her Majesty's Courts of Judicature to be substituted for an Oath, the said Court or President and two Members constituted by this Act, shall substitute such Solemn Declaration or Affirmation for an Oath.

X. And it is hereby enacted, that any person wilfully and knowingly giving false testimony on Oath or Solemn Declaration or Affirmation in any case in which an Oath or Solemn Declaration is by this Act required to be made, shall be deemed guilty of wilful and corrupt perjury and being duly convicted, shall be liable to the pains and penalties of perjury.

XI. And it is hereby enacted, that if the party against whom a charge is preferred shall appear or shall not satisfy the Court that he has a reasonable excuse for not appearing, the said Court shall proceed to hear and determine the charges preferred by the said Superintendent or Acting Superintenপ্রত্যাগমনের সময়ে গ্রেফ্রার হইতে পারিবেক না এবং যদ্যপি এই অনুমতির উল্লেখ্যনপূর্বক দেই ব্যক্তি গ্রেক্তার হয় তবে এই আইনের ছারা স্থাপিত উক্ত আদালত অথবা সভাধাক্ষ এবং দৃই জন অন্তঃপাতী অথবা সুপ্রিম কোট অথবা তাহার কোন এক জন জজ সাহেবকে স্রাস-রীমতে সুকুতিপত্রানুসারে যদি ইহা জাত করা যায় যে এই আইনের ছারা স্থাপিত আদালতের নিকটে অথবা সভা-ধ্যক্ষ এবং দৃই জন অন্তঃপাতির নিকটে যাওন সমরে অথবা তথাহইতে প্রত্যাগমন সময়ে অথবা তথায় হা-জির থাকন সময়ে ঐ দাক্ষী গ্রেক্তার হইয়াছিল তবে বিষয় বুঝিয়া ঐ আদালত অথবা সভাধ্যক্ষ এবং দুই জন অন্তঃপাতী অথবা সুপ্রিম কোর্ট অথবা তাহার কোন এক জন জজ সাহেব তাহাকে থালাস করিবেন। এবং উপরের উক্তমতে হাজির হইতে যে প্রত্যেক দাক্ষির তলব হয় সেই সাক্ষী যদি উক্ত আদালতে অথবা সভা-ধাক্ষ এবং দুই জন অন্তঃপাতির সমাথে হাজির ন। হয় অর্থবা হাজির হইরা যদাপি শপথ কি সুকৃতি অথবা প্রতিজার অনুসারে সাক্ষ্য দিতে স্বীকার না করে অথবা উক্ত আদালত কি সভাপ্যক্ষ এবং দই জন অন্তঃপাতী আইনমতে যে২ বিষয়ের জিজাসা করিতে পারেন তাহার উত্তর যদি না দেয় তবে সুপ্রিম কোর্টে এ विषय्रत नालिय कता यारेदक अवद वे माक्की जे मूर्शिय কোর্টে কোন মোকদ্মায় হাজির হইতে জটি করিলে যে-রূপ হইত দেইরূপে সুপ্রিম কোর্ট ডাহাকে কয়েদ করিতে পারেন ইতি।

৮ ধারা। এবং ইহাতে ত্রুম হইল যে উক্ত আদাল-তের অন্তঃপাতি প্রত্যেক জন ঐ আদালতে উপস্থিতহওয়া কোন কার্য্যে প্রবৃত্তগুনের পূর্ব্বে ধর্ম্মপুত্তক লইয়া পশ্চাৎ লিখিত শপথ করিবেন। এবং ঐ আদালতের মভাধ্যক ওাঁহর অন্যান্য অন্তঃপাতির্দিগকে সেই শপথ করা-ইবেন এবং যে কোন অন্তঃপাতী ঐ শপথ করিরাছেন তিনি সভাধ্যক্ষকে শপথ করাইবেন বিশেষতঃ

আমি অমুক শপথ করিতেছি যে এই বিষয়ে আ-মার সম্মুখে যে সাক্ষ্য দেওয়া মার তদনুসারে আমি নিশ্চর করিব এবং যথার্থ বিচার করিব ইহাতে ঈশ্বর আমার সাহায্য করুন।

৯ थाता। এবং ইহাতে छकुम इहेन स छेङ आ-দালত অথবা সভাধাক এবং দুই জন অভঃপাতির সম্বাধে উপস্থিতহওয়া প্রত্যেক সাক্ষী শপর্থপর্মক জো-रामवन्त्री मिटवक अवर डेक जामालंड ज्यांचा मंडाशाक এবং দৃই জন অন্তঃপাতিকে দেইরূপ শপথ করাইতে ইহার ছার। ক্ষমতা দেওয়া গেল। কিন্ত জানা কর্ত্তা যে যে সকল গতিকে এত্রীমতা মহারাণীর আদালতে শপ-থের পরিবর্টে প্রতিজা অথবা সুকৃতি দিবার অনুমতি হইত দেই সকল গতিকে এই আইনের ছারা স্থাপিত আদালত অথবা নভাধাক্ষ এবং দৃই জন অন্তঃপাতী শপ-থের পরিবর্ভে প্রতিজ্ঞা অথবা সুকৃতি করাইবেন ইতি।

১০ ধারা। এবং ইহাতে তকুয় হইল যে এই আই-নের দারা যেং বিষয়ে শপথ অথবা প্রতিজ্ঞা করিবার তকুম আছে দেইং বিষয়ে যে কোন ব্যক্তি খামখা এবং জানিয়াশ্তনিয়া শপথ অথবা প্রতিজ্ঞা কি সুকৃতি-ক্রমে মিথ্যা সাক্ষ্য দের দেই ব্যক্তি খাম্থা এবং দুষণীর মিথ্যা শপথের দোষী জান হইবেক এবং তা-हात साथ दी जिया गाराख हहेरल साहे राकि भिथा। শপথকরণের দণ্ড ও শান্তির যোগ্য হইবেক ইতি।

১১ थाता। अत् हेशांड छकुम हरेल श स राक्तित नारम नालिय इत रमेरे टाकि यनि राजित रह अथवा यनि আদালতের এমত ছড়োধ না করে যে তাহার হাজিব না হওনের উপযুক্ত কারণ ছিল তবে সুপরিক্টেণ্ডেন্ট অथरा এক্টিং मूनवित्लेएक्ट मारश्य शृरसाक्रमण्ड आफ्-कार्षित मिति गुडात नियुक्त रक्ष न राक्ति वा वाक्तित्रावत dent against any person or persons so employed in নামে যেই নালিশ করেন্দেইই নালিশ উক্ত আদালতে the Filot Service, as aforesaid, and if such person or persons shall be found guilty by the said Court, of the breach of duty laid to his or their charge, it shall be competent to the said Court, and it is hereby required to sentence such person or persons to dismissal from the said Pilot Service, or to such other punishment by loss of rank or pay as to the said Court shall appear fit, whether or not such breach of duty be punishable under a certain Code called the Penal Code for the better order and government of the Members composing the Pilot Service, passed by order of the Right Honourable the Vice President in Council, 21st December 1826.

XII. Provided always and it is hereby enacted, that in all cases wherein the charge preferred before such Court is a charge of a breach of duty punishable under the said Code, the said Court shall award such punishment as is prescribed for such breach of duty in the said Code and no other.

XIII. Provided also, and it is hereby enacted, that the said Code shall remain in full force as regards the several breaches of duty therein specified, but that it shall be competent for the said Superintendent or Acting Superintendent of Marine, and he is hereby empowered in any case of breach of duty not specified in the said Code, to frame such charge as shall be applicable to the facts of the case and to prefer the same to the said Court, any thing in the said Code contained notwithstanding.

XIV. Provided always and it is hereby enacted, that nothing in this Act contained shall prevent the said Superintendent or Acting Superintendent from deciding summarily in cases in which he was empowered to decide summarily before the passing of this Act.

XV. And it is hereby enacted, that every finding and sentence of such Court as aforesaid shall be subject to the approval and revision of the said Superintendent or Acting Superintendent and of the Governor or Deputy Governor of Bengal, and that no such finding or sentence shall be considered final or conclusive until it has been submitted to and approved by the said Superintendent or Acting Superintendent and by the Governor or Deputy Governor of Bengal who are hereby empowered to alter or revise such finding or sentence in such manner as to them shall appear proper, or to send back such finding to the same Court for revision, or to remit any part or the whole of such sentence as they shall think fit, and that every such sentence either of dismissal from the service or of loss of rank or pay upon being confirmed or altered by the said Governor or Deputy Governor of Bengal, and the said Superintendent or Acting Superintendent of Marine, shall be considered valid and

শুনা যাইবেক ও নিক্ষান্ত হইবেক। এবং দেই ব্যক্তিবা ব্যক্তিরদের নামে কর্ত্তবা কর্ম্মের যে জাটির নালিশ হয় দেই জাটির বিষয় যদি ঐ আদালতে সাবায় হয় তবে ঐ আদালতের ক্ষমতা থাকিবেক এবং ইহার লারা তাঁহারদিগকে হুকুম করা গেল যে ঐ ব্যক্তিবা বাক্তিরদিগকে আড্কাটির সিরিশ্ভাহইতে তগীর করেন অথবা পদ কি মাহিয়ানার কমকরণের লারা অন্যযে কোন দও ঐ আদালতের উচিত বোধ হয় দেই দঙ্বের হুকুম করেন্। আড্কাটির সিরিশ্ভায় নিমুক্ত বাক্তিরদের প্রাপেক্ষা উত্তমতে নিয়ম ও শাসন করিবার নিমিত্ত "দওকারি আইন" নামে বিখ্যাত যে আইন ১৮২৬ সালের ২১ ডিলেম্বর ভারিকে প্রিয়াছিলেন দেই আইনে ঐ কর্ত্ববা কর্মের ক্রটি দওনীয় হইলে বা না হইলে এই আইনের লারা ভাহার দও হইবেক ইতি।

১২ ধারা। কিন্তু জানা কর্ত্তর এবং ইহাতে তুকুম হইল যে যে সকল গতিকে উক্ত "দণ্ডকারি আইনের" দণ্ডনীয় কুটির নালিশ উক্ত আদালতে হয় সেই সকল গতিকে উক্ত আদালত কর্ত্তর কর্মোর সেই ফুটির বিষয়ে উক্ত "দণ্ডকারি আইনে" যে দণ্ড নিরূপণ আছে সেই দণ্ডের তুকুম করিবেন এবং অন্য কোন দণ্ডের তুকুম করিবেন না ইতি।

১৩ ধারা। কিন্তু জানা কর্ন্তব্য এবং ইহাতে আরো অকুম হইল যে উক্ত আইনে যে নানা কর্ত্তব্য কর্মের ক্রাটির দও নিদ্দিউ আছে তদ্বিষয়ে উক্ত আইন সম্পূর্ণরূপে বলবং থাকিবেক কিন্তু জাহাজী ব্যাপারের উক্ত সুপরিকেণ্ডেন্ট অথবা এক্টিং সুপরিকেটণ্ডেন্ট সাহেবের এই ক্ষমতা হইবেক এবং ইহার দ্বারা তাঁহাকে এই ক্ষমতা দেওয়া গেল যে উক্ত আইনে নিদ্দিউ না হওয়া কর্ত্তব্য কর্মের ক্রাটি হইলে সেই অপরাধের বৃত্তান্ত যে প্রকার নালিশ সম্ভব হর সেই প্রকার নালিশ লিখিয়া উক্ত আদালতে দরপেশ করিবেন এবং উক্ত আইনে ইহার বিক্তম্ব কিছু থাকি-লেও তাহা প্রতিবন্ধক হইবেক না ইতি।

১৪ ধারা। কিন্তু নিয়ত জানা কর্ত্তরা এবং ইহাতে
হকুম হইল যে এই আইন জারী হওনের পূর্বে যেং
বিষয় সুপরিটেণ্ডেন্ট অথবা একটিং সুপরিটেণ্ডেন্ট সাহেবের সরাসরীমতে নিশ্পন্তি করিবার ক্ষমতা ছিল সেইং
বিষয়ের সরাসরীমতে নিশ্পন্তি করিবার ক্ষমতা জিল সেইং
বিষয়ের সরাসরীমতে নিশ্পন্তি করিতে এই আইনের লিথিত কোন কথার দ্বারা নিষেধ হইবেক না ইতি।

১৫ ধারা। এবং ইহাতে তকুম হটল যে পুর্ব্বোক্তমতে উক্ত আদালতের করা প্রত্যেক ফয়দলা ও দখাজাতে উক্ত मुश्रतिरहेए अथेवा अक्षि मुश्रतिरहेए माहरत्व এবং বাঙ্গলা দেশের প্রীয়ত গবরুনর সাহেবের অর্থবা ডেপুটা গররনর সাহেতের পুনর্দ্ঞির ও মঞ্বরের অপেক্ষা थाकिदरक। अद्र वे क्यमना व्यथता मधाजा घार वे मुश्रतिरहेए के वार्या अक्षिर मुश्रतिरहेए मे मारहरवत অথবা বান্দলা দেশের ত্রীযুত গবরুর সাহেবের কি ডেপুটী গবর্নর সাহেবের নিকটে দরপেশ না হয় এবং যাবং ভাঁহারদের দারা মঞ্জ না হয় ভাবৎ ভাহা চুড়ান্ত অথবা मिक्क छान रहेरवक ना। अवर बे जुलतिरलेएअले व्यथेटी এক্টি॰ সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহের অথবা বাঞ্চলা দেশের ত্রীযুত গবর্নর্ সাহেব কি ডেপুটা গবর্নর সাহেবের বিবে-চনায় যেমত উচিত বোধ হয় দেইমতে ভাহারদিগতে এ ফরসলা অথবা দণ্ডাজা মতান্তর অথবা সংশোধিত করিতে কি সংশোধনার্থ উক্ত ফরসলা এ আদালতে ফিরিয়া পাটা? ইতে অথবা আপনারদের যেমত উচিত বোধ হয় সেইমতে ঐ দণ্ডের কতক অংশ বা সমুদর মাফ করিতে এই আইনের দারা ক্ষমতা দেওয়া গেল। এবং সিরিশ্তাহইতে তগীর হওনের অথবা পদ কি বেতন ক্যাওনের এইরূপ প্রত্যেক দও উক্ত বাঞ্লা দেশের প্রীয়ত গ্রহ্মর দাহেব অথবা ए पूर्ण भवत्नत् मा इत्वत् बाता अववा बादाकी द्यापा-

在上午下。Secreta 文 和版表。所谓中国第二次

effectual from the date of such confirmation or alteration, and shall be forthwith carried into effect.

XVI. And it is hereby enacted, that it shall be lawful for the said Superintendent or Acting Superintendent, with the consent of the Governor or Deputy Governor of Bengal, expressed in writing under his hand from time to time to make such Rules for conducting the Proceedings and regulating the practice of the said Courts, and for carrying into effect the purposes of this Act as to the said Superintendent or Acting Superintendent shall seem expedient, and all such Rules shall be submitted to the Governor General in Council immediately upon the making thereof, and every such Rule shall have full effect after it shall have been confirmed by the Governor General in Council and not before.

Ordered, that the Draft new read be published for general information.

Ordered, that the said Draft be reconsidered at the first Meeting of the Legislative Council of India, after the 26th day of September next.

G. A. Bushny,
Secy. to the Govt. of India.

CIRCULAR ORDERS OF THE AC-COUNTANT-GENERAL.

No. 92.

To the Magistrates of the Lower Provinces.

The Sudder Board of Revenue having, in their Officiating Secretary's Letter of the 25th April last, brought to the notice of Government, the existence of a fund in the district of Tirhoot, designated "Fazil Bhye Collections," consisting of surplus Zumeendaree Dawk Collections and of fines levied on trespassing cattle, and as they think it not improbable that there are similar funds in other districts; I have been called upon by the Government in Mr. Under Secretary Turnbull's Letter, dated the 28th May last, to ascertain if such be the fact and to take measures to bring them to regular credit in the public accounts. I request therefore that you will be good enough to state whether any such fund exists in your district, and if so, that you will furnish me without delay with a statement shewing the balance at credit of the fund, being careful at the same time to credit the amount at once in your Cash Account under the head of " Cattle Fine, &c. Fund," citing the No. and date of this Circular in the entry, until further orders.

(Signed) C. Morley,

Accountant-General.

Fort William, Accountant-General's Office, The 31st July, 1845.

[Government Gazetle, 12th August, 1845.]

রের সুপরিন্টেণ্ডেন্ট অথবা এক্টিং সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহে-বের ছারা মঞ্জুর কি মতান্তর হইলে তাহা ঐরপ মঞ্জুর অথবা মতান্তরের তারিশ্বঅবধি সিদ্ধ ও বলবং জান হউবেক এবং তাহা তৎক্ষণাৎ জারী হউবেক ইতি।

১৬ থারা এবং ইহাতে ত্কুম হইল যে উক্ত আদা-লভের কার্য্য নির্ফাহের নিমিত্তে এবং ভাহার ব্যবহারের নিয়ম করিবার নিমিত্ত এবং এই আইনের অভিপ্রার দিয় করিবার নিমিত্তে যে২ বিধান উক্ত দুপরিভেত্তেই অথবা এক্টিণ সুপরিন্টেণ্ডেন্ট সাহের উচিত বোধ করেন সেই मकल विधान से मुश्रदिखिएको अधवा अक्षि मुश्रदि-ন্টেণ্ডেন্ট সাহেব বাঙ্গলা দেশের জিযুত গবর্নর্ সাহে-বের অথবা ডেপুটা গবর্নর সাহেবের অনুমতিক্রমে ধার্য্য করিতে পারেন্ এবং ঐ প্রীযুত গবর্নর সাহেবের অনুমতি আপনার দস্তগৎকরা লিপির ছারা জাত করা ঘাইবেক। এবং ঐ সকল বিধান ধার্যা হইলেই প্রীয়ুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে দরপেশ হইবেক এবং এরূপ প্রত্যেক বিধান শ্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে মঞ্র হই-লে তাহা সম্পূর্ণরূপে বলবৎ হইবেক এবং তাহার পুর্বে दलदं रहेरदक मा।

ভকুম হইল যে এক্লনে পাঠকরা মুসাবিদা দর্ক সাধা-রণ লোককে জানাইবার নিমিত্তে প্রকাশ হয়।

ছকুম হইল যে আগামি ২৬ দেপ্টেম্বর তারিখের পর ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক কৌন্দেলের যে প্রথম বৈঠক হয় তাহাতে এই মুদাবিদা পুনরায় বিবেচনা করা যায়।

> জি এ বুশবি। ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের দেক্রেটারী। John C. Marshman, Bengalee Translator.

আস্ক্রোণ্টেণ্ট জেনরল সাহেবের সর্ক্যুলর পত্র।

৯২ নমূর। বাঙ্গলাপ্রভৃতি দেশের শীবুত মাজিফুেট সাহেব ব্রাব্দের্যু।

গত ২৫ আপ্রিল তারিথে দদর হোর্ড রেবিনিউর এক্টিৎ সেক্রেটারী সাহেব পত্র লিখিয়া গবর্ণমেন্টকে জা-নাইয়াছেন যে ত্ৰিত্ত জিলায় "ফাজিল ভাই আদায়" নামক এক তহবীল আছে। জমীদারীর ডাকের আদারহওয়া টাকার অবশিষ্ট এবং গোমেয়াদি পরের ক্ষেত্রে চরাতে যে জরীমানা হয় তাহা লইয়া ঐ তহবীল হয় এবং বোর্ডের मार्टरत्रा र्वाथ करत्न् रा महत्रेल उहरील खनाना জিলায় থাকিতে পারে। অতএব ছোট দেক্রেটারী জীযুত্ত টর্ণবুল সাহেবের গত ২৮ যে ভারিখের পত্রে গ্রেণিয়েন্ট এই छुक्म कृतिलान एर जानाना जिलाय बहुत्रण उर्शील আছে কি না ভাহ। নির্ণয় করা য়ায় এবৎ সরকারী হিসাবে তাহা নির্মমতে জমা করা যার। আত্তরত তোমাকে আ-দেশ করিতেছি যে ভোমার জিলার মধ্যে এমত তহবীল আছে কি না ইহা জাপন কর এবং যদি থাকে তবে ঐ তহবীলে কত টাকা অবশিষ্ট আছে তাহার এক কৈফি-রং অবিলয়ে পাঠাও এবং ভোমার টাকার হিসাবে "গোমেঘাদির জরীয়ানা" বলিয়া তাহা এক কালে জমা কর এবং দেইরূপে তাহা জমাকরণের নিদর্শনযুরূপ অন্য ত্কুম না হওয়াপর্যান্ত এই সর্কুলর অর্ডরের নমূর ও ভারিথ লিথিবা।

> সি মর্লি। আকেকান্টেন্ট জেনবুল।

काई उनियम। आरक्कोटलेले खास्त्रन नारक्टरत् मक्कत्रथामा। ३৮৪४। ७३ खुलाई।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER NIZAMUT ADAWLUT.

No. 15.

To the Several Criminal Authorities in the Lower Provinces.

The Court are pleased to prescribe the following addition to the Rules for the preparation of the Criminal Statements.

Supplementary Rules for the preparation of the Magistrate's Statement.

Statement No. 2, Part 1, Paragraph 125.

In order to shew the degree in which the responsibility of Zemindars is enforced, the Magistrates will be pleased in future to enter cases of Zemindars and Chowkeedars brought up for neglect of duty under separate headings in Statement No. 2, Part 1.

W. Kirkpatrick, Deputy-Register. Fort William, 6th June, 1845.

EDUCATION.

NOTICE.

RULES for the Examination of Candidates for insertion in the list directed to be annually furnished to Government by the Notification of the Governor-General, dated 10th October, 1844.

- 1. No one shall be allowed to become a Candidate for insertion in the Annual Returns, who is less than 18 or more than 23 years of age; and who is not at the time a Student either of a Government or of a private Institution recognized by the Council of Education. All competitors must likewise produce satisfactory proofs of good moral character.
- 2. Every Candidate, whether he belong to a Government College or a private Institution, shall be required to undergo the usual Annual Examination, for Senior English Scholarships, a Latin being substituted for a Vernacular Essay, at the option of each Candidate.
- 3. There shall be two classes of merit: the first shall comprehend all who are in the last year of a Senior Scholarship, or who, though not actually in the last year, would be so, if there had been a vacant scholarship at the time when they first became eligible for one; or have been engaged for ten years in the study of English at a private Institution, and who obtain at least \(\frac{3}{4} \)ths of the number of marks allowed in each subject. The second class shall include all other Candidates, who obtain at least \(\frac{1}{2} \) of the number of marks allowed for complete answers in every subject, contained in the Senior English Scholarship standard.
- 4. The place of each successful competitor in his class, shall be determined by the relative merit of his examination.

मम्त्र निकामः आमानर्टत नत्कूम्त्र अर्दत ।

১৫ नमूद ।

বাঙ্গলাপ্রভৃতি নেশের প্রাযুত ফৌজদারীর কার্য্যকারক সাহেব ব্রাবরেবু।

ফোজদারীর কৈফির প্রস্তুত করণের বিধির অতি-ারক্ত সদর আদালতের সাহেবেরা নীচের লিখিত বি-ধান নির্দিষ্ট করিয়াছেন।

মাজিট্রেট সাহেবেরদের কৈফিয়ৎ প্রস্তুত করণার্থ অতিরিক্ত বিধান।

১২৫ मकात २ नमुती कैकिकारजत ১ जाता।

জমীদারেরদের কর্রতা কর্মা কিপর্যান্ত করাণ গিয়াছে তাহা দেখাইবার নিমিত্তে জমীদার ও চৌকীদারেরদের নামে কর্ত্বতা কর্মোর ক্রাটির বিষয়ে যে সকল নালিশ হয় তাহা মাজিট্টেট সাহেবেরা উত্তর কালে ২ নমুরী কৈফিরতের ১ ভাগে মতন্ত্র ঘরে লিখিবেন।

ডবলিউ কর্জপাত্রিক। ডেপুটী রেজিফুর। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৫। ৬ জুন।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translator.

বিদ্যাধ্যাপন।

বিজ্ঞাপন।

শ্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর ফৌলেলের ১৮৪৪ দালের ১০ অক্টোবর তারিখের বিজ্ঞাপনানুদারে কর্মাকাজ্ফিরদের নামের যে ফর্দ্দ বংশরেং গবর্ণমেউকে দিবার প্রকৃম হইরাছে দেই ফর্দেতে লিখিবার বোগা কর্মাকাজ্ফিরদের ইমতিহানের

विश्वान ।

- ১। যাহার আটার বংশরের কম কি তেইশ বংশরের অধিক বর্দ হর এবং বে জন ইমভিহান দেওনের দময়ে গবর্গমেন্টের কোন এক কালেজের অথবা বিদ্যাধ্যাপনের কৌশেলের স্বীকৃত কোন বিদ্যালয়ের ছাত্র না হয় দেই জন বার্যিক রিপোর্টে আপন নাম লিখনের আকাজ্ফিরদের মধ্যে গণ্য হইতে পারে না। কর্মাকাজিফ দকল লোকের আবশ্যক যে আপনারদের সদাচারিতার বিষয়ে হুছোধজনক প্রমাণ দেয়।
- ২। প্রত্যেক জন কর্মাকাক্ষ্মী গবর্গমেন্টের কোন কালেজের সম্পর্কীয় হউক কিয়া বিশেষ বিদ্যালয়ের সম্প-কার হউক ইঞ্রেজা প্রধান বৃত্তি প্রাপণার্থ ছাত্রেরা বংশরেই যে ইমতিহান দিয়া থাকে তাহা দিবেক কিছ কর্মাকাক্ষ্মী আপন ইচ্ছামতে এদেশীয় ভাষায় এদে অর্থাৎ রচনা না লিখিয়া লাটিন ভাষায় লিখিতে পারে।
- ৩। যোগ্যতার দুই সম্পুদায় ছইবেক। যাহারদের
 প্রধান বৃত্তি ভোগের শেষ বৎসর হইয়াছে অথবা যাহারদের নিতান্তই শেষ বৎসর হয় নাই কিন্তু তাহারদের
 বৃত্তি পাইবার যোগ্য হওন সময়ে বৃত্তি শূন্য থাকিলে
 এবং ভাহার। তাহা পাইলে এফণে ঐ বৃত্তির শেষ বৎসর
 হইও অথবা যাহার। কোন বিশেষ বিদ্যালয়ে দশ বৎসর
 পর্যন্ত বিদ্যা শিক্ষা করিয়াছে এবং ইমভিহানের
 প্রত্যেক বিষয়ে যত তিক নির্দিন্ত আছে তাহার চারি
 অংশের অনু্যন তিন অংশ পায় তাহারা প্রথম প্রেণীভূক
 হইতে পারে। এবং ইকরেজী প্রধান বৃত্তি পাইবার নিমিতে যেং বিষয়ে ইমভিহান দিতে হয় তাহার প্রভাক
 বিষয়ে নির্দিন্ত চিকের অনু্যন অর্দ্ধ অংশ যাহার। পায়
 এমত অন্য সকল কর্মাফাক্ষী দ্বিতীয় প্রেণীভূক ইই
 বেক।
- ৪। ইমতিহানের সময়ে কৃতকার্য্য কর্মাকাজ্ফিরদের প্রণের তারতম্য বুঝিয়া তাহারা সম্পুদায়ের প্রথম বিতী-য়াদি স্থানে ভর্ত্তি হইবেক।

[গবর্ণমেন্ট গেজেট। ১৮৪৫ । ১২ আগফ।]

- 5. Every Candidate for insertion in the Council's list, shall pay a registration fee of Company's Rupees 5, prior to being allowed to compete at the examination.
- 6. The examinations shall be held annually at the Town Hall, a few days before the Doorgah Poojah holidays, of which due notice shall be given.
- 7. A Student who shall fail to prove himself qualified for insertion in the Council's list, shall not be permitted to present himself for examination more than three times, pre-paying on each occasion the usual registration fee.
- 8. A Candidate whose name shall once have appeared in the Return, shall not be allowed to compete again with a view to obtain a higher grade.
- 9. All Candidates, whether from Government or private Institutions, must distinctly understand, that mere insertion in the Returns will by no means be a sure passport to employment, since the preference must depend upon other qualifications, as well as upon literary and scientific acquirements, and good moral conduct.
- 10. The following is the system of examination adopted, and the standard of the Senior English Scholarships referred to, in Rule 2.

Sets of questions on the various branches of study will be prepared under the direction of the Council of Education, who will likewise fix within a reasonable time beforehand, the days on which the examinations shall be held.

The Students shall be assembled in a room without books, papers or references of any kind. They shall not be allowed to communicate with each other during the examination, and on that account shall be placed at a proper distance from each other.

They will be required to answer the questions and to write the essays without any assistance whatever, and to ensure this, one of the Members of the Council of Education will remain in the room, and superintend the whole examination.

Any attempt at or practice of, unfair means, shall subject the offender to exclusion from the examination—as well as from the Returns of the Council, and thereby render him ineligible for Go-vernment employment.

The Council of Education will fix an uniform standard of value for each question according to its importance, a perfectly correct and complete answer will obtain the full number of marks attached to the question, an imperfect answer will obtain a part only of the full number, in proportion to its approximation to correctness and completeness. At least 50 per cent. of the aggregate number of marks attached to an entire set of examination questions, will be necessary to entitle a Student to a Senior Scholarship.

The following are the qualifications for the Senior English Scholarships:—

৫। মাহারা কৌন্দেলের ফর্দের নাম লেখাইতে আ-কাজনা রাখে ভাহারদের ইমতিহানে প্রতিগোগিত। করণের অনুমতি পাইবার পূর্বে কোং ৫১ টাকা ফিদ দিতে হইবেক।

- ৬। ইমতিহান বৰ্ণরে দুর্গা পূজার জুটার কএক দিবস পূর্বেটোনহালে হইবেক তাহার সয়াদ উপযুক্তমতে দিন থাকিতে দেওরা যাইবেক।
- ৭। যে কোন ছাত্র কৌল্সেলের ফর্নেতে আপন নাম লেথাইবার যোগ্যভার প্রমাণ না দের সে ভিনবারের অধিক ইমভিহান দিতে পারিবেক না এবং সেই প্রভাক বারের পূর্কে ভাহার উক্ত ফিদ দিতে হই-বেক।
- ৮। যে কর্মাকাজ্জির নাম ফর্লেডে লেখা যায় দেই জন উচ্চ শ্রেণী পাইবার অভিপ্রায়ে পুনর্বার ইমতিহান দিতে অনুমতি পাইবেক না।
- ৯। গবর্ণমেন্টের ও বিশেষ বিদ্যালয়ের দকল কর্মা-কাজ্জী দপায়্টরপে জানিবেক যে তাহারদের নাম ফর্নেডে লিখিত হইলেই তাহার। নিতান্ত কর্ম পাইবেক এমত নহে কেননা বিদ্যাতে নিপুণতা এবং দদাচারিত। ভিন্ন অন্যান্য প্রণেরও আবশ্যক হইবেক।
- ১০। ইমতিহানের এইং নিরম হইরেক এবং প্রথম ইঙ্গরেজী বৃত্তির যে হার ২ বিধিতে লেখা আছে তাহা এই।

বিদ্যার নানা শাথার বিষয়ে নানা প্রশ্ন বিদ্যাধ্যাপ-নের কৌন্দেলের অকুমানুসারে প্রস্তুত হইবেক এবং যে দিবদে ইমতিহান হইবেক ভাহা উপযুক্ত সময় থাকিতে ভাঁহারদের ভারা নিরূপণ হইবেক।

ছাত্রের। এক কুঠরীর মধ্যে একত্র হইবেক ভাহারদের কোন কেতাব বা কাগজ কি যাহাতে কিছু অবগত হইতে পারে এমত কিছু থাকিবেক না ইমতিহানের সময়ে ত÷ হারদের প্রস্পার কোন কথা বা লিখনপঠন হইবেক না এবং সেই নিমিত্তে ভাহার। উপযুক্তমতে দূরে পৃথকং হইয়া বসিবেক।

কোন সাহায্যবিনা ভাহারদের সকল জিজাসার উত্তর
দিতে হইবেক এবং এদে লিখিতে হইবেক এবং ভাহারদের কোন সাহায্য না হয় এভদর্থে বিদ্যাধ্যাপনের
কৌলোলের এক জন কামরার মধ্যে থাকিবেন এবং দমস্ত
ইমভিহানের কর্ত্তর করিবেন।

যদি কোন কপট কর্ম হর বা তাহার উদ্যোগ হয় তবে অপরাধি ব্যক্তি ইমতিহানহইতে বহিচ্চৃত হইবেক এবং কৌলেলের দাহেবেরদের রিপোটের মধ্যে তাহার নাম লেখা যাইবেক না এবং সেই নিমিত্তে সে সরকারী কর্মেন্যুক্ত হইবার অযোগ্য হইবেক।

প্রত্যেক প্রশার প্রক্তরজনুসারে বিদ্যাধ্যাপনের কৌক্লেল তাহার মুল্যের একি প্রকার হার নিরূপণ করিবেন। যদ্যপি দেই প্রশার ঠিক এবং সম্পূর্ণ উত্তর
দেওয়া যায় তবে দেই প্রশার যত চিহ্ন নিরূপণ আছে
তাহার সম্পূর্ণ কংখ্যা কৃতকার্য্য ছাত্র পাইবেক কিন্তু যদি
তাহার জনস্পূর্ণ উত্তর দেওয়া যায় তবে মেপর্যাস্ত তাহা
ঠিক ও পূর্ণ হয় তাহার হিদাব করিয়া সম্পূর্ণ চিকের
জংশ দেওয়া যাইবেক। কিন্তু ইমতিহানের সকল
প্রশোর সমুদয়ে যত চিহ্ন নিরূপণ আছে তাহার আছেক
বে ছাত্র না পায় দে প্রধান বৃত্তিভোগির তুল্য জান
হুইতে পারিবেক না।

ইন্সরেজী ভাষাতে ছাত্রেরদের প্রধান বৃত্তি প্রাপণার্থে এইং বিদ্যাতে নিপুণহওনের আবশ্যত।

[Government Gazette, 12th August, 1845.]

English Essay.—The Candidate must compose a fair English Essay.

History.—He must know the leading facts of Universal History, with special reference to the Histories of Greece, Rome, Ipdia, England and Modern Europe. The course of History which will form the subject of each Annual Examination, will be made known by the Council of Education on or before the 15th of June of the previous

General Literature.—He must be able to explain passages of Prose and Verse, selected from standard authors. Hereafter the works from which the passages will be selected for the ensuing year, will be fixed by the Council of Education, at least one year before each Annual Scholarship Examination.

Mathematics.—He must have a knowledge of Algebra as treated of in Peacock's work on the subject, and in the Chapter on Chances in Wood's Algebra. Of Euclid, he must know the first four books, the fifth definition of the 5th book, the 6th book, and 21 propositions of the 11th book: Plane and Spherical Trigonometry (Hind's, Snowball's or Woodhouse's) and Conic Sections.

Natural Philosophy.—He must have a knowledge of Astronomy, Mechanics, Hydrostatics, Pneumatics and Optics, as treated of in the works noted in the margin,* sufficient to enable him to comprehend Herschell's Introductory Discourse on the study of Natural Philosophy, and Mrs. Somerville's Connection of the Physical Sciences. He must also be acquainted with Mathematical and Physical Geography, as treated of in the publications of the Society for the Diffusion of Useful Knowledge.

Vernacular Essay.—He must write a fair Essay in the Vernacular.

The holders of Senior Scholarships will be examined further in a paper of special test questions, which will be prepared under the direction of the Council of Education for that purpose, and which may include subjects not specified above.

(By order,)

F. J. MOUAT, M. D.,

. Secretary.

Council of Education, 25th July, 1845.

NOTIFICATION.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

APPOINTMENTS.

The 1st August, 1845.

Baboo Ramgopaul Roy, (who has obtained a diploma,) to be Acting Moonsiff of Lubsha 24-Pergunnabs.

* Brinkley's Astronomy or the Astronomy in the Natural Philosophy of the S. D. U. K. Whewell's Mechanics, Webster's Hydrostatics and Phel's Optics, with the Pneumatics of the S. D. U. K.

ইঙ্গরেজী ভাষার রচনা। পদাকাজ্যি ব্যক্তির ইঙ্গরেজী ভাষাতে উপযুক্তমতে এসে অর্থাৎ রচনা করিতে হই-বেক।

পুরাবৃত্তের বিবরণ।—সাধারণ পুরাবৃত্তের প্রধান ।
বিষয় তাহার জানিতে হইবেক এবং গ্রিক দেশ ও রুম ও
ভারতবর্ম ও ইপলও ও ইদানীন্তন ইউরোপের নতা ইতিহাদের বিশেষ জ্ঞাত থাকিতে হইবেক প্রত্যেক বার্মিক
ইমতিহানে পুরাবৃত্তের শ্রেণীর বিষয়ে যে পরীক্ষা হইবেক
তাহা পুর্ম বংশরে বা ১৫ জুন তারিথে কি ভাহার পূর্মে
বিদ্যাধ্যাপনের কৌন্সেলের সাহেবেরা জ্ঞাত করিবেন।

সাধারণ বিদ্যা। প্রধান গ্রন্থক ত্তার দের গ্রন্থই চে মনোনীতকর। গদ্য ও পদ্যের প্রকরণের অর্থ করিতে হইবেক। উত্তর কালে আগামি বংশরের নিমিন্ত যে গ্রন্থইতে সেইমত প্রকরণ বাচনী হইবেক ভাষা প্রত্যেক বার্মিক ইমতিহানের অনুসন এক বংশর পূর্কে বিদ্যাধ্যাপ্রনের কোল্যেলর সাহেবেরা ধার্য্য করিবেন।

ক্ষেত্রপরিমাণাদি বিদ্যা। বীজগণিত বিদ্যার পিকত দাহেবের গ্রন্থ জাত থাকিতে হইবেক এবং উড দাহেবের বীজগণিত বিদ্যার "অনুমান" এই বিষয়ের অধ্যায় জাত থাকিতে হইবেক। ইউদ্লিডের প্রথম চারিগ্রন্থ এবং পঞ্চম গ্রন্থের পঞ্চম ব্যাখ্যা এবং ষষ্ঠ গ্রন্থ এবং একাদশ গ্রন্থের ২১ প্রস্তাব এবং হাইও ও রোবল ও উডহোদের রচিত প্রেন এবং ক্ষেত্রিকাল ত্রিকোণ পরিমাপফ বিদ্যা এবং কোনিক সেকস্যক্ষ।

পদার্থ বিদ্যা। পশ্চাৎ লিখিত "গ্রন্থে যেরপ জ্যোতির্বিদ্যা ও শিশ্পবিদ্যা ও দূববন্তর নিরপক ও বায়ু নিরপক বিদ্যা ও দৃত্তিনিরপক বিদ্যার জ্ঞান থাকে দেইরপ ভাহারদের থাকিবেক অর্থাৎ হর্দল সাহেবের পদার্থ বিদ্যার অধ্যয়নবিষয়ক ভুমিকা এবং বিবি সমর্বিলের প্রকৃতির বিদ্যার সম্বন্ধ এই দৃই গ্রন্থ যাহাতে উন্তমরূপে বুবিতে পারে দেইপর্যান্ত উপরের উক্ত গ্রন্থ পাঠ করিতে হইবেক। এবং কর্মণ্য বিদ্যাপ্রতিপোষক সোণৈটির প্রকাশিত গ্রন্থের মধ্যে ক্ষেত্রপরিয়াণ ও প্রকৃতি দক্ষাক্ষিয় ভুগোলীর বিদ্যা জানিতে হইবেক।

এতদেশীয় এসে। এতদেশীয় ভাষাতে উপযুক্ত এনে অর্থাৎ রচনা লিখিতে হইবেক।

প্রধান বৃত্তিভোগি ছাত্রেরদের আরে। বিশেষ জিজা-দার ইমতিহান দিতে হইবেক তাহা বিদ্যাধ্যাপনের কৌন্দেলের সাহেবেরদের নির্মাপতানুসারে প্রভুত হইতে পারে। উপরে যে২ বিষয় লেখা দেল তাহাছাড়া বিষয় তাহাতে থাকিতে পারিবেক।

छ्क्मक्रम् ।

এফ জে মৌজাট। বিদ্যাধ্যাপনের দেকেটারী

विमाधाश्रात्रत् कीत्मन। ३४८६। २६ खुनाहै।

বিজ্ঞাপন।

স্দর দেওয়ানী আদালতের ত্রুম। নিয়োগ।

১৮৪৫ সাল ১ আগফট।
হোগ্যতার পত্রপ্রাপ্ত প্রায়ত্বাপাল রার চরিবশপ্রগনার লবসার এক্টিং মুন্দেফ হইবেন।

"বিকলি সাহেবের জ্যোতির্বিদ্যা গ্রন্থ কিয়া কর্মণ্য বিদ্যা প্রতিপোষক সোদৈটির পদার্থবিদ্যার পুস্তকের মধ্যে জ্যোতির্বিদ্যা। এবং শিশপবিদ্যাবিষয়ে হিউএল সাহেবের পুস্তক ও দুববস্থ নিরূপক বিদ্যাবিষয়ে উএবউর সাহেবের পুস্তক ও দৃট্টিনিরূপক বিদ্যাবিষয়ে ক্রেন্সা হেবের পুস্তক এবং বায়ু নিরূপক বিদ্যাবিষয়ে কর্মণ্য বিদ্যা প্রতিপোষক সোদৈটির গ্রন্থ। The 4th August, 1845.

Mr. Weston, Sudder Ameen and Sudder Moonsiff of the 24-Pergunnahs is placed over the Russa Division.

Baboo Tarachand Day, late Moonsiff of that Chowkee, is appointed Moonsiff of Maniektullah.

The 8th August, 1845.

Moulvee Mahomed Salim, Moonsiff of Russoolgunge, Zillah Sylhet, to be Moonsiff of Sonamgunge, in the same district.

Moulvee Mazum Hossein, Moonsiff of Sonamgunge, to be Moonsiff of Russoolgunge.

LEAVES OF ABSENCE.

The 1st August, 1845.

Baboo Rajmohun Mitter, Moonsiff of Lubsha, 24-Pergunnahs, for 1 month, from the 25th ultimo, in extension of that granted on the 4th idem under Medical Certificate.

The 8th August, 1845.

Moulvee, Mahomed Saadi, Moonsiff of Sherepore, Zillah Mymensingh, for one week from the 20th instant.

B. J. COLVIN, Offg. Register.

CIVIL APPOINTMENTS.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR OF BENGAL.

APPOINTMENTS.

The 4th August, 1845.

Mr. Joseph Rose to be Civil Assistant-Surgeon of Penang.

Mr. M. Johnstone to be Civil Assistant-Surgeon of Akyab, in Arracan.

The 6th August, 1845.

Mr. L. S. Jackson, Assistant to the Magistrate of Hooghly, is vested with the special powers described in Clause 3, Section 2, Regulation III. 1821.

Mr. W. G. Young to be Assistant to the Magistrate and Collector of the 24-Pergunnahs, and to exercise the special powers described in Clause 3, Section 2, Regulation III. 1821.

LEAVES OF ABSENCE.

The 30th July, 1845.

Baboo Brijonauth Rae, Sudder Ameen of Luckimpore, for fifteen days, on private affairs, from the 2d instant.

The 4th August, 1845.

Mr. G. C. Chapman, Deputy-Magistrate in Midnapore, for four months, under Medical Certificate.

The 6th August, 1845.

Mr. A. Grote, Magistrate of East Burdwan, for পুর্ব বর্দ্ধানের মাজিস্ট্রেট আযুত এ গ্রোট সাহেব আone month, on Medical Certificate, making over প্নার কার্য্যের ছার আদিকার ত্রীযুত এ পিও সাহেবের

[Government Gazette, 12th August, 1845.]

১৮৪৫ সাল ৪ আগেই।

एखिलाश्रद्धानात सम्बद्ध आधीन छ सम्बद्ध सुन्दरम्छ জিযুত উএফীন সাহেব রুসাস্থানে নিযুক্ত ইইরাছেন।

ঐ চৌকীর সাবেক মুনদেফ প্রীযুত বাবু ভারাটাদ দে মাণিকতলার মুনদেফ হইয়াছেন।

১৮৪৫ मान ৮ आंबर्छ।

क्षिना क्रिनटिंद रमुनगर-धत मृनटमक वीयुक भोनती भरमात मालीम अ जिलाटि मानामशट अंत भूनटमक रहे-

मानामशर-अत मृनरमक विष्ठ घोलती माजूम छरमन त्रमूलशरश्चत्र भूनरम्य इडेरदेन।

छूंगे।

১৮৪৫ সাল ১ আগফী।

চরিশপরগনার লবসার মৃনদেফ প্রীযুত বাবু রাজ-মোহন মিত্র গত মাদের ৪ তারিখে চিকিৎসকের সটি-किक्षेक्टम स इंगे शान उप उद्विक शड मारमज २० তারিখঅবধি এক মাদের ভূটা পাইর ছেন।

জিলা মরমুনদিংহের শিরপুরের মুনদেফ প্রীয়ত মৌ-লবী মহমাদ শাদি বর্তমান মাদের ২০ তারি থাকাবিধি এক স্থাহের ছুটা পাইয়াছেন।

वि एक दलविन। এक्षिश दिक्कियेत।

রাজকর্মে নিয়োগ।

বাঙ্গলা দেশের প্রীয়ত রাইট অনরবিল গবরনর সাহেবের প্রকৃষ।

बिरग्रांश।

১৮৪৫ माल 8 जाशके।

জিষুত জোজেফ রোস সাহেব পুলোপিনাঙ্গে সিবিল আসিফ্টান্ট চিকিৎসক হইবেন।

গ্রীয়ত এম জনটোন সাহেব আরাকানে আক্যাবের मितिन आमिकों छे छिकि भक इंडेरिय ।

১৮৪৫ गाल ७ चानके।

छशलीत माक्रिक्कि माह्यत्व व्यामिकी ने वीयुष्ठ अल अम छाकमन मार्ट्य ১৮২১ मारलंद ७ आहरनंद २ धाताव o প্রকরণের নিদিফ বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত হইরাছেন।

প্রীযুত ডবলিউ জি ইয়\ সাহেব চক্তিশপ্রগনার কালেকটর ও মাজিফ্টেট সাহেবের আসিফাট হইবেন এব৭ ১৮২১ দালের ও আইনের ২ ধারার ও প্রকরণের निर्मिष्ठे विरमय क्रमजानुमाद्त कार्या कहिरवन ।

कृति।

১৮৪৫ माल ७० खुलाई।

লক্ষ্মীপুরের সদর আমীন তীযুত বাবু ব্রজনাথ রায় ষীয় কর্মোপলকে বর্ত্তমান মাদের ২ তারিখঅবধি পনের **पिरमत छु**षी शावित्रार्ट्य ।

১৮৪৫ मान 8 आंत्रके।

মেদিনীপুরের ডেপুটী মাজিস্টেট প্রীযুত জি দি চাপমান স হেব চিকিৎদকের দটিফিকটক্রমে চারি মাদের ছটা शाहियाटल्य।

১৮৪৫ मान ७ जाशके।

charge to his Assistant Mr. A. Pigou, who will officiate as Magistrate during Mr. Grote's absence.

NOTIFICATIONS.

The 30th July, 1845.

The insertion of the names of Shibnauth Ghose, Darogah of Lall Chitty, in Backergunge, and of Mirza Golam Allee, Darogah of Kotra, in Howrah, in the List of Darogahs promoted to the 2d Grade published in the Bangalee Government Gazette of the 6th May last, was erroneous, those Officers having previously been promoted to the 1st Grade under the Orders of the 27th February last, published in the Gazette of the 11th March last.

The 6th August, 1845.

Mr. F. Lowth, Officiating Collector of Beerbhoom, assumed charge of his office on the 3d ultimo.

Mr. F. Gouldsbury, Civil and Sessions Judge of Bhaugulpore, resumed charge of his office on the 1st instant.

Mr. M. A. G. Shawe, Magistrate of Backergunge, made over charge of his office to Mr. W. Seton Karr on the 28th ultimo.

Messrs. W. R. Best and D. Ogilvy, of the Civil Service, are reported qualified for the public service, by proficiency in two of the Native languages.

By Order of the Right Honourable the Governor of Bengal,

F. J. HALLIDAY, Secy. to the Govt. of Bengal. প্রতি অর্পণ করিয়া চিকিৎসকের সাঁটিফিকটক্রমে এক মানের ছুটা পাইয়াছেন। শ্রীযুক্ত গ্রোট সাহেরের অনু-পস্থানপর্যান্ত শ্রীযুক্ত পিপ্ত সাহেব মাজিফুটো কর্মা নির্বাহ করিবেন।

> বিজ্ঞাপন। ১৮৪৫ সাল ৩০ জুলাই।

গঙ মে মাদের ৬ তারিখের বাজলা গেজেটে যে দারোগারা বিভীয় শ্রেণিভুক্ত হইরাছেন তাঁহারদের নামের
ফর্দে বাকরগঞ্জের লালচিতীর দারোগা শ্রীযুত শিক্ষাথ
ঘোষ ও হাবড়ার কটরার দারোগা শ্রীযুত মার্জা গোলাম
আলীর নাম ভূমেতে লিখিত হইরাছে যেহেতুক ঐ কার্য্যকারকেরা গত মার্চ মাদের ১১ তারিখের বাজলা গেজেটে
প্রকাশিত গত ফেবুজ্জারি মাদের ২৭ তারিখের ছকুমক্রমে প্রথম শ্রেণিভুক্ত হইরাছিলেন।

১৮৪৫ माल ৬ আগঊ।

্বীরভূমের এক্টিৎ কালেক্টর প্রীযুত এফ লৌথ সা-হেব গত মাদের ৩ তারিখে আপন কর্মের ভার গ্রহণ করেন।

ভাগলপুরের সিবিল ও দেশন জন্ধ শ্রীযুত এফ প্রল্ম-বরি সাহেব বর্ত্তমান মাদের ১ তারিখে আপনার কর্মের ভার পুনর্ত্রহণ করেন।

দিবিলসম্পর্কীয় দিরিশ্তার জীযুত ডবলিউ আর বেন্ট দাহেব ও জীযুত ডি ওগলবি দাহেব এদেশীয় দুই ভা-যায় সুশিক্ষিত হইয়া দরকারী কর্মের উপযুক্ত এমত রিপোর্ট হইয়াছে।

বাঙ্গলা দেশের এযুত রাইট অনরবিল গবর্নর্ দা হেবের ছকুমক্রমে।

> এফ জে হালিডে। বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটারী।

GOVERNMENT ADVERTISEMENTS

গবর্ণমেন্টের ইশ্ভিহার

निप्रक।

SALT.

বাকীজার নেমক যাহা সন ১৮৪৫ সালের ৩০ জুন তারিখপর্যান্ত বিক্রয়ের যোগ্য মৌজুদ আছে ইহাতে শুক্তি স্ববে ফোরপর্সেট অর্থাৎ ফি ১০০/ মোনে ৪/ মোন গ্রবিক্রী রাখা যাইবেক।

| or Je Ba | 海洋和西山 | | | 湖南 (南 | रिखली। | | | | • |
|---|------------------|-------------------------------------|---------------------------------------|---------------|--|--|-------------------------|--------------|--|
| ঘাট দক্ষিণ ব | गलीनशत | | | 12 02 | ১२৪৮ मान | | ••• | *** | 8,525,99/ स्मान |
| E | ब्रे | | | 1.0 | 2582 | ••• | | *** | 6,042,00/ |
| ā | ā | | | 26 9 | >24. | | | | 11P11440,00,8 |
| E . | À | 4 | | 3.2 (4) | 5205 | *** 40 000 | 484 | | 8,872,50/ |
| গাছা | 100 | | | | 2882 | | | | 0,524/ |
| 3 | 的特殊和 | | | | 2560 | 1.0 | 新加加州的 | 1.5 | 0,000/ |
| তেরোপাইকা | 0140 | ••• | | | 2582 | | | | 2,00000/ |
| 3 | 4,24,51 | | | | 2560 | ••• | *** | *** | 0,20,859/ |
| 3 | 10.515 | es higher | | | 5265 | | | | 0,83,009/ |
| 2 5 | াছা | 100 | | 58 | 2582 | 1000 | | | 2,009/ |
| a a | B | land menth | A | | 5280 | - Statistical | | 1 | 1466,5 |
| ক্জনগ্র | 41/2 | | ra recorre | | 2582 | | | | 2,92,909/ |
| 3 | | - | | 19 -8 | 5280 | | | | 2,55,05 110 |
| B | | | | 0.8 9 93 | 2562 | | | | 1,500,000 |
| | াছা | | ••• | | 2582 | | ••• | | 0,023/ |
| 3 | B | IR ALYA | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 100 | >>00 | 多知识别 | ner lyer | 用物型 | 0,090/ |
| রামনগর | | | | | >>00 | | | 17074 | 28,020/ |
| £ . | | 0 | | | 2562 | | | | 2,88,233/ |
| গাছা | 5. 45 ONE 500 | Service and | *** (5) 5 5 | *** | 2282 | on output | warmen silver | | 20010 |
| Ē | | | | *** | 2560 | | | | 2.00/ |
| CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE | STATES OF STREET | Mary Colo Call Colo Call Street and | 6.383 m. 494 . 36. | CONTROL SOLID | Continuous Continues Conti | STATE OF THE PARTY | A SECTION OF THE PARTY. | 1575 759 755 | of the party of the same of th |

[नदर्गदमने निद्धाते। ३५८९। ३२ व्यानके।]

| | SARS N | | | 阿拉拉斯 | | AND PROPERTY. | 219 LD. 14 | M. Sandrouch and at Store |
|--|-------------------|---------------|--------------------|-------------------|-----------------|-------------------|--|-----------------------------------|
| | | | | | ত্যলুক। | | THE WARTS | a of an error if the second |
| track! | The second second | | | | 25.82 | | | 80,464/ |
| নারারণপুর | | | ALL STATES | | 0356 | | | 0,05,803/ |
| | | | | | | | LEW E | 6,93,303/ |
| <u>a</u> | | 10000 | | TO A CHANG | 25.62 | | | |
| ্ৰোকী নেমক ··· | | | | | 33 | ** | | וופאלכ |
| Y IN SECTION OF THE PARTY | ULD SELVE | | | | ৪ প্রগ্না | | Diver grown | ener eine ein zuch kemiter werter |
| | | | | | | | | |
| নারায়ণপুর বাহির | 6 | *** | *** | | 2582 | A ME LES | | 54/ |
| | ब्रे | **** | *** | 10.0 | 2582 | Steen Her | 710.0 | 2,249/ |
| | B. | | 12.4000000 | Electrifi | 2560 | | | 50,02/ |
| A DESCRIPTION OF THE PERSON OF | a · | *** | *** | 07444 | 25.62 | ** uder | | \$3,200 10 |
| ট্র ভা | ঢাল | *** | Taken itta et | 2 ** | 2582 | | 10 to - 10 to - | 2,555% |
| E | à · | 144 N 188 | | 1000 | 2582 | | 2.00 | 0,295 ho |
| à . | D. | **** (FETE | 244 | ••• | 2560 | Lave I | 1 1444 (1) 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 1 | 5,89,560 110 |
| 3 | B | Low has | | Carrier . | 2562 | *** | *** | 50,500 110 |
| বেঁওড়া | | us skost | | | 2582 | | | 502 110 |
| Æ | | | | | 2582 | | - 1. A. S. | 3,399/8 |
| and an even | # A. | TPTE A | | | >>60 | diese n | * | 0,200110 |
| গ্রিয়ত প্রিন্সেপ স | tracaa | नाजामकार्थ | র ১ পহিল | | 2582 | ••• | | 995/ |
| ब्रिक डिल्मान स | 3 | MINISTER AND | | 1 2124 | 2500 | | | |
| | PERMIT | 2.872 | | | English College | 16 * 16 + 16 H | ALCOHOL: SAV | |
| | ग्रनभूत | | | PHE | 2560 | COLUMN TO SERVICE | 10 *** 1865 | b.es9/ |
| a a la | B | ••• | ** | *** | 2562 | | | 20,590/ |
| বালিয়াঘাটা | | 10-10-11 | | BITTO ST | 2560 | miles in | | |
| ডাইমণ্ড হারবর | M - 4 - | Pristant | MC I | 4 M | " | All the second | tillere it de | >>,00>/ |
| The same | 100 | COST TO A S | e all spi | | 2562 | | ••• 3000 | 05,723/ |
| राष्ट्रधी भूगा 🕩 | 116/278 | -15 1659 | 4-78-3-3 | 10 100 | >56. | the late | Compare LCL | 2,220/ |
| | 4* | | | £ | 2562 | 10.00 | 17 1000 111111 | 20/ |
| | | Se State of | | | _ and | ALL BUT IN | 14 E 15 14 | wat or you be composed the |
| | DE ST | | | | চট্টগ্রাম। | | inda in the | I Waith of Double Car |
| নেজামপুর ডোম- | वानि | ••• | | | 2560 | *** | | 2,835,504611 |
| जे | ब | | ••• | BUX. | 52.00 | *** | | 5,000,5510 |
| সদর ঘাট | | NA DEUR | D. MEDIA | 3 5 | . 5200 | | 202 1 | 5,085,8540 |
| | | | | | 2562 | | | 2,893,55 19 |
| আরাকেন পাঙ্গা | | | *** | | 22881 | 84 | | 0,02,000 10 |
| | · · · | 7.000 | ELECTION . | | 2586 | 121 (v) 12 (s | 114 3.40 | 121 |
| | | | | | Color Color | | | |
| | | 1.018.00 | | | শালিখা। | | 一年起去 | |
| যান্ডাজ পর্মিট | i en con | Total Control | 10 To 10 444 (1-1) | 10-10- | 2845 | 180 | en en eter d | 2,82,030/2 |
| মান্দ্রাজ পর্মিট | *** | Eni-rhots | Take Market | *** | 2780 | 188 | eren distriction | 5,22,260 |
| ď | E. | | | | 2588 | 180 | | 0,82,22e40 |
| 3 | à | | | 4 | 2486 | | | 9,008/ |
| ক্রোকী করকচ | * | | | | | | | 3040 |
| 3 | | | | | 2486 | | Comp. | |
| | | | | 1 11 | | | | |
| কটক পালা | मक्रव | | Marsh-A | 1 | \$P88 | 1 84 | | 9/5II |
| बे | | - · · · | | *** | 2582 | | | 0,008 110 |
| CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF | ब | *** | 4. | | >56. | 000 | Sec. 15. | 5,58,385 No |
| থোরদা পালা | | 据"" | | | 2584 | | | 05,068 119 |
| • 3 | d | | | | 2582 | | ••• | >6,050 16 |
| B | À | 4 | *** | | 2560 | *** | | 5,20,055/ |
| বলেশ্ব পাঙ্গা | | | | W. 1 | . 2582 | (| | 5,98,52042 |
| À | ब | | | | 2560 | | | 8,20,580/ |
| à. | B | 7 | | *** | 2562 | | ••• | 3,22,252/ |
| জোকী পাঙ্গা | ×6,5 | | | *** | 2788 | 188 | ••• | 298 12 10 |
| a ,000 | E | | 4 | | 2286 | 185 | | 54511 |
| | THE PARTY | | | CALL SCHOOL STATE | | | | |

বিমৌজিব ছকুম সাহেবান আলিশান বোর্ড পর্মিট নেমক ও আফিম ইতি সন ১৮৪৫ সাল তারিখ ২৪ জুলাই। বিশ্বে বিজ্ঞাপন।

যে নেমক নিশ্চিতরপে মৌজুদ থাকিবেক তাহার হর তারিথের হাকীজায়ের ফর্দ ইপরেজী ও বাললা ভাষার এই বার্ডের দপ্তর্থানায় যাঁহার ইচ্ছা দেখিতে পাইবেন ঐ ফর্দ সর্ব্ধ সাধারণের দৃষ্টির নিমিত্তে প্রীয়ুত সেজেটারী সাহেবের দপ্তথতে প্রকাশিত স্থানে রাথা গিয়াছে ইতি।

এচ টরেন্স। সেজেটারী।

[Government Gazette, 12th August, 1845.]

(898

WAUCHOPE, Offg. Collector.

υż

NOTICE is hereby given, under Section VI. Act No. I. of 1845, that the undermentioned Estates in Zillah Hooghly, will be put up to public and unreserved sale at the Collector's Office of that क्मितियम्क हेम्डिश्व LAND ADVERTISEMENTS.

District on Wednesday, the 20th day of August, 1845, for arrears of Revenue, due on the 28th March, 1845.

| Remarks, | As. P. This Mehal has already been twice sold, but the purchasers have both times failed to but the year 1251, make good the purchase money. It is accordingly again advertized at the risk of the former purchasers. | |
|--|--|--|
| Sudder Jumma. Balance due for the year 1251, B. S. | For the year 1251, to B. S. | |
| Sudder Jumma. | Bs. | A TANK STATE OF STATE |
| Recorded Proprietor. | Lakheraj resumed Ramjee Banerjee, Ramkisto So- Mebal Bamoon- madar. dangah. | reflects the reserved to the |
| Name of Mehal. | Lakheraj resumed Mehal Bamoon- dangah, | Statement of the statem |
| No. of the Mehal on the District Rent Name of Mehal. Roll or Register. | 1698 | THE REST STATE OF SEC. |
| Class of Mehal. | I. Mehals permanently settled. | A STATE OF S |
| No. of Class. | 4 | |

Hooghly Collectorate, 5th August, 1845.

| এই মহালের প্রথম ও দ্বিন্ত য় নালামের খরি দার বাকী পোনের টাকা দাখিল না করিবায় | मन ১১৫১ मास्त्रत् मास्तर्धामामी दाखी | ş | রামজী বদ্দ্যোপাধ্যায় রাম- কুঞ্চ মমাদ্দারু | नात्यहाङ वास्त्रहा श्री बहाज दायुन्छाङा | FE ARSA | त्यामात्री रटमारखीड् शहाल | • |
|--|---|------------|---|--|-----------------------------|------------------------------|---------------|
| संबद्धा कथी | নেসনে ওনে হাসে বাকী | भस्य मुख्य | মহালের লিখিত মালিক | মহালের নাম | কেলার ভৌজিতে মহালের নমূর | महात्नहृत्वानी | त्खनीत् नष्ट् |

that District on Saturday, the 23d August, 1845, corresponding with 6th Bhado 1252, F. S. for arrears of Revenue and other demands which by the Regulations and Acts in force are directed to be NOTICE is hereby given, under Sections 6 and 16 Act I. of 1845, that the undermentioned Estate in Zillah Patna, will be put up to public and unreserved sale at the Collector's Office of realized in the same manner as arrears of Revenue.

| Remarks. | The rights and Interests in this Mehal the property of Girdhur Sing, 'Malzamin' will be put up to sale a 5th time to realize the farming Balances of Chuk Imad and Imad Mozuffer Pergunnah Gyaspore, due from | Kunbye Sing, Moostajir. T. Sandys, Collector. |
|---|---|--|
| Amount of Balance up to close of 1251, F. S. | 53 9 1 | |
| idder Jumma. | * * * * * * * * * * * * * * * * * * * | |
| Recorded Proprietor, Sudder Jumma, lance up to close of 1251, F. S. | Girdhur Sing, and ors. Maliks. | |
| No. of the Mehal on the District Rent Roll or Register. | Poosuree (Minhie) Pergunnah Gyas- pore. | |
| No. of the Mehal on the District Rent Roll or Register. | | |
| Class of Mehal. | Estate to be sold for arrears due on account of other Estates. | Patna Collectorate, 5th August, 1845. |
| No. of Class. | - | Patna |

১৮৪৫ দালের ১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারানুদারে ইহার ছারা দছাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে জিলা পাটনার নীচের লিখিড মহাল বাকী রাজ্যের এবং অন্যান্য যে দাওয়া চলিত আইন ও বিধানানুদারে বাকী য়াল-धकादीद नाम जामा कहरान छ छता जाएक छ। हाहा द निव्चित प्राप्त १० जानके अदिश त्याखातक कमनी ३१६१ मास्तिह ७ छाम मिनदात है जिनाह करनक हें नारकत्व काकाबीर के नाम हहेरहक।

आडेबाद काटलक्डेंद्री। ३४४६ माण ६ ब्याशके।

ि माजिम । कारलकछे ह

| Remarks, | After due Notification under Section V. Act I. of 1845. | . Do Do. | Бо. Во. |
|--|---|---|--|
| Balance due up to Jait, 1252, F. S. | 9 2 10 | . 2 8 9 | |
| Sudder Jumma. | 9 2 10 | 11 11 2 | 60 60 |
| Recorded Proprietors. | Erazee Mousoomay Chuck Shah Ahmud, Shah Ishak, Musst. Doost Mohamed, alias Hayatun and Musst. Oolifut, late Syeda Chuckaz Rukbay, Lakharajdars, Malicks, & others. Mirapoor, Pergunnah Ghysspoor. | Ashruf Alli, alias Dhoomun, Tuffuzul Hosein, son of Dhoomun, Musst. Bachun and Burdhoo, late Lakharajdars, Malicks, & others. | Mirjumlay Erazee, Jemay Meer Muzhur Alli, Meer Amjud Khooda Bux, viz. Ruk-bay Sewdhay, Pergun-bay Sanda. Najjuf Alli, Muset. Wajda, Najda, Najjuf Alli, and Nijabut Alli, late Lakharajdars, Malicks, & others. |
| Name of Mehal. | Erazee Mousoomay Chuck S Doost Mohamed, alias Syeda Chuckaz Rukbay, Mirzapoor, Peraigpoor, Pergunnah Ghydspoor. | Kassimpoor Dhumoul, Per-Ashruf gunnah Sanda. Muss Hate other | Mirjumlay Erazee, Jemay Khooda Bux, viz. Ruk- bay Sewdhay, Pergun- nah Sanda. |
| Number of Mehal in the district Rent Roll or Regis- ter. | 19 | , , , | 88 |
| Class of Mehal. | Estate permanently settled not on the Towjee, | Ď. | Do. |
| Number Class. | 8 | 6 | |

Patna Collectorate, 50th July, 1845.

899

| নয়র মহালের প্রেণী জিলার হৌ মহালের নাম জীতে মহালে বিলয় হ হলের নাম বিলয়ের প্রেণী জীতে মহালে বিলয়ের হলের মান্তর হিলাবিক প্রমান বিলয়ের হলের মান্তর হালাবিক বিলয়ের হলের মান্তর হিলাবিক বিলয়ের হলের মান্তর হলের হলের মান্তর হলের হলের হলের হলের হলের হলের হলের হলে | | | ৮৭ কাশীমপুর ধুমউল পং শাদা আশার্ফ আলী হোভাবেক ধুমন ধুমনেরপুল ডকন্তল ইন্দেন মদমাৎ বাচন ও বন্ধু সাবেক লাখেরাজদার মা- লিক গুণাররহ । ১১॥/২ ৬॥৭ এ এ | ৯৮ মার জুমলা ইরাজী জেমাই থোদাযেক্স অর্থাৎ মার মজহুর জালী মার আমন্তাদ আলী উদ্ভার আলী ব্রক্ষালী বিব্যাল স্থালী ও নিজাহুৎ জালী গানেক তথ্য । নাদা মদম্ম ও রোজদার মাজিক ওগরবহ। এ |
|---|------------------|--------|---|---|
| র কালেক্টর সাহেবের কাছারীতে নীলাম হইবেল নির মন্থর নাম্থন বিভাগ বেলার ভৌ বিসম্ ইন্তমরারী বলেশবন্ত ৬৪ ইন্তমরারী বলেশবন্ত ও৪ ইন্তমরারী বলেশবন্ত বিসম্ ইন্তমরারী বলেশবন্ত বিসম্ ইন্তমরারী বলেশবন্ত ও৪ ইন্তমরারী বলেশবন্ত বিসম্ বিসম্ | , IB \rangle . | 8, , , | | |

Uses Publisher Services Services

Government Gazette, 12th August, 1845.]

IN THE COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of the Petition of GOVIND-CHUNDER SEAL, late of Roopchund Roy Street, in the Town of Calcutta, Merchant and Trader, an Insolvent.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, made in this matter on the fifth day of July now last past, it was ordered, that the said Insolvent be and he was thereby remanded, and that the hearing of the matters of the Petition of the said Insolvent be and the same was and is thereby adjourned to Saturday, the sixth day of September next, with liberty to the said Insolvent to amend his Schedule filed in this matter on the twenty-eighth day of May last, and which said Schedule has been accordingly amended.

W. D. H. ORHME,

Attorney for the Insolvent.

5th August, 1845.

NOTICE is hereby given, that by an order of the said Court, the matters of the Schedule of OBHOYCHURN MULLICK, late of Dacca, but at present residing at Jorrasankoe, in the town of Calcutta, Merchant, who formerly carried on Trade and Business at Rada Bazar in Calcutta aforesaid, in copartnership with Joynarain Day, and Doorgachurn Curr, against whom an adjudication of Insolvency was made and pronounced by the said Court, on the 14th day of September, 1842, on the Petition of one Bulloram Mullick, a Creditor of the said Obhoychurn Mullick, Joynarain Day, and Doorgachurn Curr, under the Provisions of an Act made, and passed in the 9th year of the Reign of his late Majesty King George the Fourth, Chapter 73, entitled an Act to provide for the relief of Insolvent Debtors in the East Indies, are appointed to be heard in the said Court, on Saturday, the 6th day of September next.

The names of the Creditors of the said OBHOY-CHURN MULLICK, appear in a Schedule filed in the Office of the Chief Clerk of the said Court, to which any Creditor may refer.

NATHANIEL HUDSON,

Attorney for the Insolvent.

Calcutta, 6th August, 1845.

[शदर्पस्ट लिएक । ३४८०। ३२ जानक ।]

শহর কলিকাভার অক্ষম ঋণিদিগের পরি-ভোণার্থ আদালত।

কলিকাতা নগরের রপটাদ রাছের রাস্তানিবাসী মহা-জন ও সওদাগর যোত্রহীন

भाविम्ह स भीत्वत

দর্থান্তের বিষয়ে ইহার ছারা সম্থান দেওয় ঘাইতেছে যে গত জুলাই মানের ৫ তারিথে উক্ আদালত অকুম করেন্ যে উক্ত ঘোত্রহীনকে পুনরার জেলথানাতে পাচান যার ভাহাতে পাচান গেল এবং অকুম ইইল যে উক্ ঘোত্রহীনের দর্থান্তের বিষয় আগামি সেপ্টেম্বর মানের ৬ তারিথ শনিবারে অননি হয় তদনুমারে ইইবেক এবং উক্ত ঘোত্রহীন গত মে মাসের ২৮ ভারিথে যে তফ্দীল দাথিল করেন্ তাহা শুধ্রিবার অনুমতি দেওয়া গিরাছিল তদনুমারে ঐ তক্ষনীল শুধ্রাণ গিরাছে।

ডবলিউ ডি এচ ওমি। যোত্রহীনের উকীল।

३४८६। ६ जानक।

অভয়চরণ মলিক

পূর্ব্বে চাকার বাস করিতেন কিন্তু এক্ষণে কলিকাতা নগরের যোড়াসাঁকোনিবাসি মহাজন পূর্ব্বে উক্ত কলিকাতা
নগরের রাধাবাজারে জয়নারায়ণ দে এবং দুর্গাচরণ
করের রোভায় সওলাগরী করিতেন। সেই অভয়ঢ়য়৸
মলিকের ও জয়নারায়ণ দের এবং দুর্গাচরণ করের এক
জম মহাজম বলরাম মলিকের দর্থান্তমতে ঐ অভয়ঢ়য়৸
মলিক ভারতবর্ষে যোত্রহীন য়ণিরদের উপকারার্থ আইমনামক মৃত চতুর্থ জর্জ রাজার অধিকারের নরম বৎসরের
৭০ অধ্যায়ের আইনক্রমে যোত্রহীন এইমত নির্দ্ধাই উল
আদালতে ১৮৪২ দালের ১৪ দেপ্টেয়র ভারিঝে হইল।
তিদ্বিয়ের সম্মাদ দেওরা ঘাইতেছে যে উক্ত আদালতের
তকুমক্রমে উক্ত অভয়ঢ়রণ মলিকের ভফসীলের বিয়য়
আগামি দেপ্টেয়র মাদের ৬ ভারিঝ শনিবারে ভনা
যাইবেক।

উক্ত অভয়চরণ মলিকের মহাজনের দের নাম তফসীলে লিখিত হইরা উক্ত আদালতের প্রধান ক্লার্ক সাহেবের দক্তর্থানার দাখিল হইরাছে মহাজনের। ভাহা দেখিতে পারেন।

atolifara a acesa I

डेक शाजरीयाह डेकीन।

কলিকাতা ১৮৪৫। ৬ আগফী।



গবৰ্ণমেণ্ট গেজেট

গবর্ণমেন্টের আজাক্রমে প্রকাশিত।

CALCUTTA, TUESDAY, AUGUST 19, 1845.

কলিকাতা মঞ্লবার ১৮৪৫ সাল ১৯ আগঊ।

CIRCULAR ORDERS OF THE SUD-DER BOARD OF REVENUE.

No. 13.

To the Commissioner of Revenue for the Division

I am directed by the Sudder Board of Revenue to annex, for your information and guidance, a copy of the correspondence noted on the Margin,* from which you will perceive that the Government have ruled that when a resumed tenure is partly composed of parcels not exceeding 50 Beegahs in one Mowzah, such parcels are not to be included in the settlement with the rest of the tenure but excluded from it.

(Signed) G. PLOWDEN,

Offg. Secretary.

Sudder Board of Revenue, Fort William, 4th July, 1845.

Extract.

322. This is one of the cases which benefits by the 50 Beegah order 29 Bs. 19 Cs. in Mowzah Rutnyle Cheoneassun being excluded from assessment, but the Government orders on the subject, especially the letter of the 30th March, 1841, Paragraph 6, indicate that, although exempted from assessment, these small parcels of land are not to

* Extract Paragraph 322 of the Board's proceedings in

Government Orders thereon, No. 588, dated 5th June, 1843, Paragraphs 3 and 4.

the Settlement Department, dated 31st July, 1842.

Board to Government No. 195, dated 6th May, 1845, Paragraphs 13 to 20.

Government in reply, No. 481, dated 12th June, 1845, Paragraph 3.

[Government Gazette, 19th August, 1845.]

সদর বোর্ড রেবিনিউর সরকুলর অর্ডর।

১৩ নছর।

অমুক এলাকার রাজধের প্রীযুত কমিসানর সাহেব ব্রাবরেষু।

সদর বোর্ড রেবিনিউর আজারেন্ম পশ্চাৎ লিখিত পরের নকল তোমার বিজ্ঞাপন ও উপদেশের নিমিকে ভোমার নিকটে পাচাইতেছি তাহার হার। ভোমার দৃষ্ট হইবেক যে গবর্গমেন্ট এমত বিধান করিয়াছেন যে বাজেরাক্তহওরা মহালের মধ্যে যদি এক মৌঞার ৫০/ বিঘার কম থওং ভূমি থাকে তবে এ মহালের আন্যান্য ভাগের সঙ্গে এই থও ভূমির বন্দোবন্ত ধরিতে হইবেক না কিন্ত ভাহা ছাড়া হইবেক।

क्षि क्षोडन। अक्षि (महक्रमेंड्री)

সদর বোর্ড রেথিনিউ। ফোর্ট উলিরম। ১৮৪৫। ৪ জুলাই।

চুমুক।

৩২২। যে২ গতিকে ৫০/ বিঘাবিষয়ক তকুম গাটে তাহার মধ্যে এই এক অর্থাৎ মৌদ্ধা রটনাইল চুনীআসনের মধ্যে ২৯ ৬৪ ভূমির উপর কর বসান যাইবেক না। কিন্তু এই বিষয়ে গ্রহণমেট যে তকুম দিলেন বিশেষতঃ ১৮৪১ সালের ৩০ মার্চ তারিথের পত্রের ৬ দফায় অনুত্ব হয় যে এই প্রকার কুদুধ
থণ্ড ভূমি যদ্যপি কর্রহিত হইবেক তথাপি বন্দোব-

* বন্দোবস্তী ডিপার্টমেন্টে বোর্ডের সাহেবেরদের ১৮৪২ সালের ৩১ জুলাই তারিখের কার্য্যের ৩২২ দফার চুম্বত।

ত্রিমন্তি ১৮৪৩ সালের ৫ জুন তারিশ্বের ৫৮৮ নম্বরী গবর্ণমেটের অকুমের ৩। ৪ দফা।

গ্রবর্ণয়েটের প্রতি ১৮৪৫ সালের ৬ মে তারিখের ১৯৫ নম্বরী বোর্ডের পত্রের ১৩ অবধি ২০ দফাপর্যান্ত। ঐ পত্রের উত্তরে ১৮৪৫ সালের ১২ জুন তারিখের ৪৮১ নম্বরী গ্রবর্ণমেন্টের পত্রের ও দফা।

be excluded from settlement, and this must be explained to the people, and particularly provided for in the engagements taken from the persons settled with. The Paragraph I quote declares that these petty patches are not to be deemed to be for ever excluded from assessment, and that in case of purchase by Government it may become necessary to assess them. The power to do this can only be retained by retaining the patches referred to as integral parts of the Mehal, which may be done sufficiently by making mention of the land, although unassessed, in the proceedings and petition of settlement, and so including it in the arrangement. This does not involve the necessity of measuring these lands, &c. &c., but where the Taidad shows it, or the settling officer becomes aware of the fact that such parcel or parcels of land do, as in the case now before us, exist, expressions such as are used in Paragraph 5, of the Deputy-Collector's report, should be carefully avoided, and where the error has occurred, it should be rectified. The assessment is moderate; and the settlement including Arazee Mowzah Rutnyle Chooneassun, is unobjectionable.

Extract Paragraphs 3 and 4 from Government Orders, No. 588, dated 5th June, 1843.

Paragraph 3. The objection which occurs to His Honour against the proposal of the Board to include in the settlement arrangement of these Lakheraj Mehals, the portions exempted under the 50 Beegah Order is this, that the exempted portion so included would always be liable to sale for balances in which they were not concerned. Where the whole Mehal, including both the assessed and exempted portions belonged to the same parties, the injury which such a sale would inflict would not be so great as in the more numerous cases in which the owners were different, but the spirit of the 50 Beegah order would be equally infringed in both cases, for if the Mehal were bought by an individual at Public Auction, he would be fully entitled to levy a Jumma upon every part of it, and the exemption declared by Government in favor of certain portions of it would thus be entirely set aside.

4. The correspondence of 1841, to which the Board allude, did not relate to the purchase by Government of the Lakheraj Mehal itself, but to the purchase of the Zemindary within which the Mehal might be situated. In the case of the purchase of a Zemindary it was suggested by the Board that it might hereafter sometimes be proper to assess lands now exempted from assessment under the 50 Beegah Order; but this could not in any case be done by the Government as Zemindar, because the lands in question though exempted by Government from the payment of Revenue would yet be always of the kind mentioned in Section 7, Regulation XIX. of 1793, viz. portions of "land exceeding one hundred Beegahs of the measurement that may prevail in the Pergunnah wherein it may be situated, and whether lying in one village, or in two or ত্তের বহিত্ত হইবেক না এবং ইহা লোকেরদিগতে व्याद्रेट इंदेरिक अदे याद्यांत्रम् माम रामावस इव ভাহারদের বন্দোবন্তে ইহা সপাট্টরূপে লিখিতে হইবেক। में ७ मफारंड ल्लार्थ रह में कृमुर थंड छित्काल ठत् রহিত হইরাছে এমত জান করিতে হইবেক না এবং मत्कात अ अभीमाती अतीम कतिया अ अध खुशित উপর কর ধার্যা করণের আবশাক হইতে পারে। কিন্তু দেইরূপ কর বসাওনের ক্ষমতা বজায় রাখিবার নিমিত্তে ঐং খণ্ড ভূমি মহালের মধ্যগত করিয়া রাভিত্তে হইবেক এবং মধাগত রাখিবার উপায় এই যে ঐ ভূমি निकात थाकिटल अ तत्मावरखत ख़तकाती अ मत्थारखत মধ্যে তাহা বিশেষ লেখা থাকে এবং দেইরূপে বন্দার-खुत नामिल हम। किना अउमर्थ से खुमि नित्रिश्य इडि করণের আবশ্যক নাই। কিন্ত এই প্রকার এক বা ততোধিক খণ্ড ভূমি থাকনের বিষয় যথন তায়দাদে मुक्के इब दा दल्मादरखद कर्म्मकादी व्यवशंख তথন ডেপুটা কালেক্টরের রিপোর্টের ৫ ধারাতে যেং প্রকার কথা লেখা আছে সেইং প্রকার কথা লেখা অনুচিত এবং যেখানে এইরূপ ভূম হইরা থাকে দেখানে তাহা সংশোধিত করিতে হইবেক। সেই মহালের কর মাজামাজি ধার্যা হইরাছে এবং আরাজী মৌজা রট-নাইল চুনীআসনের বন্দোবস্তের বিষয়ে কোন আপত্তি

১৮৪৩ সালের ৫ জুন তারিথের ৫৮৮ নমুরী গবর্ণ-মেন্টের অকুমের ৩ ও ৪ দফার চুমুক।

৩ দফা। যে২ খণ্ড ভূমি ৫০/ বিঘার তকুমের অনুসারে নিফর থাকে তাহা ঐ লাথেরাজ মহালের বন্দোবত্তের অন্তর্গত করিতে বোর্ডের সাহেবেরা যে প্রস্তাব করিয়াছেন তাহাতে প্রিযুতের এই আপরি দুষ্ট হর যে এ নিষ্কর খণ্ড ভূমি যে বকেয়া টাকার সঙ্গে সম্পর্ক না রাখে সেই প্রকার वत्कता छोकात निशिष्ट नीलाम इंश्रामत रहाना इंहेरवक। য়খন সকর ও নিফকর ভূমিযুক্ত তাবং মহাল একি ব্যক্তিরদের থাকে তথন ঐ নীলামেতে ভাদশ ক্ষতি হই-বেক না কিন্তু সকর নিষ্কর ভূমির মালিক পৃথক্ই চাক্তি इंडेरल অভিক্ষতি इंडेरवक এव^९ অধিকা^९শ গতিকে ঐ দই প্রকার ভূমির ভিন্নথ মালিক আছে। কিন্তু উভয় গতিকে ৫ - / বিঘার ছকুমের অভিপ্রায় তুলারুপে অনাথা হই. বেক যেহেতৃক কোন ব্যক্তি যদি ঐ মহাল নীলামে খরীদ করেন তবে তাহার প্রত্যেক ভাগের উপর সম্পূর্ণরূপে জমা বসাইতে তাঁহার ক্ষমতা থাকিবেক এবং কোনং খণ্ড নিষ্কর ধার্য্য করিতে গ্রণ্মেন্ট যে তক্ম করিয়াছেন ভাহা একেবারে বিফল হইবেক।

४। ১৮৪১ माल्लद य পद्धित तार्दित मार्ट्यता उटल्लं করিয়াছেন তাহাতে সর্কারের তর্ফে লাথেরাজ মহাল थादीम क्द्रप्त विषय निश्चिष्ठ इस नाई किन्छ या अभीमा-तीत मध्या वे लाटशताल महाल थाटक टमडे लभीनाती थातीम कत्रापत विषय (लार्थ) वार्रित मार्टित्व। मरक्र कविशाष्ट्रितन य अभीमाती मत्कादत्त् उत्रक थातीम হইলে যে খণ্ড ভূমি এইকাণে ৫০/ বিহার প্রমানুসারে নিফ্কর ধার্যা হইল ভাহার উপর কর বসান উচিত হইতে পারে। কিন্ত সরকার জমীদার হইরা কোন গতিকে এই-রূপ কর্মা করিতে পারেন্ না যেহেত্ক ঐ ভূমি ঘনাপি গবর্ণমেন্ট করর হিত করেন্ তথাপি তাহা নিয়ত ১৭৯৩ সা. লের ১৯ আইনের ৭ ধারার লিখিত প্রকার ভূমি নিতা হই-रिक वर्षी "हम्रद्र जी ১৭৯ । मालत ১ एरमश्दर शृत्क य ভূমি এক গ্রাম কিয়া অনেক গ্রামে নিফকর ক্রমে এক-যোগে দান হইয়া থাকে দেই ভুমি যে প্রগনায় আছে দেই পর্গনার চলন মাপের মুখে যদি ১০০/ বিঘার অধিক হয় দেই ভূমির এক অংশ।" অভএব যদি সর-

more villages, and alienated by any one grant made previous to 1st December, 1790." The Government, therefore, coming in as purchaser of the Zemindary, could only assess these lands as Government, and not as Zemindar. But if, as the Board now suggest, these exempted lands were included in the settlement arrangement of the resumed Lakheraj Mehal to which they appertained, they could never afterwards be assessed at all by the Government when coming in as purchaser of the Zemindary within which they might be situated, for then they would be part and parcel of a Mehal already settled with Government.

Extract from a letter from the Officiating Secretary to the Sudder Board of Revenue, to the Secretary to the Government of Bengal, in the Revenue Department, dated 6th May, 1845, No. 195.

Paragraph 13th. I am desired to take this opportunity of noticing the objections made in Paragraphs 3 and 4, of Mr. Halliday's letter, of the 5th June, 1843, (No. 588,) against the proposal of the Board to include, as a general rule, in the settlement of resumed Mehals the parcels exempted from assessment under the 50 Beegah Order of the 26th January, 1841.

14th. In Paragraph 8th of their letter of the 13th March, 1841, (No. 152,) the former Board observed, that they presumed it was not intended that such parcels were to be formally recognized as exempted from assessment, for in the event of the Mehals in which they exist coming into the possession of Government, it would probably be found necessary for the maintenance of the Government Jumma that they should be brought under assessment, as there was reason to believe that Taidads of this nature were fraudulently given in to a very large extent for the very purpose of enabling the Zemindars to retain possession, as Lakheraj, of portions of their Mal Land in the event of their Estates being sold for arrears. In these views the Government concurred, vide Para. 6 of your letter of the 30th of the same month, No. 512.

15th. Subsequently, the Junior Member, Mr. Lowis, in submitting some Rajshahye Settlements for the Orders of Government, with the Board's letter of the 30th July, 1842, (No. 84) conceiving the Mehals referred to in the above correspondence to · be the Lakheraj Mehals to which the Petty parcels under 50 Beegahs in one Mowzah might belong, and not the Mal Zemindarees within which they might chance to lie, pointed out that the power to assess such parcels in the event of the parent Lakheraj Estate being purchased by Government, could only be retained by retaining the parcels in question as integral parts of the parent Estate, which might be done by including them in the Settlement, although not assessing them, just as unassessed waste Land continues an integral part of the Estate to which it appertains.

16th. Your Letter under notice explains that [Government Gazette, 19th August, 1845.]

সদর বোর্ড রেনিনিউর এক্টিং সেক্রেটারী সাহেব রেনিনিউ ডিপার্টমেন্টে ১৮৪৫ সালের ৬ মে তারিথের ১৯৫ নমূরী যে পত্র বাজলা দেশের গ্রন্থেনেন্টের সেক্রে-টারী সাহেবের নিকটে লিখিলেন তাহার চুমুক।

১৩ দফা। যে২ এও ভূমি ১৮৪১ সালের ২৬ জানুজারি তারিথে ৫০/ বিঘার হুকুমানুসারে করর হিত হইল দেইই এও ভূমি বাঙেরান্তহওয়়া মহালের বন্দোবন্তের অন্তর্গত করিতে যে সাধারণ নিরম করপের প্রস্তাব বোর্ডের সাহেবরা করিয়াছিলেন দেই প্রস্তাবের বিষয়ে ১৮৪৩ সালের ৫ জুন তারিথের ৫৮৮ নম্বরী প্রমুত হালিডে সাহেবের পত্রের ৩ এবং ৪ দফাতে যে২ আপত্তি লেখা গিয়াছিল দেইই আপত্তির বিষয়ে এই সুযোগে বোর্ডের সাহেবের। আপনারদের অভিপ্রায় লিখিতেছেন।

১৪। সাবেক বোর্ডের সাহেবেরা ১৮৪১ সালের ১৩ মার্চ তারিখের ১৫২ নমুরী আপনারদের পত্রের ৮ দফা-তে লিখিয়াছিলেন যে ঐ থও ভুমি রীতিমত কর্রহিত হীকার করণের অভিপ্রায় নহে এমত আমারদের বোধ আছে কেননা যে মহালের পেটাও ঐ খণ্ড ভূমি থাকে তাহা সরকারের দথলে আইলে হইতে পারে যে সরকা-রের রাজ্য সম্পূর্ণ করিয়া রাখিবার নিমিতে ঐ খণ্ড ভূমির উপর কর বসাওনের আবশ্যক হইবেক যেহেতক বোধ रम य এই প্রকার ভায়দাদ জমীদারের। অভিবাজলারপে চাত্রীপুর্মক এই অভিপ্রারে দাখিল করিরাছিলেন যে दाकी शासानात निधिद्ध आधात्रदम् स्थीमाती दिक्क হইলে আমরা আমারদের মালের ভূমির ফুদৃং অংশ লাখেরাজ বলিয়া আপনারদের দখলে রাখিতে পারিব। দেই মাদের ৩০ তারিথের ৫১২ নমুরী পত্রের ৬ দফার দারা দৃষ্ট হইতেছে যে গবর্ণমেন্ট ইহাতে সম্মত হইয়াছি-(लग ।

১৫। তংপরে বোর্ডের ছিতীয় মেমুর প্রীয়ত লৌইম मार्टित तामगाहीत कडक तत्नातरस ১৮৪२ मारलत् ७० জ্লাই তারিখের ৮৪ নমুরী বোর্ডের পত্রের মঙ্গে গ্রহণ-মেন্টের অকুম পাইবার নিমিত্তে তথার পাচাইরাছিলেন তৎসময়ে তিনি লিখিলেন যে যে লাখেরাল মহালের শামিল এক মৌজাতে ৫০/ বিঘার ন্যুন এতং ভূমি থাকে সেই লাথেরাজ মহালের বিষয় সেই পত্রে লেখে এবং যে মাল জমীদারীর মধ্যে দৈবাৎ দেই এও ভূমি ছিল তাহার বিষয় লেখে নাই এবং তিনি তৎসময়ে জ্ঞাত করি-রাছিলেন যে এই এও ভূমি আসল জমীদারীর মধ্যগত ভাগের ন্যায় বজায় না রাখিলে ঐ আসল লাখেরাজ ख्याधिकात मत्कादत्त उत्रक श्रीम श्रेटन मत्कात् সেইং এও ভূমির উপর কর বদাইতে পারিবেন না এবং যেরপে কর ধার্যা না হওয়া গর আবাদী ভুমি যে अभीमातीत गामिल भारे अभोमातीत स्थानक ভारतत ন্যায় থাকে দেইরূপে এইং খণ্ড ভূমির উপর কর না বদাইয়াও বন্দোবন্তের অন্তর্গত করিলে দেই কর্মা দিছ इटेंट्ड शाद्त ।

১৬। তোমার যে পত্রের উত্তর এক্ষণে দিতেছি

it was not the purchase of the Lakheraj Mehal but a Mal Zemindaree which might comprize the exempted portions of a Lakherej Mehal which was contemplated in the former correspondence. This places the question in a different light altogether from that supposed by Mr. Lewis, for of course if the unassessed parcels were included in the Settlement of the Lakheraj Mehal they could never afterwards be assessed in the event of Government becoming the purchaser of the Zemindaree within which they might chance to lie.

17th. The present Board are however disposed to doubt the soundness of the views on this head expressed by the former Board, for it follows from them that the mere non-assessment of the small parcels spoken of detaches them from being part and parcel of a Mehal already settled, which is not the case, and their actual recognition and resumption now as part and parcel of Lakheraj Estates appears to forbid that at some future time they may be arbitrarily treated as distinct holdings, or as appertaining to Mal Zemindarees. But supposing the legality of the proposed course of procedure to be established, the Board are doubtful whether it would be of any practical benefit; because at a future, and it may be distant period, it would be exceedingly difficult to identify the parcels for which the Government now decline to institute resumption proceedings, or for which, being resumed, they postpone sueing out complete execu-

18th. The Board remark also that the 50 Beegah Order is understood by the public, as the Board believe, to convey a final and formal exemption from Assessment of Lakheraj parcels not exceeding 50 Beegahs in one Mowzah which had not been resumed on the 26th of January, 1841, or which having been resumed had not been settled prior to that date. It is needless to say that this impression does not tally with the prospective swallowing up of such parcels by the Government when it chances to become the Zemindars to maintain any lieu of this kind over these lands would materially depreciate their value, while the Revenue would derive no additional security of any real importance from the measure. It appears to the Board, therefore, that such a practice would be hurtful, as well as useless, and altogether at variance with the liberal spirit which has ruled all questions relating to the enforcement of the Resumption Law. It is true, as the former Board observed, that the Zemindars made up Lakheraj Mehals upon which to fall back in case of a sale of their Zemindaree, but it is certain that they did not content themselves with so appropriating only small bits under 50 Beegahs, and the proposed practice would prove no antidote to such frauds.

19th. The argument put in the 3rd Paragraph of your letter under notice would also seem to militate against the spirit of the 50 Beegah Order, as the Board have hitherto understood it; for it im-

ভাহাতে কাইট লেখে যে পূর্ফের পত্রে লাখেরাল মহালের গরীদের বিষয় উল্লেখ হয় নাই কিন্তু যে মাল জমীদারীর মধ্যে লাখেরাল মহালের কর ধার্যা না হওয়া ভূমি থাকে ভাহা। এই বিষয়ে জীমুত লোইক লাহের যেরুপ জনুভর করিরাছিলেন ভদপেকা অন্য প্রকারে দৃষ্ট হইতেছে যেহেতুক কর ধার্যা না হওয়া থও ভূমি যদি লাখেরাল মহালের বন্দোবন্তের মধ্যে ধরা যায় তবে যে জমীদারীর মধ্যে দেই খও ভূমি থাকে দেই জমীদারী সরকারের ভর্কে খরীদ হইলে এই খও ভূমির জমাধার্যা হইতে পারে না।

one bly by mit and Immire the Children by Cally

The parameter access the parameter of the late of the

১৭। किन्तु मादिक द्यार्ज अहे विघटण स्य विद्युष्टमा করিয়াছিলেন ভাহা এক্ষণকার বোর্ডের সাহেবেরা যথার্থ বোধ করেন না যেহেতক ভাহাতে এই ফল হয় যে উক্ত কুদুং এও সুদ্ধ কর্রহিত রাখিলে তাহা বন্দোবস্তহওয়া মহালের ভাগ ও অন্তঃপাতি আর থাকিতে পারে না কিন্তু এইমত নহে এবং এক্ষণে লাখেরাজ ভূমির অংশ ও খণ্ড বিধার যদি তাহা বাজেরাক্ত হয় এবং যদি তাহা স্বীকৃত হয় তবে বোধ হয় যে উত্তর কালে তাহা বতন্ত্রং জুমির ন্যায় অথবা মাল জমীদারীর শামিল জান হইতে পারে না। किन अहेतरल दय कम्म कतरभत श्रद्धार व्हेत्रारक जाहा रामा-পিও আইনসিদ্ধ হইত তথাপি বোর্ডের সাহেবেরা বোধ করেন যে ভাছাতে প্রকৃত উপকার হইবেক না যেহেতৃক উত্তর কালে এবং হইতে পারে যে অভিদীর্ঘ কালের পর যে খণ্ড ভূমির বিষয়ে সরকার বাজেরান্তী কার্যো প্রবৃত্ত হইতে চাহেন্ না অথবা বাজেয়াক হইলেও ভাহা সিফ করিতে চাহেন্না ভাহা চেনা দ্যকর হইবেক।

e and the analytican distribute as take the

১৮ ৷ বেটের সাহেবেরা আরো লেখেন যে আমার দের অনুভবে দর্জ দাধারণ লোকের এমত বোধ আছে যে ৫০/ বিঘার বিষয়ি তকুমের দারা এক মৌজান্থিত ৫০/ বিঘার কম মেং থণ্ড লাখেরাজ ভূমি ১৮৪১ সালের ২৬ জানুআরি তারিখে বাজেয়াক্ত হয় নাই অথবা বাজে-য়াফ্ত হইলে ঐ ভারিথের পূর্মে বন্দোবস্ত হয় নাই দেই? থণ্ড জুমি চুড়ান্তরূপে নিষকর হইল। কিন্তু যদি গবর্ণমেন্ট रेनदा॰ से মহালের स्मीमात हहेला मह मकल अखेर ख्रीमत উপর কর বসানের ক্ষমতা রাখেন তবে ঐ সকল লোকের বোধ মিথ্যা হইল যদি ঐ কুদু খণ্ড ভূমির উপর সরকা রের কোন দাওয়া থাকে তবে এ এও ভূমির মূল্য অভিনান হইবেক অথচ তদ্ধার। সরকারের সাধারণ রাজ্যের কোন অধিক উপকার হইবেক না। অভএব বোর্ডের সাছেবের-प्तृ तोध इटेटल्स् स **এ**डेक्स कर्या कहा स्थान खनाव-শ্যক তেমনি অপকারক এবং বাজেরাস্ত আইন জারী কর-ণের সময়ে সরকার যেরপে বদান্যভা করিয়াছেন ভাহার বিপরীত হইবেক। মাবেক বোর্ডের মাহেবেরা লিথিয়া-क्टिलन य अभीमाद्द्रता आएथहाअ भराल कहिया हारथन् " তাহার অভিপ্রায় এই যে জমীলারী বিজ্ঞার হইলে তাঁহার-দের ঐ ফুদ্ মিকার ভূমি থাকে। কিন্তু তাঁহারা যে এইরপ কেবল ৫°/ বিঘা কুদু২ ঋণ্ড স্বতন্ত্র করিয়া রাশিয়াছিলেন हेहा मूछा बदह बद्द मद्रकाद बक्करन याहा कतिएक छेना व ভাহাতে এরপ চাত্রী নিবারণ হইবেক না।

১৯। তোমার পরের ও নফার যে যুক্তি লেখা আছে তাহাতে বোর্ডের দাহেবেরা এইপর্যান্ত ৫০/ বিভাবিবরত ত্কুমের যে ভাব অনুভব করিয়াছেন তাহার বিপরীত হয়। যেহেতুক তাহাতে এই উপলব্ধি হয় যে যে লাখে-

(大学)、1一个以外以及1000年(1000年)

21174 S. 2025 C. 20174 L. 2018 D. D.

plies that the boon was not intended for the common benefit of all the sharers in a Lakheraj Mehal of which any portion might be composed of parcels of 50 Beegahs or less in one Mowzah, but only of the holders of one or more of such parcels. The Junior Member's proposal was that such portions should continue, although unassessed, by being included in the Settlement, to be parts and parcels of the resumed tenures, just as Khanabarie and Neej-jot, or uncultivated waste lands, are of Estates of the Decennial Settlement, and this would have given, as the Board supposed was intended by the 50 Beegah Order, all the brotherhood of Lakherajdars some of the benefit, or a chance of some of the benefit, of the Government bounty. But according to the views expressed in the 3d Paragraph of your letter, it would seem that such was not intended to be the effect of the order. For example, if one parcel of 90 Beegahs and two of 45 Beegahs each, all in different Mowzahs, were all possessed by one Lakherajdar, the proposal of continuing to consider the 3 as one Mehal (although only the 90 Beegahs are assessed) would not, it is stated, be of much consequence, but if one of two brothers possessed the 90 Beegahs' parcel, and the other possessed the two of 45 Beegahs each, then it would be a remarkable deviation from the Government intention, as it is implied not to make the one brother pay the whole and the other none at all.

20th. To obviate such a result, as well as upon the considerations previously set forth, the Board would recommend that it be held under the 50 Beegah Order, that when a resumed tenure is partly composed of parcels not exceeding 50 Beegahs in one Mowzah, such parcels be included in the settlement of the tenure, but exempted from specific Assessment, and that all Rent free tenures entirely composed of parcels not exceeding 50 Beegahs in one Mowzah, whether resumed or untried, be declared finally exempt from Assessment.

Extract Paragraph 3d from a letter from Under Secretary to Government of Bengal, to the Officiating Secretary to the Sudder Board of Revenue, No. 481, dated 12th June, 1845.

Para. 3rd. In the last Paragraph of your letter under reply, occasion has been taken to re-agitate a question of some intricacy connected with the Settlement of resumed Lakheraj Estates composed in part of parcels of land exempt under the 50. Beegah Order from assessment. On this subject, after much careful consideration, and in accordance with the views of the Board, as it was constituted in 1841, the Government gave a final decision on the 5th June 1843, with which it is not thought advisable by His Excellency to interfere.

(True Extracts)

(Signed) G. PLOWDEN,
Sudder Board of Revenue, Offg. Secretary.
Fort William, 4th July, 1845.

[Government Gazette, 19th August, 1845.]

রাজ মহালের কোন অংশ এক মৌজান্থিত ৫০/ বিহা অথবা ভাহার কম থণ্ড২ ভূমি লইরা হয় সেই মহালের সকল সরীকের মাধারণ উপকারের নিমিত্ত ঐ অনুগ্রহ করা যায় নাই কিন্ত কেবল সেইপ্রকার এক বা তভোধিক থাও ভামির মালিকের নিমিত্তে করা গিয়াছিল। দ্বিতীয় যেমূর সাহেব এই প্রস্তাব করিয়াছিলেন যে ঐ খণ্ড ভ্রমি যদ্যপি নিষ্কর ধার্য্য হয় তথাপি বন্দোবস্তের শামিল হওয়াপ্রযুক্ত ঐ বাজেয়াফ্রী মহালের ভাগ ও অংশের ন্যায় বজায় থাকে যেরুপে খানাবাড়ী এবং নিজ্যোত অর্থাৎ গরআরাদী ভূমি দশদনী বন্দোবত্তের মহালের শামিল আছে। বোর্ডের সাহেবের। বোধ করিলেন যে এই-क्रश हडेरल ६०/ विद्यादिष्यक छुदूरम् बादा मकल লাখেরাজদার সরকারের অনুগ্রহের কিঞ্জিৎ উপকার প্রাপ্ত হইত অথবা সেই কিঞ্জিৎ উপকার প্রাপ্ত হওনের সম্ভাবনা হইত এবং বোর্ডের সাহেবেরা বোধ করেন যে সকল লাখেরাজদারকে সেইরূপ অনুগ্রহকরা ঐ তকুমের অভিপ্রায় ছিল। কিন্ত ভোমার পত্রের ৩ দফার লিখিত ছকুমের ছার। দৃষ্ট ইইতেছে যে ঐ ছকু-মের এইরূপ ফল হওনের মানস ছিল না। যথা যদ্যপি ৯০/ বিঘার এক এও ভূমি এবং ৪৫/ বিঘা করিয়া দুই থাও ভূমি ভিমাং মৌজায় এক জন লাঝেরাজদারের দ্থালে থাকে এবং সেই তিন থণ্ড ভূমি যদি এক মহাল জ্ঞান করা যার ভবে কেবল ঐ ৯০/ বিয়ার উপর কর বসান গেলেও ভাহাতে কিছু ক্ষতিবৃদ্ধি হইত না। কিন্তু যদি দুই ভাতার মধ্যে এক জনের ঐ ৯০/ বিঘার ঝও ভুমি থাকে এব॰ অন্য জনের ৪৫/ বিঘা করির। দুই খণ্ড ভূমি থাকে তবে এচ ভাতা যে কর দিবেক ও অন্য ভাতা কর দিবেক না ইহাতে গবর্ণমেন্টের অভিপ্রায় বি-

২০। এইরপ না ছইবার নিমিন্তে এবং যে কারণ
পূর্কে দর্শান গিগছে তলুইে বোর্ডের সাহেবেরা একথে
পরামর্শ দিতেছেন যে ৫০/ বিঘার ভূমিবিষয়ক অকুমানুগারে ইহা ধার্য হর যে যখন কোন বাজেআন্তী মহাল
এক মৌজান্তিত ৫০/ বিঘার ন্যুন খণ্ড২ ভূমি লইয়া হর
তখন দেই সকল খণ্ড ভূমি দেই মহালের বন্দোবত্তের
শামিল করা যায় এবং তাহার উপর হোন বিশেষ কর্ধার্য
না হয় এবং যে সকল নিফকর ভূমি এক মৌজান্তিত ৫০/
বিঘার অনুর্গ খণ্ড২ ভূমি লইয়া হয় তাহা বাজেয়ান্ত ইইলেই কিয়া তজবীক্ষ না হইলে চূড়ান্তমতে নিক্করয়পে
ধার্য হয়।

বাঙ্গলা দেশের গবর্ণমেন্টের প্রীযুত ছোট দেক্রেটারী সাহেব ১৮৪৫ সালের ১২ জুন তারিথের ৪৮১ নম্বরী যে পত্র সদর বোর্ড রেবিনিউর এক্টিৎ দেক্রেটারী সাহে-বের নিকটে লিখিয়াছিলেন তাহার ৩ দফার চুমুক।

ও দফা। তোমার পত্রের শেষ দফার যে বাভেয়াঞ্জী লাথেরাজ মহাল কুদুং এও ভূমি লইরা হয় এবং সেই ভূমি ৫০/ বিহাবিষয়ক হাকুমানুসারে নিক্ষর হইয়াছে সেই মহালের বন্দোবস্তের বিষয়ে একপ্রকার কঠিন ব্যাপার পুনর্ফার উত্থাপন করিয়াছ। এই বিষয়ে অনেক বিবেচনানন্তর এবং ১৮৪১ সালের বোর্ডের সাহেবেরদের অভিপ্রানুসারে গ্রন্থিমেন্ট ১৮৪৩ সালের ৫ জুন ভারিখে চূড়ান্তরপে নিক্ষান্তি করিয়াছিলেন এবং প্রায়ুত ঐ নিক্ষান্তি অন্যথা করিতে চাহেন্ না।

(যথার্থ চুমুক।)

জি প্লৌডন। সদর বোর্ড রেবিনিউ। এক্টিং সেক্টোরী। ফোর্ট উলিয়ম। ১৮৪৫।৪ জুলাই।

JOHN C. MARSHMAN, Bengalee Translater-

EDUCATION.

NOTICE.

RULES for the Examination of Candidates for insertion in the list directed to be annually furnished to Government by the Notification of the Governor-General, dated 10th October, 1844.

- 1. No one shall be allowed to become a Candidate for insertion in the Annual Returns, who is less than 18 or more than 23 years of age; and who is not at the time a Student either of a Government or of a private Institution recognized by the Council of Education. All competitors must likewise produce satisfactory proofs of good moral character.
- 2. Every Candidate, whether he belong to a Government College or a private Institution, shall be required to undergo the usual Annual Examination for Senior English Scholarships, a Latin being substituted for a Vernacular Essay, at the option of each Candidate.
- 3. There shall be two classes of merit: the first shall comprehend all who are in the last year of a Senior Scholarship, or who, though not actually in the last year, would be so, if there had been a vacant Scholarship at the time when they first became eligible for one; or have been engaged for ten years in the study of English at a private Institution, and who obtain at least \(\frac{3}{4}\)ths of the number of marks allowed in each subject. The second class shall include all other Candidates, who obtain at least \(\frac{1}{2}\) of the number of marks allowed for complete answers in every subject contained in the Senior English Scholarship standard.
- 4. The place of each successful competitor in his class, shall be determined by the relative merit of his examination.
- Every Candidate for insertion in the Council's list, shall pay a registration fee of Company's Rupees 5, prior to being allowed to compete at the examination.
- 6. The examinations shall be held annually at the Town Hall, a few days before the Doorgah Poojah holidays, of which due notice shall be given.
- 7. A Student who shall fail to prove himself qualified for insertion in the Council's list, shall not be permitted to present himself for examination more than three times, pre-paying on each occasion the usual registration fee.
- 8. A Candidate whose name shall once have appeared in the Return, shall not be allowed to compete again with a view to obtain a higher grade.
- 9. All Candidates, whether from Government or private Institutions, must distinctly understand, that mere insertion in the Returns will by no means be a sure passport to employment, since the pre-

विमाधाशन ।

বিজ্ঞাপন।

প্রীযুত গরর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের ১৮৪৪ দালের ১০ অক্টোবর তারিথের বিজ্ঞাপনানুসারে কর্মাকাজ্জিরদের নামের যে ফর্দ্দ বৎসরেই গর্থমেন্টকে দিবার হুকুম হইরাছে সেই ফর্দেওে লিখিবার হোগ্য কর্মাকাজ্জিরদের ইম্ভিহানের

विधान।

- ১। যাহার আটার বংশরের কম কি তেইশ বংশরের অধিক বয়স্ হয় এবং যে জন ইমভিহান দেওনের সময়ে গবর্গমেন্টের কোন এক কালেজের অথবা বিদ্যাধ্যাপ-নের কৌন্দেলের স্বীকৃত কোন বিদ্যালয়ের ছাত্র না হয় সেই জন বার্ষিক রিপোর্টে আপান নাম লিখনের আকা-জিক্রদের মধ্যে গণ্য হইতে পারে না। কর্মাকাজিক দকল লোকের আবশ্যক যে আপানারদের সদাচারিতার বিষয়ে ছব্লোধজনক প্রমাণ দের।
- ই। প্রত্যেক জন কর্মাকাজ্জী গবর্ণমেন্টের কোন কালেজের সম্পর্কীর হউক কিছা বিশেষ বিদ্যালয়ের সম্প্র কীয় হউক ইলরেজী প্রধান বৃত্তি প্রাপণার্থ ছারের। বংসরেই যে ইমতিহান দিয়া থাকে তাহা দিবেক কিছ কর্মাকাজ্জী আপন ইচ্ছামতে এদেশীর ভাষার এসে অর্থাৎ রচনা না লিথিয়া লাটিন ভাষার লিথিতে পারে।
- ৩। যোগ্যতার দুই সংপুদায় হইবেক। যাহারদের
 প্রধান বৃত্তি ভোগের শেষ বৎসর হইরাছে অথবা যাহারদের নিতান্তই শেষ বৎসর হয় নাই কিন্ত তাহারদের
 বৃত্তি পাইবার যোগ্য হওন সময়ে বৃত্তি শুন্য থাকিলে
 এবং তাহার তাহা পাইলে একণে ঐ বৃত্তির শেষ বৎসর
 হইত অথবা যাহারা কোন বিশেষ বিদ্যালয়ে দশ বৎসর
 পর্যান্ত বিদ্যা শিক্ষা করিয়াছে এবং ইমতিহানের
 প্রত্যেক বিষয়ে যত চিহ্ন নির্দিন্ত আছে তাহার চারি
 অংশের অন্যুন তিন অংশ পায় তাহারা প্রথম শ্রেণীভুক
 হইতে পারে। এবং ইলরেজী প্রধান বৃত্তি পাইবার নিমিতের যেহ বিয়য়ে ইমতিহান দিতে হয় তাহার প্রত্যেক
 বিষয়ে নির্দিন্ত চিচ্ছের অন্যুন অর্দ্ধ অংশ যাহারা পায়
 এমত অন্যু সকল কর্মাকাক্ষী বিতীয় শ্রেণীভুক হইবেক।
- ৪। ইমতিহানের সময়ে কৃতকার্য্য কর্মাকাজ্ফির্দের প্রণের তারতম্য বুঝিয়া তাহারা সম্পুদায়ের প্রথম ছিতী-য়াদি স্থানে ভর্তি হইবেক।
- হ । যাহার। কৌল্লেলের ফর্দে নাম লেখাইতে আ-কাল্কা রাখে তাহারদের ইমতিহানে প্রতিযোগিতা করণের অনুমতি পাইবার পূর্কে কোও ৫১ টাকা ফিদ দিতে হইবেক।
- ৬। ইমতিহান বৎসরে দুর্গা পূজার ছুটার কএক দিবস পূর্বেটোন হালে হইবেক ভাহার সম্বাদ উপযুক্তমতে দিন থাকিতে দেওয়া যাইবেক।
- ৭। যে কোন ছাত্র কৌন্সেলের ফর্ন্সেতে আপন নাম লেথাইবার যোগ্যভার প্রমাণ না দের সে তিন বারের অধিক ইমতিহান দিতে পারিবেক না এবং সেই প্রত্যেহবারের পূর্বে ভাহার উক্ত ফিদ দিতে হই-
- ৮। যে কর্মাকাজ্জির নাম ফর্কেতে লেখা যায় দেই জন উচ্চ শ্রেণী পাইবার অভিপ্রায়ে পুনর্বার ইমতিহান দিতে অনুমতি পাইবেক না।
- ৯। গ্রন্মেন্টের ও বিশেষ বিদ্যালয়ের সকল কর্মা-কাজ্জী স্পাষ্টরূপে জানিবেক যে তাহারদের নাম ফর্নেডে। লিখিত হইলেই তাহারা নিতান্ত কর্ম্ম পাইবেক এমত নহে

[बादर्वदम्बे कारको । ১৮৪৫ । ১৯ **आ**त्रके ।]

ference must depend upon other qualifications, as well as upon literary and scientific acquirements, and good moral conduct.

10. The following is the system of examination adopted, and the standard of the Senior English Scholarships referred to in Rule 2.

Sets of questions on the various branches of study will be prepared under the direction of the Council of Education, who will likewise fix within a reasonable time beforehand, the days on which the examinations shall be held.

The Students shall be assembled in a room without books, papers or references of any kind. They shall not be allowed to communicate with each other during the examination, and on that account shall be placed at a proper distance from each other.

They will be required to answer the questions and to write the essays without any assistance whatever, and to ensure this, one of the Members of the Council of Education will remain in the room, and superintend the whole examination.

Any attempt at, or practice of, unfair means, shall subject the offender to exclusion from the examination—as well as from the Returns of the Council, and thereby render him ineligible for Government employment.

The Council of Education will fix an uniform standard of value for each question according to its importance, a perfectly correct and complete answer will obtain the full number of marks attached to the question, an imperfect answer will obtain a part only of the full number, in proportion to its approximation to correctness and completeness. At least 50 per cent. of the aggregate number of marks attached to an entire set of examination questions, will be necessary to entitle a Student to a Senior Scholarship.

The following are the qualifications for the Senior English Scholarships:-

English Essay.—The Candidate must compose a fair English Essay.

History.—He must know the leading facts of Universal History, with special reference to the Histories of Greece, Rome, India, England and Modern Europe. The course of History which will form the subject of each Annual Examination, will be made known by the Council of Education on or before the 15th of June of the previous year.

General Literature,—He must be able to explain passages of Prose and Verse, selected from standard authors. Hereafter the works from which the passages will be selected for the ensuing year, will be fixed by the Council of Education, at least one year before each Annual Scholarship Examination.

Mathematics.—He must have a knowledge of Algebra as treated of in Peacock's work on the subject, and in the Chapter on Chances in Wood's Algebra. Of Euclid, he must know the first four books, the fifth definition of the 5th book, the 6th

কেননা বিদ্যাতে নিপুণতা এবং সদাচারিতা ভিন্ন অন্যান্য গুণেরও আবশ্যক হইবেক।

১০। ইমতিহানের এইং নিরম হইবেক এবং প্রথম ইঙ্গরেজী বৃত্তির যে হার ২ বিধিতে লেখা আছে তাহা এট।

বিদ্যার নানা শাখার বিষয়ে নানা প্রশ্ন বিদ্যাধ্যাপ-নের কৌলেলের অকুমানুসারে প্রস্তুত হইবেক এবং যে দিবদে ইমভিহান হইবেক তাহা উপযুক্ত সময় থাকিতে ভাঁহারদের দ্বারা নিরূপণ হইবেক।

ছাত্রেরা এক কুঠরীর মধ্যে একত্র হইবেক তাহারদের কোন কেতাব বা কাগজ কি ঘাহাতে কিছু অবগত হইতে পারে এমত কিছু থাকিবেক না ইমতিহানের সময়ে তা-হারদের প্রকার কোন কথা বা লিখনপঠন হইবেক না এবং দেই নিমিত্তে ভাহার। উপযুক্তমতে দূরে পৃথক্থ হইয়া বসিবেক।

কোন সাহায্যবিনা ভাহারদের সকল জিজাসার উত্তর
দিতে হইবেক এবং এনে লিখিতে হইবেক এবং ভাহারদের কোন সাহায্য না হয় এভদর্থে বিদ্যাধ্যাপনের
কৌন্সেলের এক জন কাম্রার মধ্যে থাকিবেন এবং সমস্ক
ইমভিহানের কর্ত্তর করিবেন।

যদি কোন কপট কর্মা হর বা তাহার উদ্যোগ হর তবে অপরাধি ব্যক্তি ইমতিহানহইতে বহিচ্চৃত হইবেক এবং কৌলেলের সাহেবেরদের রিপোর্টের মধ্যে তাহার নাম লেখা যাইবেক না এবং সেই নিমিত্তে সে সরকারী কর্ম্মে নিযুক্ত হইবার অবোগ্য হইবেক।

প্রত্যেক প্রশ্নের গুরুত্তঅনুসারে বিদ্যাখ্যাপনের কৌক্লেল তাহার মুল্যের একি প্রকার হার নিরূপণ করিবেন। যদ্যপি দেই প্রশ্নের ঠিক এবং সম্পূর্ণ উত্তর
দেওরা যায় তবে দেই প্রশ্নের যত চিক নিরূপণ আছে
তাহার সম্পূর্ণ সংখ্যা কৃতকার্য্য ছাত্র পাইবেক কিন্তু যদি
ভাহার অসম্পূর্ণ উত্তর দেওরা যায় তবে বেপর্যান্ত তাহা
ঠিক ও পূর্ণ হয় তাহার হিদাব করিয়া সম্পূর্ণ চিচ্ছের
অংশ দেওয়া যাইবেক। কিন্তু ইমতিহানের সকল
প্রশ্নের সমূদ্রে যত চিক্ছ নিরূপণ আছে তাহার আর্ক্রক
যে ছাত্র না পায় দে প্রধান বৃত্তিভোগির তুল্য জান
হইতে পারিবেক না।

ইঙ্গরেজী ভাষাতে ছাত্রেরদের প্রধান বৃত্তি প্রাপণার্থে এইং বিদ্যাতে নিপুণহওনের আবশ্যক।

ইঙ্গরেজী ভাষার রচনা। পদাকাজ্ফি ব্যক্তির ইঙ্গরেজী ভাষাতে উপযুক্তমতে এদে অর্থাৎ রচনা করিতে হই-বেক।

পুরাবৃত্তের বিবরণ ।—সাধারণ পুরাবৃত্তের প্রধান ২ বিষয় তাহার জানিতে হইবেক এবং গ্রিক দেশ ও রম ও ভারতবর্ষ ও ইঞ্চলও ও ইদানীন্তন ইউরোপের নব্য ইতি-হাদের বিশেষ জাত থাকিতে হইবেক প্রত্যেক বার্ষিক ইমতিহানে পুরাবৃত্তের প্রেণীর বিষয়ে যে প্রীক্ষা হইবেক তাহা পুর্বা বংশরে বা ১৫ জুন তারিথে কি তাহার পুর্বো বিদ্যাধ্যাপনের কৌল্যেলের সাহেবেলা জাত কবিবেন।

সাধারণ বিদ্যা। প্রধান২ গ্রন্থকর্ত্তারদের গ্রন্থইতে মনোনীতকরা গদ্য ও পদ্যের প্রকরণের অর্থ করিছে হইবেক। উত্তর কালে আগামি বৎসরের নিমিত্ত যে গ্রন্থইতে সেইমত প্রকরণ বাচনী হইবেক তাহা প্রত্যেক বার্ষিক ইমতিহানের অন্যুন এক বৎসর পূর্কে বিদ্যাধ্যা-পনের কৌন্দোলের সাহেবেরা ধার্যা করিবেন।

ক্ষেত্রপরিমাণাদি বিদ্যা। বীজগণিত বিদ্যার পিতক সাহেবের গ্রন্থ জাত থাকিতে হইবেক এবং উড সাহেবের বীজগণিত বিদ্যার "অনুমান" এই বিষয়ের অধ্যায় জাত থাকিতে হইবেক। ইউক্লিডের প্রথম চারি গ্রন্থ এবং পঞ্চম গ্রন্থের পঞ্চম ব্যাখ্যা এবং ষষ্ঠ গ্রন্থ এবং একাদশ গ্রন্থের book, and 21 propositions of the 11th book: Plane and Spherical Trigonometry (Hind's, Snowball's or Woodhouse's) and Conic Sections.

Natural Philosophy.—He must have a knowledge of Astronomy, Mechanics, Hydrostatics, Pneumatics and Optics, as treated of in the works noted in the margin,* sufficient to enable him to comprehend Herschell's Introductory Discourse on the study of Natural Philosophy, and Mrs. Somerville's Connection of the Physical Sciences. He must also be acquainted with Mathematical and Physical Geography, as treated of in the publications of the Society for the Diffusion of Useful Knowledge.

Vernacular Essay.—He must write a fair Essay in the Vernacular.

The holders of Senior Scholarships will be examined further in a paper of special test questions, which will be prepared under the direction of the Council of Education for that purpose, and which may include subjects not specified above.

(By order,)

F. J. MOUAT, M. D.,

Secretary.

Council of Education, 25th July, 1845.

NOTIFICATION.

ORDERS BY THE SUDDER DEWANNY ADAWLUT.

APPOINTMENTS.

The 8th August, 1845.

Nuzeerooddeen Mahomed, Moonsiff of Kotulpore, Zillah West Burdwan, to be Moonsiff of Indoss in the same district.

Baboo Thakoordoss Banerjee, Moonsiff of Indoss, to be Moonsiff of Kotulpore.

The 15th August, 1845.

Moonshee Ali Newaz, to be Acting Moonsiff of Begungunge, Zillah Tipperah, during the absence of the incumbent, or until further orders.

LEAVE OF ABSENCE.

The 8th August, 1845.

Baboo Nobinkishen Paulit, Moonsiff of Pingnah, Zillah Mymensingh, from 27th September to the 17th November next, inclusive.

B. J. COLVIN, Offg. Register.

CIVIL APPOINTMENTS.

ORDERS BY THE RIGHT HONOURABLE THE GOVERNOR

FORT WILLIAM.

The 6th August, 1845.

The Governor of Bengal directs that the fol-

* Briskley's Astronomy, or the Astronomy in the Natural Philosophy of the S. D. U. K., Whewell's Mechanics, Webster's Hydrostatics, and Phel's Optics, with the Pneumatics of the S. D. U. K.

২১ প্রস্তাব এবং হাইও ও মোবল এ উভহৌদের রচিত্ত প্লেন এবং কেচরিকাল ত্রিকোণ পরিমাপক বিদ্যা এবং কোনিক দেকস্যান্দ।

পদার্থ বিদ্যা। পশ্চাৎ লিখিত * গ্রন্থে যেরূপ জ্যোতির্বিদ্যা ও শিপ্পবিদ্যা ও দুববস্থার নিরূপক ও বায়ু নির্ক্ত পক বিদ্যা ও দৃষ্টিনিরূপক বিদ্যার জান থাকে সেইরূপ ভাহারদের থাকিবেক অর্থাৎ হর্মল সাহেবের পদার্থ বিদ্যার অধ্যয়নবিষয়ক ভূমিকা এবং বিবি সমর্বিদের প্রকৃতির বিদ্যার সমন্ধ এই দুই গ্রন্থ যাহাতে উন্তমরূপে বুঝিতে পারে সেইপর্যান্ত উপরের উক্ত গ্রন্থ পাঠ করিতে হইবেক। এবং কর্মণা বিদ্যাপ্রতিপোষক দোমৈ-টির প্রকাশিত গ্রন্থের মধ্যে ক্ষেত্রপরিমাণ ও প্রকৃতিসম্প্রক্রিয় ভূগোলীয় বিদ্যা ক্ষানিতে হইবেক।

এতদেশীয় এসে। এতদেশীয় ভাষাতে উপযুক্ত এসে অর্থাৎ রচনা লিখিতে হইবেক।

প্রধান বৃত্তিভোগি ছাত্রেরদের আরো বিশেষ জিজাসার ইমতিহান দিতে হইবেক তাহা বিদ্যাধ্যাপনের
কৌন্সেলের সাহেবেরদের নিরূপিভানুসারে প্রস্তুত্ত
হইতে পারে। উপরে যেথ বিষয় দেখা গেল তাহাছাড়।
বিষয় তাহাতে থাকিতে পারিবেক।

छ कूम ज्ञरम ।

এফ জে মৌআট । বিদ্যাধ্যাপনের সেক্টোরী।

বিদ্যাখ্যাপনের কৌলেল। ১৮৪৫। ২৫ জুলাই।

বিজ্ঞাপন।

সদর দেওয়ানী আদালতের ত্রুম। নিয়োগ।

১৮8¢ माल ৮ आश्रे।

জিলা পশ্চিম বর্দ্ধমনের কোতোলপুরের মুনসেফ প্রীযুত নজীকৃদ্দীন মহ্মদে ঐ জিলাতে ইন্দাস স্থানের মুনসেফ হইবেন।

ইন্দাস স্থানের মুনসেফ শ্রীযুত বাবু ঠাকুরদাস বাঁড়্য্য। কোভোলপুরের মুনসেফ হইবেন। ১৮৪৫ সাল ১৫ আগফী।

জিলা ত্রিপুরার বেগমগঞ্জের মুনসেকের অনুপর্ন কিয়া অন্য তকুম না হওনপ্রয়ত প্রযুত মুনশী আগী নেওয়াজ ঐ স্থানের এক্টিৎ মুনসেক ছইবেন।

छूछी।

১৮৪৫ সাল ৮ আগফ।

জিলা মরমুনসিংহের পিজনার মুনসেক এযুত বাবু নবীনকৃত্তপালিত আগামি সেপ্টেয়র মাসের ২৭ তারিথ-অবধি নবেয়র মাসের ১৭ তারিথপর্যান্ত ছুটা পাইরা-তেন।

> বি জে কলবিন। এক্টিৎ রেজিউর

রাজকর্মে নিয়োগ।

বাঙ্গলা দেশের শ্রীযুত রাইট অনরবিল গবর্নর্
দাহেবের হুকুম।
ফোট উলিয়ম।
১৮৪৫ দাল ৬ আগেন্ট।

राक्रला म्हरणात श्रीयुक शरहनत् मारश्त छक्रम कहिरक-

* ব্রিক্ষলি সাহেবের জ্যোতির্বিদ্যা গ্রন্থ কিয়া কর্মাণা বিদ্যা প্রতিপোষক দোদৈটির পদার্থবিদ্যার পুস্তকের মধ্যে জ্যোতির্বিদ্যা। এবং শিপ্পবিদ্যাবিষয়ে হিউএল সাহেবের পুস্তক ও দুববন্দু নিরূপক বিদ্যাবিষয়ে উএবন্টর সাহেবের পুস্তক ও দুর্ফিনিরূপক বিদ্যাবিষয়ে ফেল সাহে-বের পুস্তক এবং বায়ু নিরূপক বিদ্যাবিষয়ে কর্মাণ্য বিদ্যা প্রতিপোষক সোদৈটির গ্রন্থ।